

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

948] नई विल्लो, शनिवार, विसम्बर 1, 1984 (अग्रहायण 10, 1806) 48] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 1, 1984 (AGRAHAYANA 1986)

हस भाग में भिषत पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संखलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to thin Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माय Ш—खब्द 1

[PART III—SECTION 1]

नेवाधानकों, नियन्त्रक और नहाने बापरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और नारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं बीट्यांग्य issued by the High Charts, the Comptroller and Auditor General, the Union "lic Service Commission, the Indian Government Ballways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

विल्ली-110011, दिनांक 10 अस्तूबर 1984
32011/1/83-प्रणा०-1—संघ लुक्क सेवा आयोग
में के० स० मे० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायो
शिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 28-8-84 से
तक्ष अथवा अग्रामी आदेशो तक जो पहले हो
निम्नलिक के गेंद्र 1 में अवर मनिव के पद पर तदर्थ आधार
पर स्थामीपन्त रूप से सार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया
जाता है

्र में अधिकारियों के नाम 1. श्री बी० एन० अरोड़ा 2. श्री आई० पी० तुझां 3. श्री के० एल० सूरी 4. श्री बी० डी० शर्मा

दिनांक 23 अक्तूबर 1984

सं० ए० 32011/1/83-प्रधा-1---संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवगं के अनुभाग अधिकारी, श्री मुकुल चटजी को राष्ट्रपति द्वारा 18-9-84 से 1-11-1984 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो के० स० से० के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पर तदर्य आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्प नियुक्त किया जाता है।

संदेशक अधिसूर्यना दिनांक 28-7-1984 के अनुक्रम में के सिन से के के स्थायों ग्रेड I अधिकारी श्री एल० वी० सिनाट को राष्ट्रपति द्वारा 20-9-1984 से तीन मास की अवधिके लिए अथवा जागामी आदेशों तक, भी भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त खिया जाता है।

एम० पी० जैन अवर सम्बिन (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्लैंरे-110011, दिनाक 20 अक्तूबर 1984 शुद्धि-पन

सं० ए 320/3/484 प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधि-सूचना दिनांक 9 अक्तूबर, 1984 में सबसे ऊपर दर्शायः ेगई संख्या $\eta 32013/4/83$ -प्रशा०-II की बजाय, ''ए 32013/4/84-प्रशा०II'' एकी जाय ।

दिनांग 23 अक्तूबर 1984

मं० ए० 32018/4/83-प्रणा०-II—इम सार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 4 अगस्त, 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयीग एनद द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी प्रोग्राम सहायक सह-कंसोल आपरेटर सर्व श्री डीं० आर० आनन्द और बीं० के० बोहरा को आयोग के कार्यालय में 13-10-1984 से 12-1-1985 तक आगामी तीन महीने की अवधि के लिये अथवा नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, प्रोग्रामर (ग्रुप क), के पद पर चियुक्त करते हैं।

यह नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन के अध्यर्धान है।

प्रोग्रामर के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तद्दर्थ आधार पर है और इसमें उन्हें पद में नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> विजय भल्ला, अनुभागे अधिकारी (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंद्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो तर्इ दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

मं० 3/33/82-प्रशा०-I—श्री अजय प्रसाद आईं० पी० एस० (प० बंगाल 1969) को वित्त मंत्रालय के अधीन गठित चतुर्थ वेतन आयोग में उप सचिव के पद पर नियुक्त किए जाने के कारण इस कार्यालय में दिनांक 5 नवस्वर, 1984 के पूर्वाहन में महायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद से प्रमुक्त किया जाता है।

िएस० के० मल्लिक, व्यामहा निदेणक

महा निदेशालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बन

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 नवम्बर 1984

सं० ई-32015(4)/67/84-क्यामिक-I—राष्ट्रपप्ति, श्री के० एम० बालगोपाल, सहायक कमांडेंट, (तदर्थ) के० ओ० मु० ब० प्निट एम० ए०पी०पी० कलपक्कम को 31 अगस्त, 1984 के अगराह्म में निरीक्षक कार्यपालक के रैंक में प्रत्यावर्तित करते हैं। निरोक्षक कार्यपालक रूप में प्रत्यावर्तित होने पर उन्हें के०औ० सु० ब० यूनिट, दक्षिणी क्षेत्र (प्रशिक्षण रिजर्व) में तैनात किया गया है।

दिनांक 30 अक्तूबर 1984

सं० ई-32015 (3)/1/84-क्सामिक---राष्ट्रपति, श्रीः एन० सी० सूद को श्रीन्तित पर, 4 मई, 1984 के पूर्वाह्न से 26-9-1984 तक की अवधि के लिये या ऐसी अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० सु० ब० यूनिट, एम०पी०टी० मद्रास कापूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थाई रूप से उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अक्तूबर 1984

संव ई-32015 (4)/159/84-कार्मिक-1---राष्ट्रपति, श्री आरं विश्व राय की, प्रोन्नित पर. 27 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म में 6 माह की अवधि के लिये या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले ही पूर्णतमा, तदर्थ और अस्थाई आधार पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली को सहायक कमांडेंट (भर्ती व प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/128/84-क्शॉमक्-ॉ---राष्ट्रपति, श्री मदल मोहल को, प्रोन्नित्रिपर 18 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया में सहायक कमांडेंट्र के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1984

सं० ई-16013(2)/14/84-कार्मिक-1---प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री एच० आर० कटारिया, भा० पु० से० (आंध्र प्रदेश : 75) ने 10 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली में कार्यभार संभान लिया। उन्हें के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी० विशाखापट्टनम में तैनात किया गया था जहां उन्होंने 27 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से कि० औ० सु० ब० यूनिट बी० एस० पी०, विशाखापट्टनम, के कमांडेंट, के पद का कार्यभार संभान लिया [.]

> (ह०) अपठनीयः महा निदेशक/के०औ० सु०ब०

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग) प्रति भूति कागज कारस्त्राना होशंगाबाद, दिनांक 23 अक्तूबर 1984

मं० पी० डी०-3/7503---इस कार्यालय के अधिसूचना कमांक, पी०डी०-3/694, दिनांक 13/4/84 के तारसम्य में श्री एस० के० आनन्द की, वेतनमान ६० 840-40-1000-द० ग्रा०-40-1200 में सहायक कार्य प्रवन्धक के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि विनांक 1-9-1984 से 27-11-1984 तक इनमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

दिनांक 7 नवम्बर 1984

सं० 7(59)/7700—इस कार्यालय के अधिसूचना कमांक 7(59)/13630, दिनांक 11-3-83 के तारतम्य में श्री राज कुमार की रू० 840-40-1000-द० श्र०-40-1200 वेतन-मान में सहायक मुख्य रसायनज्ञ के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-12-1983 तक और वढ़ाई जाती है।

दिनांक 8 नवम्बर 1984

सं ०7(59)/7707—-श्री राज कुमार तदर्थ सहायक मुख्य रसायनज्ञ को ६० 840-40-1000-द० श्र०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 6-8-1984 से निर्यामत आधार पर नियुक्त किया जाता है।

बे दो वर्ष का अवधि क लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

श० रा०पाठका महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल

बम्बई,दिनांक 17 सितम्बर, 1984 आवेण

सं० 176—विभागीय पदोन्नित समिति (समूह "ख") की दिनांक 18-8-1983 को हुई बैठक में की गई सिफारिण पर, महा प्रवन्धक, भारत सरकार, टकसाल, बम्बई, प्रसन्ततापूर्वक निम्नित्सित अधिकारी की दिनांक 18-8-1983 से उनके नाम के सामने दिये गये पद पर नियमित रूप से पदोन्नित करते हैं :—

- ा. श्रो टो० पी० के० रामन, प्रशासन अधिकारी
- 2. श्री के० आर० कुंजण्पन, लेखा अधिकारी
- 3. श्रो सा० एस० मांद्रेकर, बुलियन रिजस्ट्राय
- 4. श्री एम० एस० चारी, अध्य और भंडार अधिकारी ृवी० राममूर्ती मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी ,**कृते** महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षक विभाग निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक्ष 12 नवम्बर 1984

सं० प्रशासन-I/का० आ० सं०/274—इस कार्यालय के स्थानापन्त लेखा परीक्षा अधिकारी एवं स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री राजेन्द्र नाथ क्रिखा का दिनांक 26-10-84 की देहावमान हो गया और इस कारण से उनका नाम इस कार्यालय के नामाधर्ला में से दिनांक 27-10-84 में निकाल दिया गया है।

श्री तिखा की जन्म निथि 15-8-1936 है तथा वे सरकारी सेवा में 7-4-1958 को भर्ती हुए थे।

> ह०/अपठनीय उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)**प**०प्र० ग्वालियर, दिनांक 31 अपत्बर 1984

क्रमांक/प्रणासन-II/ले० प० अ०/पदोन्नित/262/487--महालेखाकार, (ले० प०) प्रथम, म० प्र० ने निम्निलिखत सहायक लेखा परोक्षा अधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद परवेतनमान ६० 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाये कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया गया है:---

नाम आवंटन स्थायी कार्यभारप्रहण क्रमांक करने का दिनांक

श्रांटी० मी० गुप्ता म०ले० (ले०प०) 01/325 5-10-84 द्विनीय, भोपाल अपराह्न

(प्राधिकार: महालेखाकार (ले॰प॰) प्रथम के आदेश दिनांक 29-9-1984)

> ह०/श्रपठनीय उप महा लेखाकार (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1984 आयात एवं निर्यात ब्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/909/70-प्रशासन (राज०) — संयुक्त मुख्य नियंत्रकः-आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री जे० कालटन सेम्युल, नियन्त्रक सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 30-9-84 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एम० एल० जयन्म उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक ,23 अक्तूबर 1984

सं० सी० ६० आर०/3/84/9—सूती बस्त्र (नियन्त्रण) आदेश 1948के खण्ड 22मे प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिमूचना सं० सी० ६० आर०/3/69, दिनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नोक्त अतिरिक्त संगोधन करता हूं, अर्थात :—

उन्त अधिसूचना में:----

परिच्छेद आठ का उप-परिष्छेद 2 (ए) निम्नोक्त रूप से पहने के लिये प्रतिस्थापित किया जाएगा:--

"2 (ए) प्रयुक्त अक्षर तथा अंकों की ऊंचाई (1) परिच्छेद दो, दो ए (1), दो बी, तीन, तीन ए, बीन बी, तीन सी, तीन डी, तीन ई, तीन ई ई, तीन एफ, चार, पांच तथा सात (कोन के अलावा) में निर्दिष्ट मार्किंग के लिए एक से॰ मी॰ (2), परिच्छेद छः और सात ए (कोन के अलावा) में निर्दिष्ट मार्किंग के लिए को तथा (3) परिच्छेद सात और सात ए में निर्दिष्ट कोन में पैक हुए याने पर किए जाने वाले मार्किंग के लिये एक चौथाई सेंटीमीटर से कम नहीं होगी।"

दिनांक 24 अक्तूबर 1984

मं० 5(2)/84/सी० एल० बॉ/10—इतिम रेशम वस्त्र (उत्पादन एवं वितरण) नियन्त्रण आदेश, 1962 की धारा 9 के साथ पढ़ी जोने वाली धारा 4(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद् हारा वस्त्र आयुक्त को अधिसूचना सं० 5(2)/81, सी० एल० बी० II, दिनांक 23 नवम्बर, 1981 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं अर्थात् :—

उपरोक्त अधिसूचना में, धारा पांच के बाद निम्नलिखित परम्तुक जोड़ दिया जायेगा:---

"कृतिम रेशम सूत के कीन या चीज मे पैक होने की स्थिति में, शब्द अथवा अंक ऊंचाई में एक सेंटीमीटर के चौथाई हिस्से से कम नहीं होने चाहिए।

दिनांक 30 अक्तूबर 1984

सं० ई० एस० टो०-एक-37(6)/84/5624—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री के० एस० देसीकन, वस्त्र आयुक्त कार्यालय के तदथं निवेशक (सी०पी०) को दिनांक 10 अक्तूबर, 1984 से अगले आदेशों तक नियमित निवेशक, (सी०पी०) के रूप में उसी कार्यालय में सहवं नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अक्तूबर 1984

सं० ई० एस० टी० एफ- 37(9)/84/5638--श्रीमान राष्ट्रपि, श्री अमरेन्द्र कुमार वर्मा, वस्त्र आयुक्त कार्यालय के त्रवर्थ निदेशका (एन० टी०) की दिनांका 10 अक्तूबर, 1984 से अगले आदेशों तक नियमित निदेशक (एन० टी०) के रूप में उसी कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सु० राममूर्ति वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंद्रालय औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तुबर 1984

सं० ए-19018(105)/73-प्रशा०(राज०)खण्ड-2— राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना के उप निदेशक (हीजरी) श्री एस० एन० वाष्णीय को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 अगस्त, 1984 (अपराह्म) से, सरकारी सेवासे सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए-19018(264)/76-प्रशासन (राज०)----राष्ट्रपति, लघु उद्योग, सेवा संस्थान, विचूर के सहायक निदेशक (इलैक्ट्रा-निकी) श्री के० वासुदेवन को दिनांक 18 अप्रैल, 1984 (पूर्वाह्म) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (इलैक्ट्रानिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ए-19018(262)/78- प्रणा०(राज०)---राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (कांच/मृत्तिका) श्री एम० बी० रेड्डी को उसी संस्थान में दिनांक 26 अप्रल, 1984 (पूर्वाह्म) से, अगले आदेशों तक, तवर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (कांच मृत्तिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (655) / 82-प्रशासन (राज०) — राष्ट्रपति, क्षेत्राय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के अधान फील्ड टेस्टिंग स्टेशन, मदुरई के सहायक निदेशक ग्रेड-2 (इलैक्ट्रानिकी) श्री पी० डी० राधाकृष्णन को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31 अगस्त, 1984 (अपराह्म) से, सरकारो सेवा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए-19018(704)/84-प्रशा० (राज०)---जनकी तदर्थ नियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री एस० आर० भट्टाचार्य ने, दिनांक 13-7-1984 (अपराह्न) से क्षेत्रीय परीक्षण केद्र, नई विल्ली के अधीन क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, देहरादून में सहायक निदेशक, ग्रेड II (विद्युत) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018 (753) /84-प्रमा० (राज०) — राष्ट्रपति, भारतीय आधिक सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री पी० एन० राममूर्ति को, दिनांक 1-10-1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में, उप निवेशक (आधिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निषटान महानिदेशासय (प्रशासन अनुभाग- 6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 अक्तूबर, 1984

सं० ए-17011/288/84-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरों) और स्थानापन्न कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री सुर्जात कुमार घोष को दिनांक 28 सितम्बर, 1984 के पूर्वीह्न से आगामा आदेशों तक निरोक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरोक्षण अधिकारों (इंजीनियरों) के पद पर नियुक्त किया है।

मोहन लाल कपूर, उप निदेशक (प्रशासन), कुते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्लो-1, दिनांक 29 अक्तूबर, 1984

मं ० ए-1/(785):—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्लों के कार्यालय में स्थाई कनिष्ठ प्रगति अधिकारो तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेज-1) श्रो मुकुट बिहारो लाल का दिनांक 28-10-1984 को देहान्त हो गया।

एस० एल० कपूर, उप निदेशक' (प्रकासन)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 अक्तूबर, 1984

सं० 7480 बी/ए-19012(1-ए० एच०)/83-19ए--- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री असफार हकीम की सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में; 650/- प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 30-8-1984 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

सं ए०-19011 (187)/84-स्था ए०--राष्ट्रपति श्री व्हो ० के ० अरोरा, स्थायो सहायक खान नियंत्रणक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25-9-1984 के पूर्वाह्न से 6 माह के लिए तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

विनांक 6 नेवम्बर, 1984

सं० ए० 19011(180)/75-स्था० ए०---राष्ट्रपति श्री आर० राजगोपाल, स्थाया सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 8-10-84 के पूर्वाह्मीसे 6 माह के लिये तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी,

नागपुर, दिनांक 5 नवम्बर, 1984

सं० ए-19012(175)/83-स्था० ए०/पोपी--निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्रो पी० वी० पुरोहित, सहायक प्रणासन अधिकारी को 31 अक्तूबर 1984 के अपराह्म से भारतीय खान व्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

पी०पी० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय खान ब्यौरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर, 1984

सं० ए० 19018/8/83-के० स० स्वा० यो०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेणक ने डा० (कुमारी) कृष्णामूर्ति साविद्या को 25 अगस्त, 1984 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (फिजीणियन) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

े टी० एस० राव, उप निवेशक प्रशासन (के०स०स्वा०यो-I)

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

संव 12025/4/81 (मुख्यालय)-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री श्रोवर्गाव गृष्ता को 19 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से आगामा आदेशों तक स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय, नई दिल्ला में सहायक महानिदेशक (भंडार) के पद पर अस्थाया आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> पी० एन० ठाकुर, उप निदेशक प्रशासन, (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंद्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध ग्रौर संग्रह निदेशालय फरोदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1984

सं० 7-18/84-प्र० अ० प्रथम:— वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार इस निदेशालय के श्री सो० एस० ग्रोवर वरिष्ठ तकनीको सहायक (ई) को 11-10-84 (पूर्वाह्न) से 31-12-1984 (अपराह्न) तक वनस्पति संगरोध तथा प्रधूमन केन्द्र, बनगांव में रु०650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक कीट विज्ञानी के राजपवित पद पर तदर्थ आधारपर नियुक्त, करते हैं।

एस० पी० कुटार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरोक्षण निदेशालय

फरोदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

सं० ए०-19025/10/84-प्र०-III--इस निवेशालय के अधीन फरीदाबाद में श्री ए०टी० शंकर, सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग I) के द्वारा दिया गया त्याग पत्न सक्षम प्राधिकारी द्वारा 5-10-84 के अपराह्न से स्वीकृत किया गया है।

सं ए-19025/12/84-प्र० 1II--इस निदेशालय के अर्धान फरीदाबाद में श्रो एस०के० जैना, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के द्वारा दिया गया त्याग पन्न सक्षम प्राधिकारी द्वारा 15-9-84 के अपराह्म से स्वीकृत किया गया है।

सं० ए०-19025/18/84-प्र० III--संघ लोक सेवा आयोग को संस्तृतियों के अनुसार कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्रो प्याम सुन्दर बारिक को इस निदेशालय के अधीन पटना में 10-9-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारा (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जे० कृष्णा, निदेशक, प्रशासन, कृते कृषि विपणन ससाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दमाहर, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

सं क्रक न ० प० वि० प० | भर्ती | 12 | 84 | एस | 10508 - नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना के परियोजना निदेशक, भारी पानी परियोजनाएं बम्बई के स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी, श्री सी० को ० पिरले को, ६० 650-30-740-35-880-६० रो०-40-960 के वेतनमान में 17 अक्तूबर 1983 (अपराह्न) से स्थानापस सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। उनका स्थानान्तरण

न्यू क्लियर पावर **बोर्ड** बम्बई को हो जाने पर उन्होंने इस परियोजना में सुरक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार जून 19, 1984 के अपराह्न में छोड़ दिया ।

> आर० के० बालो, मुख्य प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1984

सं० 05012/म्रार/5/4240—भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, श्री एम० सत्यनारायण, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी को 28 ग्रगस्त, 1984 से मागे आदेश होने तक के लिए भारी पानी संयस (तूतीकोरिन) में स्थाना-पन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी, प्रशासन श्रधिकारी

श्रंतरिक्ष विभाग विक्रमद्भेसाराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरवनंतपुरम-22, दिनांक 15 भ्रक्तूबर 1984

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ/1 (17)—नियंत्रक, वी० एस० एस० सी० ग्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित व्यक्तियों को रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/— के वेतनमान में, उनके नामों के सामने दिये व्यौरे के ग्रनुसार स्थानापन्न रूप में प्रवोन्नत करते हैं।

——— कम सं०	नाम	पदोन्नत पद	लागूतारीआ
1. श्री	पी॰ भार॰ सांबमूर्ती	सहायक कय अधिकारी	1-9-198 4 (पूर्वाह्न)
2. श्री	के० सोमराजन पिल्लै	सहायक प्रशासन श्रधिकारी	13-9-1984 (पूर्वाह्म)
3. श्री	एन० विजयन	सहायक लेखा ग्रधिकारी	13-9-1984 (पूर्वा स)
4. श्री	टी० शिवकुमार	सहायक लेखा भधिकारी	24-9-1984 (पूर्वा ह्न)

विनांक 18 भक्तूबर 1984

सं वि एस० एस० सी०/स्था/ए/84/निदेशक, वी० एस० एस० सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिस्वनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर ६०650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के ग्रेड में जनके

नामों के सामने दिये गये तारी	खों से केवल	ग्रस्थायी र	ष्प में <mark>भागामी</mark>
भ्रादेश तक नियुक्त करते हैं।			

ऋम सं०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति की तारी ख
	श्री/श्रीमती		- 103.5
1.	मुत्तु प्रभाकरन .	ई० एल० एस०	18-6-1984
2.	एम० कृष्ण कुमार	ई० एल० एस०	27-6-84
3.	हेलन बेसिल	भाई० स्नार० एस	12-7-84
4.	एम० नारायणन नंपूर्तिरि पाड	- सी०र्जी०डी०	16-7-84
5.	डी० प्रकाश पै .	ई० एल० एस०	31-8-84
6.	एस० मुकेश कुमार	एस० एम० डी०	24-9-84

जी० मुरलीधरन नायर, प्रशासन भ्रधिकारी $-\Pi$ (स्था०), कृते निदेशक, बी० एस० एस० सी०

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1984

सं० 1/85/84-स्था०:--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यंवेक्षक, श्री श्रार० के० गोस्वामी को नियमित स्राधार पर 22 स्रगस्त, 1984 के पूर्वाह से प्रगले श्रादेशों तक नई दिल्ली **णाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात** प्रबधंक नियुक्त करते हैं।

र० क० उक्कर, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 5 नवम्बर

सं० 16/417/84-स्थापना-1-संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली की सिफारिश पर ग्रध्यक्ष वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, डा० निर्मल मुधीर कुमार हर्ष को वन ग्रन्-संधान संस्थान एवं महाविद्यालय के ग्रन्तर्गत रोग कीट सर्वेक्षण जबलपूर में श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर दिनांक 31-1-84 की पूर्वाह्न से भ्रागामी भ्रादेश होने तक ग्रस्थाई रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 16/428≰84-रथापना-1---संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिण पर श्रध्यक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून श्री परमजीत सिंह को वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय देहरादून के अन्तर्गत क्षेत्रीय वन अनुसंधान केन्द्र, जबलपुर में भ्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 28-6-84 की पूर्वाहर से म्रागामी म्रादेश होने तक श्रस्थाई रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

> गुरबख्श सिंह ग्रोबर, भूल सम्बद्ध वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

ऊर्जा मंत्रालय कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद विनांक 9 नवम्बर 1984

सं० एस० भार० पी० 8(25) 67--कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली, 1949 के नियम 5 के अन्तर्गत उप-नियम (1) (ए) में दिए गए भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, साथ ही दिनांक 22-12-1975 को जारी की गई इस कायलिय की म्रधिसूचना संख्या-पी 8(25) 67 के म्रधिकमण तथा उसके उत्तर-वर्ती संशोधन के कम में, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाह-कार समिति ने दिनांक 25-4-1984 की बैठक में निम्नलिखित सदस्यों की एक वित्तीय उप-समिति गठित की है :---

- 1. कोयला खान कल्याण आयुक्त, धनबाद
- -प्रध्यक्ष

2. कार्मिक प्रमुख कोल इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता ।

नियोक्ता प्रतिनिधि--सवस्य

श्रमिक प्रतिनिधि -सदस्य

- 3. निदेशक (पी०), बी० सी० सी० एल०, धनुबाद ।
- 4. श्री दामोदर पाण्डेय, संयुक्त महासचिव, इंडियन नेशनल माइन वर्क्स, फेडरेशन, हजारीबाग ।
- श्री हितनारायण सिंह, महा सचिवः हिन्द मजदूर सभा, (एच०एम०एस०), कोइरी बांध पोस्ट-मरिया, बिहार ।
 - -सहयोजित सदस्य
- उप-वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार, ऊर्जा मंद्रालय, कोयला विभाग, नई दिल्ली।

ग्रार० एस० शिवानी, कोयला खान कल्याण श्रायुक्त, धनवाद

नौवहन भौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय बम्बई-400 038, दिनांक 5 नवम्बर 1984

सं० 23–टी० ग्रार० (2)/80—नौवहन महानिदेशक लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल ग्रौर इंजीनियरी कालेज, बम्बई में 1 दिसम्बर, 1980 से तदर्थ श्राधार पर रडार सिम्युलेटर तकनीशन के रूप में काम कर रहे श्री एस० के० सिन्हाको 5 ग्रक्तूबर, 1984 से नियमित ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ग्रमिताभ चन्द्र, नौवहन उपमहानिदेशक

पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह प्रलीपुर,

कलकत्ता, दिनांक 31 मक्तूबर 1984

संव जी ० – 85/एस० श्रो० – संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुति पर महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता निम्नलिखित विज्ञान सहायक (विद्युत), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को विक्षान श्रधिकारी (विद्युत) के रूप में नियुक्ति का अनुमोदन करते हैं जो कि प्रत्येक के सामने दर्शाये गए दिनांक से श्रस्थायी रूप में किसी दूसरे श्रादेश के जारी न होने तक लागू रहेगा।

ऋम न सं०	ाम	नियुक्ति	की तारीख	
2 শ্বী	उत्तरायण से सुभात कुमार भ्रशोक कुमार	चक्रवर्ती	12-4-84 26-7-84 20-8-84	(पूर्वाहर)

जे० एम० भट्टाचार्य उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, स्थान द्या कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विकि वोर्य

कम्मणियों के पश्चिल्ट्रार का कार्यासम

शिलांग दिनांक 26 अवतूबर 1984

सं जी पी | 91 | देव आर | 915 | 560 (5) | 3208 -- कम्पनी भिष्ठित्यम , 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसारण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स मनीपुर कमिण्यल यूनियन लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रौर मेसर्स श्रशोका रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग दिनांक 26 ग्रन्त्बर 1894

सं० जी० पी०/टेक्नी०/आर/1688/560/(3)/3218— कम्पनी श्रिधिनियम 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स श्रशोका रोडवेज प्राहवेद लिमटेट का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी कम्पनी अधिनियम 1956 श्रोर मेसर्स श्रासाम पोलीमर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलाग, दिनांक 26 ग्रक्तूबर 1984

सं० जी०पी०/टेक्नी०/ग्रार/1368/560(3)/3221—
कम्पनी श्रधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3)
के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के ध्रवसान पर मेसर्स श्रासाम पोलीमर प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

डी० एन० येगू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर सूपिरीयर ट्रान्स-पोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1984

सं० 4419/560/84—कम्पनी अधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनों दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सूपीरियर ट्रान्सपोंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत कन किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रष्ठिनियम, 1956 भौर रेनुका ट्रान्सर्पोट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

सं० 3759/560(5)/84—कम्पनी श्रिव्रिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना वी जाती है कि मेसर्स रेनुका ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्न कम्पनी विघटित हो गयो हैं।

> कम्पनी प्रधिनियम, 1956 औँ सिकवास प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 ग्रम्तूबर 1984

सं० 5719/560(5)/84-- कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि विकथार्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है धौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कामायि रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

सं० 4191/560(5)/84—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कामाचि रोडवेज प्राक्ष्वेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है ।

> कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर बाल फैंबरिनस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मधास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984.

सं० 6609/560(5)/84—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि बाल फेबरिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विधट्टित हो गयी है।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर हरोड कोयमबतूर सर्विस प्राइवेट लिभिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

सं० 695/560(5)/84— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इरोड कोयमवतूर सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर क्वालिटी डैयरी इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984 सं॰ 3375/560(5)/84——कम्पनी श्रधिनियम, 1956

स० 3375/560(5)/84—कम्पना म्राधानयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा मुचना दी जाती है कि क्वालिटी डेगे इन्डसट्टीज श्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज में रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कस्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर अलूर मोटर्स कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्राम, विनांक 6 त्वम्बर 1984

सं० 4236/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा 2—346GI/84 सूचना दी जाती है कि प्रलूर मोटर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> वी० ए० विजयन कम्पनियंं का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर एम।लगमेंगेट मागनेट यैयरम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलोर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

सं० 4588/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इम दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर एमालगेमेंट मागनेट वैयरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर पटेल प्रसीसन इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

वंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

मं० 3209/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के प्रवसान पर पटेल प्रसीसन इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पणी विधटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलोर, दिनांक 7 नवस्वर 1984

स्त 1845/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मैन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा प्रीट उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

वै० सतनारायण कम्पनियों का रजिस्ट्रार कन टैंटक कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मे० शिप्रा लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । ग्वालियर, दिनांक 30 श्रक्तृबर 1984

सं० 1473/पी० ए.प.०/ सी० पी०/4113---कम्पनी श्रधि-नियम 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्तगंत एसव्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मे० शिप्रा लेवसं प्राईवेट लिमिटेड देवास का नाम, यदि इसके विरुद कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मे० गोंडवाना पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनाक 12 नवम्बर 1984 सं 1922/पी० एस०/सी० पी०/4185—कम्पनी श्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्तंगत एतद्द्वारा स्चित किया जाता है कि इस स्चना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मे० गोंडवाना पिंकनकेशनस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जावेगा एवं कथित कम्पनी समान्त हो जायेगी।

एर • करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर कार्यालय, ध्रायकर प्रायुक्त, ध्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 30 ध्रक्तूबर 1984

सं० 506—श्रद्वयांकित श्रायकर श्रधिकारी की पुष्टि श्रायकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या 3 में श्रंकित तिथि से हुई हैं :-

क्रम सं०	भ्रानकर अधिकारी का नाम, पदनाम श्रोर कार्यरत स्थान	पुष्टि की तिथि	रिक्स कैसे हुई
1	2	3	4
1.	श्री सीवेणुगोपालः, श्रीयकर श्रधिकारी जी० वार्ड, विजयवाडा	1-9-1984	श्री पी०सिंगा राव, श्रायक्षर श्रिष्ठिकारी के सेवा निवृति से

2. पुष्टीकरण की तिथि पार्क्व तिथि में ध्राशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना ध्रावश्यक समझा जाए।

> वी०वी० एस० शास्त्री श्रायकर ग्रायुक्त आन्ध्र प्रदेश

सी० आर० सं० 12/स्थापना/84

<mark>्रयक्ष नार्दे</mark>, टी. एन्. एस्_{र र स}्रस्त

बायक व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन स्चना

भारत'सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० संख्या डी-49/एकवी०---यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी मं० महान नं० सी०-21/4 काहिस्सा मलदिहया, हबीबपुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है), राजस्ट्रीकार्त अधिवारी के दार्यालय' वाराणसी राजस्ट्रीकरणअधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-3-1984

को पृबािकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक एम में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अध्य की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में रिविधा के लिए; अर्र/या
- (च) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, जिम्लिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती ऊषा रानी उर्फ श्रीमती उषा रिवसेन 2. श्रीमती देविया रानी उर्फ श्रीमती देविया रमन 3. श्रीमती सरिता रानी उर्फ श्रीमती सरिता अग्रवाल। (अन्तरका)
- (2) श्रीमती धन्नोवाई

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी बाधीप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्लाक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकींगे।

-पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचा

मकान नं सी०-21/4का हिस्सा स्थित मलदहिया, हबीबपुरा, बाराणसी मय भूमि पैमाईसी 5655 वर्ग फिट जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोजनी अधिकारी बाराणसी के कार्यालय में दिनांक 20-3-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) खर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांबा : 5-9-1984

मोहर 🤋

त्रस्य बाह्रं, टी. एन. एस. -----

कायकर कविनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (4) के ज्वीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कुलकत्ता

क्लक्ता, दिनांक 23 अन्त्बर 1984

निदेश सं० ए० सी/०82/एक्बी हैंज-11/कल०/1984-85---यतः मुझे, एस० के० बतार्जी,

णानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास वारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट 27 ए है तथा जो संस्ट लेक सिटी, सेक्टर-1, ब्लाक सी० डी० में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से बणिन हैं, रिजिस्ट्री क्वी की कार्या के कार्यालय, एस० आर० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण, अधिवियम 1908 (1908 वरा 16) के अधीन, दिनोंक 30-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ' किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करन मा उससे अजने भी सविधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय झाय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत लिपिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिएपान में सिवधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की थारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियां अधीतः :--- (1) उमा सेनगुप्ता।

(अन्तरक)

(2) सिता एन० वगरिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स्यूष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरों के फास निश्चित में किए बार्सकों ।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही भर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

जग्तुची

जमीन : 5.3016 कठा जमीन के साथ मकान ।

पता —प्लाट--27ए, ब्लाम-सी०डी०, सेक्टर-1 सल्ट
लेक सिटी ।

दलील संख्या--एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आइ-3847 ।

> एस० के० बनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥/कलकाता 54, रफी अहमद किदवर्ष रोड, क्लक्ता-16

दिनांश: 23-10-1984

प्ररूप नाइ'. टी. एन . एस -----

भायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा १८९-१ (1) के अधीन पुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिशांक 19 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए-269/84-85/टो॰ एस॰ के॰/935-36 अतः मुझे, इ० जे॰ मौलंग, आएकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/- ६० सं अधिक है

और जिसकी संव हम नम्बर 554 पाट्टा नम्बर 22 है तथा जो हिजुगुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के सार्यालय तिनसुकिया में, रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकेल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्ननिक्षित उद्देश्य में उसा प्रन्तरण तिक्वित में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, किएन म सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) श्री मदल प्रसाद शाह , भास्टर पारा डिक्रूगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्ना बरा, हिजुगुरी, तिनसुकिया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में. टिया गया है।

अनुसूची

जमोन का नाप 2 कट्ठा 16 1/2 लेसा डेग नम्बर 554 (इस्तानंपार्ट) और पाट्टा नम्बर 22 (खाका) हिजगुड़ी के ए० टो० रोड, तिनसुकिया में स्थित है।

इ० जे मौलंग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जने रेंज, शिलांग

दिनांक : 19-10 -1984

Escale and the second

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निर्दाक्षण) अर्जन रोज-2. बम्बर्क

बम्बहै, दिनांक 14 मई 1984

निवेश सं० अर्र-2/37ईई/3163/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अञ्जास अभिवंः,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरुमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जिस्सावर सम्बंधित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसका संघ 510 बामाला, प्लाट नंव सीव-3. बलाबा "ई" बांद्रा कुली वर्माणयत काव्येक्स, बांद्रा (पूर्व), बग्बई-51 में स्थित है (और इमेश उपायह अनुमूजों में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करायतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अवीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याज्य में गिलस्ट्री है दिनांक 5-3-84,

को पूर्वांवत अंग्पित्त के उचित बाजार मृत्य स काम के दश्यक्षान शितफल के निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वांवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान अतिफल से, एसे ख्यमान अतिफल का पंद्रह अतिरात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण सिचित में भारतिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुं इं किसी जाय की जावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर याने के जनतरक के योजित्य में कभी करने या उससे यचन में सुनिया के लिए; जोर,'या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा व निए;

सतः, जबः, उक्त सिंशनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संभति :——

- (1) मेसर्स यूपाइटेड बिल्डर्स अन्स्ट्रक्यान । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स स्ट्रेसकेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित काकिताों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों ।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

मन्स्पी

510 बलरामा, प्लाट सो०-3, ब्लार्क ई, बांब्राकुर्ला अमिशियस काम्प्लेक्स, बांब्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/3163/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 5-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस॰ एच॰ अब्बास अधिकी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

विनांस : 14-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 9 नवस्बर 1984

िदेश सं III- 964/अर्जन/84-85-अतः मुझे, पि॰ के दुबे,

गायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को दह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित दावार मूल्य 25.000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 1, प्लाट सं० 221 थाना-हारिया सं० 52, मौजा-धनसार, जिला धनबाद है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रें वर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद म जिस्ट्रें करण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन, दिनांक 20 3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिपिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे जबने में न्स्विधा के लिए; और/या
- (क) शसे किसी अाय या किसी अर्ने या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाउ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डायरेक्टर श्री बज मोहन अग्रवाल क्ट्र श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल; / मेसर्स धनसार इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवैट लिमिटेड, धनसार, धनबाद ।

and the factor of the course o

(अन्तरक).

(2) 1. श्री पशुपित नाथ सिंह वेल्द गौरी शंकर सिंह;
2. श्री भुवनेश्वर प्रसाद सिंह वेल्द श्री गौरी शंकर सिंह धनकार, धनकाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हां।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जां भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रवृक्त सब्दों और पेदा की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

एक बीघा आठ कहा चार छटांक जमीत जो मीजा धनसार, जिला धनबाद में स्थित है, एवं पूर्ण रूप से वसीका संख्या -2841 दिनांछ 20-3 84 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, धनबाद द्वारा सम्पन्त हुआ है।

पील केल दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांश : 9-11-84

श्रह्म बाइ⁴. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना पटना दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं वारा/अर्जन/84-85--अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लाट सं० 70 खाता सं०-171, एम० एस० हो० सं० 1857 वो०, हेहल, थाना-सुबदेव नगर, जिला-रांची है, तथा जो, रांची में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रे कर्ता अधिकारी के कायलिय रांची में रजिस्ट्रे करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण निम्नलिखन में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) ऐमी किसी बाब या किसी धन या अप आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्विधा के लिए;

अन शत्र, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ए के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मैसूर सुधालर राव बल्द श्री एम० एस० राव, निवास:—इटकी रोड, ग्राम हेहल, थाना सुखदेवनगर, जिला—राची।

(अन्तरक)

(2) मे० निखिल यादव वल्द श्री विसुनदेउ नारायण यादेव, निवास।—हेहल, थाना सुखदेव नगर, जिला—रांचा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के सीतर पूर्वोक्त
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पार्ध निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :--- इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क. में परिभाषिट हो, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसुची

783 मीटर (11.35 कट्टा) मय मकान जो हेहल, थाना— मुखदेव नगर, जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसीका मं० 3518 दिनांक 14-3-84 में विणित है और जिसका निबन्धन जिला अबर निबन्धक पदाधिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

दिनांक: 12-11-1984

प्रकप् माइं . टी. एन . एस . ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 अगस्त 1984

निदेश सं० 37ईई/8366/84-85-877/31/8/84- यतः मुझें, संतोष दत्ता,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12/ए-3, फ्लैट नं० 402, फोर्थ फ्लोर, गोपालनगर, भिवण्डी है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूओ यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से का मूल कही किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुद्द किसी थाय की आवत्, उपस् अधिनियम के अधीन कर योने के अंतरण के वासित्य मों कमी करने या उससे अपने मों सुविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भग या बन्ध नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर निर्धितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धितयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना स्तिहाए था, छिपाने में ध्विधा के लिए;

अस: अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल अयिक्तयों, अधीत :--- 2-34601/84

(1) मे० योगी कारपोरेशन, पी० एन० बी० हाउस, सेकण्ड फ्लोर, संग्र पी० एम० रोड, फोर्ट, बम्बई-400001 ।

(अन्तरक)

(2) मस्टर राजेन्द्र कारमन हरिया, केप केनेरो, मूलचन्द कम्पाउंड, भिवण्डी---421302, जिला---ठाणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी सब्धि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जी उस् अध्याय में विया गया है।

नन्त्री

फ्लैट एट 12/v-3, फ्लैट नं० 402, फोर्च फ्लोर, गोपाल-नगर, बम्बई-आगरा रोड, दांडेंकर फैक्टरी के पास, भिवण्डी, जिला-ठाणे ।

(क्षेत्र: 750 ची० फुट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत न० 37ईई/8366/84-85 जो तारीख जुलाई 1984 को सहायक आयकर आयक्न (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-8-1984

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश म० सी० ए० 5/37ईई/84-85/853—यतः मुझे $_{4}$ संतोष दत्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एसैंट न० 15, फर्स्ट क्लोर, बिल्डिंग नं० 11, स० नं० 1192/ए, माडेल कालोनी है तथा जो पुणे-411016 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अर्धान, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !——

(1) में प्रस्वाना इदर्स ग्रीर कम्पर्ना, 441, सोमवार पेठ, पुणे-411011 । (अन्तर्क)

(2) श्री जे० एस० नाझरेथ श्रीर इतर, मातृष्ठाया सहकारी हाउसिंग सोसायटी; अमोक नगर, पुणे-411007 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां झूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचणा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त व्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टींकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूचो

पलैट न० 15, फर्स्ट पलोर, बिल्डिंग नं० 11, मं० न० 1192/ए, माडेल कालोनी, पुणे- 411016 ।

(क्षेत्र : 1045 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3663/83-84 जी तारोख मार्च 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है।)

> ्संतोष दला सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 13-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- श्र (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश मं० सी० ए० 5/378ई/5330/84-85/847---यत:, मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ति बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० सं ० टी० एस० नं ० 585, प्लाट नं ० 99, फ्लैंट नं ० 3, एट बिलेज मांजरा, तालुका हवेकी है तथा जो जिला पुणे में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाश्वद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन, स्मिन्सिक्त व्यक्तियों, अधीन,

(1) मिस्टर मोहनलाल ताराचन्व परमार, 524/25/26 महात्मा फुले पेठ, पुणे ।

(अन्तरक)

(2) मिस्टर प्रकाशचन्द्र के मूरकुटे, मिस्रेस सुचिता पी० मुरकुटे, श्रीर मिस्टर कबनराव ह्वी० मुरकुटे 365/8 कुलदोप बिल्डिंग, एकबोटे कालोनी, घोरपडे पेट, पूणे-2 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

फ्लैंट नं० 3, प्लाट नं० 99, सी० टी० एस० नं० 585, विलेज मांजरी, तालुका हवेली, जिला पूणे ।

(क्षेत्र : 1000 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रोक्कत ने० 37ईई/5330/84-85 जो तारीख मई , 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पृणे के दफ्तर में लिखा है ।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3-8-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायक र जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निदेश सं॰ 37ईई/3704/पुण/83-84/869--यतः, मुझे, संतोष दत्ता,

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 15, बिल्डिंग छी, अणीका, सी० टी० एस० नं० 3/1 तथा 3 (भाग) नेलोर रोड, पूना-411001 है तथा जो पूना-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अंतरितियां) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्त विक रूप से किया गया है:——

- (भा) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लीभनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के मैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अधीत :---

(1) बा० प्रेम प्रकाश
 द्वारा डा० के० जी० देसाई,
 6 डा० कोयाजी रोड,
 पूणे-411 001 ।

(अन्तरक)

(2) श्री फांसिस सनतन डिसोसा मिस् मारिया भारती डिसोसा 7 श्रींघ, एन० सी० एम० रोड, पूर्ण-411 007। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बण्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

नन्त्री

फ्लाट नं० 15, बिल्डिंग डी अशोका सी० टी० एस० 3/1 व 3 (भाग) नेलोर रोड, पूर्णे $-411\ 001$ ।

(क्षेत्र : 1,000 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रोक्कत नं० 37ईई/3704/पूने/83-84 जो तारीख मार्च, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणें के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 10-10-1984

शस्य बाहीत द्वीत एकत एक.

भागकड म्हिनियम्; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यामय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निदेश सं० 37ईई/5485/पुणे/84-85/873 यतः, मुझे, संतोष दत्ता,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें खिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य ≥5,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 62, सि० नं० 121 व 122 कोथरूड, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्लाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत् बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के ब्रिह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त जिम्मीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें अविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मे० दादे एण्ड क्हकर.2007, सदाणिय पेट,पुणे-411030 ।

(अन्तरक)

 (2) श्री आर० एस० ठाकूर एण्ड श्री पो० आर० ठाकूर,
 55/11बी, उल्का बिल्डिंग, अमोक पथ, एरणवाना,
 पूणे-411 004 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षेप :----

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकरान की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनुधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी वे

पुष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त धान्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विमा गया हैं।

मनुसूची

पलाट नं० 62, सि० नं० 121 व 122 कोथरूड, पुणे । (क्षेत्र : 905 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/5485/पुणे/84-85 जो तारीख जुलाई 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में सिखा है ।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 27-8-1984

प्रकार नाहीं, दीन एन्ड एच्ड कर कर क

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निवेश सं० 37ईई/5409/84-85/874--यतः, मुझे, संतोष दत्ता.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिति की गई है और मुंके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उच्चेश्य से उच्त अन्तरण मिन्नित में नास्तिक क्य से क्याय नहीं किया गया है क्या

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियन के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ मैं कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जग, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, जै, उपत जीधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) निकल एण्टरप्राइसस,
 14, बम्बई-पुणे रोड,
 बजाज आटो शो रूम के पास,
 वाकड़ेबाड़ी, शिवाजीनगर,
 पुणे-411 005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विण्वा रंजन बेरा,
 फ्लैट नं० 29, 109/2, जवाहर नगर,
 यूनिवसिटी रोड,
 पुणे-411016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुका ही।

नग्त्याँ

प्लैंट नं० 7, बी बिग्. बी-3 बिल्डिंग, चितामन नगर, एस० एन०-128/1 श्रीध पुणे-7

(क्षेत्र०: 515 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/5409/84-85 जो नारीख जुलाई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है ।)

> संतोष दसा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-8-1984

मोक्कर :

प्रस्प बाइं.टि.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 अगस्त 1984

निदेश सं० 37\$ई/8369/थाना/84-85/876---यस: ्रस्मे, संतोष दशा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० सैक्टर नं० 8/बा 6, फ्लेट नं० 203, द्वितीय फ्लोर, सैंट—गोपाल नर. बस्बई-आगरा रोड, दानडेकर के पास, बिबनड़ी फैंक्टरी है तथा जो बिबनड़ी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निस्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वामित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) योगा कार्पोरेजल,
 पी० एन० बा०-द्वितीय फ्लोर,
 सर पी० एम० रोड, फोर्ट,
 बम्बई-400001 ।

(अन्तरक)

(2) मिससेस् शांताबेन रमेशचन्द्र पटेल, 25, सुन्दरबेन चोल, आगरा रोड, बिबनडी-421302, थाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, औं उस अध्याय में दिया गया हैं।

मग्त्रपरि

सैक्टर नं० 8/बी-6, पबैट नं० 203, द्वितीय फ्लोर, गोपाल नगर, बम्बई-आगरा रोड, दानडेकर फैक्टरी के पास, बिचनड़ी (क्षेत्र0: 500 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजम्ट्रोक्टत नं० 37ईई/8369/षाना/84-85 जो तारीख सितम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है।)

> संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारेः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-8-1984

प्ररूप नाइ .टी.एन.एस. -----

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नधीन स्वना

भारत बहुकारु

कार्यास्य, सहायक आयकार सायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० 37ईई/3641/84-85/871/10/10/84---ग्रतः मुझे, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उजिल बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ि मिहीर भ्रपार्टमेंटस 1 व 2 भाप नं 0 10 तथा नं 1 ग्राउण्ड फ्लोर, एस० नं 0 19/1ए, वणीवारी, पुणे है तथा जो पुण में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूत्री में और पूर्णरूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीम, दिनांक मार्च 1984,

को प्रवेचित संपत्ति के अचित बाचार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्रवेचित सम्पत्ति का उचित बाचार बूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिचत से विधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्योग्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ भी वाबस उक्त नहींचित्रक के नचीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्ष्मी करने या उससे वचने में सुविधा के फिए, बॉर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया सीवा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में- में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निक्तिकीया व्यक्तियों, अधीत्:—— मे० तम्फर एनटरप्राइसस
 त्र लाण्ड मार्क, कारमिखल रोड, श्रम्बई-400026 ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री बसंत मारुति खतपे 2139, सदागिव पेट, पुण-411030 ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई सी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी समित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा:
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में दिववक्ष किसी बन्ध स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पीठ सिक्ति में किए का सकोंगे।

स्वकानिकरणः — इसमें प्रयुक्त संस्थी और पदों का, जो अवतः विभिन्न के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

अन् मुची

मिहीर अपार्टमेंटस 1 व 2 शाप नं० 10 तथा 11, ग्राउण्ड फ्लोर, एस० एन० 19/1ए, वणीनारी, पुणे, कनटोणमनट, पुणे। (क्षेत्र : 970 चौरस 1 फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3641/83-84 जो तारीख मार्च 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना ।

विनांक: 10-10-1984

मोष्टर:

प्ररूप आहुँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1984

निदेश मं 37ईई/3577/पुणे/83-84/870/9/10/84---यतः मुझे, संतोष दना,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 29, बिल्डिंग नं० 7, गुरु प्रसाद को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, 24 बन गार्डन रोड, पुणे-411001 है तथा जो पुणे-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या '
- (ख) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 3--346GI/84

(1) श्री गोपालदास एम० नागपाल 74/75 धर्मज्योति , ब्रिल्डिंग नं० 2, न्यू कान्तवाडी, परी क्राम रोड, बान्द्रा—50 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परसी फाम दारूवाला तथा मिसिज करिमस पी० दारूवाला, फ्लैट ं० 29, बिल्डिंग नं० 7, गुरू प्रसाद हाउसिंग मोसायटी, 24 वनगार्डन, पुणे-411001 ।

(ग्रन्तरिती)

ो यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसखबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनु सूची

फ्लैंट नं ० 29, बिल्डिंग नं ० 7, गुरू प्रसाद हाउसिंग सोसायटी, 24 बन गार्डन, पुणे-411001 ।

(क्षेत्र : 1,000 चौरम फुट)

(जैमे कि र्राजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3577/पुणे/83-84 जो तारीख मार्क, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है ।)

> संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 9-10-1984

प्रकृत कार्यं . दी. एत्. पुत् . ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्क्रना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक दिनांक 31 श्रगस्त 1984

निदेश सं० 37ईई/8367/थाणा/84--85/872/31/8/84---यत: मुझे, संतोष दत्ता,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गृया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० 12/ए-3, फ्लैट नं ० 401, चौथा फ्लोर, गोपाल नगर, बम्बई ग्रागरा रोड, वानडेकर फैक्टरी के पास बिवण्डी हैं तथा जो बिवनडी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

की पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से एसे दरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिक उद्दोस्य से उद्देश अन्तरण निम्नीलिक उद्दोस्य से उद्देश अन्तरण निम्नीलिक स्था महीं किया गया है है——

- (क) बन्धरण वेहुइंकिसी वाय्की वायस, उक्क वीधीनवय के बधीन कर दोने के अन्सरक के शावित्व में कभी करने या उन्हों क्यने में सुविधा के बिए; बहर/का
- (व) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, डिंगाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थाद :--- (1) योगी कारपोरेशन पी० एन० वी० हाउस, दूसरा फ्लोर, सिरपी० एम० रोड, फोर्ट, बम्बई-400 001।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र करमन हारीया काप कनेरी, मूलचन्द कमपौण्ड, विवनडी-421302 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सची

12/ए-3, फ्लैट नं० 401 चौथा फ्लोर, गोपालनगर, नम्बई श्रागरा रोड, दानडेकर फैक्टरी के पास, विवन**डी**।

(क्षेत्र : 750 चौरस फुट)

(जसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8367/थाना/84-85 जो तारीख सितम्बर, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-8-1984

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस .; ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेज सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यी०/सी० ए०5/37जी/ 84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 80 है तथा जो ग्रहमदनगर में स्थित हूँ (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के ख्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ष की उपधा**रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) वसंत नामवेष नवले कोर्ट गल्ली, श्रहमदनर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० भ्राशा बिल्डर्स , भागीदार श्री विलिप भालचन्द्र मल्हणे । कोर्टगल्ली, अहमदनगर ।

(ग्रन्तद्विती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष 🦫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकरी।

स्थक्टोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, जो उ*स्ता* आधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

मन्स्ची

लैण्ड प्रापर्टी जो मौजे सावेरी सर्वे नं० 80ई, फ्लेट नं० 46 से 49 और 63 से 66 प्रहमदनगर में स्थित है।

संतोष दत्ता ृसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 29-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्बो०/46/19/84-85— यतः मुझे, एम० सो० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 690, 690/1 श्रौर 690/2 है, जो 31ए फ्लैंट पर टीकक नगर नागपुर में स्थित है (श्रीर उसेके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्राकर्ती अधिकारो के कार्यालय, नागपुर (डाक्यूमेंट सं० 1033/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक 1-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्येष्य से उक्त अन्तरण निम्निक्षित उद्येष्य से उक्त अन्तरण निम्निक्षत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; बौर/या
- (ख) एगेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अस, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत् ः— श्रीमती भावनादेवी भाकम्कराव कुलकर्णी,
 31-ए टीककनगर,
 नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीपजलक्ष्मण वाडोडकर 31ए टीकक नगर, नागपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति। दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा लकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिया नया है।

नगृत्त्वी

दोड बजली मकान जिमेका म० नपया नं० 690, 690/1. श्रीर 690/2 है श्रीर जो फ्लैंट नं० 31-ए पर टोकक नगर, नागपुर में स्थित हैं।

> एम० सी० जोषी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक : 6-11-1984

प्रस्प बाइ : . टी . एन . एस . ------

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्की०/45/19/84-85---यत: मुझे, एम० सी० जोशी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 85/2 तथा 119/2 है, जो मौजा सांवगी तह् कि कि कमेश्वर में स्थित है (ग्रीर उसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण- क्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाक्यूमेंट सं० 1668) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-3-1984, को पूर्वोक्त सम्परित के जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का जियत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरक सिचित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से झुर्ड किसी आम की वाबत, उच्छ जीभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के स्विए;

जतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री शिवनारायन प्रताप सिंह तोमर, सावंगी तह० ककमेश्वर जिला—नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जनार्धन काशीनाथ इखनकर, वाडी त० जिला—नागपूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्पी

5 00 एकड़ खेत जमीत जिसका खा० नं० 85/2 स्रौर 119/2 है स्रौर जो मौजा सावंगी तह० ककमेग्वर में स्थिति है।

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक : 6-11-1984

प्ररूप आहें. ती. एन. एस. ------

नायकर निभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्बी०/44/19/84-85— यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान जो पर्लंट नं० 7 पर है, जो फुंसद ता० फुसद जि० मवतमार में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध अनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रें।कर्ता अधिकारी के कार्यालय मवतमार (डाक्यूमेंट सं० 7/5/84) में भारतीय रिजस्ट्रें।करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22—3—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से भिक्षक है और प्रत्तरण (प्रत्तरकों) पौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐस प्रन्तरण के लिए तय पाया स्पा प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्सविक कृप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनी में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा अन-कर अधिनियम, ग्रा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्लास प्रकट नहीं किया नेया वा या किया कामा वाहिए था, कियाने में स्विका के सिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तिसमें, अधीत् ह— (1) श्रो ऋपुद्दीन हवीवभाई गामगिनी रा० फुसद, त० फुसद जिला—स्वतमार

(अन्तरक)

(2) श्रो रहामुद्दीन प्रभाभुद्दीन नवाब रा० पुल सावंगी ता० महागांव जिला—मवतमार ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्पी

मकान जो कि फ्लैट नं० 7 तिककवाई फुसद ता जि० मवतमार में स्थित है भ्रौर जिसका पूरा फ्लैट एरिया 3000 स्क्वे० फी० है।

> एम॰ सी॰ जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक : 6~11-1984

मोह्नर 🤢

प्रस्त् नाहं. टी. एन. एवं.------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० 43/19/84-85--यत: मुझें, एम० सी० जोशी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

प्रौर जिसकी सं० मकान जिसका फ्लैंट न० 7 है, जो तिलक बार्ड मुसद ता मुसद जि० मवतमाड में स्थित है (श्रीर उसके उपाध अनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रेकित अधिकारी के कार्यालय, मवतमाड (डाक्यूमेंट स० 649/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-3-1984,

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से मिथक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की गावत, उक्त विभागवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के खिराल में कमी अध्ये मा उससे स्थाने में स्विधा के लिए; व्यार/भा
- (थ) एंसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के निए:

 (1) श्रोमती बनदेशी पत्नी बागूराव पिपंतनार रा० तिल्कवार्ड पुसद ता० पुसद । जि०—मवतमाष्ठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रो कमुरुद्देश्त हर्बिव भाई गाजयावी रा० पुसद । ती० पुसद जिला---मवतमाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्मृति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क बुम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्भिष्णित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है!

मन्सूची

मकान जिसका फ्लैट न० 7 है अतः जो तिलक वार्ड एक्स बस स्टैण्ड के नजदीक पुसद में है जिसका कुल फ्लैट एरिया 3000 स्ववे० फी० है ।

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर ।

विनांक : 6--11--1984

मोहरः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निशिवत व्यक्तियाँ हैं अस्ति क्र—

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्वी० 42/18/84-85---यत: मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० खुली जगह जिसका फ्लैंट नं० 48 है, स्रौर जो पांडे लेक्साउट खामल त० जि० नागपुर में स्थित है स्रौर जिसका एरिया 9500 स्क्वे फीट है (श्रौर उसके उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय, नागपुर (डाक्यूमेंट सं० 1289 (पी)/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 6-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिकल के लिए ग्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य जसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से ग्रधिक है बीर खन्तरक (बन्तरकों) और खन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से बन्त ग्रस्तरण विजित में वास्तविक कप से स्वित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की वाबत, सबस अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृषिधा के निए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए; और/या

बत: बब, उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बुधीन, निम्नलिवित स्थितकारों, क्यांत ए-∼ (1) श्री मल्हार शिकाजी गोरे रा० 204, विद्या बिल्डिंग ए० टी० कोलिस मार्ग, महिम मुंबई—16 ।

(श्रुन्तरक)

(2) स्नेह संबर्धक सहकारी गृह निर्माण संस्था खामल त० जि० नागपुर । सेकेटरी श्री अनिल यणधन्त दोष्टेकर रा० फ्लैट व 10 जयप्रकाण नगर खामला नागपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मनुसुची

फ्लैट जिसका ख॰ नं॰ 72-73 है भ्रत: पांडे ले ग्राउट में स्थित है भीर जिसका फ्लैट नं॰ 48 है भीर जो मौजा खामल ता॰जि॰ नागपुर में स्थित है पी॰ सी॰ नं॰ 9 है कुल एरिया 100 × 95= 9500 स्क्वे॰ फीट (883 स्क्वे मी॰) है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, नागपुर

दिनांक: 5-11-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1984 .

निदेश सं० ग्राई० ए० सी॰ एक्बी॰ 21/15/84-85--ग्रतः मुझे, एंम० सी॰ जोशी,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खेत जमीन नं० 8/1 है, जो मौजा वडगांव रोड ता० जि० मवतमाड में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, मवतमाड (डाक्यूमेंट सं० 1226/84) में भारतीय रंजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-3-1984.

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थास् :--4--346GI/84 (1) श्रीमती झैलाबाई पत्नी बाबूराव शोगत रा० नेताजी नगर, मंबतमाड ।

(ग्रन्तरक)

(2) उज्बल गृह निर्माण सहकारी संस्था यवतमाक प्रेसीडेंट श्री गोविंद कान्हुजी देवापरे रा० मवतमाष्ठ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकांकन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसूची

खेत जमीन जो मौजा वडगाथ रोड, (गांव नं० 309) ता० जि॰ मधतमाड में स्थित है जिसका सं० नं० 81 है और कुल एरिया 2 है हैक्टर है

> एम**ः सी० जोगी** सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, नागपुर ।

विनांक: 5-9-1984

प्रस्य नार्द<u>ः</u> टी., प्रम्, प्रस्_{रवननवन}

ायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्मीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेश सं श्राई ० ए० सी ० एक्वी ० 23/15/84-85---यत: भुक्ते, एम० सी ० जोशी,

नायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की भारा 269-च भे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं मकान का भ्राधा भाग जो कि ग्रम्बार्प ठ में है जो अमरावती में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अमरावती (डाक्यूमेंट सं ० 1299/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-3-1984, को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारच है कि यभापवाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिवित उद्ध्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तरिक रूप से कामत महीं किया गया है है —

- (क) क्लारण से हुई किसी बाय की वावस, उनसे वीपीन्यम के अभीन कर बोने के जन्सरक के बायित्व में कभी करने वा उदसे वचने में सुविधा के शिए; बीड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में स्विधा के लिए;

- (1) श्रीमती सुगील बाई पांडुरंग सालमें
 - 2. श्री भविनाश कृष्णराव भोले
 - 3. श्री विजय काशीनाथ भोले
 - 4. श्री किशोर काशीनाथ भोले
 - 5. श्री रमेश काशीनाथ भोले,
 - श्रीराम कृष्णराव जी सभी रा० शुप्रभाती डे चौक शास्त्री हाल के पास ग्राप्ट रोड, सुम्बई-7।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मानीकराव पुजाजी मनगट रा० पो० वरखेडा ता० तिवसा जि० श्रमरावतीः।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हां सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कव्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्यक्ष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मूची

मकान का श्राधा भाग जिसका न०त शीट नं० 55बी प्लाट नं० 11 में से 2936 स्ववे फीट का फ्लैट और उस पर बना हुआ भाग।-

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 5-9-1984

भोहर:

अतः स्वयं, उकतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा-269-घं की उपधारा (1) के श्रंभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधारा :---

भक्त कार्^र. टी. १५, एक_्रन्तन्त्रनत्त्रन्तन्त्

शायकर श्रीधनियम्, 1961 (1961 का 43) केई भारा 269-भ (1) के स्थीन सुचना

बारक ब्रुक्त

कार्यालय , सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 10 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्बीं०/19/14/84-85-यत: मुझे, एम० सीं० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2 है, जो मुफ रोड शास्त्रीनगर, चन्द्रपुर में स्थित है (ग्रौर उसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्द्रपुर (श्राक्यूमेंट सं० 495/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 9-3-1984.

को वृत्तींक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथिय नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जीर/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26-9-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री मोरेश्वर नारायणराव महिन्द्रकर गोकुल पेठ, नागपुर-10 ।

(मन्तरक)

(2) श्री हंसराज मदनलाल संचेली, शास्त्री नगर, चैन्द्रपुर ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षिप ह-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की जबधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

मन्स्ची

मकान जो कि फ्लैट नं॰ ए-2 मौजा गोविन्दपुर कम्पार्ट में स्थिति है जिसकी कुल भाराजी 100×60=6000 चौ॰ फुट है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण II) झर्जन रेंज, नागपुर ।

दिमांक :10-8-1984

मोहर 🖫

प्रकल बाह् . टी . एवं . एस . ------

भागकर निभृतियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) की मधीन सुचना

बारल बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 अगस्त 1984

निदेश सं ं भाई० ए० सी० एक्वी॰ 20/14/84-85:--यतः मुझे, एम० सी० ओशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० खेत जमीन हैं, जिसका सर्वे० नं० 22/2 है भौर जो बाधापुर ता० जि० रावतमाक में स्थित है (भौर उसके उपाबद मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मिधकारी के कार्यालय रावतमाक (डाकुमेंट सं० 1292/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16), के मिधीन, तारीख 9-3-19834

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कर के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में धास्त-विक इप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिकित स्थितयों अर्थात् हि— (1) श्री बिष्णु उद्धवराव कांदुरकर, रिटायर्ड प्रिंसिपलं, ता० जि० ठाणे ।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री देवीदास महादेव प्रसाद सिंघानिया,
 - 2. श्री रत्नाबाई वेवीप्रसाद सिंघानिया,
 - श्री रवीन्द्र देवीप्रसाद सिंवानिया,
 रा० वडगावरोड़, रावतमाक ।
 - 4. श्री कडोडीमल हरी रामजी ग्रग्नवाल,
 - 5. श्री सुनिलकुमार नंदलाल ग्रग्रवाल,
 - 6 श्रीमती सरस्वती बाई नंदलाल श्रग्रवाल,

रा० पुर्णानगर, ता० नि० :---ग्रमरावती ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त विधिनियम के मध्याय 29-क में परिभाषित ही, नहीं नर्भ हरेगा को उस अस्याय में बिया स्वा ही।

बत्यची

स्रोत जमीन जिसका सर्वे० नं० 22/2 है ग्रीर जो वाद्यापुर ता० जि० राक्तमाक में स्थित है। कुल एरिया 5 एकड है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम ग्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, नागपूर

तारीख: 23-8-1984.

मोहर 🕉

प्रकार बार्च दी पून् व्यः---

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत ब्रक्तर

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू०/24/15/84-85:---यतः मुझे, एस० सी० जोशी,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवात 'जन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के ज्थीन सक्षम अधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विस्का उचित वाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० खेत जमीन जो कि मौगा: रहाणागव ता० जि० अमरावती में स्थित है और जिसका एरिया सात एकड़ है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रमरावती (डाकुमेंट सं० 3139/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)क के श्रधीम, तारीख 30-3-1984

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल नि जिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम वे किथित महीं किया प्रवाह के

- (क) बन्तरण से इन्हों किसी बाय की बाबत उक्त बीध-िन्द्रम के ब्रंथीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कर बचने में सुविधा के लिए; ब्रोट√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्य बास्थियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के किए;

श्री बाबुराव रामचस्द्र छोटे,
 रा० 112, राठीनगर,
 ग्रमरावती, ता० जि० ग्रमरावती।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मछनींत्र मल्कप्पा कुन्हें, रा० सात खिरांडी, घगराज लेन, ग्रमराबती, ता० जि० ग्रमरावती।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपश्च---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर स्वानः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वानित स्थितत्यों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुकारा अधाकस्ताक्षरी के पास लिखित: में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिक रणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्पी

खेत जमीन जिसका खेत नं 167 से सात एकड़ जमीन जो कि मौजा रहाणगांव प्र नांदगावपेठ ता जि ध्रमरावती में स्थित है।

> एम० सीं० जोशी, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, नागपूर

अतःः। अरः में, मैं, र के अभीम, निम्नसिचित व्यक्तियों , अथीत् ः—

10-9-1984

प्रकप वार्षः, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 सिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्बी० 26/15/84-85:---यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेत जमीन जिसका सर्वे० नं० 74 भौर 58/1 है भ्रतः जो मौजा खामल त० जि० नागपुर में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 1498/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3~1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उषित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की थावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री नामदेव बालाणी हाडके, रा० खामल, त० जि० नागपुर,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जेसवन को० भ्रापरेटिक्ह ह्याउसिंग सोसायटी लि०, सेकेंटरी श्री शिवराव विठ्ठलराव कापसे, रा० खामल, त० जि० नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुणना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) ध्रस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर सक्त स्थाउर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त पाद्यों और पदों का, ओ उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

4 एकड़ खेत जमीन जिसका ख० नं० 74 भीर 6 एकड़ खेतः जमीन जिसका ख० नं० 58/1, धोरोजी म० ह० 9 भ्र, जौ मौजा खामल ता० जि० नागपुर में स्थित है।

> एस० सी० जोगी, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, नागपूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

तारीख : 10-9-1984.

प्रकृष् **नाइं**. टी. एम. एस_{..}- - = =---

नायफड मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी० 27/10/84-85:--यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० नार्दन पोरिन श्रीफ जी० 95, जो डीड नं० 8, ख० नं० 20 वार्ड नं० 72 कैनाल रोड़, रामदास पैठ, नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकुमेंट नं० 2103/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कार्य 6) के श्रधीन, तारीख 30-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शिवजल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिकित में वास्त्रिक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) वस्तरक से हुए किसी बाव की वावता, उक्त विधियम के वधीन कर दोने के वस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

सतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) दे सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्यः—

- (1) 1. श्रीमती पुष्पाबेन जयसलिक शाह,
 - श्री ग्रश्विनी कुमार जयतलिक शाह,
 - 3 सनत ग्ररासलिक शहा,
 - श्री सैनिक जयतलिक शहा,

2, 4 के लिए ग्रधिकृत प्रिजेटेटिक्ह,
 श्री सनत जगनस्थिक गरा

श्री सनत_्जयतलिक शहा,

रा० 27 निष्कंठ नगर भरुच (गुजरात) ।

(भ्रन्सरक)

- (2) 1. श्रीमति कुंदनबेन नवनीत भाई शहा,
 - श्री भरत नवनीतभाई शहा,
 रा० 7, गिरीराज सोसायटी,
 फार्म तंड, रामदासपेठ, नागपूर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

नार्वेन पीरिनि घ्राफ प्लाट नं० 95, जो डि० नं० 8 ख० नं० 20 वार्ड नं० 72, कैनाडरोड रामदास पैठ, नागपुर में स्थित है। कुल एरिया 6176 फीट है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, नागपूर ।

तारीख: 17-9-1984.

प्रकृप माइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कोर्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० श्राई ए सी०/ एक्यू/27/84-85 यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 27 है, जो ग्रमरावती जीस्डे के सामुना ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमरावती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 30 मार्च 1984

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अदने या उससे बचने में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—— (1) श्रीमती राजवंती बैजनाथ यादव वालाजी फौरस, श्रमरावती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हेमतंकुमार श्रीरज लाल सांगाणी; श्रमरावसी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन को रिजा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए जा सकीं।

स्वाच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

अनुसूची

26 1/2 गुंठा खेत जमीन जिसका सं० नं० 7 है ग्रौर श्रमरावती गीस्ते के सातुर्ना ग्राम में स्थित है।

> एस० सी० जोशी सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपूर

दिनांक : 17-9-84

प्ररूप भाष्ट्रं .टी .एन . प्रस .----

बायकर व्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निवेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू/28/84-85-यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 7 है, जो भ्रमरावती जीस्डे के सामने ग्राम में स्थित है (भौर उसके उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रमरावती (डाकुमेंट सं०) में भीरतीय रिजस्ट्रीकरण मिधिनयम 1908, (1908 का 16) के श्रधीन 30 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पद्धह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वावतः, बक्तः जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सूचिया के निए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

्तः अस, उक्त अ। थ। नयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 5=346GI/84

 उमाकान्त बैजनाथ यादव बालाजी फौस्क, ग्रमरावती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धीरजलाल जगजीवनदास सांगाणि, सारंग टीसे नवाटर रो**ड**, ग्रमरावती

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी जाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

26 1/2 गुंठा खेत जमीत जिसका संव नंग है और जो ग्रमरावती जीस्डे के सामुन् भाम में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नागपर

दिनांक: 17-9-84

प्रस्प नाई ि डॉ. एन ु एस ु-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

घर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1984

निदेश सं० प्राय० ए०सी०/एवनी०/29/83-85-प्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-राज्य से अधिक हैं

मौर जिसकी सं 12/2 है, जो मनरावती जिले के शेगांव में स्थित है (भौर उससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मनरावती में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्-/या
- (ब) एसे किसी नाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) छगनलाल एण्ड कंपनी द्वारा श्री छगनलाल चीरंजीलाल अग्रवाल, श्रमरावती

(ग्रन्तरक)

(2) नियोजित आशियाड सहकारी गृह निर्माण संस्था द्वारा श्री एन० एन० हान्डा रूरल इन्स्टीट्यूट, अमरावती ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिक में से किसी व्यक्ति व्यापा ;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्यी

खाली जमीन जिसका भूखंड नं० 59 से 62 है जिसका सं० नं० 12/2 है ग्रीर जो श्रमरावती जिले के शेगांव ग्राम में स्थित है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, नागपुर

तारीखा: 19-9-1984

प्ररूप बाई .टी. एन .एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेश सं० श्राय० ए० सी'०/एक्वी'०/30/16/84-85---भतः मुझे, एम० सी'० जोशी,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 63 से 67 तक है, जो मौजा गेगांव जिला धमरावती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमरावतीरजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, 28-3-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय
भागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने मे सूविधा बायित्व के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री छगनलाल एण्ड कंपनी द्वारा श्री छगनलाल चिरंजीवा ग्रग्रवाल, ग्रमरावती

(मन्तरक)

(2) नियोजित म्राणियाड सहकारी गृह निर्माण संस्था तर्फे श्री एन० एन० हान्डा रूरल इन्स्टीट्यूट मनरावती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

खाली जमीन जिसका प्लाट नं० 63 में 67 है थीं . जो भ्रमरावती जिले के मौजा शेगांव में स्थित है।

> एम० सी० जोर्झा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निर्रीक्षण) श्रजन रेंज, नागपूर

सारीख: 25-9-1984

प्रस्प साइ . टी . एन . एस . -----

नायकड स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निवेश सं० भ्राय०ए०सी० एक्वी/31/16/84-85--श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी प्लाट सं० 1 से 8 तक ग्रीर 68 से 70 तक है, जो मौजा शेगांव जिला ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर उसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमरावती (डाकु-मेंट सं० 73/84-85) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेंबत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरका अतिरक्तों और वंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, सबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय दा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के म्बोचनार्थ वस्तीरती इवारा प्रकट नहीं किया नवा था था किसन को स्विधा के सिए;

बंद: बब, उक्त जीपीनवन की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त जीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ॰ छगनलाल एण्ड कंपनी भू॰ श्री छगनलाल चिरंजीलाल अग्रवाल गांव अमरावती ता॰ जि॰ ग्रमरावती ।

(भन्तरक)

(2) नियोजित म्राणियाड सहकारी गृह निर्माण संस्था ल० ग्रु०, श्री एन० एन० हांडा ग्राम० ग्रमरावती ।

(भ्रन्तरिती)

सरे वह बुजना चारी कड़के पुन्तिक सन्त्रित के नवंग के तिह्यू। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुं---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो बी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए का करों है।

रणखीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

BANK

प्लाट नं० 1 से 8 तक और 68 से 80 तक जो मौजा शोगांव ता० जि० भ्रमरावती में स्थित है और जिसका कुल एरिया 27136 स्क्वे० मी० है।

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. उन्यास्तरक

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीत रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्वी०/34/17/84-85--मत: मुझे, एम० सी० जोशी

कायकर मिंपितयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है श्रीर जो, मौजा सातुर्णा ता० जि० श्रमरावती में स्थित है (भ्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रमरावती (डाकुमेंट सं० 1072/30-3-84) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन 30-3-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रांतकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क व निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विवत में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीपीन्यम् के अधीन कर दोने के जंतरक के बादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; मौर∕ना
 - एसी किसी आयं या किसी धृत या अन्य कास्तियों कां, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंत्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा विद्याः

कतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती राजवंतीबाई बैजनाथ यादव बाऊजी प्लैटस भ्रमरावती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेमंतकुमार धीरजलाल छांगाणी ग्रमरावती ता० जि० ग्रमरावती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रुष

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्त विधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा भया हैं।

जन्स्ची

खेत जमीन जो मौजा सातुर्ण। ता० जि० ग्रमरावती में स्थित है ग्रौर जिसका स० नं० 7 है ग्रतः कुल एरिया 26 है गुंठे हैं।

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, नागपुर

तारीख: 25-9-1984

मोहरः

प्ररूप भार्ष, टी. एन, एस. -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के मधीन स्वता

भारत सुकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर- विनांक 25 सितम्बर 1984 निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्वी०/35/17/84-85---भ्रतः मुझे, एम० सी० ओशी,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 263-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खेत जमीन सं० 31 है, जो मौजा ग्रोगांव प्र० नौंदगाव पे० ता० जिला ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर उसके उपावत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमरावती (डाकु-मेंट सं० 955/22-3-84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 22-3-84 ग्रीर 23/3/1984

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक्रों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उस्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के लिए; बीड़/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)

🛋 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः----

(1) श्री किशनलाल बच्छराजजी, व्यास, पता ग्रमरावती।

(अन्तरक)

(2) मैं • छगनलाल एण्ड कंपनी,

1. श्री छगनलाल चिरंजीलाल भ्रग्नवाल,

2. श्री सुशीलाबाई राधेश्याम अग्नवाल, पता भ्रमरावली।

ता० जि० ग्रमरावती ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -- .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी बचिध सब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया असा हैं।

श्रनुसूची

खेत जमीन जिसके दो घलग घलग विकी पन्न किये हैं घत: जो मौजा शेगाँव ता० जि० घमरावती प्र० नांवगावपेठ ता० जि० घमरावती में स्थित है जिसका घाकार 2 एकड़ (1 एकड़ → 1 एकड़) है घत: जिसका सं० नं० 34 है घौर जो 100,000 → 1000,00/ — में बेचा है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-9-1984।

मोहर 🛢

प्रकप बाह्र : ही. एन : एस :----

नायकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संभीन सुचना

माउठ इंडका

कार्यानय, सहायक आयंकर नायंक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० झाय ए० एक्यू 33/17/84-85--यतः भुक्ते, एम० सी० जोशी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खेंत जमीन जिसका स नं० 9 है भतः जो सातुर्णा जि० ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूक्षी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रमरावती डाकुमेंट सं० 873/84और 1082/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिधयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीम दिनांक 3-3-84 और 5-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नद्दं हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का केल्क्ड प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरण के सिए तम् पाया गया श्रीतकत, निम्निजित उद्योगों से उक्त क्लरण कि सिक्स में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, जनत जिथितियुम् के जभीन करू दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यवे में सुविभा के तिए; जरि/या
- (क) एसे किसी अंग मा किसी भन या अस्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, या भन-कर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट कहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा जी सिएह

बतः अव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्व में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री हरीदास श्रीकृष्ण पिडीयार रा० भ्रमरावती ता० जि० भ्रमरावती (भ्रन्तरक)
- (2) मैं० राजकुमार एन्ड कंपनी
 पत्नी श्री राषेक्षाम चिरंजीलाल ग्रंप्रवाल ग्रा० ग्रमरावती
 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोंक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्वकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो असत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्र्यी

खेत जमीन जो मौजा सातुर्णा ता० जि० श्रमरावती में स्थित है श्रीर जिसाका सनं 9 है श्रतः जिसके दो व्यवहार 20 सुंटे जमीन, के लिए श्रलग श्रलग हुए है श्रीर जो 77500 प्रति व्यवहार बेचा है।

(एम सी० जोशी) सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जत रेंज, नागपूर

दिनांक : 24-9-84

मोहर ।

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के जभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 24 सिसम्बर 1984

निदेश सं० भाई०-।। सी० एक्वी० 32/17/84-85-भ्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी फ्लैट सं० 9, 10, 44, 56 ग्रीर 34 है गतः कुल एरिया 11580 स्कवे फीट है ग्रीर जा मीजा शेगांव प्र० नादगौवपेठ त० व जि० ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर उसके उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रमरावती (डाक्यूमेंट सं० 1090/31-3-84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-3-1984,

को प्रॉवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उव्वश्य से उच्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधील कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी क्र्रिश्वा उससे अपने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गमा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए:

कतः अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :---

(1) श्री छगनलाल एण्ड कम्पनी श्री पार्टनर श्री छगनलाल चिरंजीलाल अग्रवाल नि० प्रमरावती । स० जिला० भ्रमरावती ।

(म्रन्तरक)

(2) नियाजित एशियाड सहसारी गृह निर्माण संस्था लि॰ सु० श्री एन० एन० हांडा रूरल इ'स्टीट्यूट श्रमरावती त० जि०—श्रमरावती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अपिक्त द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास ज लिखित में किए जा सकाने।

सम्बक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, 10, 44, 5657 और 34 जिसका कुल एरिय 11580 स्क्वे की ०है म्रतः जी मौजा भेगांव प्र० नांदगावपेठ ता० जि॰ म्रमरावती में स्थित हैं स॰ नं० 11/2 मौर 34 है।

> ्ष्म० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 24-9-1984

प्र**क्ष्म आर्ड**. टी. एन. एस.

भागकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 18 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं० प्राई० फ० सी० एक्वी० 35/17/84-85--यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० खेत जमीन जिसका सं० नं ० 34 है, जो मौजा मेंगांव प्र० नांदगांव पेठ त० जि० ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर उसके उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता, ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रमरावती (डाक्यूमेंट सं० 955/82/22-3-84, 964/23-3-84) में भातिय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक 22/3/84 तथ 123/3/1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशीरियों दिलारा प्रकृत नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात .---

6-346GI/84

(1) श्री किणननाल वरुराजजीव्यास नि० श्रमरावती

(अन्तरक)

मे० छगनलाल एण्ड कम्पनी
द्वारा पार्टनर 1 श्री छगनलाल व चिरंजीलाल ग्रग्रवाल
2. सौ० मुशीलादेवी राधेशाम श्रग्रवाल
रा० ग्रमरावती ता० जि० श्रनरावती ।
(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति अवक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्नाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ह्मनुष्यं,

खेस जमीन जिसके ग्रलगश्रलग बिकीपत्र किये हैं ग्रस: जो मौजा लेगांव प्र० नंदगांवपेठ त० जि० ग्रमरावती में स्थित है ग्रीर जिसका कुल एरिया 1. एकड़ + 1 एकड़ है जिसका स० नं० 34 है ग्रीर जो (72000+72000) रुपए में बेचा है।

एम० सी'० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, नागपुर

दिनांक : 18-10-1984

त्र**क्ष्य वाह**ि हो. पुन्, पुन्, हरास्टरना

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्थता

प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं ॰ माई ॰ ए॰ सी ॰ एक्बी ॰ / 36 / 17 / 84-85-प्रतः मुझे, एम ॰ सी ॰ जोशी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 111/1 है, जो केस्कर वाडी भ्रावीं रोड पर वर्धा में स्थित है (भीर उसके उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वर्धा (डाक्यूमेंट सं० 843) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 20-3-1984 को प्वाँक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह भ्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा भ्रमा भ्रतिफल, निम्नलिचित उद्विष्य से उक्त कृत्रण, जिनित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्रा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर विभिन्नम् के अभीन कर देने के अन्यहरू के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बव, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरम भों, भों, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिचित स्यक्तियों, सर्थातः—— (1) श्री प्रभाकर उर्फ दिगम्बर कृष्ण जी पाटनकर सिविस साइन सागर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हनुमन्तराव गणपतराव ग्राडवाष्कर केस्कर वाडी, 111/1 वर्धा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको प्वाक्त संप्रित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की द्विभि, जो भी अविधि बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, कही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विधा ण्या

नमसर्वी

मकान नं० 111/1 जो केस्कर वाडी में श्रार्वी रोड पर वर्घा में स्थिति है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, नागपुर ।

दिनांक: 19-10-1984

प्रकृष **वार्ड** , टी., एन., एस.,-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5676--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसाँ ग्रनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप में वींणत है), राजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, जालन्धर में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

का पूर्वोक्त सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-भेनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब उक्त जिमिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री नरिन्द्र पाल सिंह भीर सुखबीर सिंह पुत श्री तरलोक सिंह, वासी—263 मोता सिंह नगर, जालन्धर (द्वारा भगरजीत कीर)

(ग्रन्सरक)

(2) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र वर्शन सिंह घौर रिपन वालिया, वासी—108—झार, भाडल टाउम, जालन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7118 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ने जालन्धर ने लिखा)

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आग्रकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम र्रेज, जासम्बर

दिनांक : 12-11-1984

प्रकथ भार्च . टरी . एस . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन : यहायक नायकर आयुक्तः (रैनरीक्सक)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं्/ए० पी० नं० 5677—स्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है"), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह व्यिक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

(मौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसू में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के भ्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पृशां वित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रें वित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बितिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) नम्परण से हुन्दं निक्की भाव की वावक, उपने अभिनियम के नृशीन कर शेने के बन्दारक की शीमरण में कभी करने ना बतते अचने में सुविधा ले सिए; बरि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धुभुकद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था किपाने से स्विभा के लिए;

मतः जनः, उक्त मधिनियम की धारा 269-ा के अनुसर्णः में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिसिक व्यक्तिस्योः, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती मुखबोर कौर पत्नी महाबीर सिंह 198-एल, माडल टाउन, मुख्त्यार-दीवन करता किशन, 1 लिंक रोड, माडल टाउन, जालंधर। (अन्तरक)
- (2 श्री आर०पी० मिल्लल, पुत्र लाधूराम 1571, सैक्टर 18डी, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

कौ यह स्पना जारी करके पृथां कत सम्पृतिस् के अर्थन के सिए कार्यवाहियां केरता हुर्ः।

उक्त संपृत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप है----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपित व्याय अपोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका स्था है ।

नन्त्र्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 7123 विनांक मार्च 84, जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर ने लिखा:

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, जालस्थर

सारी**ख** : 11-10-1984

प्रक्ष्य, **भाष**ं . टी . एन . एस .,-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्(1) के अधीन स्थना

भाउत बडकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० /ए० पी० नं० 5679— जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिकित उक्दोर्य से उक्त बन्तरण निक्तित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गमा है:--

- (क) अन्तरण से हुई निवा जान की बावत , उनक अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे अबने में सुनिधा के निए ; आंद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती प्रवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना वाहिये था, जियानों में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धररा 269-ग के अनुसरण में, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारां (1) के अधीन, निम्निविधिक व्यक्तिकों, अधीत् :--- (1) श्रीमती बलबन्त कौर पत्नीं श्री हरभजन सिंह, कपूरणला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी रनजीत सिंह, कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उस्त संपरित के सर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए या सकेगे।

स्युष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिष-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अंध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3597 दिनांक मार्च 1984 की रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ने कपूरथला लिखा)

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रज, जालन्धर ।

दिनांक : 13-11-1984

मुक्ष बार् , दी , एन् , पुर्व .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, जालन्धर

णालन्धर, विनांस 13 नवस्वर 1984

निदेशक सं० ए० पी० नं० 5680—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी तं ० जैसा भनुसूजियों में लिखा है) है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजर्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्बक्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मृत्तरण से हुइ किसी बाद की बावत, सबस वीधीनयम के वधीन कार दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी द्वरनाम सिंह, कपूरथला ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती पिंकी तलवार पत्नी श्री उजल सिंह, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के गर्भन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्विकार में से किसी स्वित्त इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी जन्म स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस बच्चाय में विद्या ग्या है।

and the

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3598 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कपूरयला ने लिखा)।

> जे० एल० गिरधर सक्तम प्राधिकारी सहायक खायकर मायुक्त (निरीक्षण) खर्जन रेंज, आलम्बर

दिनांक : 13-11-1984

प्रक्ष नाइ े दी, एन. एस.-----

नायकर निभित्तियम्, 1961 (1961 का 43) क्ष्री भाग्र 269-न् (1) के स्भीन् सूज्राः

HIST MINE

कार्यास्य, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5685----यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भाधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण भाधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्ख 1984,

की प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नास्त, उनके सींधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिए में कनी करने या उससे स्थाने में सुनिधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः या या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः कदः, उस्त जीभीनयम की भारा 269-ग कै जन्तरक मों, मीं, उस्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीस् :— (1) श्री गुरदीप कुमार पुत्र गुरदास मल, सैण्ट्रस टाउन, फगवाडा ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र केसर मल, फगवाड़ा ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोज्त संपत्ति के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त कम्परि के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया प्या है।

धनु सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं ० 2745 दिनांक मार्च, 1984 को राजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी फगवाड़ा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत ज्रकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी.० नं० 5686—म्ब्रतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले ध्समें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्क सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में राजिस्ट्री_ करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धीन, दिनां क शार्च 1984,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित् में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्षे

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भने या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना कि हुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो गुलशन कुमार पुत्र गुरदास मल, वासी——जी: टो० रोड, फगवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र केसर मल, फगवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंचे।

अनुसूची

सम्प्रित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2746 दिनांक मार्च, 1984 को रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है)

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर ।

दिनोक : 13-11-1984

ोहर:

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ूर्ज 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं०/ए० पी०नं०}े 5688——यतः मुझे, जे० एल० गिरधरः

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जियकी सं० जैमा अनुमूची में लिखा है तथा जो मिठापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणिस है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जानन्धर में रिजिस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनकि मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तर्भु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——
8—346GI/84

(1) श्रो राय सिंह पुत्र बुटा सिंह, वासी—-मिठापुर, तहसील जालन्धर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो मजीत सिंह पुत्र म्रांसा सिंह वासी——मिठापुर, तहसील जालन्धर

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 6733 दिनांक मार्च 984 का राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुखना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रजॅन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० /एँ०, पी० नं० 5689—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा (अनुसूची में लिखा है) है तथा जो मिठापुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिदित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट् िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री जनकराज पुत्र श्रमर चन्द, वासी——हैगोर नगर, मुख्त्यारे श्राम—— प्यारा सिंह पुत्र श्रजीत सिंह वासी——मिठापुर, तहसील, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी कैलाश नाथ, 704, माडल टाउन, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त किनेक्तां में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी बन्य व्यक्ति तजारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा किंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिती ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6789 दिनांक मार्च 84 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रयिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप आह' टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० / हे० पी० नं० 5690---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि (श्रनुसूची में लिखा है) है तथा जो मिठापुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णहप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जानन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वितत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित बते गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत समित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरक्रों) और मन्तरिती (अन्तरितिक्षां) के तीच शूर्व अन्तर ये लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जरनैल सिंह पुत्र हजारा सिंह, 8, सैण्ट्रलटाउन जालन्थर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जगदेव कौर पत्नी मिट्टां सिंह, 8 सेण्ट्रल टाउन, जालन्घर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति वृतागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैया कि विलेख नं० 7163 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी जानन्धर ने लिखा ।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भूजन रेंज, जानन्धर

भैति: अर्ब, उनंत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

दिनांक : 13-11-1984

. प्रकप बाइ .टी.एन, एस. -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5691---यतः. मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं जैसा (श्रनुसूची में लिखा है) है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ातः मज, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के कपूसरण र जमतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ्निम्निविकित स्पिक्तियों अधित :— (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र ज़जागर सिंह (कोल्ड स्टोरज वाला) किंगरा, तहसील-जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सतगाल कौर पत्नी श्री तारा सिंह, वासी—रंधावा, तहसील—जालन्धर ।

(अन्तरिखो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संत्रध म कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रवाधन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्थी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6890 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सभम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रोंज, जालन्धर

विनांक : 13-11-1984

प्ररूप बाइँ, टी ृएन . एस त -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज(1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० /एँ० पी० नं० 5692—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (और इसन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बादरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्तिय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म श्रास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह,
 (कोल्ड स्टोरज याला)
 गांव---किंगरा, तहसील-जालन्धर ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरुबक्ण कौर पत्नी राष्ठपाल सिंह, गांव--सागरपुर, तहसील--जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) क्रम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास िखित में विश् का सर्थोंगे।

स्पन्धीकरणं: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6889, दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, जालन्धर

विनांक : 13-11-1984

प्रकृष् बाड् . टी : एम , एस् : +----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकार आयात्र (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० /एँ० पी० नं० 5693—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्व 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा भनुसूची में लिखा है तथा जो जाल धर में स्थित है (श्रौर इससे उनाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीं-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य. असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वेष्य से उचेत बस्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की वाबक, उक्त जिपनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (थ) ऐसी किसी नाथ वा किसी धन वा नन्य नास्तियों को चिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधानयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व कन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया वाया चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) कर्नल रमेश धन्द्र पुत्र नानक चन्द न्यू मार्कीट, माडल टाउन, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शक्ति मेहता पत्नी एन० के० मेहता और श्रीमती शोभा मेहता पत्नी विजय कुमार मेहता, श्रीमती मिनाक्षी मेहता पत्नी श्रार० के० मेहता और श्रीमती प्रवीन मेहता पत्नी सुरिन्द्र, वासी—~434-एल माडल टाउन जालन्धर ।

> ग्रौर श्री निरन्त्र कुमार पुत्र टेक चन्द, वासी--333, डिफैन्स कालोनी, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की राजील से 30 दिन की क्वीप, जो भी विचि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुष किसी कर्य व्यक्ति हुनारा अधोहस्ताक्षरी क नाव खिदित में किस्सु का सकेंगे।

रक्कांकारक है— हराजें प्रयुक्त करूरों जीर पदों का, को अक्त व्यक्तियम् से बच्चाव 20-स जें परिभाष्टिक ही, यही वर्ष होना को उन्न क्याय जें दिका बना ही।

अनुसूची

सम्पंति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7120 दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-11-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० /ए० पी० नं० 5694--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं ० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीखरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

स्रो पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार भून्य, असके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरित (अन्तरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्निसित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निचित में वास्तिव कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जरारण से हुए किसी नाम की नामत, उनक अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बरि/ा
- (क) एसी किसी काय या किसी का या बन्य बास्तिबों को जिस्हें भारतीय नायकर निर्मित्स, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

(1) श्रोमतो चन्द कौर विधवा विशत सिंह, पुराना पुलिस स्टेशन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी बलविन्द्र कौर पुत्री लाल सिंह, अवोहर, तहसील--फाजिलका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (बं) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ब) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा अवत जिथितियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5118 दिनांक मार्च. 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्त्रर

कतः अक, अक्त किथिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म क्री उपभारा (1) को अधीन, निस्निनिकत व्यक्तियों, अभीत् :---

दिनांकः : 14-11-1984

शास्य आई.टी.एन.एस.-----

भायकर गिंशिनयर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आगकर नायकत (निरीक्ष्ण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनोक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5695---यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में शिधक हैं

भीर जिसकी सं ० जैसा अनुसूचं में लिखा है) है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर उनने उपाबद अनुसूचं में श्रीण पूर्ण रूप ने वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक मार्च, 1984, को

प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिक ल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन किर दो के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के चिए; अडि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितयाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अस्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रामता चन्द्र कीर पतना विशन सिंह. यासा---पुराना पुलिस स्टेशन, भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) कुभारो मजीत कौर पुत्रा नथा सिंह, जनता नगर, लुधियाना ।

(अन्तरितो)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वनं के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्वक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त सक्यों श्रीर वर्षों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5175 दिनांक मार्च 1984 को रिजिस्ट्राइनी अधिकारो, भटिण्डा ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्द्रस्

दिनांक : 14-11-1984

प्रक्ष काइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) जे अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक शायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5696—यतः, मुझे, जै० एल० गिरधर,

भीर जिसकी संव जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
- गतफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफलन, निम्निलिखित उद्देश्य में उचल अन्तरफ
निकित्त को काम्तिनक अप में क्रिथन नहीं किया गया है ---

- (त.) अन्तरण मं हुड किसी नाय की बाबत, उक्त जीवित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी आप या किसी भन या छत्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, हा धनकर अधिनियम, हा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धन्म भा या किया जाना चाहिए था. छिपान से स्वित्र के सिए।

कतः अव, उकतं कीधीनयमं की धारा 269-व के बन्सरणं में, में अकतं अधिनयमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नितिषिधं व्यक्तियों, अर्थात् ६---9--346GI/84

(1) श्रोमता पन्द कौर विधवा विशन सिंह, पुराना पुलिस स्टेशन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) गुरमोत सिंह बराइ पुत्र श्रं: गमदूर सिंह, मार्फत : एस० आर० भटिण्डा ।

(अन्तरिर्सः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उत्तत संपति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस राज्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदौं का, जो उत्कत अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5234 दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी थटिण्डा ने जिला

> ञे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-11-1984

प्रस्प नाहाँ , टी., युन , एक . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर .1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5697--याः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा अनुसूर्चा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से शिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण चं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन भर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिया के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्त्यों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृष्धा के निए;

- (1) श्रोमता चन्द कौर विधवा विश्वन सिंह , नजदीक —श्रोल्ड पुलिस स्टेशन, भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) प्रेम कुमार पुत्र श्री कपूर चन्य, मार्फत : एस० आर० भटिण्डा । (अन्सरिता)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्ष्णेक्तरों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि औ भी अविधि औद में समाप्त हाती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी क्षित ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहरहाक्षणी है पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटारेन्यरण :---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5285 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी , भटिण्डा ने लिखा)

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रींज, जाक्ष्मधर

जतः था, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्स अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्षात हुन्न

दिनोंक : 14-11-1984

प्रकार बाहाँ ही , एम् , एकः व ------

भाग हर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के मुधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक गायकार जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5698 श्रीर 5701—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसका सं० (जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीक करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपर्तित को उचित नाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत्त से अध्य, है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त निम्नीलिक्त उद्वेष्य से उच्त अन्तरण विकित में वास्तिक स्प से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरम् चं हृदं किसी बाव् की वावसः, उपकृ विभिन्नियमः को वशीन कर दोने के जन्तरकः को वासिरस् में कभी करमें या उसके वशने में सुविभा के शिसए; सार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बस्य वास्तियों को, विन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवास अकट नहीं विकास वाया वाया किया वाना वाहिए था जियाने हों सुनिया के हिए;

(1) भी रतन घन्द पुत्र गुलाबराम रामवासपुरा, बूटा मण्डी, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश पुत्र भाना राम, आर्थ नगर, करकारपुर (जालन्धर) ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पृथानित सम्मरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उष्ट राम्पित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप 🗠

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबट किसी अन्य व्यक्ति व्याय अध्यक्षिताओं के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त प्रव्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगेम जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसनी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6937 मौर 7003, विनांक मार्च 1984, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो जालन्धर ने सिखा।

> र्जे० एत**० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, जालन्धर

कतः अय, खन्त निधिनियम की धारा 269-म के, जनुसरण भी, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अभीत, जिस्कीजिसित व्यक्तियों, अधारा :--

दिनांक : 13-1-1984

प्रस्य वाष. टी. एत. एस. ------

भाधकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के अधीन मुख्या

भारत वरकार

भागांत्रयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० /ए० पी० नं० 5.699 श्रीर 5700—यतः मुझे, जे० एस० गिरघर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिक्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रिधीम, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्याम शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नुसए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि निवत में वास्तविक स्प से किया गया है :----

- (क) अन्सरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त विकित्त किया के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने मा उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी अप या किसी भन या अस्य आस्तिकों सो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रतन चन्व पुत भी गुलाबराम, रामवासपुरा, बूटा मण्डी, जालन्छर ।

(अन्तरक)

(2) हरिबलास राय पुत्र श्री नन्दा राम, ग्रार्य नगर, करतारपुर, जिला—जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हित- वव्य किसी बन्य व्यक्ति व्याग्र अधोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकारण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूवा हैं।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6985, 6858, विनांक मार्च, 1984, को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालस्थर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13--11--1984

प्ररूप आहे. टी. एत . एस . ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर <mark>वायक्त (निरक्षिण</mark>)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5702---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269 का की जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका अधित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को प्वेंकित संपरित के उचित बाजार मृज्य से कम के रद्यमान प्रतिफान के लिए कन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित प्राजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तम पाथा गया प्रति-फान निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में धास्त-किक कप से कमित नहीं किया क्या है दैन---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ्मा किसी आप या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, था धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपान में नृविधा असी स्वर ;

बतः स्था, उक्त अभिनियम की भारा 269 म के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269 म की उपधार (ा) के अधीन, निम्मतिष्ठित स्विकार्यों, अभित् :---- (1) श्री संदीप कटारिया पुत्र फकीरचन्द, रेलवे बाजार, कोटकपूरा, जिला—फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्णन कुमार पुत्र रूलदूराम ग्रीर देविन्द्र कुमार पुत्र रखा राम मार्फत मिनी सुपर स्टोर, मोती भारू बाजार, कोटकपूरा, जिला—फरीदकोट ।

(मसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित्त के अर्थन के तिस् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब हे , 3 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबां बाद में सभाष्त होती हो, के भीठर पूर्वों व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांशा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिए बएध किसी जन्य प्यायत क्लारा सभोहस्ताकरों क पास लिखित में किए जा सकींगे।

श्याका विकास :---इसके प्रमुख्त कव्यो और पर्यो का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिवा गया है।

न्त्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेख नं 5374, दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जे॰ एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्छर

विनांक : 14-11-1984

प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 सितम्बर 1984

निदेण सं०62/घार-1017/37ईई/83-84--यतः मुझे, घार० भारताज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000. र- रा. सं अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 96 है तथा जो VI मैन रोड, मल्लेखारम, में बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबाद ध्रनुसूची में मौर पूर्णस्प से बिणिद्ध है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निचत में वास्त- विक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, वाधनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, खिपाने के सुविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीम, निस्नलिधित स्थिक्तयों, अर्थात ः— (1) श्री पी॰ जै॰ राव,

मिसेंग नैना गजगन्नाथ राव,

केयर/प्राफ एन॰ ध्रार॰ एन॰ मालकुर,

एस॰-382, पंचणील पार्क,

नई दिल्ली--17।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज कुसुम देवी बच्चावट, प्लैट नं० डी-6, मैति श्रपार्टमेंटस, नं० 96, VI मैत, मल्लेण्यारम, बेंगलूर--3 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्मन्भ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ी करें 45 दिन की अविधि या तत्संवधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 870/83, विनांक 13-3-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 96, VI मैन रोड, मल्लेक्वारम, उसमें 3 वैड रूम फ्लैट ब्राफ 'सी' ब्लाक, सी-6, V फ्लोर एट मैनि ब्रपार्टमेंट्स, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वेंगलूर

दिनांक: 28-9-1984

मोहर ३

प्ररूप आहें. टी. एन, एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-वंगलूर

बेंगभूर, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० सी० भ्रार० नं० भ्रार०—1041/37ईई/ 3-84— यत: मुझे, श्रार० भारक्वाज,

कर प्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ये से अधिक है

र जिसकी सं० बी-7 है, तथा जो कनडोलिम, गोवा में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नांक 15-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार से म से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, हे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ज्ञत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक लिए तय पाना गया पान, निम्नलिक्ति उद्बद्ध से उक्त अन्तरण जिल्लिक धिवक के सेधन में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन कोस्तियन, रा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ततः अतः, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-ग के बनसरणः, माँ, उक्त अभिनियमं की धाय-260-य की उपधारः (1) वधीनः, निम्निलिक्ति व्यक्तियाँ, नर्यातः :—

(1) मैं श्रासकत रीयल एस्टेट्स प्रा० लि० वेलहो बिस्डिंग, पंजिम, गोवा ।

(द्यन्सरक)

(2) श्री जोलेयान ध्रार० कामत श्रीर स्विसेन रोड्रिग्युस, क्लारक हौस, 8 नानालाल परेक मार्ग, बम्बर्ड----39।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां घुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सगस ची

(वस्तावेज सं० 875 दिनांक 15/3/84) प्लाट नं० बी--7, "धगड्डा हालिडे होम्स्", जो क्रमडोलिम विलेज बारडेज, गोवा में स्थित है।

> श्रीर० भारद्वाज सक्षम श्रीधिकारी यहायक भायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, बंगलर

दिनांक : 10-10-1984

प्ररूप बाह्". टी. एन. एस. -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 10 धम्तूबर 1984

निदेश सं० 62/घार-1038/37ईई/83-84--यतः, मुझे, घार० भारक्षाज,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० बी-8 है, तथा जो कनडोलिम, गोवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बेंगल्र, दिनांक 15-3-1984

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एस दृश्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिसास से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए स्य श्वा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी अपने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: ब्रंब, उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, औं, श्वकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीम, मिस्तिविवत व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मैं० धालकन रियल एस्ट्टेस प्रा० लि० वेलहो बिल्डिंग, पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरक);

(2) श्री जोलेयन श्रार० कामत ग्रौर स्थितेन रोड्रिजियस, क्लारक हौस, 8 नानालाल परेक मार्ग, बस्बई-39 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाष्ट्रियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्यां पर स्वान की तामीह से 30 दिन की अविधि, जो भी , अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें अयुक्त शक्यों और पदों का, जो उत्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाविस हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

लगुल्ली

(दस्तावेज सं० ४७२ दिनांक 15-3-84) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० बी-8, अंगड्डा हालिडे होम्स्'', कनडोलिम विलेज होम्स एट कनडोलिम, बारडेज, गोबा में स्थित है

> द्यार**ु भारद्वाज** सक्षम[®]प्राधिकारी सहायक द्यायक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, बंगल्

विनांक : 10-10-1984

प्रकृष आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, अंगलर

बंगलूर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं० 62/धार-1085//37ईई/83-84--यतः मुझे, धार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए-5 है, तथा जो कनडोलिम, गोवा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बंगलूर, दिनांक 27-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (भ) अन्तरण से हुई किसी जाब की वाबत, उथस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थातः :---10—346GI/84 (1) मैं ॰ म्रालकन रियल एस्टेटस् प्रा॰ लि॰ वेलहो, बिल्डिंग, पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स भ्रानगेला ग्रेसियस, "परनज्योत" । फ्लोर 16 रोड, बन्द्रा (पश्चिम), बम्बई—50 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षा :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धि व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीहर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्होकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक क हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्भी

(दस्तावेज सं० 913 दिनांक 27-3-1984) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० ए-5, "भ्रगङ्का हालिडे होस्स्", कनडोलिम विलेज होम्स् एट कनडोलिम, बारडेज, गोवड, में स्थित है।

> ्रधार्**ं भारद्वाज** संक्षम[्]त्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 10-10-1984

माहर

प्रकृत वार्ष . दी . स्व . एत . --------

ज्ञायक है विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) में नधीन सूचना

भारत **प्र**कार

कावनिक्र प्रशासक नामकार नाम्बत (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 4 अक्तूबर, 1984

निवेश सं 0 62/42751/84-85--- यतः मुझे, जार**०**

बावकर क्षिनियम, 1961 (1961 की 43) (चिसे इसमें इतके प्रकास 'सक्त विधिवयय' कहा गया है'), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण ही कि स्थापर धम्पत्ति, विश्वर्षक विश्वतः कामार मृत्य 25,000 न्हां . से मीपम हो

और जिसकी रो॰ 1, 1/1, 1/2, 65; 65/1, 65/5, है तया जो नुकत्तिताशामकम रोड, स्ट्याकी राध रोड मैसूर में रियत है (और इससे उपावब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगसूर, विमास 16-3-1984

का पूर्वीक्त सम्बत्ति के उचित नावार मृत्य से कव के व्ययमान प्रतिकृत की लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेनिस सेंगीरत का उचित बाजार मुस्य, उसके क्रममान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का नम्बद्ध प्रतिकत से मधिक है और मनारक (मन्द्रकों) नीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरम के लिए तय पामा गया प्रविकास निम्नसिक्ति उद्योग से उपत नंतरण सिवित में वास्तिबन्ध रूप से कार्यित नहीं कि वी गया है :---

- (क) नंतरुण से हुन्दी किसी बीर्य की बाबस्त, सबस निभिनित्तम के नभीन कर दोने के नन्तरक के वायित्व में कंसी करने यो उससे बचने में सूबिधा के लिए; नीट्र/या
- (बा) एंसी बिक्ती भाग या मिली पर वा मान बारिसवी क्ये, जिन्हें भारतीय नाय-कर वॉभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्या अभिनियम, सा भन-कर अभिनियम, 1957 (195**7** को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग्रॉ वरिया ने विहा

नतः वय उक्त विधिनियम को धाय 269-य है बन्हरण थे, मूर, उपल मौधीनमभ की धारा 269-व की उपधारा (1) विषीतः, निम्नलिषित् स्पवितवा, अस्ति :----

- 1. (1) श्रीमती कमलाक अम्मा,
 - (2) श्री ए० आर० गोविन्दा सेट्रि
 - (3) श्रीए० जी० रामप्रकाश
 - (4) श्री ए० जी० रगुराम,
 - (5) श्री ए० जी० दासे
 - (6) श्री ए० जी० अशोक
 - (7) श्रीए० आर० रामासेट्रि
 - (8) श्री ए० आर० गनेश्वार,
 - (9) श्री ए० आर० जयाराम
 - (10) श्री ए० जे० वेन्कटेश
 - (11) श्री ए० आर० जानकीराम
 - (12) श्री ए० जे० प्रशान्त
 - (13) श्रो ए० आर० सीताराम
 - (14) श्री ए० एस० अरविन्दा
 - (15) श्री प्रेमालीला,
 - (16) श्री ए० वी० अनन्दाराम
 - (17) श्री ए० वी० वदरिसम, नं० 1596, बबीर रोड, मैसूर, मैसर्स : भवानी एन्टरप्राइसेस, 199-डो, 7-बंं, मैन ∐ा ब्लाक, जयानगर , बेंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री जीव आएव भनीता, और कुछ लोग, मैसूर ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थान को सर्वाध मीं कोई भी शाक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अकाशन का तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वकाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क े परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5357/84 दिनांक 16-3-1984) सम्पत्तिहै जिसका सं० 1, 1/1, 1/2, 65, 65/1, से 65/5, जो तुरूल्लिशामकम रोड, सय्याजि राव रोड, मैसूर स्थित है।

> . आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांन 11-10-1984 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० 62/42749/84-85---अतः **मुझे, आर०** भारताज

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1, 1/1, 1/2, 65, 65/1, से 65/5, 15, 15/1 है, तथा जो गरगेम्बरिगुडिरोड, और सय्याजी राघ रोड, मैसूर में स्थित है '(और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांकः 16-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण्य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती ए० बी॰ क्लकारतगा,
 - (2) श्री ए० वी० सूर्याप्रकाश
 - (3) भी ए० एस० मेलन,
 - (4) भी ए० बी० सरकानारायन
 - (5) भी ए० एस० दिनेश
 - (6) श्री ए० वि० रामदास,
 - (7) श्री ए० बार० श्रीनिवास 1066, शिवारामपेट, मैसूर। मैससँ, भवानी एण्टरप्राइसेज, 199-डी, VII, बी, मैन, III क्लोक, जयानगर. बेंगलूर।

(अम्सरक)

 श्री किज्ञन दास और कुछ जोता मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिम्न कार्ववाहियां सूक्त करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई" भी बाक्रोप :---

- (क) इस सूचका के राजपन को प्रकारक की शादीका से 45 दिन की संवधि का रास्त्रकारणी क्यांकाओं कर रूचना की तासील से 30 किन की संबध्य, को भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के औरतर पूर्वोक्त व्योक्ता में से किसी व्योक्त द्वाएं;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्तकंत्रभ किसी काय व्यक्ति व्याप अभीहस्ताकंदी की बीस सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों बीद पदों का, को उक्त अधिनियमं, के अध्याद 20-क में पिरक्शिवित ही, बही वर्ष होगा को उस कथ्यास में विशा गया ही।

वन्स्यी

(वस्तावेज सं 5355/84, दिनांच 16-3-1984) सम्पत्ति हैं जिसका सं 1, 1/1, 1/2, 65, 65/1, से 65/5, 15, 15/1 है जो गरगेशवारिगुडि, रोड, आर सम्पाजी राव रोड, मैंसूर में स्थित है।

> क्कार० भारद्वाजः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्क्न, व्यक्तिः

विनांक 11-10-1984 मोहर प्ररूप आहें.टी.एन.युस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अधीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगजूर, दिनों क 11 अन्तूबर, 1984

निदेश सं० 62/42750/84-85--यतः मुझे, आर० भारताज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2, 1/1, 1, 65, 65/1, से 65/5, 15, 15/1 है, तथा जो गरनेफ्वीरमुडि रोड, और सम्पाजी राजरीड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक बंगलूर, 16-3-1984

को प्वोंक्त संपरित के उंचित अजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पेइह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री ए० सी० शंकर,
 - (2) ए० एस० मधुकर, 43, एम० ऐ० जी० II स्टेज, के० एच० बी० कालोनी, विजया नगर, उत्तर, बेंगलूर-79

(अन्तरक)

 मैसर्स भवानी एन्टरप्राइसेज, 199-डी, 7-बी, मैन, III ब्लास, जया नगर, बेंगलूर-11

(अन्तरिती)

 श्री किशनि दास और कुछ लोग, मैसूर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की झारी खं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए आ सकोंगे।

स्पन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5356/84 दिनांक 16-3-1984) सम्पत्तिहै जिसका सं० 1, 1/1, 1/2, 65, 65/1 से 65/5, 15, 15/1 है, जो गरगेण्वरिगुडि रोड, और सय्याजीराव रोड, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बंगलूर

दिनांक 11-10-1984 मोहर: प्ररूप बाद् े दी , प्रतः, एस , ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सहकार

कार्यानय, सहायक नायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगजूर

बंगलूर, विनांक 2 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 62/43053/84-85---यतः मुझे, आर० भारताज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 11(13), है, तथा जो लक्ष्मी देवी ब्लाक, 5, क्रांस, मान्ति नगर, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांक 28-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, स्रसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- अन्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः सम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स रेनु एम० जेसवानि,
 नं० 602, 6ठा फ्लोर, रूप धर्मन, सी०, जुहुलेन,
 अन्धेरी वेस्ट, बम्बई-58
 - (अन्तरक)
- शामलाल विशनदास,
 नं० 21/2, लक्ष्मी रोड,
 शान्ति नगर, बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्प्रसि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्घारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे

स्वव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

-

(दस्तावेज सं० 4695/84, दिनांक 28-3-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 11 (पुराना सं० 13), जो लक्ष्मीवेबी ब्लाक 5, कास, मान्ति नगर, बेंगलुर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 2-11-1984 मोहर: प्राफ्य काई , टी. एन. एस. ------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० 62/43801/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सँ० 321 है, तथा जो मैकी लेआउट, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कर में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन बेंगलुर, दिनांक 21-3-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रवयमान प्रतिफल से एसे रवयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निलिखित उद्वेष्य से उच्छे अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री के० भागराजा,
 नं० 86/2, 17 कास,
 लक्का सन्द्रा, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री नवशद आलि खान, रेप्रेजेन्टेड बै श्रोमतो क्वामरून्तिसा बेंगम, नं 12/1-ए, (अपटेंरसस), नोरिस रोड, रियमन्ड टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूरः करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकनी।

स्मा किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्ची

(दस्तावेग सं० 4605/83, दिनांक 21-3-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 321, जो मैको लेआउट, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर**े भार**ढाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 31-10-1984

प्ररूप बार्ड् टी. एन . एत . ------

अध्यकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, बिनांक 30 अन्तूबर, 1984

निवेश सं० 62/43808/84-85---यतः मुझे, आर० भारक्राज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है, तथा जो II, स्टेज, राजा जि नगर, वेंगलूर में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजी, नगर में, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांक 12-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुई कियी जाय की वावत, बन्द बीधनियम के अधीर कर दोने के जम्तरक के दायित्य में काशी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के सिए;
- (क) एसी किशी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों वो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रतिजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा खें लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील, निम्निचिक्त व्यक्तियों, जर्थात् ध— श्री एम० बैयन्ना,
 नं० 67, 13 क्रास, I ब्लाक,
 राजाजी नगर, बेंगलूर-10

(अन्तरक)

2. श्री एन० मंजुनाथय्या, नं० 4302. सुनामन्यानगर, बेंगलूंर-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब क्स संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच स 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्परित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रम पर्वे

(दस्तावेज सं॰ 4936/84, विनांक 12-3-1984) सम्पत्ति है. जिसका सं॰ 12, जो II स्टेज, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 30-10-84

प्रकृष नाइं.टी.एन.एस. हन-----

शायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बेंगलूर, दिनांक 30 अक्सुबर, 1984 निदेश सं० 62/43807/84-85--्यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेन्ट नं० 1-बी, I फ्लोर, 72/1 है तथा जो कन्निगंहाम रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय शिवाजीनगर, में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांक 7-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बत्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरक को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कामस एलेक्जेन्डर, नं० 2, कन्तिगहाम रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 डाक्टर, मम्मेन जाजं यान्डि, नं० 53, V फ्लोर, शालिमार, अपार्टमेन्टस, रेजिडेन्सी रोड, बेंगलूर ।

(अन्तरिसी)

3. मैससं इंगल एजेंसोज और सेल्स, नं० 2, कन्निगहाम रोड, बेंगलूर-52 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्दरी

(दस्ता वेज. सं० 3526/84, विनांश 7-3-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 1-बी, पन्नोर, जो 72/1 कन्निगहाम रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, बंगसूर

विनांक 30-10-1984 मोहर: प्रस्थ बाइ'. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 43806/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आर० एस० न० 496-1, टी० एस० न० 77-1, पार्ट एक्सटेंशन 17 सेन्टस है, तथा जो अत्तावर विलज, मंगलूर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांक 12-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मल्य से कर के ज्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मओ यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकों और अंतरिकों (अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक कस निम्नितिश्व उद्देश्य से उसल अंतरण विश्वित में अप्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबल संबद अधि नियम के अधीन कर दोने के अंतरक की द्वारियाल में कमी करने या उसमें बचने में स्वित्रया में सीक्श्या
- (क) एंसी किसी बाब दा किसी धन सा बन्ध आजिना शं को, विन्हें भारतीय बायकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना सा किया चाना चाहिए था, क्रियाने में मुविका से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
11—346GI/84

 श्रामतः रित हुन्गसु, मुन्जा विलेज, कासरागोड तालुक।

(अन्तरक)

श्री हरिचन्द्रा पुत्रन,
 बोलारा फेरिर रोड. मगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपितत के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारोन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाम निर्मित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हारेण का जस अध्याय भे किए। स्था हैं:

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1732/84 दिनांक 12-3-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 496-1, टें।० एस० नं० 77-1, पार्ट एक्सटेंशन, 17 सेंट्स, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज़् बंगलर

दिनांक: 30-10-1984

प्ररूप आह".टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

बंगल्र, दिनांक 30 अक्तूबर 1984

ं निदेण सं० 62/43809/84-85---यतः मुझें, आर० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिष्ट्याम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मस्य 05.000/- एक. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 197(82) है, तथा जो हेक्बाल, गर्गेनाहिल्ल, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाधक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर, दिनांक 14-3-1984

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृतेंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलितित उद्देश्य से तक्त अंतरण निस्ति से बाक्तिक क्या त न्येशन नहीं जिया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत अक्त अधिनियम के बधीन कर दौने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों किया किसी आप किसी भन या अन्य आस्तियों किया किया अधिनयम । 1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अत: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के लधीन, जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अधित —— श्रो ए● नामस,
 मं० 21, कन्डा स्वामी मोदमायार रोड,
 फेजर टाउन, बेंगलूर-5

(अन्तरक)

डाक्टर एन० सेलेंबन,
 रिप्रेजेन्टेड बाई० के० चिन्नास्थामी,
 नं० 7/1, 5 फ्रास, नागप्पा स्ट्रीट,
 वैलेस, गुहाहिल्ल, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

ुको यह तृषना <mark>जारी</mark> करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु^{ने}।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

ननसची

(दस्तार्वेज सं• 3584/84, दिनांक 14-3-1984) सम्पत्ति है जिसका स० 197(82), जो हेम्बाल, गंगेनाहस्लि, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3 € 10-84

प्रकृष बाइंं टी. एन. एस.,------

आयकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

मगलूर, दिनांक अक्तूबर 1984

निदेश सं० 62/43187/84-85---अतः, मुझे, आर० भारकार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिमका सं० 19/1 (पुराना नं० 19 और 29) है, तथा जा मलबिल्ल राम राव लेन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूचा मंश्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय गांधोनगर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्नोन बंगलूर दिनांक श्रीत्रेल, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधी न निकासितिकत व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्रोमती जीव सोलैं
 - (2) टी० नीलबती, नं०42, पी० वी० ग्रार० गेंड जोलि मोहल्ला, ब्रेंगलर ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मोहम्मद सलीम, नं 15, इब्राहीम शाह मास्क स्ट्रीट, कुम्बारपेट, बेंगलूर-2, रिप्रेजन्टेड बाई जनाब महमद अजाम।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी सं 45 विन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

(दस्तावज सं० 313/84, दिनांक अप्रैल, 84) सम्पत्ति है जिसका नया सं० 19/1, (पुरानी सं० 19 और 29), जो मलवल्लि, रामा राव लेन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

दिनाक 25-10-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलर, दिनांक 27 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 62/43068/84-85--अतः, मुझे, आर० भारद्वाज

ग्आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसको सं० आर० एस० 664-3बा, टा० एस० नं० 241 3 बी है, तथा जो अना बर बिलेंग मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य ने विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के बार्शनिय मंगलूर सिटा में रिजस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बेंगलूर दिनांक 24-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्ह भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, णा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- गल्फ हम्मन कान्स्रटेन्स डिसीजा, रिप्रेजेन्टेड बाई:
 - (1) श्रा एम० राज मनोहर गनापति टेंपल रोड. मंगलूर
 - (2) श्री जी० चिसारंजन दास, 10/632, विशप विकटर रोड, मंगलूर, (अन्तरक)
- मैसर्स विकटोरिया बेनेडिक्ट ब्रिसीजा, रिप्रेजेन्टेड बाई: श्रो बो० के० हेगडे, अगोजिट: गवर्नमेन्ट कालिज, हमननकट्टा, मंगलर-1

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

(वस्तावज स० 1799/83, दिनांक 24-3-1984) सम्पत्तिहै जिसका सं० आर० एस० 664-3बा, टा० एस० नं० 241-3बी, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर सिटामें स्थित है

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बग्लूर

दिनांक :27-10-84

प्रकार कार्युः टी. एत्. एस., त -- -

जायकर जीपनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 अन्तूबर 1984

सं० 62/43026/84-85—अतः मुझे, आर० भागद्वाज भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 45,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 (424) है, तथा जो 12 मैं० आर० आर० वि० एक्सटेंग्रन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-3-1984

को पूर्वोशित सम्परित के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उजित बाजार मृत्य उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का न्द्रह प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्ति विक स्प से क्रिशन नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के जिए; विष्ट/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधोजनार्थ सन्तिरही कर एए प्रकट गहीं किया गया वा सा किया जाना वालिए बा, खियाने में श्विधा के निया

- 1. (1) श्रीमती कमजाबाई,
 - (2) कुमारी कविता
 - (3) कुमारी संगीता
 - (4) कुमारी अनिता
 - (5) कुमारी सविता
 - (6) कुमारी प्रियद शिनी,नं० 20, क्वीन्सरडीन रोड, बंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री के० रागवा रेड्डि न० 446, राजा महल विलास, एक्सटेंशन, बेंगलूर-80

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पोद्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हिस- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

(दस्तावेज सं० 3796/83, दिनांक 19-3-84) सम्पत्तिहै जिसका सं० 10 (424), जो 12 मैन रोड, राजा महत्र विचास एक्सटेंगन, वेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसिचित व्यक्तियों, स्थात :---

दिनांकः 23-10-1984 मोहरः प्ररूप आई. टी, एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भामकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 अक्तूबर, 1984

सं० 62/43018/83-84—यत। मुझे आए० भारवाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2748, डी-35 हैं तथा जो मैन, बंटीकोप्पल, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मैसूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-3-1984

1908 (1908 को 16) के अवान हिनाक 21-3-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुंं से कम के उपयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उपके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिसित उद्वास्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट स्यक्तियों, अर्थात् ४---- श्रीबी०के० कुष्णपा, नं० 2748, VI मैन, बंटीकोप्पाल, मैसूर।

(अन्तरकः)

2. श्री एत० जयाराज, नं० 137/1, साई बाबा नगर अदोनि, ए०पी०

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए_ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है वही जर्थहोगा, जो उस अध्याम में विमा गया है।

नग्स्ची

(वस्तावेज सं० 5467/83, दिनांक 21-3-1984) सम्पति है जिसको सं० 2748, डी-35, जो VI मैन, वंटीकोप्पाल, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, भोपाल

विमांकः 30-10-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

शारत तरकार

कार्यात्व, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 25 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० 62/42938/83-84--अतः मुझे, आर० भारहाज नायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एम० 123 (भाग), 125 मे 130, 136, 137 तथा 140 है, तथा जो मेहाराहिल, विलेग, कस्बा होबली, ववनाहिल्ली नालुक, वेगलूर डिस्टिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितिहित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक क्ष्य से कांचत मुद्दों किया यका है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिला में कामी कारने या उसने स्थल में स्विधा में निगा; ब्रीट/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ कां, किन्हुं भारतीय जाय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर विधिनियम, या बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अन, उपल अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीतः :--- श्री एस० श्रीनिवासन, नं० 31/25, केंपन्ना लेआउट, बेंगलूर-20 ।

(अन्तरक)

 श्री जैरास्य एस० कोनावाला, द्वारा श्री पी० बलसारा, बोरवैंल टेंक रोड, वैटफील्ड, बिंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कास विविद्य में किए जा सकरेंगे।

स्वधाकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, या उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

भग्रामी

(दस्तावेज सं॰ 1713/83, दिनांन 13-3-84)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 123 (भाग), 125 से 130, 136, 137 और 140 जो सेहराहलि, विलेज, कस्बा, होबलि, देवनहल्लि तालुक, वेंग्लूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> आरु० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 25-10-84

प्रारज्य बाई. टी. एन. एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मास्कत (निरीक्षण

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलून, दिनांक 22 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० 62/43276/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 है, तथा जो II कास, IX मैन रोड, राजामहल विलास एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक मई, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य झास्तियाँ की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह साई लक्ष्मी, रेप्रेजेन्टेड बाई: श्री के०पी० संताराम, नं० 31, वेंकटनारायन रोड, टी० नगर, मद्रास ।

'(अन्तरक)

 श्री जयालक्ष्मी, रेग्नेजेन्टेड बाई श्री के०पी० वालासुवामिषयम, नं० 13, II क्रास, IX मैन, जयामहल विलास एक्सटेंशन बेंगलूर,

(अन्तरिती)

3. अन्तरितं*।*

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

वनसूत्री

(दस्तावेज सं॰ 625/84, दिनांक मई, 1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 13, जो II क्रास IX मैन रोड, राजामहल विलास एक्सटेंशन, बेंगलुर में स्थित है।

> आर० भा**रहाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगनूर

नारीख: 22-10-1984

प्रकप बाद'. टी. एष. एस. ------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, बेंगलुर

वेंगलूर, दिनांक 27 अक्तूबर, 1984

निर्वेष सं० 62/42966/83-84—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, जायकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो लक्कासन्छा, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-3-1984

ते पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान तिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने तिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने तिफल है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सके द्रस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह तिज्ञत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में स्तिफल, कि से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संसुद्ध किसी आय की वाबतः, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे दचने में सुविधा को लिए: और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सनिशों के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निस्तिनिकित प्यक्तियों, कर्धात :----12---346G1/84 श्री चिक्सावीरप्पा,
नं० 6, रामास्वामी, लेआउट,
19 क्रास, लक्सासन्द्रा,
बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्री के० नागराजा
 नं० 5/11/2, 19 कास,
 लक्कासन्द्रा, रामास्थामी, ले आउट,
 बेंगलूर।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

चक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित से किए या सकोंगे

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

(दस्तावेज सं० 4373/83, दिनांक 5-3-1984) सम्पत्ति है जो लक्कासन्द्रा, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांबर: 27-10-84

प्रस्प बार्ड . टी. एन. इस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालयः सहायक वायकर भागृक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर-

बेंगलुर, दिनांक 19 अक्तूबर, 1984

निर्देण सं० 62/43002/83-84/—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिक्सं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 124-ए है तथा जो बैटफील्ड बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में भीर जो पूर्ण स्प में वर्णित है) रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-3-1984

को पूर्नोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य से किथ्त नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व मो कमी अरने या उससे अचने में सुविधा के निए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :---

- 1. श्री वयापटन, पि० पि० नंदी,
 - (2) मैसर्स जेन्निकर एन० नन्दी, रेप्रेजन्टेटड बाई: श्री टी० मन्के, नं० 2, ग्रीन पार्के मैन रोड, बैटफील्ड, बेंगलूर।

(भन्तरक)

लेखा सम्पत (मैनर)
 रेप्रेजेन्टेड बाई: श्री एस• जी• सम्पत्त,
 नं• ६, कुमारा पार्क बैस्ट, 1 ब्लाक,
 बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हुरे, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा नथाहरताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित इं, अही नर्थ होगा को उस अध्याय में विमा पत्रा है।

अगसची

(दस्ताबज सं• 8558/83, दिनांक 28-3-84) ब्रम्पत्ति है जिल्लका सं• खानानं∘ 124-ए, जो बैटफॉल्ड बेंगलूर, दक्षिण तालुक, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी बहाबक आबकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनोक: 19-10-84

प्रकथ काइं.टी.एन.एस. -----

नावकर निधित्रम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

भेंगलूर, दिनांक 22 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० 43043/83-84—अत: मुझे, आर० भारद्वाज जायकर जांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भार 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 9 है, तथा जो दोमलूर, ले आउट, I स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के ६६६मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में भाकाविक एवं से कावित वहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शियल्ब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना का का जाना वाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

जतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निमनलिकित अधिनतमों , अर्थात् :---

- श्री श्री० पी० दावन,
 नं० 21, II मैन रोड़ कुमारा पाक,
 बेंगलूर ।
 (अन्तरक)
- 2. श्री कें० बी० कृणप्पा, न० 39, प्यालेस रोड, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिगम के अभाग 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा जो उस अभाग में विका गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3547/83 दिनांक 29-3-54) सम्पत्ति है जिसका स० 9 जो दोमलूर, ल आउट II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 22-10-84,

इक्ट बाई. टी. एवं. एवं . -----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सूचना

BIST TENT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० 62/43096/84-85—अतः मुझे आर० भारक्षाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावद सम्बद्धि, विसका उचित् वाकार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 85-का है, तथा जो जेघिनमोगरू विलेज, मंगलूर, में स्थित है (श्रीर इसेसे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विलित है) रिजिस्ट्राकृती अधिकार। के कार्यालय मंगलूर सिटा में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 11-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार ज्वा उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर पन्ति (अन्तरित्या) के गांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण संहुदं किसी जाय को बाबत उथत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा क लिए; अर्रि./वः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269ग की उपधारा (1) अक्षे अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो विल्लोकाड जेम्स एन्योनी, मानटेरी नंदन, वलेनसिया, मंगलूर-2

(अन्तरक)

 बोनिफेस मानटैरो, नंदन, बलेनिसया, मंगलूर-2

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त करूपों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष कृष्णा, जो उस अध्याय में दिवा भूषा ही।

नगुसूची

(दस्तावेज सं० 58/83-85 दिनांक 11-4-84) सम्पत्ति, है जिसकी सं० 85-बि० जो जेघिनमोगरू विलेज मंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 5-10-1984 मोहर : प्ररूपः शार्दः दीः एतः एसः,--------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकाऱ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्तूबर, 1984

निर्धेण सं० 62/43212/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का यारण तै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लेकिन बाजार मन्य एक, 000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 281/13, है, तथा जो 17-डो-मैन रोड, III ब्लाफ, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-4-1984 को पूर्वित्तस मम्पीस के उपित बाजार मृत्य से कमें के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क्षी गई हैं और एके यह विक्याय करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्तरह प्रतिकार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त बंतरण निचित में शस्तिक कर से किएत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त जिभानियम के जभीन कर दोने के भन्तरक के दायिल में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए: जौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ें, गेंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री के० बेट्टादाराया,
 नं० 281/13, 17-डं:, मैन रोड,
 III ब्लाक, राजार्जानगर,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

श्री पी० आर० कमलम,
 नं० 710, III अलाक, राजाजीनगर,
 बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर रूम्पत्ति में हिंहा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों आर पक्षे का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वपुत्रकी

(दस्तावेंज स॰ 219/84, दिनांक 16-4-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं॰ 281/13, जो 17-डी-मैन रोड, III ब्लाक, राजाजीनगर, वेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, केंग्**लूर**

दिनांक : 22-10-1984

प्ररूप. नाहाँ. टी. एन. एस. - - - -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 प्रक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० नं० 62/43117/84-85----यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 96/56 है, तथा जो 6 मैन, 5 ब्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-4-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरूप से हुई किसी शाव की वावता, उक्त विधितियम् के वृथीन कर दोने के वृन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; स्रीडि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः शर्यः, अज्ञतः श्री∿ोनयत्र, की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियभ की धारा 269-म की उपभास (!) अक्षेत्रभीत्र, निम्नसिवित स्मित्तार्थों, वर्षात् अ—

- (1) श्री बी० बुपति नाय हु
 - (2) बि॰ बासकर, केर/ब्राफ॰ भूपति नायडु भौर सन्स, गुनडोपन्त स्ट्रीट, बेंगलूर-2

(मन्तरक)

- (2) श्रीमती रशीदा बेगम
 - (2) मिस्स सुरिया बेगम,
 - (3) मिस्स सरवर ताज,
 - (4) मिस्स सैवा उम्मे सलमा, नं० 9, शिवाजी रोड, एन० श्रार० मोहल्ला, मैसूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया ततस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से फिसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरि।

स्थब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जग्तुची

(वस्तावेज सं० 106/84 ता० 12-4-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 96/56, जो 6 मैन, 5 ब्लक, जयानगर, बंगलूर, में स्थित है।

> द्यार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 20-10-84

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० नं० 62/43019/83-84---यतः मुझे आर० भारताज

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2748 डी-35 है, तथा जो 4 मैन, वनिट कोप्पाल देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-3-84

को पूर्वाकरा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—- (1) श्री बी० के० कृष्णपा
नं० 2748, 4 मैन,
वंनटिकोप्पाल,
मैसूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी हरि, वाईफ/प्राफ श्रीबी० एन० हरि, साईबाबानगर ग्रदीनि, ए०पी०

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रक

(दस्तावेज सं० 5468/84 ता० 21-3-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 2748, डी-35, जो 4 मैन; बंनटिकोप्पाल, देवराज मोहस्सा, मैसूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 30-10-84

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 19 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० नं० 62/43059/84-85—यतः मुझे श्रार० भारक्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार संस्थ 25,000 र्-रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 210/5, है, तथा जो 39-म्रार-कास 5 ब्लाक में जयानगर बेंगलर में स्थित है (मौर इस से उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन ता० 21-3-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल को लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्यों से उन्त अन्तरण निविद्य में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की गवत, उक्त बिध-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मुजिशा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती दशरा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में सुविधा के लिए।
- े जब उक्त अधिनियम की थारा 269-म के जनसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अभीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात :——

(1) श्री एम० भ्रार० एकोकुमार बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि से तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रीहम्स्यप्रणा के जास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नपुष्ती

(दस्तावेज सं० 4587/84 ता० 21-3-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 210/5, जो 39-मार-कास, 5ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीखा: 19-10-84

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 29 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/657—-ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार जूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

मौर जिसकी संख्या एस-440, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित वृक्तरा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिधा के किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रधारा (1) के अधीन, निम्निलिमिन व्यक्तियों, अधीत्:—— 18-346GI/84 श्री जगपत सिंह चौहान, निवासी-9-श्री फोर्ट रोड, नई विल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) दीपमाला मैन्युफैक्वरिंग इन्डस्ट्रीज लि॰ 16-इन्डिया एक्सचेंज प्लेस, कलकता ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कायका हिया हारू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स् धी

प्रो० नं० एस-440, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली---तादादी 2408 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-10-84

मोहर '

प्रकथ बाइं. टी. एव.. एस.. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/661----अतः मुझे सुभीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के कथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 209ए, है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई बिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयगर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृत्या के लिए; बीर/या
- ्री किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) ; अधीन निम्मसिन्दिस स्थितियों, स्थाति :--- (1) मैं ॰ गैंडोरदूल्स (इन्डिया) प्रा० लि ॰ 51→52 नेहरू प्लेस, नई दिल्लें।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रा देवी पत्नी श्री हरीश चन्द, निवासी ई-80, इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 विन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामीज से 30 दिन की समित, जो भी अमिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण हु---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो खंबस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हुएंगा जो उस अध्याय में विशा ववा हुँ।

समस्यी

प्रो० नं० 209ए, तादावी 230 वर्ग फीट, 51-52 नेहरू प्लेस, मई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

नार्यखः 9-11-84

प्रक्ष बाइं, टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज−1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/ १/ 37ईई/3-84/663— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्पत्त बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० 42 है तथा जो 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का जीचत बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने टें सुविभा को किए:

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जे, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं ० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हा उसिंग प्रा० लि० 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो।

(अन्तरकः)

(2) मैं० इस्मेस टूरिस्ट टैक्सी सर्विस, अपोजिट आकाश दीप बिस्डिंग बाराखम्बा रोड, नई दिस्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शर्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों पकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वपूर्वा

स्पेस नं ० 42, सादादी 113.97 वर्गेफीट, 28-बाराखम्बा रोड, डा० गोपाल दास भवन, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्र। सक्षम अधिकारी सहायक् आयक्र आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिस्सी

तारीख: 29-10-84

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

भावफर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाक्ष 269-म (1) के अधीन सूचना

ब्राएक सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/684 — अतः मुझे, सुबीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 103 है तथा जो 22-बाराखम्वा रोड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे जपाबद्ध अनुसुर्चा में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्मिलिएस सब्देश्य से उन्त अन्तरण मिचित में वास्तयिक स्म ने कीचत् वहीं विका दशा है क्ष्म--

- (क) बन्तरण से हुई हिस्सी बाद की बाबत सकत विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कवी करने जा अदबी बचने में कृषिभा के जिए; बीहर/बा
- [व) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य शास्तियों की, पिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाबनार्थ जन्मीरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः जन, उक्त किंपिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः— (1) मैं० कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन,
 22, बाराखम्बारोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम भासीन (एष० यू० एफ०) श्रीमती पुष्पा मोहन पत्नी श्री के० मोहन, निवासी—एस०—139 पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना चाड़ी करके पृत्रों क्य सम्परित के वर्षन के सिष्ट कार्यशाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समान्द्र होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गम्यों और पदों का, जा उथ्छ अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या ही।

नन्स्ची

प्रो० नं० 103, ताबादी 500 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9--11-84

मोहरः

त्ररूप भारत्.टी.एन.एस.------

भागकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्मय, महायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/3-84/685— अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या 105 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्चा में पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रो हर्जा अधि हारों के कार्यालय अर्जन रेंअ-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्भ्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बालता, जल्ला अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तर्क कें दामित्व में कमी कर्तने वा उत्तस्ते बच्ने कें सुधिभा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

क्स: बर्च, उक्स विधित्तव की धार्क 200 की कि बनुसरक की, उक्स तिधितवक की भारा 269-च की अपधास (1) क वक्षत्र, निकासचित व्यक्तिवा, चवास् हिल्ल (1) मैं० स्कं।पर सेल्स प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

(अन्सरक)

(2) मै० मैनु० इलैक्ट्रोनिक्स प्रा० लि० 415 ओसीयन बिल्डिंग नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्थिकत्यों में से किसी स्थक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्या

प्रो० नं० 105, तावादी 750 वर्गफीट, 22-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुद्यीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख**: 9−11--84

प्रकप् बाइ. टी. एन. एस्. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बाय्वत (निरीक्षण) भूजन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/686---म्रतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 108 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के ग्रधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए कम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण मिश्वत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्युक्षण से हुई जिल्ली बाद की बावतु, सबत भिक्षित्रम के भवीत कर देते के सम्तरक के बावित्य में कमी करने वा उससे व्यव में सुविधा में स्थि; मूड/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था क्याने में सुविधा के निए।

(1) मै॰ स्कीपर सेल्स प्रा॰ लि॰ 22—थाराखम्बारोड, स्कीपर भवन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती साविद्धी वेबी कोहली पत्नी श्री कैलाश चन्वर कोहली, निवासी—सी—226, ग्रेटर कैलाश—1, नई दिल्ली।

(पन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकन।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक्ष्में विया गया है।

वयुष्यी

फ्लैट नं ॰ 108, ताबादी 500 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्ज रेंज−1, नई दिल्ली

मतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण कें, कें, उक्त निधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 9-11-84

बोहर 🛭

प्रकृत् भार्यः टी. एन्. एस. ~~~~~

नाथकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/687---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 101 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विज्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन मार्च 1984

को प्रोंक्त संपत्ति के जियत बाकार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की पह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जोंकत सम्मित्त का जीवत् बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए;
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकार जिम्हीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिम्हीनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जब उत्तत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थातः :— मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०
 22-बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी कोहली पत्नी श्री कैलाश चन्तु कोहली, निवासी—सी-226, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

अक्त सुन्दत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा बें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की कबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रादा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्थक्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उपस् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाहीं हो

अनुसूची

प्रो० नं० 101, तादादी 750 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-11-84

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर काय्कत (निर्धिका) प्रार्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/ 37ईई/ 3-84/688-श्रमः मुझे मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ५२वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 107 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961, के श्रधीन मार्च, 1984

को पुर्वेधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रशिक्त निम्नलिधित उच्चेष्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्त चक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंपित्यम की अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मूजित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैं स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर हाउस, 22—बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० भ्रोरियल एक्सपोर्टस प्रा० लि० 75-ई, हिमालया हाउस, 23 के० जी० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उपत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगे जो उस अध्याय में तिया गना हैं।

अनसची

फ्लैंट नं ० 107, तादादी 760 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

> सुधीर चंन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 9-11-84

THE SERVICE STATE OF THE STREET

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

अगरन सरकार

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/3—84/689—ब्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य

ग्रौर जिसकी संख्या 220 है तथा जो 5-भगवान दास रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन मार्च 1984

25,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हे उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयम म प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रातिशित (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्ताविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा े िष्णु और/बा
- (ए) एमि किसी अब या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का प्र-व्य अधिनियम, का प्र-व्य अधिनियम, का प्र-व्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादमार्थ अन्तियम, विद्यार प्रकट नहीं किया ध्या था विद्या जाना बाहिए था, खियाने में बिक्स के लिए;

(1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22 बाराखम्बारोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त रक)

(2) श्रीमती राजिन्दर कौर पत्नी स्व० एस० श्रवतार सिंह, निवासी बी-535 न्यु फेंडस कालोड्डी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

क्ट मह सूचना जारी करके पृशीकत सम्पत्ति के अर्जन के विष कार्यज्ञातियां जरता हो।

रास्त सम्पत्ति को बर्धन हा सम्बन्ध हो काहाँ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की नारील वं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, उटे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में वे पिक्टी क्वित इवारा;
- (ख) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख 45 दिन के भीतर उत्तत स्थातर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोत्रस्ताप्रणी के पास निषित में किए ता मकीये

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त द्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ कुल्ला का अध्याय मा विकास स्प

ग्रन्युची

फ्लैट नं॰ 220, 5-भगवान दास रोड, नई दिल्ली तादादी 1000 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-11-84

प्रक्रम बार्स्, द्वी., एक., एक., ५ ० - ----

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बाइत बहुकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 29 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-84/ 691--म्रतः मुझे, सुघोर चन्द्रा,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भार 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से नधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ए-12/44 है सथा जो ग्रम्ता संगिल मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्व रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन मार्च 84

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनिक को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रम्पर ५ से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर बोर्ने के अम्तरक के दायित्य में कमी कडने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी ब्वाच प्रकट नहीं किया गया शा वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के चिक्त

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के प्यीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्षाव ६---

(1) श्रोमती राजिन्दर कौर पत्नी एस० श्रवतार सिंह निवासी—ए-12/44 श्रमृता सर्गिल मार्ग, रटिन्डन रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जे० एल० कुमार
सुपुत्र स्व० श्री धार० बी० धमरनाथ,
कुभारी ज्योती कुमार
सुपुत्री श्री जे० एल० कुमार
निवासी सी-9 कालिन्दो कालोनी,
नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी सन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्बों और पर्धों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं \circ ए-12/44, श्रम्ता स्तिन मार्ग, (रिटन्डन रोड) नई विल्ली, तादावी 2200 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॉज−1, नई दिल्ली

तारीख: 29-10-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मार्थ कि मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज~1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/696--श्रतः, मुझे, सुधीर जन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 419 है तथा जो एफ, 14 — कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रातफल के निए अन्तरित की गई है बार मुर्भ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात का उाचत बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एस क्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए द्रय पाय भया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण निवित में बास्तिवा कर से से तिया गया है:--

- (क) संतरण तं हुई किसी बाब की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व
 भा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/वर
- (५) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः थवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थीत् ह— (1) मै० कम्पीटेन्ट बिल्क्स्सं 101, कम्पीटेन्ट हाउस, एफ-14 कनॉट प्लेस नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केशव चन्दर बेरो

निवासी—श्रार० 526 माडल टाउन,
लुधियाना
श्री ज्ञान चन्द्र बेरो
निवासी—एल—156, माडल टाउन,
लुधियाना
श्री राजिव भाटिया
ग्रीर श्रीमती ग्रनिता भाटिया
निवासी—के-20, माडल टाउन
दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

सक्त ब्रम्परित के वर्जन के ब्रम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की समिथ या तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पह सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भीं अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर शांकितयों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किसा का स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में स्थाप का स्वीप ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्तुची

प्रो० नं० 419, कम्पीटेन्ट, हाउस एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिस्ली, तादादी 593.13 वर्गफीट ।

> (सुधीर चन्द्रा) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-11-84

मोहर 🖫

प्रस्य बाह्र टी.एन. एवं .----

जातकर जीमांचियम, 1961 (1961 का 43) की रोपा 269-य १३१ के स्टोन मापना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/698--

ग्रत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 41 है तथा डा० गोपाल दास भवन, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय ग्रर्जन रेज-1 नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वा वत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो वत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का संबह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, विकासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति। तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी भन या जन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

नतः नन्, जिल्ला अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुपरक भी, भी, उन्नतः श्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै॰ गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि॰, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो।
- (2) श्री राजेश कुमार
 सुपुत श्रो जय प्रकाश
 श्रीर श्रो राजेन्दर कुमार
 सुपुत श्रो जय प्रकाश
 निवासो—-ए-18, लक्षमण पार्क,

चन्दर नगर, दिल्लो-51।

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सृषना बारों करक पर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन क लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन की जबिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों घर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रोचा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में िस्स जा सकोंगें।

्ष्यध्यौक्षरण — इसमी प्रयुक्त शत्यों और पर्यों का, जो जबल अधिनियम, के अध्याय ११५-क मी परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस कथाय मी दिया स्था है।

मन सची

स्पेस नं० 41 (एल० जी० एफ०) 28 बाराखम्बा रोड, डा॰ गोपाल दास भवन, नई दिल्ली, तादादी 107. 26 वर्गफीट।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 27-10-84

मोहर 🕹

श्रक्षय आर्थः द्वाः एतः एसः . -----

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्लन रेज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

आयकर मौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनद अधिनियम' कहा गया है), की पार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिमका उचित बाकार मून्य 25,000/- रठ. से जिथक है

25,000/- र. स वायक ह श्रीर जिसका संख्या 1201 है तथा जो 13 टालस्टायमार्ग, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वाणा है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला, भारतीय श्रायकर, अर्धानयम, 1961 के श्रधोन तारी ख मार्च 1984 को पूर्वायत सम्मति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वस करन का बारण है कि अथापूर्वायत सपना का जीवत याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक भश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरित्या) के बीच एसि अन्तरण क लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्दर्शय से उन्नत अन्तरण लिखित में सार्तायक कर से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्धरण सं क्षुर्र निम्नी आम की मायत, उन्हर अभिनियम के सर्थीन कर योगे के अन्तरक के बायिरव में कमी करन या उद्युध अपने में सृष्टिया कि निए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिथा के लिए:

अतः अतः, उत्तत अधितियम की भारा 269-म था अनुसरण अं, मं, उधतः अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निमालिखित व्यक्ति ग्रें, अर्थाः :--- (1) मैं ० बनगो विश्रम विकास कन्सट्रवशन कं ० प्रा० लि० 13-टालस्टाय मार्थ, न**र्ड** दहली ।

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

(ग्रन्तरक)

(2) मैं०मेहता फूड प्रा० लिं० 342, नया बांस, खारी बावली, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरितो)

को यह सुभना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध गांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अनत स्थाधर सपित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अवॉहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मर्कों।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शुन्धों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दश हैं:

अनुसुधी

फ्लैट नं ० 1201, बारह मंजिल, तादादी 820 वर्ग फीट, मस्टी स्टोरी, 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रांधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारोख: 29-10-84

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/710 ---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जोर जिसकी संख्या 43-44 है तथा जो कैलाग कालोनी, नई विस्ती में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लावित्य अर्जन रेज-1, नई विस्ती भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदय से उक्त अन्तरण कि बात में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती गिजन्दर हुन, निवासी---डी--6, ग्रेटर कैलाश इनकलेय--I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आतम प्रकाश, निवासी--ई-285 ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली और श्री भी० बी० अरोड़ा निवासी--बी० एल०-75 (पश्चिमी) शालीमार बागा दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह म्चना जारी करके पूर्वीक्त अपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों विश्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखिन मों किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

फ्लैट नं० 43-44 (ओल्ड नं० 19-20), अजीत अकाँडे कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

ना**रीख**: 9-11-84

प्रक्य बाइं, टी. एन. एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली

मई दिल्ली -1, दिना उ 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक०यू-1/3 गईई/3 -84/711-- अतः मुक्षे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ली सं 1107 है तथा जो 6-नेहरू फ्लंस, नई दिल्ली में स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के दार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधितियम 1961, के अधीत तारीख मार्च-84। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशा से अधिक है और जंतरित (अन्तरितियों) को बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्धत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में गराविक २५ म वर्धित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण संहूइ किसी बायकी वाबत., उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उनने आधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वाय प्रकट गही किया गया था या किया बाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) स्तोहवाइट इंजीनियरिंग प्रा० लि० दी-28, साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० सत्या साइ इन्डस्ट्रीज ए-62 डी० डी० ए०, शेड, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी भाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताबिख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रो०नं० 1107,देवीका टावर, 6--नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 560 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

नारीख 9~11-4 मोहर: गान अपने दी. एस. ग्रं.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन स्थना

धाउव सङ्कात

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज - 1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिसांश 27 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० एस० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/714---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सराद पालिकार्य को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं0 29, है तथा जो 28 वाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे जनाबद्ध अनुसूचो में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नइ दिल्ली भारतीय आधकर, अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पृथा किस सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उबत अन्तरण सिवित में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किथी जाय की वावत, उक्त शिंपिनियम के अभीन कार वोने के बन्दरक के दावित्य में कमी करते या उससे वचन में स्थित के नियः श्रीर/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 के एप्ट्रा की (1) व जिन्न अधिभियम, प्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना वाहिए था, स्थिपाने में मुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) मैं ॰ गोपाल वास ६स्टेट एण्ड हार्सासग, प्रा० लि०, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली--1 ।

(अन्त्रप्रः)

(2) श्रीमती अरुण चहर पत्नी अर्नेल सी० एस० चहर, निवासी मशान नं० 4506, मोहल्ला जाटा, पहाड़ी धीरज, विस्ली -- 6 ।

(अन्तरिता)

का **यह सूचना आरो करके प्**वक्ति सम्पन्ति क बजन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो ।

उभस सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में क्येष्ट्रं भी आक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अक्षि था तत्सम्बन्ध व्यविवस्ं पर सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किसी का किसी की की की साम सुधारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति हकारा, लक्षेत्रस्ताक्षरी के पार निष्कित में किए आ एकोंगे।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्याकी

प्रो० नैं० स्पेस नं०29,डा० गोगालदास भवता, 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 149.58 वर्गकीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिशा**री** सहायक प्रायकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**ई दिल्**ली

तारीख: 27-10-84

गोहरः

प्रक्प नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37-ईई/3-84/716--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर लिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जी-2, है तथा जो 16 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख भार्ष 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक स्प से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्रीमती रितु मेहरा, निवासी-ई/34,ग्रेटर कैलाग~ा, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम भासीन (एघ०यू०एफ०) श्रीमती पुष्पा मोहन, निवासी एस/139, पंचशील पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

वनसूची

प्रो० नं० जी-2, बिल्डिंग नं० 16---बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-555 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 29--10--484

प्रस्प बाइ .टी.एन.एस. -----

बायकड बर्भिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व् (1) के बधीन स्व्या

भारत सरकार

कार्यासय, ब्रह्मयक नायकर आयुक्त (निर्दाक्क) सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

मिर्देश सं० झाई०ए० सी० एक्यू०-1/37ईई/3-84/728:---झत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 11 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम-1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एोसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण त हुई किसी नाम की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अत्र उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जन्सरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिमित व्यक्तिएं जर्मात :--- मै० गुजरात इस्टेटस प्रा० लि०,
 17 बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मै० प्रकाश एसोसिएटस,
 110, मेथदूत,
 94, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, खाँ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पन्नीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का., भी उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अन्तुची

स्पेस नं० 11, (एल० जी० एफ०) विजया बिस्डिग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 226.3 वर्ग फीट।

> सुधीर **चन्द्रा,** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, नई विस्सी

तारीख: 29-10-1984

पोहर 🖫

शक्य नाहु^क्ष द<u>ि. १</u>यु., <u>१यु., १२०० ----</u>

बावकड विधितिस्त्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत वरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्कालक)

म्रजन रेज - I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/731:— मतः मुझे, सुधार चन्द्रा,

वासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 402, है तथा जो 7 टालस्टाय मार्ग, मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में औ र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज−1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के भ्रधीन तारीख भार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का स्माह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और इन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- क्षि) वस्ताह्रण से हुइ किसी भाव की बाबत उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वं दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधः। के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, डिअमन में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गे. कैप० सरवजीत सिंह भण्डारी और श्रीमती श्रितल भण्डारी, निवासी डब्ल्यू०-105, ग्रैटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्रीमती मेहताब जमानी श्रली खान [मार्फत 32 - रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-1।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच क्षं 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्योकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया गया है।

मन्स्धी

पलैट नं० 402, 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 600 वर्ग फीट,

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख: 29-10-1984

भोहर 🖫

प्रकल् बार्ष , डी. श्रृब. एक.-----

भाषकर जीभीनयम, 1951 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्पना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहाय्क आयक्य बाग्का (निशीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-I, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/3-84/736:—- प्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है'), की धास 269-व के अभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका विचत्त वाचार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 209, है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क के निम्नितिशत उद्देश्य से उकत बन्तरण मिसित में धास्त-दिक रूप से सामित नहीं किया पत्ना हैंड---

- [का) जन्दरण से हुइ स्थिती बाय की बावस सकत स्थित स्थित के बधीत कार बीते के करतरक के दायित्व में कवी करने या जससे भूपने में सूनिया के सिस्पे; और/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० गैंडोर ट्रल्स (इण्डिया) प्रा० लि० 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजिर जयियर चन्द भीर श्री विजिर चन्द श्रजयितर चन्द सुपुत्रगण श्री विजिर मोहन कृष्ण, निवासी ०19-ए/सी, गांधी नगर, जम्म तवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ना सम्परित के नर्जम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् ह---

- (क) इस तुष्तरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 विन की अविधि, जा भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वाल सिविद पे किए जा सर्कों ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क अ परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भुषा हो।

जगसची

प्रो॰ नं॰ 209, बिल्डिंग नं॰ 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 230 वर्ग फीट।

> सुधीर घन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारी ख: 9-11-1984

मोहुए 🖫

प्ररूप शाह्य, टी. एन. एस., -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1984

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस० ग्रार-3/3-84/ 1809:—- ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या एम-72 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (भार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भार पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी क्षाय या किसी भन या वस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अंबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:— श्री कमल एन० कौल सुपुत श्री नरेन्दर नाथ कौल, निवासी-एफ-59, ग्रीन पार्क, नई दिल्लीर16।

(भन्तरक)

 श्रीमती चन्दर मणी देवी, निवासी—एस०-339, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्सिः के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवार;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषियं हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्रो॰ नं॰ एम॰-72, (जी॰ एफ॰) ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 1543-3 वर्ग फीट

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज- 1 दिल्ली

तारीख: 29-10-1984

प्ररूप आई.टी.एर.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मूचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-1 विल्ला

नई दिल्लो, दिनांक 29 अन्तूबर 1984

निर्वेश सं श्राई० ए० सी०/एवय्/1/एस-अ(१२-३/३४/1811:---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या डीं--9, है तथा जो 3 पार्क एक्स्य, महारानी बाग, गई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीटिंग्ली अधिकारीं के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीटिंग्ली अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अव:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1.श्रो अमर नाथ अग्रवाल सुपुत्र श्री जितु मल अग्रवाल, निवासी मकान नं० 1050 सैक्टर-43-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2.श्री सुभाष वर्मा और प्रकाण वर्मा, सुपुत स्प०श्री राजा राम वर्मा, निवासी-2081 काली मस्जिद, दिस्ती-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो० नं० डी-9, महारानी बाग को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग, मोनाइटी, 3 पार्क एवन्यू, महारानी बाग, नई विस्त्री, तादादी 500 वर्ग गज,

> सुर्धार चन्द्रा, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन्रेज्∼1, दिल्ली

न(र∂ब. 29-10-1984

ब्रह्म आहै. टी. एन. एसं.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज - 1, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 29 अक्तूबर, 1984

सं० आई ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/3/84/1818:---अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य >5,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एम०-32 है तथा जो ग्रैटर कैलाग-11 नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च, 1984।

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान ।तिफल के लिए जन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपन, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिकित के बिख से किया गया है:—

- (क) अंतरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अपने कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्मीवधा के लिए। और/स
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कि 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के सिए।

नतः नन, उक्त अधिनियम की धारा 69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिर व्यक्तियों, अर्थात् :-- डा० उदय सिंह गोहनीया द्वारा अटानी श्री हरभजन सिंह, निवासी-29/6 इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० बिन्दु प्रोपर्टीज प्रा० लि० द्वारा डाइरेक्टर श्री आर० सी० बंसल, निवासी— सागर अपार्टमेंटस तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्रो० नं० एम - 32, ग्रैटर कैलाश - 11, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली,

तारीख: 29-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज 1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

सं आर्ह ए० सी ० / एक्य / 1 / एस आर-3 / 3-84 / 1814, अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ई-442, है तथा जो ग्रैटर कैलाश 2, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसुकी में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जान की बाबत उक्त नहिंद-मिष्यम् से अभीन कर दोने से बन्तरफ से समितन ने कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी धन वा बन्य वास्तियों को, विन्हों भारतीय आयंकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत विधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नेवा वा या किया जाना नाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तित्यों, अधीत हू—

 श्रंतमती अवंगी जैन पत्नी श्रो राकेश जैन, निवासी के-36 ए०, ग्रीन पाकं, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री केवल प्रकाश आनन्द सुपुत स्व० श्री फकीर घन्द आनन्द, निवासी सी०-128, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

यगस्यी

यूनिट नं॰ 'ए॰, प्रो॰ नं॰ ई-442, दादवी 2500 वर्ग फीट, स्थापित ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्रायद्यकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्ष क) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

सारीख: 29-10-1984

भारत सनकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 29 अन्तुबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस० आर--3/3-84/1821 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से बिधिक हैं

और जिसकी संख्या बी 64 है तथा जो एन० छी० एस० ई-1 नई दिल्ली में स्थित है और इससे अपावड अनुसुची में पूर्व रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता लिख तराने दार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकृति से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिति उद्बेश्य से उस्त अन्तरण लिसितों में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुए किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अधि/या
- ेंच) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्ये आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरियों व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विन्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---16--346 GI|84

1.श्रीमतो णान्ता वासुद्रेवां पत्नी स्व० डा० एम० एन० वासुदेवां, निवासी बी 64, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

श्रो भवानी शंतर चृष
सुपुत्र मोहरो राम घृष
निवासी ए०─15, एन० डी० एस० ई० ─1,
नई दिल्ली।
श्री विनोद कुमार
सुपुत्र श्री मोहरी राम चृष
एन० डी० एस० ई─1,
नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सरवन्ध के कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचला की राजपश में प्रकाशन की तारी के 45 वित की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर का क्विया में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्त्ची

प्रो० नं० 64, ब्लाक 'बो' तावादी 200 वर्ग गज, एरिया साउथ एक्सटेशन स्कीम, भाग-1, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो

तारीख: 29-10-1984

मोहरः

प्रकप आर्च ुटी. एन ुएस-------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कप्रयंतिय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 प्रक्तूबर, 1984 निर्देश सं० धाई० ए०सी०/एक्यू/1/एस०ग्रार०-3/3-84/ 1822:—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या एफ०-129 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है और इसले उपावदा अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख मार्च 1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के तिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० मोह्न बिल्डर्स,
 द्वारा भागीवार एस० मोहन सिंह,
 निवासी→52/42, पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 एस० मोजिन्दर सिंह, सुपुत्र एस० मखन सिंह, निवासी बी-1/44 आई, जनकपुरी, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं० एस०--129, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रेटर कैलाश-II नई विल्ली तादावी 1800 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली।

तारीख : 29-10-1984

मोहरः

भक्त नार्ह्_य की_ट एन्_ट एच्., ------

नावकार निधीनवम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

प्रारत बर्डकार

कार्याच्य , उद्दायक बायकार बायुक्त (निर्देशक)

मर्जान रेंज-I; दिल्ली

नई विस्ली, विनांक 29 प्रक्तूबर 1984

सं० आई० ए०सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/3-84/ 1856:--भतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इक्ष्में इक्के परेपात 'अन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाजाह मृत्य 25,000/रा. से कधिक हैं

भौर जिसकी संख्या एस०-155, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शधीन, तारीख मार्च, 1984;

को पृशास्त संपत्ति के उपित शाषार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित शाषार मृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तराप वं शुर्व कियों बाद की वान्तर, उनस् वर्डिप्रियम के अधीन तथ दोने के बन्तरक के वाजित्व में कनी करने ना वक्ते क्याने में स्विधा के विस्: स्ट्रिंश
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्का क्षिभियम, या भूत-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, डिप्पाने में वृद्धिया वे विद्या की विद्या

क्त अंक, उक्त विभिन्निय की भारा 269-न के ज्यूब्रूज़ में, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ह---- 1 एल० करनल जे० एस० गुलेरिया (रिटा०) निवासी एस-155 ग्रेटर कैलाश-II, नई विल्ली।

(पन्तरक)

 श्री राज कुमार एण्ड श्रीमती पदमा पंगसा, निवासी के 8, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को वह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्ट सम्पृत्ति के सूचन के तिहा कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में काई शी आसेप :

- (क) इस स्पना के राजपूत्र के मुकायून को वारीय है 45 दिन की स्वर्धिय या त्रसम्बन्धी कारनत्यों पर भूषना की तामीन से 30 दिन की अवधिन, जो भी वर्षि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

रमस्त्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, वहीं कर्ष क्षेगा वो उस स्थाय में दिस्स पदा हैं ॥

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एस॰-155, जिगत यूनिट हाउस, तादादी 248:27 वर्ग मीटर, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायक झायुक्त (निरोक्षण) झर्जन रेंज-I; दिल्ली

तारीख: 29-10-1984

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं)ः श्रजन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/3-84/ 1908:--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अप के अधीन सक्तप एक्षिकारी को एइ जिस्बास करने का कारण है कि स्थापर सम्भित्र जिनका उत्तिक बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या \$-219 है गथा जो ग्रैटर कैलाश-II, न\$ दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्व से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984।

को पूर्वोशत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त मंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाम की बावत. उनक अभिनियम के अभीन कर दोन के बस्तरफ के दावित्य में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया आना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिस्कि व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री शरणपाल सिंह सुपुत्र श्री राम रतन, निवासी एम-161, ग्रेटर कैलाश-II; नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

मैं० एम० सी० डवेल एण्ड कं० लि०,
 सेकण्ड लाइन बीच,
 मद्रास-600001

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्षनं के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवाही।

मग्रुज्

प्रो० नं० ई०-219, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 251 वर्ग गज,

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-I, नई दिल्ली

तारीख: 29-10-1984

मोहर 🔉

प्ररूप आहे. टी. एम. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1; विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-3/3-84/ 1858:—-ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000'- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एस-368, है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित झाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके पश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पम्बूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० माहपुरी इस्टेटस प्रा० लि० 5/70, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली। द्वारा डाइरेक्टर गुरबङ्श सिंह।

(ग्रन्तरक).

2. श्रीमती स्वपना राय
पत्नी जश्री ग्रगोक कुमार राय,
कुमारी सुशमिता राय (माइनर)
सुपुती ग्रगोक कुमार राय,
द्वारा ग्रगोक कुमार राय ग्रौर
नितिन तिवेदी,
सुपुत श्री सुरेन्द्र तिवेदी,
ग्रटानी श्री श्रगोक कुमार राय,
निवासी एस०-368, ग्रैटर कैलाश-11,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

अन्सची

प्रो० नं० एस०-368, ग्रैटर कैलाश-11, नई विस्ली, तादावी-1750 वर्ग फीट।

्रह्मीर चन्द्रा, सक्षम प्रधिकार, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶I दिल्ली

ता**रीख**: 29—10—1984

पुरुष आहे. टा. एट. एसं.

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 40) की धारा 269-षु (1) के अधीर मुक्ल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिली, दिनांक 29 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 3-84/1914—अत मुझे, सुधीरचन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिभक्तारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25.000/- रह 'से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-230, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, ाई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपायक अनुसूची में पूर्व कर दे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यात्रय दिल्ली में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधान तारीख मार्च-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री हरवंस लाल कैंथ मुपुत श्री श्रमर नाथ कैंथ, निवासी-ई-128, मोह म्मदपुर, नियर आर० के० पुरम, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सी०के० पाल सुपुत स्व० श्री एन० पाल, निवासी-5-भगवान दास रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के तिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अधिवत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

प्रो० नं० इं--230, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 1611 वर्गफीट

सुक्षीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; नई दिल्ली

तारीख: 29-10-84

मोहर

प्ररूप बाह्रे. टी एन. एस.

मायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०--3/ 3--84/1922--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रहे, संक्षितक हैं

भौर जिसकी संख्या एस--118, है तथा जो ग्रेटर कैलाश--II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में पूर्व रूप से विणत है), रिलस्ट्रीक्ली अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908:77:16) के अधीन तारीख मार्च--84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिश की गई है और मूओ यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का चन्सह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के मीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकि र उद्बेश्य से उकत अन्तरण निम्नलिक स्त्र अन्तरण निम्नलिक स्त्र में निभ्नलिक स्त्र में निभावतिक स्त्र म

- (क) वन्तरम से हुई किसी भायकी बाबत, उठा जीभनियम व अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में वजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्र/मा
- (क) एमी किसी अप्य या किसी धन या बन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रूपाने गें मुविशा के सिए;

अतः वश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(अन्तरक)

(2) श्री सी० छी० कपूर
मुपुत एल० नारायण दास कपूर
और श्रीमती चम्पा कपूर
पत्नीश्री सी० डी० कपूर,
निवासी -- 65/15, न्यू रोहतक रोड,
करोल वाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की हैं भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हा के भीतर पूर्वित व्यक्तिता में में किसी व्यक्ति हुए ज
- (ए) इस श्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध िकसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगि।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रवृक्त शन्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एस-118, ग्रेटर कैलाभ-II, नई विल्ली, तादादी 1750 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई **विल्ली**।

नारीख : 29--10--84

महिन्:

प्ररूप आहाँ, टो.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज - 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां स 31 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2-3/ 84/1611--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी संख्या 2/118 है तथा जो तिहाड़ नं 0 1, सुभाश नगर, नहीं विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृत्य प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम्न प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे वचने में जुनिधा के लिए; बॉट्ट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को फिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, भ्रों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जोगिन्दर सिह सुपुत्र एस० अवतार सिह, जी० ए० श्री भवानी दास सुपुत्र श्री प्रीप्तम दास, निवासी – 8/19, सुभाष नगर, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश विज परनी श्री क्षलदेव राज विज, निवासी ई-23, ईस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में श्किए जा सकोंगे।

स्पत्रह किरणः — इसमें प्रयुक्त थान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैंगी

अन्राष्ट्री

प्रो॰ नं॰ 2/118, तिहाड़ नं॰ 1, सुभाष नगर, नई दिल्ली, ताबादी 100 वर्गगण।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख:31--10--84 मोहर: प्रकार बाहाँ, टी. एस. एस. ००००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज 1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31अक्तूबर, 1984

निर्देश सं०आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3-8 4 1010--अतः मुझे जी० एस० गोपास,

न्भायबार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें भसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अध्यार मण्या १६००/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जे~11/95, है तथा जो रजोरी गार्डेन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची मे पूर्व रूप से विजत है), रिजस्ट्रीएर्सा अधिवारी के काम लिय विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीएर्सा अधिविषम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन सारीख मार्च 1984

को प्टेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिविका क्ष्म निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिविका क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त लियां स्वाप्त के अधीन कर दीने के अन्तरक के शामिल में फ्रमी करने या तससे बचने में मृद्धिभा के लिए, बार/या
- (क) ऐसी किसी बार या किसी धन या बन्द बास्तिनों को जिन्हों भारतीय बायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) - अके अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थास :—— 17—346GI/84 (1) श्री तिलक राज, निवासी बी-42, विशास इनक्लेव, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णीला रानी पत्तरीचा पत्नी श्री अमर नाथ पसरीचा निवासी जे-11/95, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्परित के अर्जन के प्रकार में कोड़ भी काओप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अभीन में स्वसंभिती व्यक्तियों पर सूचना की क्षामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध को में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वें
 45 किन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हितबबुध
 भिन्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंख्यींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्थ होगा भी जम पट्टमाय में दिया स्था है !

अनुसूची

प्रो० नं जे -11/95, राओरी गार्डेन, नई दिल्ली

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी यहायङ आयङ्गर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

तारीख 31-10-84 मोहर प्रकृप बार्ड . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 •थ (1) के प्रशीन सूचता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन क्षेत्र-3 नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनांक 31 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई. ए० सी०/एक्यू-3/एस० श्रार०-2/3-84/1612--श्रतः मुझे जी० एस० तिरोपाल श्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर प्रमति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्राधिक है

ग्रीर जिसको सं० जे-7/38 है तथा जो राजौरो गार्डन नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उभावद धनुसूचे में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्भ श्रीधकारों के कार्या लय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिवयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1984

(1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1984 को पृतीयत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित संपत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे एस्यभान प्रतिफल का पृत्व प्रतिफल का पृत्व प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सृक्षिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भी या बन्द आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जत: आब. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पृत्रिस्पर्गे. अर्थात :—

श्रोमती इम्बर देवी
 विधवा पत्नी स्व० श्री साद्या नन्द तलवार
 श्री सतीण चन्द तलवार
 श्रीर श्री चन्दर मनी तलवार
 सुपुत्रगण स्व० श्री साद्या नन्द तलवार
 सभो निवासी जे-7/38
 राजीरी गार्डन
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राज कुमारी
पत्नो श्री सरूप चन्द
श्रीर श्री कस्तूरी लाख
सुपुत्र श्रो सन्त राज
निवासी—जे-372
न्यू राजिन्दर नगर
नई दिल्लो।

(ग्रन्तरितो)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यंत्राहिया शुरू करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी अविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में ने किसी अविर करारा;
- (खा) इस सूचना ह राजार व प्रकाशत की नारीख 45 किन के भीतर उनत अवादर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उक्त प्रतियम के प्रत्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ दोगा, जो उन प्रध्यात में दिया गया है।

अन्स्पी

प्रो० नं० जे-/38, राजौरो गाउँन नई दिल्ली तादादी । 800 वर्गफिट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अध्ार अध्यक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/111-/एस० श्रार-3-84/16 13---श्रतः मुझे जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ हा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 32/ए, है तथा जो कृष्णा पार्क, पौसंगीपुर विल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय विल्लों में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण संहुइं किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचनं में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति व को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की अधिगर्स (1) के अधीन, निम्नीलिखित ध्यक्तिसमों, अर्थात :-- श्री हरवंस सिंह सुपुत्र एस० निरंजन सिंह निवासी—मिकान न० 111320 निसम बिल्डिंग डोरोवालान, शोदीपुरा नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो तिवन्दरवीर सिंह सुपुत्र एस० सन्त सिंह श्रीर श्री श्रर्सल सिंह संघु सुपुत एस० सुजा सिंह तिवासो—16—सो/जो० जी० श्राइ० विकासपुरो नई दिल्लो।

(ग्रन्स(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क्री सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उवल स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य क्यांचित द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 32 ब्लाक 'ए' तादादी 200 वर्ग गज स्थापित—कृष्णा पार्क पौसंगोपुर, दिल्लो राज्य दिल्लो। जी० एस०गोपास सक्षम ग्रीधकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जनरेंज-3, नई दिल्लो-110002

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप बाइँ. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-3 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3-84/1614/1731—अतः मुझे जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी धारा 269-स के अभीन सभस प्राधिकारी को, यह दिख्यार करने का कारण हैं कि रक्षायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० थार/31 है तथा जो इन्दरपुरी कालोनी नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृव्यं के समिति का उचित वाजार मृत्य समित का उचित वाजार मृत्य समित के दश्यमान प्रतिफल से एमे शश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से उधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें प्रतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिक स्थ से काथत नहीं किया भ्या है . ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; आर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया अन्तरिती व्यारा स्था था स्था किया अन्तरिती व्यारा स्था था स्था किया अन्तरिती व्यारा स्था स्था कि लिए;

बत: बव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ॐ अधीन, विस्तिनिक्त व्यक्तियों अधीत ---- (भन्तरक)

- 2 श्री स्याम सुन्दर पौपली
 - (2) श्री मोहन लाल पोपली
 - (3) श्री श्रोम प्रकाश पोपली निवासी—9220/8 नवाब गंज गली जमीरवाली विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकतः
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो॰ नं॰ भार/31 इन्दरपुरी कालोनी नई दिल्ली।

जी॰ एस॰ गोपाल लक्षम प्रधिकारो, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-3 दिल्ली नह दिल्ली 110002

तारीखा: 31-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 31 अक्तुबर 1984

निवेण सं० न्नाई० ए० सी०/एक्यू-3/एस० न्नार०-3
3-84/551/93--न्नतः मुने, जी० एस० गीपाल,
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एष-8 है तथा जो होज खास नई दिल्लों में स्थित हैं (श्रीर इससे उद्भवड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजम्द्रकर्ता श्रीधकार। के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीमान तारीख मार्च 1984

का प्वांक्ट सम्पित्त के उचित ताजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वीकत संपित्त का उचित बाधार मृत्य, उसके दश्मान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालित चढ़दायय से अक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अल्लारण सं हुइ जिल्ला आज का बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अल्लारक के दायित्व में कभी जारत या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (या) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन्त, अन्त अधिनियम, की भाष 269-ग के नमुसरण ने, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० प्रेमियर प्रगार्टमेंट्स प्रा० लि० 1205 न्यू दिल्ली हाउस 17—बाराखम्भा रोड़ नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती रीता श्रग्नवाल
पत्नी श्री ए० डी० श्रग्नवाल
निवासी—भागवती निवास
गोरखपुर
य० पी०।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में करेड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्तंत्री व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साव में समाप्त होती हों, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्क्द्ध किसी अन्य व्यक्ति। द्यारा अयंहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए आ सकरें।

न्यस्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शैर पर्यों का. को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया गया हैं।

अनुसूची

1/9 भाग ग्रविभाजित प्रो० नं० एच-8 पहली मंजिल फ्लैट 'ई' दो बेडरूम एक टायलेट श्रीर डी/डी किचेन होज खास नई दिल्ली, तादादी—935 वर्गफिट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भजेंन रेंज 3 विल्ली नई विल्लो-110002

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-84/529/92—अतः मुझे, जी० एस० गीपाल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से विधिक है

श्रीर जिसको सं० 5652/51, है तथा जो रेह्गरपुरा करोल बाग, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राहार्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राहारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य हो कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया रू ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की धावत, उक्त विभिनियम के अधीन कर देने के जन्तरफ के वादित्व में कमी करने या उसमें उपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने से सविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1. श्री कृष्म,

श्री प्राण नाथ, श्री श्रोम प्रकाश श्रीर श्री नरिन्दर कुमार, सभी सुपुत्र स्व० श्री राम नारायण ुगुप्ता, निवासी—20/15, शक्तं। नगर, दिस्सो।

(अन्तरक)

2. श्री नाथु राम बंसल, सुपूत्र स्व० श्रोः जय नारायण बंसल, निवासं:--- 5687/80. रेहगरपूरा, करोल बाग, नई दिल्ला, श्राः स्याम बंसल, सुपुत्र श्रां नाथु राम बंसल, निवासः'⊶-5678/80, रेहगरपुरा, वःरोल बाग, नई दिल्ला, श्रं: राजेन्दर कुमार बंसल, सुपुत्र श्रं: नाथू राम बंसल, निवास:----4483/53, रेह्यरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ल∄।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वन्त्यी

प्रो॰ नं॰ म्यूनिसिपल नं॰ 5652, प्लाट नं॰ 51. खसरा नं॰ 563, ब्लाक 'ए' स्ट्रीट नं॰ 78 एण्ड 79, तादादों 150 वर्ग गज, रेहगरपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख: 31-10-1984

मोहर

प्ररूप बाइं. दी: एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अन्तूबर 1984

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 3-84/548/94-अतः मुझ, जा० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें नश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 303, है तथा जो एन-19, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रणती अधियारों के कार्यालय, दिल्ली में भारत य रिजस्ट्रणरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984 की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और भिन्ने यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरित (अन्तरितयार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखत में सम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के अधित्यम में कभी करणेया उससे बचने में सुविधा के न्यए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, अधिन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधर के किका:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रंमितः गंता अध्येया,
पत्नाः प्रो० मृत्मृंजंय वाला सुन्वरम अथ्या,
वह स्वयं तथा
जीत् पा० ए० मृत्युजंय वालासुन्वरम अथ्या,
सुपुत्र स्व० टी० ए० बालासुन्वरम नैयर
निवासो---ए-28,
चितरंजन पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री मोहन लाल दुजारी
सुपुत्र श्री दुलिन्दन्दजी दुजारी
श्रीर श्रीमता सीमा दुजारी
पतना श्री मोहन लाल दुजारी
निवासी — पलैट नं० 303,
एन-19, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ला।

को यह स्वता कारी करके पूर्वीयत संपरित के अर्जन के लिए कार्यश्रीहर्या करता हा ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- ्क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्षी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 303, जी० प्रो० नं० एन०-19 का एक भाग तादादी 925 वर्गफिट, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली।

> णी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

मोष्ठर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

बायकर पंचितिया. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 3-84/533/95—अतः मुझे जो० एस० गोपाल,

आयकर आंधरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- क. में अधिक हैं शीर जिल्ला से ० 90/45, है तथा जो मालबीय नगर, नह दिल्ली में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से विजा है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख मार्च, 1984 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल क लिए अंतरित की गई है और मूकी यह विश्वास करने का कारण है कि गथापुर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीतकात से अधिक ही और जन्तरक (जन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के प्रियोग कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा की लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष--- श्री चन्दुमल बश्वानः, सुपुत श्री कालावन्द, निवासी—90/45, मालवीय नगर, नई दिल्ली, अटार्नी श्री मुलुख राज आहुजा।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीमा लाल आहुजा ग्रीर रिवन्दर आहुजा सुपुत श्रो मुलब राज आहुजा, निवासी—90/45, मालव या नगर, नई दिल्ला।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या शत्सर्यभी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इ.स. सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्मा है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 90/45, मालबोय नगर, नई विल्ली, ताबादी— 200 वर्गगज।

> जी० एस० गोनाल सभम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-11000

सारीख: 31-10-1984

प्ररूप आहू", टरी एन एस. ------

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक्त आयक्तर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 3-84/543/98-अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 4/12 है तथा जो सीरी फोर्ट रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण स्था से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1984

को प्यों क्रा संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्रत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा औं दिसए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए प्रतकर अधिनियम, ए प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्मलिकित व्यक्तियों अर्थात ;+ 18—346GI/84 श्री धरम सिंह,
 द्रस्टी--- मै० धरम सिंह फैमिल। दृस्ट,
 ए-2/140,
 सफदरजॅग इन्क्लेब,
 नई दिल्ले।

(अन्तरकः)

श्री राजपाल महाजन

मुपुत श्रा बिहारी लाल महाजन

निवासी—जे-124,

साकेत,

नई दिल्ली।

(अन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अजन के मम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 कि की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषः गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० 4, 12-श्रोफोर्ट रोड, नई दिल्ली, लादाद्यं <math>950 वर्गफिट।

जी एस० गीपाल गक्षम अधिकार (महायक आयवार आय्वत (निरक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ल:, नई दिल्ल:-11000?

भारीख: 31-10-1984

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विरुमी

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-84/535/97—अतः मुझ, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ-241 है, तथा जो न्यू राजिन्वर नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनते अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री सन्तं राम
सुपुत्र श्री रामलाल,
निवासी—मकान नं० 2234,
सेक्टर 21—सी;
चण्डीगढ।

(अन्तरकः)

2. डा० दिनेश कुमार भावला ग्रीर श्रीमती रिश्म चावला, पत्नी डा० दिनेश कुमार चावला, निवासो—एफ—241, न्यू राजिन्वर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पटकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रो० नं० एफ-241, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादावी 128 वर्गगज।

जी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्लों, नई दिल्लों-110002

तारीख: 31-10-1984

मोहरः

प्ररूप बार्डं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 ⁽¹961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-84/538/98--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० 125/126, है तथा जो न्यू राजिन्दर नगर, नई विस्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, नाराख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया औजाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्थ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य की बपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती नीलिमा फपूर,
पत्नी श्री वि० के० कपूर,
निवासी—-233,
बनल स्टोरी,
न्यू राजिन्बर नगर,
नई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मजुगल किशोर उप्पल, निवासी→→477, डबल स्टोरी, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्शिक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुसूची

प्रो० नं० 125/126, डबल स्टोरी, न्यू राजिन्दर नगर, न $\hat{\mathbf{z}}$ दिस्ली, तादादी 127 66 वर्गगज।

जी० एस० गपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

प्रकृप बाह्र . टी. एन हस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नाम्कत (निरीक्न)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्लूबर 1984

निवेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर० 3/3-84/539/99--अतः मुझ, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उषित बाबार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

न्नीर जिसको सं० 5/12 है तथा जो सारो फोर्ट रोड़, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार भूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय याया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक भूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) जन्सरण से हुन्दै किसी बाय की बायत, उक्स शिंधिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---- श्री धरम सिंहं,
 द्रस्टी——
 मै० धरम सिंह फैमिली द्रस्ट,
 ए-2/140,
 सफदरजंग इनक्लेब,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री अणोक पंडित
सुपुत्र स्व० श्री प्रेम प्रकाण
निवासी—
पंडित ग्रदर्स,
बुलन्द शहर,
यू० पी०।
वर्षमान——12 सिरोफोर्ट रोड़,
नई दिल्लो।

(अन्तरिसो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के शिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त शस्यों और पहाँ का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वर

प्रो० नं० दूसरी मंजिल सामने का भाग फ्लैंट नं० 5, 12-सीरीफोर्ट रोड़, नई दिल्ली, तादादी--950 वर्ग फिट।

> जी ० एस ० गोपाल सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सं०/एक्वो०/3/एस०-आरं०-3/3-84/525/100-अतः मृक्षे, जो० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 16/10002, है तथा जो प्लाट नं० 8, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, अर्थात ः— श्री चन्द्र मोहन गुप्ता, सुपुत्र श्री गंगादीन गुप्ता, निवासी — 18/8, डब्ल्यू०-ई०-ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एम० डीं० तनेजा,
एख०-यू०-एफ०
द्वारा कर्ता श्री एन० डीं० तनेजा
सुपुत्र श्री चनश्याम दास तनेजा
(2) श्री डीं० एन० तनेजा,
(एख० यू० एफ०),
द्वारा कर्ता श्री डीं० एन० तनेजा
सुपुत्र घनश्याम दास तनेजा,
निवासी—7 साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्रो० नं० 16/10002, प्लाट नं० 8, खसरा नं० 775/757, डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्लो।

जां० एस० गोपाल सक्षमप्राधिकारां सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 31-10-1984

मक्य भार्षः, टी., एव्., युक्,:------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के व्योग सुपना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूंबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्की०/3/37-ईई/3-84/ 193---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 204 है तथा जो 22 प्रीत बिहार, दिल्ली-92 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ति (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था मर किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रांज, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव बहादुर निवासी—ए-73, मधुवन आफिसर्स कालोनी, पटपड़ गंज रोड़, विस्ली-92।

(अन्तरिती)

बा यह सूचना जारी करके पृश्नितः सुम्पत्ति के नर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करसा हुं।

बन्द सम्मार्थ के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशः तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकीने।

स्पछिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा वया हैं।

अनुसूखी

प्रो० नं० आर० एस० टी०-204, (अपर ग्राउन्ड फ्लोर)
22 प्रीत बिहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92, तादादी
95 वर्गफिट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप बाह्र है. टी. एन. एस., ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के बधीन स्थना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/3-84/ 194---अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/- रा. से जिथक है

मीर जिसकी सं 111 मीर 112 है तथा जो 22 प्रति विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्धान, तारीख मार्च, 1984 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्तात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संदूर्ण किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कशी करने या सससे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी अब या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सविशा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज,

एन----52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एम० सी० सर्मा, निवासी—ए-169, प्रीत बिहार; दिल्ली—92।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण ः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० आर० एस० टी०-111 श्रीर 112, (ग्राउण्ड फ्लोर) 22-प्रीत बिहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92, तादादी 100 वर्ग फिट।

> जीव एसव गोपाल प्रक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

प्रकृप जाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एनयू०/3/37-ईई/3-84/ 192--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 12-ए, है तथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च 1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अंतोरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्योध्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे असने में सुविधा कें सिए; सौर/वा
- (वा) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए;

अत: क्षक्ष, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मी, मी, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) ो गंधीत. निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :—— मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज,

एन—- 52-ए, कर्नांट प्लेस, नई दिल्लां।

(अन्तरक)

श्रीमती प्रमेक्वरी देवी,
 प्रेम पाल साहती,
 सी---126,
 प्रीत विहार,
 दिल्ली-92।

(अन्तरितः)

को यह सूचना चारी करके प्वार्वित सम्पत्ति के अर्थन के हिस् कार्यवाहिया करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (अ) ६स सचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पश्ति में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनृत्यी

प्रो० नं० आर० एस० टी० 12—ए, बिल्डिंग नं० 22—प्रोत बिहार, 'ए' ब्लॉक, तादार्दा 90 बर्ग-फीट।

> जी० एस० गोपान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 31−10−1984

महिर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984,

निदेण सं अधिक ए० सी । एक्यू । 3/37 ईई/3-84/191-- म्रतः मुझे, जी एस । गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20 है तथा जो 22 प्रीत विहार 'ए' ब्लाक दिल्लो—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायम किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. मै.० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज

एन--52-ए कनाँट प्लेस नई दिल्लो।

(श्रेन्तरंक)

 श्रोमतो जगजीत कौर बौ-269 विवेक विहार दिल्लो-32।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृशी है।

मन्स्ची

प्रो० नं० आर० एम० टी०-20 बिस्डिंग नं० 22 प्रोन विहार 'ए' ब्लाक दिल्ली-92 तादादी 90 वर्गफिट।

> जीव एसव गोराल सक्षम अधिकारो सहायक अधिकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्लो, नई दिल्लो-110002।

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेण सं ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/3-84/ 190--ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो 22 प्रोत विहार 'ए' क्वांक दिल्ली-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ स्नृसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारा के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3; नई दिल्ली भारतीं प्र श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984 को पूर्वोक्न सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रिवण्य के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, समके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया गया विभिन्न, निम्नित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त्रीवक हुए में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निश्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे अचने में सविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिको द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण माँ, माँ, उनत व्यथिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) ने अधीन, निर्मालिक स्थितियों, अर्थात :--- मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन—52-ए कनाट प्लेस नई दिस्ली।

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बार्क्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना व । पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के । पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

नन्स्धी

प्रो० नं० म्रार० एस० टी०-11 बिल्डिंग नं० 22 प्रोत विहार 'ए' ब्लाक दिल्लों-92 तादादों 45 वर्गफिट।

जी ८ एस० गोपाल सक्षम ग्रीधकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारोख: 31-10-1984

प्रकथ बाई. टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/3-84/ 189—अत: मुझे, जी० एस० गीपाल,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनीयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो 22 प्रीत विहार विल्ली—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रमुस्नो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय ग्रर्जन रेंज—3, नई दिल्लो भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रधीन तारीख मार्च 1984 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रविफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत गहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; जोड़/वा
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थोः, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधादा (३) के जधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- 1. मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रोज

एन--52-ए कर्नांट प्लेस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 डा॰ सुधीर सूद निवासी--ए-149 प्रीत विहार दिल्ली-92।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचमा के राजपत्र में प्रकाशन की लागी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

प्रो० नं० भ्रार० एस० टी०-119 ग्राउण्ड फ्लोर 22 प्रोत बिहार 'ए' ब्लाक दिल्लो-92 तादादी 60 वर्गफिट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002।

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 鵴 ग्रन्तुबर 1984

नायकर क्षिपित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 110-ए है तथा जो 22 प्रीत बिहार दिल्ली-92 ब्लाक 'ए' में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रानुमूचों में पूर्ण एप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय श्रार्थन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर श्रीधनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास रुख का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे संतरण के लिए तय पाया गया दिक्त निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त संतरण निखित में बास्तिबक रूप में कीथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण में हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियस के अधीन कार दाने के अतरक के अधित्व में कमी करने या उसमंबचनं में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी भने या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विषय गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

 व्य अतः उत्कः अधिनिधम की धारा 269-य के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) दे अभीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः :- मै० राजेन्द्रा श्रोपटींन एण्ड इन्डस्ट्रीन एन--- 52-ए कनाट प्लेम नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती पुष्पावनी
 बी-2 कीटला फिरोजणाह
 नई दिल्ली-2।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध सद में समाप्त होती हो, की भीतर पर्वापत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थानर, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंग।

स्पष्टिकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ हामा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्जी

प्राः नं 110-ए ग्राउण्डपलीर 22 प्रांत विहार 'ए' ब्लाक दिल्ली-92, तादादी 50 वर्गफिट्।

> जीव एसव गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

नारीका : 31+10-1981

ाहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेण सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/37-ईई/3-8 // 215--ऋतः म्झे, जी० एस० गीपाल

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एच-3 है तथा जो 1- राजेन्द्र। प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्राजंन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायक्र प्रधिनन्यम 1961 के अश्रीन तारीख मार्च 1984

ा पूर्विक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास रने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में स्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैं नेहाद्वीप कलस्ट्रक्णन
 1 राजेन्द्रा प्लेस
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 कैप्टेन राजिन्दर सिंह संधू श्री श्रीमती हरसंस निव-सी--के-38ए कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वातानूकूलित स्पेस नं० एच-3 पहली मंजिल,-1 राजेन्द्रा प्लेस बिल्डिंग निर्माणाधीन, नई विल्ली, तादादी 225 वर्गफिट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज-23 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एसपू०/3/37-ईई/3-84/ 234--श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000 / - रः. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी मं० 215 है तथा जो ग्रोन पार्क यूसक सराय, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्दा ग्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधि-नियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984

नियम 1961 के प्रधान तरिक्ष मार्च 1984

होरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियां) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अध्यरण ते हुइ किसी बाय की वावत उलत विधि-निवस के अधीन कर दोने के सल्तरक के वाबित्व के कभी करने या उद्युख क्यने के सुविधा के लिये; ज़रिया/
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-क्षर अधिनियम, या धन-क्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ।— मैं० ए० पी० श्रवार्टमेंट्स प्रा० लि० श्रादिनाथश्रो हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाँट सर्कस, नई दिल्ली।

तरक)

2 श्री वाई० सी० माथुर ग्रौर श्रीमती लीली माथुर निवासी—एन 3/3, सेक्टर 13, ग्रार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्बन के लिए भायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

अनुस्पी

प्रो० नं० 215 जैना टावर ग्रीन पार्क युसफ सराय कर्मांसथल काम्प्लैक्स, नई दिल्लो, तादादी 100 वर्गफिट।

जी० एस० गोपाल

सक्षम अधिकारी

सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीखं: 31-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37--ईई/3-84/ 235---म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव बी-25 है तथा जो श्रीत विहार दिल्ली-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत उपक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करजे या उससे बचने में सुविधा के लिये; अपरात्
- (ख) एंसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा की चिए.

भतः **कथः, उक्त समिनियमः, की भारा 269-ग के बन्सरण** मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीरा, निम्मालिखित व्यक्तियों, अथित :---- मैं० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस ग्रपी० सुपर बाजार कनाट सर्कम गई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुनील कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री बीठ एनठ गुप्ता निवासी—25, ग्रपर पर्लंट डीठ सोठ एमठ रोड़ --बाराहान्दु राव दिल्ला-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भगुस्ची

प्रो० नं० बो-25 बेसमेंट कार्मास्थल कामप्लैक्स, प्रोत विहार, दिल्लो-92, तादादो 44 वर्गफिट।

> जीर एसर गोपाल स्थाम अधिकारी सहायक जायकर ख्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज-3, दिल्लो, नई दिल्लो-116002

तारोख: 31−10−1984

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर लाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन २ज-३, नई दिल्ली

नई विल्लो, विगांक 31 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/37-ईई/3-84/ 236--श्रन: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम्म्के पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव की -52 श्रीत विहार दिल्ली -92 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रिधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिसित उद्वेद्य से उस्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 मै० जैना प्रोपर्टीज प्रा० सि० ग्रादिनाथ श्रो हाउम ग्रां० मुनर वाजार कर्नांट सर्कम नर्ड दिल्लो।

(अस्तरक)

2. श्री जी० मी० गुलाटी सुपुत्र श्री श्रार० मी० गुलाटी निवासी—जी-196 श्रीनिवासपुरी नई दिल्ला-65

(अप्रसारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में उरिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० थो-52 बोमेंट, जैना टावर, प्रोत विहार कार्माणयण कारालैक्स दिल्यो, नादादा 44 वर्गफिट दिल्यो-921

> जीव एतव भीताल लजम श्रविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेज-3, दिल्ली नहीं दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं ० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/201-म्रतः मुझे जी० एस० गोपाल

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 है नथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक दिल्ली-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्व-रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता भ्राधकारों के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्लो भारतीय भायकर श्रिधिनयम-1961 के श्रधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृन्य से कम के एरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके एरयमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के जिए प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाध्त, उक्स बीधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार्/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बत्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, हिल्ला में स्विक्श के िला;

व्यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिवित व्यक्तियों अधीत् ;—— 20—346GI/84 (1) मैं० राओन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52-ए कर्नांट प्लेस नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो डो० एन० कोठारी निवासी—मकान नं० 135 विनोद नगर कुंमाव स्क्रवायर दिल्ली—92 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्का की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ठ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वपूर्व

प्रो० नं० 2 (ग्रार-एस०-टी) बेसमेंट 22 प्रीत विहार 'ए' ब्लाक दिल्ली-92 तादादी--55 वर्गफोट ।

> जी० एम० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजनरोंज-3, दिल्लो, नई रिल्लो

विनांक : 31-10-1984

प्रक्ष बाह् . टी. पुत्र . पुत्र ..-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, शहायक नायकर नायकत (निरीक्क)

श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं ० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/200-ग्रतः मझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार सृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 15 है तथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक विल्ली-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध धनुसूची में पूर्व खप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्राधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यक्षापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिफल से एसे उच्चमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्मिलिखित उच्चे इय से उक्त अंतरण दिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की शावत, उन्नंद अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के बिए; बड़ि/बा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीय, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52-ए कनौट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मंगल दास निवासो--4696 स्ट्रोट पाजिया बेगम हौज काजी दिल्ली-6। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकती।

स्वव्यक्तिस्यः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वयसंस्थी

प्रो० नं० घार०-एस०-टी०-15 (लोवर ग्राउण्ड फ्लोर) 22-प्रोत विहार $\langle y \rangle$ ब्लाक दिल्लो-92 तादादी, 90 वर्गफीट ।

जी० एम० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निराक्षण) द्यर्जन रेंज~3, दिल्लो, नई दिल्लो

विनोक : 31-10-1984

प्ररूप : बार्ड . टि . एम . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 श्रक्तूवर 1984

निदेश सं ० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/199-भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 114 है तथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक विल्ली-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3 नई विल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन विनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से ीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्य हेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड़ैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधानके लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52ए कनाट प्लेस नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेखा गुप्ता ग्राँर ग्रमोक कुमार गोयल निवासी-12/3 रेलवे कालोनी सेवा नगर नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नपुषुची

प्रो० नं ब्रार०-एस०-टी-114 (ग्राउण्ड फ्लोर) 22-प्रीत बिहार 'ए' ब्लाक, विस्ली-92, तादादी 50 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3; दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1984

प्रस्त भाष्टं तो . एष . एष . ------

वारभार निभिन्यम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अन्तू बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सां०/एक्यू०/3/37 ईई०/3-84/198-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अधिक हैं

ष्मौर जिसको सं० 22 प्रित बिहार, 'ए' ब्लाक, दिस्लीं—92 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधान, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल सः एत दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित में शास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- शैक) जन्तरक से हुइ किसी जाव की वावतः, उक्त जीवनियम के जभीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृषिधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जम्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था कियाने में सविभा के लिए;

ब्तः, व्या, स्वतं विभिनियमं, की भारा 269-एं के व्यवस्थ वी, मी, स्वतः विभिनियमं की भारा 269-एं की उपभारा (1) कं विभीत, निस्तिचितं व्यवस्थितं, वर्षात् ;---- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन-52-ए, कर्नांट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 (2) श्री प्रवोन, प्रवेश ग्रीर ग्रुश भाटलो, निवासी बा-26, ग्रीत विहार, दिल्ली-92।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उभत संपरित के अर्जन के संजंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन संची

प्रापर्टी नं० आर० एस० टी०-6 (लोबर ग्राउन्ड फ्लोर) 22, प्रोत बिहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 तादादी 45 वर्ग. फोट ।

> जी० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस. ------जावकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशकण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/3/37 ईई०/3-84/ 197--अत: मुझे, जो० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० 107, है तथा जो प्रोत विहार, दिल्लो-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिस्ला, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधान, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः सथा, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभीन, निम्निसित व्यक्तियों,

(1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रेज, एन-52-ए, कनाँट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कुमारी, निवासा ई-141, नानक पुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाणन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किनी व्यक्ति एवार।
- (म) इस सूचना के राजपत्र के एकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक स्थापित सम्माप्ति मी द्विचायक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यक्षमाओं के एम स्थिति में विकास के स्थाप

स्पष्टिकरणः — इसमा प्रयुक्त शहरा और पदा का, जा उकत अधिनियम के अध्याय २०-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा मया है।

नन्स्ची

प्रापर्टी नं० आर० एस० टी०→107, (जी० एफ०) 22, प्रोत बिहार, 'ए' ब्लाक, दिल्लो-92, नादादी 80 वर्ग फीट ।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 196--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने उनमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वर्त धान 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसके. सं० 118 है तथा जो 22, प्रीत बिहार, 'ए,' बलाक, दिल्ले:-92 में स्थित है (भ्रीर इससे ऊपाधद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्लों में आयकर अधिनियम, 1961 के अधान, ताराख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके रूथ्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिबिस में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या कन्य जास्तियों को जिन्हां भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वी, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हु--- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रोज, एन-52-ए, कताँट प्लेस, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रों केवल कृष्ण खन्ना,
 निवासो डो-18,
 प्रीत बिहार,
 बिल्ली-92 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चार्ड करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यकरहियां करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ुः—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थात्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा संकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपूत्रभी

प्रापर्टी नं० आर० एस० टी०-118, ग्राउण्ड फ्लोर, 22, प्रोत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्लं/-92, तादादी 60 वर्ग फीट ।

> जो० एस० गोपाल 'सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, नई बिस्ली।

तारीख: 31-10-1984

मोहरः

प्रकृष बाहाँ, दी, एन्, एव्,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज~3, नई दिल्लं।

नई दिल्ली, दिनांक 31 अन्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/3/37 ईई०/3-84/ 195--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीरकुजसकी सं० 210 है तथा जो 22, प्रोत विहार, 'ए' ब्लाक दिल्ली—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—3, नई दिल्लो में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख मार्च, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयान करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित कुष वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइं किसी बाव की बावत अक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीराया
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वंबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था, छिपाने में नविधा के विकार

सर प्रव. उक्त अधिनियम की <mark>धारा 269-व के जनसर⇒</mark> कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-**च की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :—— (1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन~22 ए, कनाट प्लेस, नई विस्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रामतो प्रेम गर्मा, निवासा बा-195, विवेक विहार, दिस्सी ।

(अन्तरितः)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मार्शिय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे किन व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्वी

प्रापर्टी नं० आर० एस० टो०-210, (अपर ग्राउण्ड पत्रोर) 22, प्रात बिहार, 'ए' ब्लाक, विल्ला-92, तादादा 114 वर्ग फीट ।

> जॉ० एस० गोपाल सक्षम प्राविकारः सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, नर्द दिल्ला

तारीख: 31-10-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (26)-छ (1) के अधीन सु**ब**ना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रन्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/37 **६६०/3-84/** 180---श्रतः मुझे, जी०एस० गोपाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 112 है तथा जो 22 , प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य यसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्तिवक अप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उत्तर आंधानयम के अधीन भर दानें के अन्तरक के दायित्य कें कारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बीर/या
- (स) एनी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) य उपत १ के कि कि विचयम, 1957 (1967 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिष्या वै विषद:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन 52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती णाता चोपडा, श्री पंकज चोपड़ा, मास्टर संजय चोपड़ा, निवासी जी-230, श्रीत विहार, दिल्ली-92।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िकग्र कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सै 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 विन की अविधि, थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा रवा हैं।

अनुसुची

ग्राण्य एस० टी०-117, (ग्राउन्ड फ्लोर), 22, प्रीत विहार, 'ए' ज्लाक, नई दिल्ली-92, तादादी 60 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण) ; ग्रर्जन रेंज-3, िंक्लो, नई दिल्ली

नारोख 31-10-1984

मोष्टर :

श्रक्य काइ⁴. टी. एन. एस्.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के मुभीन सुभान

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 31 ग्रक्तूग्रर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 179—श्रत: मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 110 सी है तथा जो 22, प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक हैं दिल्ली—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज—3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निम्नल में बास्तविक रूप से कथिस महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी थन का अन्य आरितयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः——
21—346GI/84

(1) मै॰ राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन 52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्सी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम किशन रोहतगी, निवासी 56, कूचा सूखा नन्द, चांदनी चौक, दिल्ली -6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संगरित को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपथ में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यवितयों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्षी

प्रापर्टी नं० म्नार० एस० टी०-110 सी, म्राउण्ड फ्लोर, 22, प्रीत विहार, दिल्ली-92, तादादी 50 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-10-1984

शोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रवतूबर 1984

निदेश सं० प्रार्ष० ए० सी०/एवयू०/37 ईई०/3-84/ 224--- ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीचिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० बी-24 है तथा जो युसफ सराय कर्माणयल कम्मलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर अधिनियम, 1961 के भ्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएगेंकिन सपिति का उचित बाजार पल्य. उसके इंडरणान प्रतिफल से, एसे इंडरणान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रिल निम्मितिबत उद्दे इय से अपन अन्तरण में निम्मित वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन ना अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राथनार्थ अन्तरियो द्वार प्रकट नहीं किया गया के लिए;

कृत: अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात :—- (1) मैं ए ए 2 पी ० श्रपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, श्रादिनाथ श्री हाऊस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट प्लेस, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रनिल ग्रोवर मार्फत ग्रोवर स्टेशनरी मार्ट, बेगम बृज , मेरठ (यु० पी०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है!

अनु सूची

प्रापर्टी नं बी-24, युसफ कर्माशयल कम्पलेक्स, युसफ सराय, नई विल्ली, तादादी 72 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

मोहर ⊹

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/37 **६६०/3-84/** 194--श्रतः मुक्षे, जी० एस० गोपाल

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौरकृजसकी सं० बी-20 है तथा जो युसफ सराय कमिशयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकत श्रि कारी श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखितः उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबता, उन्धर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) मै० ए० पी० श्रपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेंड, श्रादिनाथ श्री हाऊस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्त

(2) श्रीकृष्ण कुमार वर्मा सुपुत स्व० श्री चुदी लाल वर्मा, निवासी 3537, जलवारा स्ट्रीट, दरिया गंज,

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आअंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार'
 45 दिन की अवधिया तत्यम्बन्धी ज्यक्तिय
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, ह
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखात में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा। भाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय दिया गया है।

वनुस्ची

प्रापर्टी नं बी-20, युसफ सराय कर्माशयल कम्पले नई दिल्ली, तादादी 72 वर्ग फीट ।

जी॰ एस॰ गोप सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज−3, नई दिरू

तारीख: 31-10र1984

मोहर 🖫

प्रस्प बार्ष.टी.एन.एस. -------

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/37 ईई०/3-84/233—श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापन सम्पत्ति, जिल्लका रिचा बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० जी-1 बो है तथा जो युसफ सराय कर्माशयल कम्पलेक्स नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रोफर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रजैन रेंज-3 नई दिल्ली में श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बसः अब ु उत्रत अधिनियम की धारा 265 म के अनुसरण कैं, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) कि बधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों अर्थात् ∴—

(1) मैं० ए० पो० भ्रपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड भ्रादिनाथ श्री हाऊस भ्रयोजिट सुपर बाजार कनाट प्लेस

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द मदन
सुपुत्र श्री चमन लाल
मधु मदन परनी
श्री सुभाष चन्द
निवासी जी~56
ग्रीन पार्क
नर्द्द दिस्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एकत सम्पत्ति भी वर्षन् को सम्बन्ध में साई भी लाक्षेप:--

- (क) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधाहस्ताक्षणी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

प्रापर्टी नं० जी-1 बी, प्राउन्ड क्लीर युसफ सराय कर्माशयल कम्पलेक्स, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,

तारीख : 31-10-1984

भट्टिं 🦻

प्ररूप बाह्र . ट्री. एन . एस . -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

वार्थ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रन्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 232--ग्रतः मुझे, जो० एस० गोनाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 117 है तथा जो युसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजिस्ट्रो क्रिक्स धिकारों के कार्यालय, सर्जन रेंज-3, नई दिल्लों में श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख मार्च 1984

का प्रशिक्ष सम्परित के लिस्त दाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का थेवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में भारतिक से से कि थे ती नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अथ, जक्त अधिनियम, की भार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० ए० पी० अवार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड आदि नाथ श्री हाऊस अपीजिट सुपर बाजार कनाट प्लेस मई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीश गुप्ता निवासो बी-5/46 सफदरजंग इनक्लेब नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अयिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए प्रा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आंर धवों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अन्स्भी

प्रापर्टी नं ० 117, पहली मंजिल युसफ सराय, कर्माश्रयेल कम्पलेक्स युसफ सराय नई दिल्ली, तादादी 30 वर्ग फीट।

जं। ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

सारीख: 31-10-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस.-----

नायकड मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाडा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 भ्रमतुबर 1984

निवेश सं० धाई० ए० सो०/एक्यू०/37ईई०/3-84/ 347-- ब्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का आरए है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 217 है तथा जो युसफ सराय कमिणयल कम्पलेक्स, नई दिल्लो में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूचों में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, प्रर्जन रेंज-3 नई दिल्लो में श्रीयकर श्रिधनियम, 1961 के प्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित क्षाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी बाय भी बाबस, अक्स अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में श्विभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की, अनुसरण बी, बी, उक्त अधिनियम की धारा १८३-१ की ज्याधाश के। को अधीन किन्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्रःचन (1) मैं० ए० पो० श्वनार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड श्रादिनाथ श्रो हाउस सुपर बाजार कनाट सर्कस नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा रानी निवासी एम-12 ग्रीन पार्क एक्सट्रेंशन नई दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त का बिद्यों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्र्या

प्रापर्टी न'० 217, दूसरी मंजिल युसफ सराय कर्माशयल कम्पलेक्स, ग्रीन पाकँ, नई दिल्लो, तादादी 30 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

मोहरः

प्ररूप काइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त..(निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 31 ग्रम्तूबर 1984

निदेश सं० झाई० ए० सीं०/ एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 230--- श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जी 11-ए तथा जो युसक मराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूचः में और पूर्ण क्य से विणित है), रिजिल्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय श्रामें रेज-3 नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह यिश्यास करने का कारण है कि अथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नीलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में कास्यिक कथा से किथा गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे घणने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुलारा अन्तर्थ हाली किया गया था या किया जाना नारित्र था. जिल्हा कुमिशा के निष्ट;

नतः व्यवः, उत्तर निधितियम की भारा 269-गं के जनसरण में, में, उत्तर अधित्यम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ० ए० पो० श्रपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड श्राविनाथ श्रो हा अस ग्रपोजिट सुपर बाजार कनाट सकंस नई दिल्ली।

(झन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रंजू सोनी पत्नी श्री ग्रांनल सोनी श्री मदन लाल सोनी ग्रौर श्री ग्रारूण क्रुमार सोनी निवासो ग्रर्जुन नगर सफदर जंग इनक्लेव नई दिल्लो।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए ार्वाक्षित्र करता हुए।

उक्त अध्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुस्थी

प्रापर्टी नं ० जी-11 ए युसफ सराय, कर्माशयल कम्पलेक्स, नई दिल्लीं, तादादो 90 वर्ग फोट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3,जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 अन्तुबर 1984

निर्देण सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37 ईई०/3-84/ 299--अतः मुत्रे, जो० एत० गोगाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'एतन व्यथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप अधिकारी जिल्हा उचित बाजार मृत्य 25,000 / कृष्ट. से अधिक हैं

ग्रीर जिएको सं ० 109 है तथा जो 11, युसफ मराय, नई दिल्ल में स्थित है (प्रीर इपने उनायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विश्वाद है), रिजिस्ति अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तार ख मार्च, 1984

को पृथिवित संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अग्रण है कि गर्भाषार्थित समान का उचित सामान मन्य उसके दश्यमान प्रतिफान से, एमें दश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिसित खब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१००० मा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा ने सिता।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भैं, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैं० ए० पो० अवार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आदिनाथ श्रीहार्ऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा रानी अग्रवाल पत्नी श्री आर० एल० अग्रवाल, निवासी 6-ए, पी० श्री० मार्ग, बन्त्रिया बाग, लखनऊ।

(अन्तरितः)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या स्टान्डाधी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त ष्यविता मों से किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक क्ष किसी अन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रापर्टी नं० 109, पहली मंजिल, 11,युसफ सराय कम्पलेक्स, म**ई दि**ल्लो, ता**षादो** 210 वर्ग फोट ।

> जी' एस गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

मोहरः

प्रक्य. बाहै. टी. एनं. एत. ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269**हम (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी०आ२० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नुई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांफ 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं आई० ए० मो०/एक्यू०/3/37 ईई /3-84/ 228--अतः मुझे, जी०एस० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० जी-14 है तथा जो ग्रीन पार्क, युमफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में गम्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें बचने भी मुजिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एमें किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.12 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27)

था <mark>या किया जाना चाहिए</mark> था, किपाने से सृत्रिधा के **लिए**;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधी।; निस्निलिखित व्यक्तियमों अधित :——
22—346GI/34

(1) मैं० ए० पा० अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आदिनाथ श्राहाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई हिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रा रिवन्दर कुमार और श्रा राजं कुँमार सृपृत्र श्री श्रीचन्द, निवासी-1322, फराण खाना, लाल कुंआ, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मीत्त के कर्चन के तिर कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्सीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसंची

प्रापर्टी नं० जा-14, जैना ग्रोन पार्क, (युसफ मराय) कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्लं, नादादो 80 वर्ग फोट।

> जी । एस । गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला

तारीख : 31-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. जी-13, साउन्ड फ्लोर, मी आर बिलिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश म० आई० ए० मी०/एक्यू०/337 ईई०/3-84/ 243--अन: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 114/11 है तथा जो युसूफ मराय कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान, तारीख मार्च, 1984

को पृथें क्त सम्मित्त के उचित याचार मृस्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शम्मविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, इस्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे ध्योजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया एक था किया जाना चाहिए था खिपाने में गविधा के सिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिवनियमिक पाक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री ए० पी० अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आदिनाथ श्री हाऊस. अपीजिट मुपर वाजार, कनाट सर्कस,
- (2) श्रां नरेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र श्रा शांति सागर जैन, निवासी एन 33, ग्रेंगि पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ला।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगतपी

प्रापर्टी नं ० 114, 11, युसूफ सराय, कम्पलेक्स, नई दिल्लो, तावादी 100 वर्ग फीट ।

जो० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्लो

तारीख: 31-10-1984

प्रकृष मार्च . दी , एम , एस , नार्य------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. जी-13, प्राउड फ्लोर, सी आर बिलिडग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ला

नई दिल्ला, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० आई० ए० मो०/एक्यू०/337 ईई०/3-84/ 244--अतः मुझे, जी० एम० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें स्वाके परावाद, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रुपये हे अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिन्नि । प्रिया है तथा जो युसूफ सराय कम्पलेक्स, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज -3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, वारोख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के िजित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित संपत्ति का उवित जाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विष्फल, निक्निलिखत उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० ए० पा० अपार्टमेंट प्राइवे लिमिटेडट आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट मुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो ।

(अन्तरकः)

(2) श्री हिरामय बीस सुपृत श्री एस० सा० बीस, निशामा जै० एन० यू० 306, ब्लाक 1, नई दिल्ली।

(अन्तरितंः)

की यह मुचना आरी करकं प्रबंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख स 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त य्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्कत म्थावर संगत्नि में हिसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्माष्ट्रीकरणः -- इशमें प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो उनत अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है:

ग्रनुसूची

प्रापर्टी न० जा-14 ए. 11, युसूफ सराय कम्पलेक्स, नई दिल्ली, तादादी 90 वर्ग फीट।

> जीं० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख : 31--10--1984

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्माना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3. जी-13, ग्राउड फ्लोर. ली आर बिलिडग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्लः

नई दिल्लो, दिनांक 31 अन्त्रबर 1984

निर्देश स० आई० ए० मो०/एक्यू०/337 ईई०/3-84/ 254--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पहचाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधरण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बी-8 है तथा जो युसूद्र सराय, ग्रंत पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधियम 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसेके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात १--- (1) मैं० ए० पा० अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आदिनाथ श्राहाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) मैं० एम० सं(० माहेण्यरी एण्ड कं०, 2483, चिपीयारा, दरीया कलां, दिल्लों- 6।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० बो-8, युसूफ सराय कमिसियल कम्पले≇स, युसूफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 72 वर्ग फोट ।

> जं(० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 3, नई दिल्लो

तारोख 31-10-1984 मोहर: प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, जी-13,ग्राउड फलोर, सी आर बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/337 ईई०/3-84/ 246--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको सं० वा 40/5 है तथा जो भोकाजो कामा प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के वार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम. 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तर में बास्टिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आह-कर अधिनियम (1922 (1922 जा 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के.सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० कोठारो ट्रस्ट, जे-202, साकेत, नई दिल्लो-17।

(अन्तरक)

(*2) श्री बो० डी० भल्ला सुपुत स्व० श्री हवेली राम, निवासी 1579, सेक्टर 15, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पे में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिस्ति मो किए जा सकींगे

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दिया गया है

मन्सू ची

प्रापर्टी नं बो 401. बिल्डिंग नं 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 255 वर्ग फीट ।

> जीं० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 31-10-1984

माहर :

प्ररूप आईं ती : एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3. जी-12, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिलिडरा, इन्द्रप्रस्थ स्टैट, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/337 ईई०/3-84/ 247--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसके सं ० 209 है तथा जो जैना टाबर युमूफ सराय, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच) में ग्रौर पूर्ण रूप मे बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि गथापूर्विकत सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० ए.० पीर० अपार्टमेंट प्राइनेट लिमिटेड. आदिनाथ श्री हाऊस. अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नर्ट दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्रा राणा प्रताय एण्ड कं०, भागीदार : श्री राणा प्रताय, श्री लते प्रताप, श्री कुश प्रताप, श्री पर्यन प्रताप, 12, प्रताप सिंह बिल्डिंग, जन पथ लेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निगए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के णास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

प्रापर्टी नं० 209, दूसरी मंजिल, जैना टावर, ग्रीन पार्क, युसूफ सराय, कर्माणयल कम्पलेक्स, नई विल्लंके, तावादी 260 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नार्**ख** : 31-10-1984

प्रकार भाष**् हों** हुन् हुन् हुन् सन्त्रप्रकार

भगवकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सचना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, जी-13, ग्राउंड फ्लीर, सी० ग्रार० बिव्हिंग, इन्डप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्लो : दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/337 ईडी/3-84/ 248--अत: मुझे, जं1० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 207 है तथा जो ग्रीन पार्क, युसूफ सराय, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय. अर्जनिरिज-3, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृन्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्तह अतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएनों में मित्रिश के लिए:

जतः आह, सक्त जीधीनयम, की धारा 269-ग जी अनुसरण मो. मी. अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा /1) के अधीन, निम्निनिविह अधिकत्यों. अधीत :-- (1) ए० पंत्र अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आदिनाथ श्राहाऊस, अपीजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लें, ।

कार्यवाहियां करता हुं।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजध्त्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किस शिअन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

मन्त्रम

प्रापर्टी नं० 207, दूसरी मंजिल, जैन टावर, ग्रोन पार्क, युसूफ सराय, कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली, तादादी 285 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल अक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

मार्गःमः : 31--10--1984

मोहर 🕸

प्ररूप बाई. टी. एत. एस. ------

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानयं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज-3, जी-13, ग्राउंड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी० /एस्यू०/337ईई०/3-84/ 168--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 26/11 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूत्तं में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में मारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्धान तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोका समाणि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिफत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षक मिम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिकित में अव्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिक्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ह विकार, अपि कि
- (ग) ऐसी किसी जाय था किसी भन था अन्य आस्मियी कार्य कार्यस्मारीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को नपभाग (1) के अधीन, जिम्मीनिक्तित ध्यशिनमों, अधीन (1) नेशनल केमिकल इण्डस्ट्रांज लिसिटेड,26, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली—15।

(अन्तरक)

(2) श्रां सारी राम गुन्ता पुमुत्र श्रां गोपाल दास जा, श्रोमती कमलेण रानी गर्ग पत्ना श्रां जे० एल० गर्ग, श्रामता कृष्णा देवा, पत्नी श्रां राम लाल जो, श्रांमती भागवन्ता वाई पत्नी श्रां रिव दत्त, श्रींमती पुष्ना देवी पत्नी श्रां मुरारा लालजी, सभी निवासी बी-96, वजीर पुर इण्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली -52।

(अन्यरितोः)

को नह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के नर्वन के जिल्क नार्यनाहियां करता हूं।

उक्त शम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं 26/11, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ले(; तादादी $213^{\circ}50$ वर्ग गज ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 31-10-1984

गोहर:

प्ररूप आई.टी..एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०:/37ईई०/3-84/ 169—यत:, मुझे, जी०एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचास् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी 72 है तथा जो नारायणा निवासीय योजना, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उताबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्विक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्निजिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए, बौर्/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उस्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री राजपाल सुपुत्र श्री रूप राम , निवासी → = डब्ल्यू० जेड० बी० = 52, नारायणा गांव, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति चोपडा पत्नी श्री ग्रमृत चोपड़ा, निवासी-एच० 385, नारायणा विहार, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वामा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर प्रोंतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

लक्टोकरणः---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्या है।

अनमुची

प्रापर्टी नं० मी-72, नारायणा निवासीय योजना, नई दिल्ली, नादादी ।

जी० एस० गोपाल ंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख** : 31—10—1984

प्ररूप नार्ड. दी. एन. एव. ----

डायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**भ** (1) **के सभीन जुल्**ना

भारतः तहस्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 3/37ईई०/3-84/ 170---यत:, मुझे, जी० एस० गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० एफ 203 है तथा जो युसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में ग्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; अहु/वा
- (क) एसी किसी बाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार अस्तिरती इनारा प्रकट नहीं किया नया था ए. किया आना बाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: ३व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ु— (1) मै० ए० पी० श्रपार्टमेंट प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाऊस, ग्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० के० साहनी,
श्री एस० श्रार० मिनोचा,
श्री ग्रार० के० मेहता,
भागीदारः मे० एसोसिएटेड
प्रेसिजन एक्बीपमेंट,
डी 211, साकेत,
नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपत्सि के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित को कर्जन को संबंध में कोहाँ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की त्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दाें और पदाें का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वनसर्व

प्रापर्टी नं ० एफ 203, दूसरी मंजिल, युसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली, तादादी 225 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-10-1984

मोहर ३

प्रकृष बाहु दो पुन् पुन् , प्रम् , -------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के व्यभीन सूचमा

भारत चरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली ,दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 3/37 ईई०/ 3-84/ 171-र-यतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतयें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जी-7 है तथा जो युसफ सराय, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रैंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्न जन्तरण निभित में राम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्रम

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कुद बेगे के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के जभीत निक्तिचित स्पिक्तमों, संभात ह—— (1) मैं ० ए० पी० अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, श्रादिनाथ श्री हाऊस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंजीत सिंह सेठी सुपुत्र श्री जे० एस० सेठी, निवासी---3814, डेविड स्ट्रीट, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

ली यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

वक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-विद्या किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया च्या हैं।

मन्स्यी

प्रापर्टी नं० जी-7, युफ सराफ कर्माणयल कम्पलेक्स, ग्रीन पार्क, नई विरुली, तावादी 70 वर्ग फीट

> जी० 'एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3-दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 31-10-1984

प्रक्रम आहे. टी. एन्. एसं , -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 178—यत:, मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० टी 18 है तथा जो 22/ए, प्रीत बिहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम् संहुद्धं मिन्नी नाय की वायतः, उपत् वृधिनियम् भी नशीन कर दोने के बन्तरक के शामित्व में कभी करने या उत्तते वथने भें सृष्धिम के लिए; शरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिक्शा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मैं । राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, नं । 52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

(2) श्री भवनेश कुमार भ्रौर श्री राज कुमार, निवासी सी 126, प्रीत विहार, दिल्ली-92।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है.

नन्स्पर्

प्रापर्टी नं भार एस वटी 118, ग्राउण्ड फ्लोर, 22, प्रीत विहार, ब्लाक 'ए', दिल्ली-92, तादादी 90 वर्ग फीट।

> सी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

प्रेंबन् बार्ड, टी. रम., रव., ----

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाउ 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 धन्तूबर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 177--यतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

25,000/-रन. सं मिथक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 8/22/ए है तथा जा प्रीत विहार दिल्ली-92

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ भानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 के ग्रीधिन तारीख मार्च/ 1984
को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने
का कारण है कि सभाप्बोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती
(जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया
ग्रीतफल, प्रिनिसिंग उद्वेक्यों से उक्त मन्तरण किविद

- (क) अन्तर्ज्ञ वं हुइ किसी बान की बान्त, उपत अभिनित्य के वधीय कर वार्ष के बन्दर्क के स्थित्य में क्यी करने या उससे ब्यम में सुविता के सिद्; मूर/मा
- (थ) एसी किसी बाद या किसी थन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग् प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलि खित व्यक्तियों, अधित क्

(1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज 52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिनद्र कुमार निवासी डी-1/140 लाजपत नगर नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां भूरा करता हो।

जनत संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास शिवित में किए था सकेंगे।

स्वाकारण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों बार पर्यो का, वा उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा भी उस वध्याय में दिका नवा हैं।

अन्स्ची

प्रापर्टी नं० ग्रार० एस० टी० 8, 22-प्रीत विहार ब्लाक'ए' दिल्ली—92 तादादी 45 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोशाल सक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज नई दिल्ली

नारीख: 31-10-1084

प्रकथ नाहाँ, टी. एन : एस: -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 अन्तुबर 1984

निर्देश सं० **प्रा**ई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/3-84/ 173--यतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-स से अधिक है

ग्रीर जिसका मं ० 21/22 है तथा जो ब्लाक 'ए' प्रीत विहार दिल्ली—92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रार्जन रेंज—3 नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 के के ग्राधीन मार्ज, 1984

कर पूर्व क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अञ्चतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ध--- (1) मैं ॰ राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज 52-ए, क्नाट प्लेस, नई दिस्ली ।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमती बलजीत छाबरा निवासी-बी 269, विवेक विहार, दिल्ली-32।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तयद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे:

स्पच्चिकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रापर्टी नं० ग्रार० एस०-टी-21 बिल्डिंग नं० 22 ब्लाक 'ए' प्रीत विहार तादादी 90 वर्ग ट्रीट दिल्ली-92 ।

> जी० एस० गोपाल राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-3 नई दिल्ली

तारीख: 31-10-1984

प्रस्थ बाइ. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 अन्त्बर 1984

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/3-84/ 174--यतः मुझे जी०,एस० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्थिति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 1/22 है तथा जो ब्लाक 'ए' प्रीत विहार, दिल्ली—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में, श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज—3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान् प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात क्ष---

(1) मै॰ राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज 52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जग प्रवेश मदन, श्रीमती फूल मदन, श्री ग्रार० के० मदन, निवासी ए-24, गुरु नानकपुरा, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त मध्यक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर अपन स्थावर सम्पत्ति में हिन ब्रिय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसिंत में अन्य किसा जा सकेंग ।

अन्यूची

श्रार० एस० टी० 1 (চ্লত जी० एफ०) बिल्डिंग नं० 22 ब्लाक 'ए' प्रीप्त बिहार িल्ली—92 तादादी 58 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहस्र श्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) सर्वत रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारोख : 31-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निर्देण भं० ब्राई० ए० सी०/एक्य् /37 ईई०/3-84/ 175--ब्रन: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं ० 7/22 है तथा जो ब्लाक 'ए' प्रीत विहार विल्ली – 92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय प्रर्शन रेंज – 3 तई दिल्लों में भारतीय प्रायकर प्रधितियम 1961 के प्रधीन तारीख मार्च 1984

को प्वेदित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ण इण्ड स्ट्रीज 52-ए, कनाट प्लेस, नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुभाष मनचन्दा निवासी 1542, मुकेश मार्केट गांधी नगर दिल्ली-31 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हिक्रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

समस्त्री

प्रापर्टी नं श्रार एस टी ०-7 बित्डींग नं ० 22, , ब्लाक 'ए' प्रीत विहार दिल्ली नादादी-45 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-3 नई दिल्ली

तारोख : 31-10-1984

मोहर 💠

प्ररूप बाइ., टी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 अक्तूबर 1084

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 205 /22 है तथा जो ब्लाक 'ए' प्रीत बिहार दिली-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूण रूप से बणित हैं) राजिन्द्री कर्जी धांधकारी के कार्यालय श्रीत रेंज-3 नई दिल्लों में श्रीयकर धांधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1984

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तिवक रूप से किथत वहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मैं ॰ राजेन्द्रा प्रोपटींज एण्ड इण्डस्ट्रीज 52-ए, कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर निवासी-ए-136 प्रीत विहार दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

प्रापर्टी नं० द्यार० एस० टी—205 बिल्डिंग नं० [™]22, ब्लाक 'ए' प्रोत विहार दिल्ली—92. तादादी 130 वर्ग-फीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस । -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहोयक आयकर आयक (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 ग्रन्तूबर, 1984

निदेश सं० म्राई० ए. सी० /एक्यू०/83 7ईई०/3-84/ -211--म्राः मुझे जो० एस० गोशल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उच्चित बाजार मन्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको तं ० जो - 6 है तथा जो युसफ सराय कमाणयल कम्पलेक्स नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्री सूची में श्रीर पूर्ण, रूप से विणत है) र्राज क्ष्में कर्ना शिकारों के कार्यालय श्रर्जन रेंज - 3 नई दिल्लों में श्रायकर श्रीवितयम 1961 के श्रिधोन ताराख मार्च 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्यू) एसी किसी बाब या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिए;

बत: ज़ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के अन्भूरण के में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :— (1) मैं०ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्रो हाऊस, अपो० सुद्धर बाजार कनाट सर्वस, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2), श्रीमती बसन्त कौर पत्नी डा० जसवोर सिंह मार्फत ः एच० एस०ःपाल ए-1/239 जनकपुरो मंद्र दिल्लो

(ग्रन्तरिती)

की यह मचना जारी करकें पत्रोंक्त संस्पत्ति के , अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - ा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्रापर्टी नं जी-6 युसफ सराय कर्माश्रयल कम्पलेक्स (ग्रीन पार्क) युसफ सराय नई दिल्लो तादाको 50 वर्ग-फीट ।

> जा० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-३ नई दिल्ली

तारीख : 31; 10-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेशं सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू०/37 ईई०/83-84/ 210-म्प्रतः मुझे जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वोस करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रा. से अधिकहिं

और जिसको सं ० बो-28 है तथा जो युसफ सराय कर्माणयल कम्मतेश्व नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोक्त अधिकारों के कार्यालय अर्थन रेज-3 नई दिल्लो में भारताय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित्र बाजार माप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा के निए; रूर्य/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

मंतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मै०ए० पा० ग्रागर्टमेंट प्रा० लिं० ग्रादिनाथ श्री हाऊस ग्रपो० सुपर बाजार कनाट सर्कस नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा गुप्ता निवासी जे-78 साकेत नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के र अपन में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसम्, प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस राध्याय मा लिया गया है।

"वन्सची

प्रापर्टी नं वी 28 युसफ सराय कमित्रयल कम्पलेक्स (ग्रीन पार्क) नई दिल्लो तादादी 40 वर्ग फोट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रिजंन रेंज-3 नई दिल्ली

तारोख: 31-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/83-84/ 209-यतः मुझ, जी० एस० गोशल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्त. से अधिक हैं शीर जिसको सं वो 5, 6, 7 है तथा जो 112 यूसफ-

श्रीर जिसका स० वा 5, 6, 7 है तथा जो 112 यूसफ-सराय कर्माणयल कम्पलेश्स नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रीमुचा में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधिकारों के कार्यालय, श्रार्थन रेंज-3, नई दिल्ला में श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रिधीन तारोख मार्च 1984

को पूर्वोक्य सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एस स्थमान प्रतिफल का क्ष्मार प्रतिफल का क्ष्मार प्रतिफल के क्ष्मार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासाविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्हरिक्षित व्यक्तियों, अर्थात द— (1) मैं० ए० पी० **म**पार्टमेंट प्रा० लि० मादिनाय श्री हाऊस, भपी० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ सर्विस ब्यूरो भ्रौफ इण्डिया, दिल्लो ए-190, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० बी- 5, बी-7, (बेसमेंट) ग्रीर 112 पहली मंजिल युसफ सराय कमिशयल कम्पलेक्स नई दिल्ली (ग्रोन पार्क) विल्लो, तावादो 390 वर्ग फोट बेसमेंट 150 वर्ग फॉट पहलो मंजिल।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारोख: 31-10:1984

मोहर 🖫

शरूप आई. टी. एत. एस.--=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनांक 31 भ्रव्यूबर 1984

निवेश सं ० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/20— यतः मुझे, जो० एस० गोनाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिन्नको तं ० 224/6 है तथा जो भोकाजी कामा प्लेस नई विल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्राप्त्रुचा में पूर्ण रूप से विणत है) रिजिन्द्रीकर्जा श्रीधकारों के कार्यालय स्नर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारताय स्रायकर श्रीधनियम-1961 के प्रयोन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्लेड प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिन्म्निलिखत उच्चेद्रय से उक्त अंतरण लिखित में बास्ट्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) ज़लारण से हुइ किसी जाय की वावत , उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्त रक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत ः— (1) गंगावर इम्पेक्स इण्डिया प्रा० लि० सी-58 एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) हाइवे साइकल इण्डस्ट्रीज लि० ए/3, कुन्दन मेंशन, श्रसफ ब्राली रोड, नई दिल्लो ।

(मन्तरिती)

कां वह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ट सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रो०नं ० 224, बिल्डिंगनं ० 6, भीकजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादादी 509 वर्ग फीट

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

विनांक : 31-10-1984

मोहर 1

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एसपू०/3/37ईई/3→84/ 214---अत-, मुझे, जी० एस० गोपाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह जिस्सान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 5.000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 206 है तथा ज. यूसक सराय कमशियल कम्लेकन, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृत्यूका में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय श्रार्थन रेज-3, नई दिल्लों में श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्राधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वनित सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल म, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य स उन्त अतरण निक्ति में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स जिम्मियम के अधीन कर दोने की अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के मिए; ज़र्रि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य अस्मिति। की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में मिलपा के लिए;

श्रतः श्रवः, उत्यसः अभिनियम की भारा 269-भ के अन्सरण में, में, उत्यस अभिनियम की भारा 269 र की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) मैं ० ए० पो० असर्थमेंट प्रा० खि० आदिनाथ श्रो हाउस, अयो० सुपर बाजार कनाट सर्वस, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरक

(2) श्री एच० पी० सोनी श्रीर श्रीमती विमला वेबी सोनी, पत्नी श्री एस० पी० सोनी श्रीमती विनय मल्होता पत्नी श्री के० के० मल्होता निवासी—37 हनुमान रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कार यह सूचना आरी करके पूर्जीक्त सम्परित के अर्जन के फिए कार्यवारिहया शास्त्र करता हो।

उसल संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जबिय जा तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थापर सम्पत्ति मा हिस्स बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, भही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰नं॰ 206, दूसरी मंजिल यूसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स, (ग्रीन पार्क) नई दिल्ली—सादादी 240 वर्ग फीट)।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 31-10-84

प्ररूप आहुर . टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रास्तूबर 1984

निर्देश सं अाई ० ए० से १०/एक्यू ०/3/37ईई/3-84/ 202-अतः मझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 12 है तथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक दिल्लो-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय अर्जन रैंज-3, नई दिल्लो में ग्रायकर ग्रीधितयम 1961 के ग्रिधोन, दिनांक मार्च, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीन प्राप्तवर अधिनेत्रयम, १ 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 जा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हो मुन्निया के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मैं ॰ राजेन्द्रा प्रोनर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रोज एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अशोक कुमार गोयल निवासो—136/15 एम० वी० रोड, साकेत, नई दिल्लों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

प्री० नं० ग्रार०-एस०-टी-12 (बेसर्मेट) 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92, तादादी-45 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाल संसम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 31-10-1984

त्रक्य बाई.टी.एन.एस.-----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकार वायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

नई दिल्लो, दिनांक 31 प्रक्तुबर 1984

निर्देश सं ० म्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/3 7ईई/3-84/203---यतः मुझे, जो० एस० गोताल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 🕻 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रत. से ब्रिधिक 🗬

श्रीर जित्रको रं० 105 है तथा जो 22-पोत बिहार 'ए' ब्लाक दिल्लो-92 में स्थित है (श्रीर इपने उनाबद्ध भ्रापूतो में और पुग रूत से बीगत है), रिजिन्द्री हती अधिकारी के कापिलय अर्जन र्रेज - 3, तई दिल्ला में प्रायक्तर प्रशिक्तियम - 1961 के प्रशीन, दिस इनार्ग 1984.

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) यौर अंतरिती (अन्तर्रितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विधिनियम, बा र्थन-कार **स**िधनियम, 1957 · (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था. क्रियाने में सर्विका के लिए:

बत: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं राजेन्द्रा प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल जो, निवासी--मकान नं० 80 ग्राम-ख्रेजी खास पो०-कृष्णा नगर, दिल्लो--51। (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

बानस संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त चाक्तियों में स कि.भी व्यक्ति दवारा
- (ख) इस सुचना के राज्यत में अकाशन की अध्योव पं 45 विन को भीतर उत्तर स्थायर संगीत में रित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसर्मे प्रयुक्त शस्दाँ और पर्दों का, **जो** उक्क अधिनियम् के अध्यास ५०-च र्रे जीवज्ञास है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्धी

मार०-एस०-टी-105 (जी-एफ) 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, विल्लो-92 तादावी 80 वग फोट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक : 31-10-1984

मोहर अ

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

नामकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

ज़ारत वरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/204---यत, मुझे, जी० एस० गोपाल.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थानर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 102 र तथा जो 22-प्रीत बिहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (घौर इससे उपावत प्रानुस्थी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई विल्लो भायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफश के लिए अंतरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिसियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्पलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) वंदरण वे हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (4) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्रम आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा खें बिए;

- (1) मैं॰ राजेन्द्रा प्रोपर्टीण एण्ड इण्डस्ट्रीण एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (भ्रन्सरक)
- (2) श्री नवीन गुष्ता श्रीर प्रमोद गुष्ता, निवामी---493, निमारपुर, दिल्लो---7।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकारण: ---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त क्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची:

प्रो० नं० एस-प्राप्त०-टी०-102, (जी० एफ) 22---प्रोत विहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली--92, तादादी--80 वर्गफोट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-10-1984

मोहर:

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, पैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ वधीतः, निम्निसित व्यक्तियों, कर्षात्:—— 52—346GI/84

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/205— यतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

स्नायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 115, है तथा जो 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूकी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-3, में नई दिल्ली श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निज्यत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ल) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण मों, मों, उपत अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्टिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौशस्या रानी इल एण्ड श्री ग्रशोक कुमार , निवासी—ए-38, प्रीत विहार दिल्ली-92 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

प्रो॰ नं॰ म्रार०-एस०-टी-115, (जी०-एफ) 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक दिल्ली-92, तादादी 90 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-3, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

विनांक : 31-10-1984

प्ररूप **मार्च** , टी., एन., एस_{ः व्य}-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरका

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रब्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/ 206—यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, चिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 104, है तथा जो 22-श्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन र्रेज-3, नई दिल्ली श्रायकर श्रिधनियम-1961 के श्रधीन दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्हा अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बाँद्र/या
- (क) ऐसी किसी नाय या भन या नत्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर निभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभनियम, या भनकर निभनियम, या भनकर निभनियम, 1957 (1957 का 27) के त्र्योजनार्थ नन्तरियों ब्वारा त्रकट नहीं किया या या किया वाना शाहिए था, कियाने के नृतिया के हिंगए;

श्रतः श्रवः, उत्रतः अभिनियमं की भारा 269-गं की अनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-णं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्चित स्थितिस्यों, अर्थात् क्र—

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52-ए,कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीप्रसाद बंसल, निवासी-676, कुन्डेवालन, श्रजमेरी गेट, दिल्ली---6 ।

(भ्रन्तरिती)

च्ये यह त्या वाही करके प्याँक्त वस्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के जभ्याय 20-क में परिभाषिश है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया व्याहाः

अनुसूची

प्रो० नं० एस-धार०-दी-104, (जी-एफ) 22-प्रीत बिहार, 'ए' अलाक, दिल्ली-92 तादादी 80 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायफ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली, नई दिल्ली-1100002

विनांक : 31-10-1984

प्रकर कार्ड . टी . एन . एस . -----

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्कूलना

MISS 43413

कीवेंनिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्रण)

ग्रंजन रेंज-3, नई दिल्ली मंदी दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/ 207—यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 505 है तथा जो ए-2, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमं दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिष्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दासित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के ल्पीन, निम्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स 1006, कंचनजंगा, 18-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) कुमारी जया भ्रम्नवाल, द्वारा उसके पिता तथा ग्रिभभावक, श्री वी० के० श्रम्नवाल, निवासी——22—मोती लाल नेहरू नगर, भीलाई, जिला——दुर्ग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त क्वते और पदों का, जो उक्ता अधिनियमः, कं अध्याय 20-क मो तथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

ममुसुची

प्रो॰ नं॰ 55, बिल्डिंग नं॰ 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादाधी 866.5 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 31-8-1984

प्रकप बाह् .टी. एन . एम . ------

नाथकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/216---यत:, मुझे, जी० एस० गोपाल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

भौर जिसकी सं० 105 है तथा जो 11-युसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम--1961 के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य सं कम कं इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित वाजार मृश्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) ज्लाइण वे हुई किसी जान की वानत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोगे के अन्तरक के सामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्: बार/बा
- (क) देती किसी नाय या किसी भन या वस्य जास्तियाँ का, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजिक्ति व्यक्तियों, नुश्चित्ः

- (1)मैं० जयजीखल बी० एल० (एच०यू० एफ) कर्ता बी० एल० श्ररोड़ा, निवासी—2/7, ग्रंसारी रोड, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)
- (2) मैं० ए० पी० श्रपार्टमेंट प्रा० लि० श्राविनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्को पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कार संपत्ति को मर्चन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूचेः

प्रो० नं० 105, पहली मंजिल, 11-युसफ सराय कर्मासयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली, (ग्रीन पार्क) तावादी 220 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 31-10-84

माहर 🤢

प्ररूप बाइ . धी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 भ्रम्तूबर 1984

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/218-- श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्स्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 208, है तथा जो युसफ सराय कर्माशयल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप ज वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, ●िनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1); के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्रीमती ग्राशा जैन पत्नी श्री कमलेश जैन, निवासी—डी-14 ग्रीन पार्क, नई विल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) म० ए० पी० श्रपार्टमट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिम करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्चाः

प्रो० नं० 208, दूसरी मंजिल ,जैना टावर (ग्रीन पार्क) युसफ सराय कर्मांगयल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, तादादी—205 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिस्ली, नई दिस्ली-110002।

दिनांक : 31-10-1984

प्ररूप लाहरे, टी. एन. एस. -----

बाय्क इ. विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एययू०/3/37ईई/3-84/ 217--यतः मुझे, जी० एम० गोपाल,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7, है तथा जो 8-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे जिपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार्ग के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली म आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व ने कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 वा 51) या उपत अधिनियम, यो धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिमाने भें स्विभा के सिए;

अस: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-**व की उपभारा** (1) डे अधीन, निम्मिचित् म्यक्तित्यों, वर्षात् ६—— (1) श्रीमती रेनु नाथ मार्फत श्री आर० एन० चौरसिया, निवासी-21-मालवीय रोड, इलाहाबाद (यू० पी)

(अन्तरक)

(2) मैं० अरोड़ा एजेंसीज, जैड+47 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो० नं० 7, दोपशिखः, 8-राजेंन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 583 वर्गफोट ।

जा० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारः सहायः अध्यक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जनर्भेज-3, दिल्ला, नई दिल्ली-110002

दिनां हः 31-10-84

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोकः 31 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/219--यत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-11 है, तथा जो ग्रीन पार्क, (यूसक सराय) नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मार्च, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि गथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिग्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण निस्तित में पास्तिक स्प में किशा गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोंगे के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें शरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित ध्यिक्तियों अर्थात् ह— (1) मैं० ए० पंरि० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्रो हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रो भगत भूषण श्रो नशीन कुमार, निवासा-26/136, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारक्षि से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 120-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रो० नं० जो-11, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रोन पार्क, युसफ सराय कर्माशयल कम्पलेक्स नई दिल्ली, नावादी 110 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी प्रमहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-10-1984

शक्य बार्ड .टी . एन . एस . -----

कायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-स (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्लं:

नई दिल्लं:, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं ० आई० ए० सः ०/एक्यू०/ 3/3 ७ईई/3-84/220---यत:, मुझे, जे ० एस० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 208, है तथा जो ग्रोन पार्क, युसफ सराय कर्म श्यिल कम्पलेक्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्लो, आयकर अधिनयम-1961 के अधीन, दिलांक मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरिक्तिण) के गीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में गुम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइ किसी आयं की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था था किया जाना चाहिए था, छिपीन में स्विभा के लिए;

कतः वब, उक्त विधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं० ए० पं ा० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्रंत हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लं।।

(अन्तरक)

(2) श्रामता रैना अग्रवाल पत्नी डा॰ जितेन्द्रं कुमार अग्रवाल, निवासा—ई-132, साकैत नई दिल्ली। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त खंषित क बचन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपर्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 208, दूसरी मंजिल, जैना ग्रोन पार्क, (युसफ सराय कर्माश्रयलं कम्पलेक्स) नई दिल्लो, तादारो-205 वर्गफीट

> जीं एस गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्लो, द्वई दिल्लो-110002

दिनांक : 31-10-1984

प्रकल आई. टी. एन. एस.------बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लं:, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्वेष सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/ 3/ 3 ७ईई/ 3-84/ 22 1---यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,(100/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-16, है तथा जो 11-युसफ सराय, नई दिल्लं:, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचः में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टुःकर्ता अधिकारं के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ला में आयक्तर अधिनियम 1961 के अधिन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का 'उध्यूत याजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी आव की वाबत, उम्स जिम्मियम के अभीन कर दोने के जन्तरक, के बामित्य में कमी करने या उससे व्यक्ते मा स्विधा के सिए; आदि/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सिक्था के लिए;

जतः यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिंत व्यक्तियों, अर्थात (1) मैं० ए० प० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्रो हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मधु शर्मा पत्नी श्री रिवन्दर नाथ शर्मा, निवासी—एम-2/15-16, माडल टाउन, दिल्ली । (अस्तरित्तः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी का स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म गुसु ची

प्रो॰ नं॰ बी-16, प्लाट नं॰ 11---यूसफ सराय कर्माणयल कम्पलेक्स, नर्ह दिल्ली, तादादी-72 वर्गफीट ।

> जा० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, नई दिल्ली, दिल्की-110002

दिनांक : 31-10-1984

,त्रकन नाह^र, की. एन एस. - - - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाख 269-म (1) के सभीन स्चना

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/227-यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्शास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसका सं० 15/71, है तथा जो घोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्व रूप से बणित है), राजिस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला, में आयकर अधिनियम, 1961 के अधान, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पेड़ह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उसके बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपाने में संविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विन्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थत ः— (1) श्रांसतो गुलमन सेठो परनो श्री एम० एल० सेठो, निवासी:---16741 मिण्टोबीज रोड, नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश परस राम दरीरा सुपुत्र श्री पारसराम सोमराज दरीरा, निवासी-481/35, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना कारी करके पूर्वनित संपक्ति क अर्थन के लिए उद्योगितमां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त.स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — १ समं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

नन्स्ची

प्रो० नं ० 15/71, श्रील्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्लो, तादादी 57.4 वर्गगज ।

जो० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-10-1984

प्ररूप , बार्ड टी एन . एस . - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)-की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37ईई/3-84 226—श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 204, है तथा जो 11 युसफ सराय, कमिशयल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन हैंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बांब की बांबत, उक्त जिथिनियम के बंधीन गर दोने के अन्तरण के दासित्य में कमी करने या अससे गचन मां मृतिका के लिए; जिर/बा
- (क) एसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्हों गया था या किया जाना चाहिए था, स्टिजन विकास के स्थान क

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा.(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस अपी० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० के० साहनी, एस० आर० मिनोचा. आर० के० मेहता, मार्फत एसोसिएटेड श्रोसीजन एक्वीसमेंट, डी-211, साकेत, नई दिल्ली-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविद्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हनारा.
- (स) इस मुचना क राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैट नं 9 204, दूसरी मंजिल, 11-युसफ सराय कर्माशयल कम्प्लेक्झ, नई दिल्ली, तादादी--275 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिक र सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक : 31-10-1984

सम्भाग कार्ये अपूर्ण भाषा -- वर्णनामानाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० श्रार० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तुबर 1984

निदेश सं अ अई ० ए० सी ०/एन्यू ०/3/37ईई/3 -84/225---अतः मुझे, जां० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकातु 'अक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं^{*}

श्रौर जिसकी संख्या एफ०-101, है तथा जो युसफ सराय कमसियल कम्प्लेक्स, नई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो, में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यायल, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आय≆र अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रसिफल के सिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करनं का कारण है कि यथापूर्वेक्त** सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभव से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखिस में वास्तविक भप से कथित नहीं किया गया **है** :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आगकी बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (भा) एोसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिल्हों भारकीय अध्यत्कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर **अभिनियम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा १६० -थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाय श्री हाउस अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बो० के० उपल सुपुत्र श्री राय बहादुर उपल, निवासी--- 21-जीर बाग, नई दिल्ली !

(अन्तरिती)

को यह समना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के ितम् कार्यवा**हियां कारता हुां।**

बक्त सम्पत्ति को अजीन को सम्मन्ध माँ कोडी भी माभप '---

- (क) इस स्थाना के राज्यात्र में प्रकाशन की शारीख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वें कि े "क " भा भा विराधी स्यक्ति प्रारा;
- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास **'लिखित में किए जा सकोंगे**।

स्पक्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जा उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सम्बद्धाः हुन् ।

प्रो०नं०एफा०-101 पहली मंजिल, युसफ सराय कर्मांगयल त्रम्प्लेक्स, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 220 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायस आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक: 31-10-1984

मोहर 🕄

प्रकच आहू , टी. एन. एस. ------

क्स्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टट, नई दिल्ली अर्जन रेंज-3,

नई दिल्लो, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3--84/222---अतः मुझे, जो० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25.000/-छ से अधिक है

और जिसको संव बी-18 है तथा जो युसफ सराय, कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्ला में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजिस्ट्राक्ती अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली आयकर अधिनियम-1961 के अर्धीन दिनांक मार्च 1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और एक यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ड्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाँहिए था, खियाने में खुँकिशा के सिए;

अत: अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्केस नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा गुप्ता परनी श्री जितेन्धर गुप्ता, निवासी—की-237, सर्वोदय इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्ची

प्रो० नं० बी-18, युसफ सराय कर्माशयल कम्प्लेक्स, युसफ सराय नई विल्पो, तादादी 72 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांका : 31--10--1984

प्रस्य बार्ष .टी .एव .एव . .----

बायकर बिधिनियम, 196 र (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

√भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज्-3 जी-13, ग्राउड फ्लोर,सी० आर० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्देश सं अई ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/3-84/241--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- र सं अधिक हैं

और जिसको सं० 214 है तथा जो युसफ सराय, ग्रांन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अनिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में आयक्षर अधिनियम-1961 के अधीन दिनाक मार्च, 1984,

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान - प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया एथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उसक अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्तरक से राचित्व में किसी करने या उससे वचने में सुमिया के लिए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्राप्तियों हिया प्रप्रद नहीं किया गया भा या भिया जाना चाहिए था, स्थिपने में यक्तिया

जतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ए० पी० अपार्टमेंट प्राकर्णालकः आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कलाट सर्कसं, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती विद्या देवी परनी श्री अशोक कुमार मार्फत ले॰ अ१६० एंस॰ सेखना निवासी—ए-94 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ला।

(अनंदिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्शाह्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यके में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिआफिर हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय ग्या है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 214, दूसरी मंजिल युसफ सराय, ग्रीन मार्क, कम्पेनस, नई दिल्ली, तादार्दः 100 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-10-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. युस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक नायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, जी-13,

ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई, दिल्ली, दिनांक 31 अक्तुबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं/०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/ 237--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा, से अधिक है

और जिसको सं० बरे०-43 है तथा जो पश्चिम बिहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूखी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के नार्यालय, अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अर्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में बधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिसित उच्चेश्य से उच्न भून्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरण के दायित्व में कमी कारने या पसरो बजन में न्यूनिश्वा के लिए; बॉड/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में गृविभा के सिए;

(1) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि॰, आविताय श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सकँस, नई दिस्ती।

(अन्तरमा)

(2) श्रो जगदीम प्रसाद गुप्ता, निवासं:---17/69 थाट सिंह नगर, नई टोहतक रोड, नई विल्लो ।

(अन्तरिया)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बरमा हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीनत व्यक्तियों में सिकासी व्यक्ति हुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियार गया है।

जगसनी

प्रो० नं० बी -- 43, जैना सोपिंग कम्पलेक्स, पिष्णम विहार, दिल्ली, तादादी 44 वर्गफीट।

जी० एस० गोपाल स्वम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जैन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लं:- 110002

वत: अव, उन्कर अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 209-म की उपवास (1) के अभीत, निम्निसिवित व्यक्तियों, अभीत :---

दिनोक : 31-10-1984

प्रस्य आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, --3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/238---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी—II—ई, है तथा भो जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्री हतीं अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—3, नई विख्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनोक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उन्स अभिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269 म की उपभाग (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० आदिनाथश्री हाउस,अपी० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमेल सिंह सुपुत श्री जी० एस० भोगल, निवासी—सी०-5डी/48ए, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो॰ नं॰ जी-II-ई, जैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली, लावादी 150 वर्गफीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 31-10-1984 मोहर

प्ररूप मार्च टी एन एस ------

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नहीं दिल्ली

नई विल्ली विनाक 31 सितम्बर 1984

निवांश सं. आर्घ. ए.सी. /एक्यू. 3/37इइ/3-84/239,-

वतः मुक्ते, जी. एसः गोपाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000. रज. से अधिक ह

और जिसकी संस्था 102, ही तथा जो कमर्सियल कमप्लेक्स, यसफ सराय नहीं दिल्ली भी रिश्यत ही (और इस्से उपाबदध अन्-स्पी में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अर्जन राज-3, नहाँ दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-

1961, के अधीन तारीस मार्च-84

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहू प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण **जिल्लित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है ---**

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबिल्य वें कामी फारने वा उत्तरों बचने में सविधा के निए; और/शा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में नविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ए० पी० अपोटमेट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस , अपी० सूपर बाजार, कानाट सर्केस, नई विस्ली ।

(अन्तरक्)

(2) श्री ज्ञान चन्द गर्मा मार्फत श्री जगन लाल, मार्फत ले० आर० एस० सेखान, निवासी---ए-- ६ 4, डिफेंस वालोनी, नर्फी विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड भी वाक्षेप :--

- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पब्बीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्रो०नं०102,पहलीमंजिल, ऋमशियल कम्प्लेक्स ग्रीन पार्क, युसफ सराय, नई दिल्ली , नादादी 205 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाञ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक : 31-8-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्पना

मारत परकार

कार्यांसय, सहायक शायकर शायकत (नि.रीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 31 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/ 240--यत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायंकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1-सी, है तथा जो युसक सराय, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसक्षे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व भीर रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली आयर्कर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक, मार्च 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यज्ञान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् वित्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योग्यों से उक्त कन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से इंदूर्ड किसी जाय की वास्त, उक्त बिधिनियम के जभीन कर प्रांते के बस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यंत्रे में सुविधा के निष्; बरि/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृदिधा के किए:

(1) ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपरवाकार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद संबिहुद्दीन जावेद सुपुत्र मोहम्मद रफीउद्दीन,

> निवासी—2533, बारादरी, बालीमारन, दिफली—6 ।

> > (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, बधाहस्ताकरी के पाछ लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूवते शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

अनुसूची

त्रो॰ नं॰ जी--1-सी, ग्राउण्ड पलोर, युसक सराय, ग्रीन पार्क, नई दिस्ली, तादादी--150 वर्गफीट ।

जी० एसँ० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आंयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3 दिल्ली, नहें दिल्ली-110002

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक 31-10-1984 मोहर:

त्रकृष बाह् . ट्री . स्म . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) हो अधीन सूचना

शास्त गुरुकां

कार्यासय, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-स से अधिक है

और जिसकी सं० बी-3, है तथा जो युचफ सराय, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बिल्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में आयशर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक स से, एसे दृश्यमान प्रतिक का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरफ के लिए त्य पाया गया प्रति- फस, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत, जक्त विश्वित्व के भूषीय कर बने के ब्रन्तरण के बादित्व में कभी अपने वा बच्चे वा बृधिया भी भिष्ठ; श्रीड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें आप्रतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में स्विका के विका

कतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के जनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिचित् अनिकायों, जर्भात् :--- (1) ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाय श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० अंकुर ज्वेलर्स, 1180, कुँचा महाजन, चांदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह भूषना चाडी करके पृथ्यें तर पृथ्यें तर के वृथन के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

बनद बम्पीरद से बर्बन से बम्बन्द में जोदें ही नाबेद 🖦

- (क) इस सूचना के राजपूत्र को प्रकाशन की तारीच थें
 45 दिन की अविधि या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासीच से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकायन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिर्प्णः -- इसमें प्रमुक्त सब्यों जीर वर्षों का, वो उपत जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यो

प्रो० नं वी-3, युसफ सराय समिशियल कम्पलेक्स, ग्रीन पार्क नई दिल्ली, तावादी 130 वर्गफीट ।

> अी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक ° 31-10-1984 मोहर प्रसम्प नार्ष्_य थी_न पुत्र_ा प्रश्नानगरन्तन

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की थार्डा 269-म (1) के नधीन नुमना

मारत संहकार

कार्यालव,, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नहैं दिल्ली, विनांक 31 अक्सूबर 1984

निवेश सं ० आई ० ए०सी ०/एक्यू ०/3/37ईई/3-84/172---अतः मुझो, जी० एस० गोपाल,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 0 112ए/22, है तथा जो ब्लाक 'ए' प्रीत विहार, दिल्ली~92, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनोक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वोदय से उक्त अन्तर्ण सिचित में भारतीकक क्य से क्यित महीं किया गया है।—

- (क) अन्तर्भ के हुई किसी नाम की गायतः, बक्त गींपीनयम के अभीत कर योगे के अन्तरक के बाबित्य में कनी करने वा उत्तते वचने में सूर्विणा के सिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भग या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर जीभानयभ. 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयभ, या भन-कर जीभानयभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्दरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज,
 52--ए, कनाट प्लेस, नई विख्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीण कुमार एण्ड श्री सतीन्दर कुमार आनन्द, निवासी---एफ-183, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92 ।

(अन्सरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्स से 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबतारों में से किसी व्यक्ति बुंबारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा सवा है।

वन्युची

प्रो० नं० आर०-एस०-टी-112 ए (ग्राउण्ड फ्लोर) 22 प्रीत विहार, ब्लाक 'ए' विल्ली-92 ताबादी 50 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-3, बिल्ली, नहैं बिल्ली-110002

जतः जव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अभीत, हिम्स्निजित व्यक्तियों है ज्याति ह——

दिनांक 31-10-1984 मोहर ब

प्रकृष् वार्षं . ट्री. एन . एसं . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नर्षे विल्ली, विनांक 31 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/ 172--अत मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2-ए, है तथा जो भीवाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज--3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से, एसे स्प्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्सविक रूप से किया नया है:---

- (क) बंतरण वे हुई किथी नाव की वाबत, उक्त अधिनिवन के व्योग कर दोने के बंतरक के दायित्व में कती करके वा उसने म्यूने में सुविधा के सिहर; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में ब्रिक्श के ब्रिक्श

कतः जवः, उकतः अधिनियमं कौ धारा 269-ण कै जनुसरणः में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीतः, निम्मसिवित व्यक्तियों, स्थातः ॥—— (1) कैलाश नाथ एण्ड एसीसिएणस 1006 कंचनअंगा, 18-वाराखम्बा रोड, तर्ह दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) मे० वेस्ट एण्ड कोम्पप्टन इंजीनियरिंग सि० 29-राजाजी सलाय, मद्रास--600001

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुबंना के शायपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुबंना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्मच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिया गुदा है।

प्रमुखो

भी० नं 2-ए, श्रीकाणी नामा फेस, नेमिक्यम कम्प्लेक्स ए--एस-पी--एस०, नई दिल्ली, ताबादी 6403.05 वर्ग फीट, बीपी मंजिल ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांका 0-1984 मोहर:

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.-----

नावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984 निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/183---अत मुझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, है तथा जो 22-प्रीत विष्टार, 'ए' ब्लाक, विह्ली-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व भप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायलिय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम. 1961 के अधीन दिनाक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी शाय की यावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/मा
- (व) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीच एण्ड इण्डस्ट्रीच एन -52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद गुप्ता, निवासी—-श्री-246, निर्माण विहार, दिल्ली---92।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निचित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

प्रो॰ नं॰ आर॰-एस॰-टी॰-14 (समेंट) 22-प्रीत विहार, 'ए' क्लाक, दिल्ली-92, तादादी 90 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

बत: बब-, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) ≥ जभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनोंक : 31-10-1984

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक <u>शायकार मायका (निरोक्षण)</u> ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 31 श्रक्तुबर 1984

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/184---भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-छ. से अधिक है

भौर जिसकी सं 16, है तथा जो 22-प्रीत विहार, दिल्ली-92 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ध्रधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्दरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्दरण लिखित में बास्त- विक कप स कथिन नहीं किया यथा है !--

- (क) प्रश्तरण से हुई जिली काय की बावत जनत ' छक्षि-विवय के बजीय कर देने के प्रश्तरण के वाजित में सभी करने या उससे मचलें में सुविधा के विद्या बीर/मा
- (था) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

- (1) मे॰ राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन॰-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री ध्रशोक कुमार मनचन्दा, निवासी---27/35, ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति कें अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाच में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृज्जी

बेसभेंट--प्रो० नं० 16, बिल्डिंग नं० 22-प्रीत विहार, 'ए' क्लाक, विल्ली-92, तावादी 45 वर्गफीट ।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म को अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बजीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनोक : 31-10-1984

प्रस्प बाहें ही एन एस

नामलर कींपनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कांयलिय महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1984 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/185---

ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसहा उचित हाउनर म्ह्य 25 000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 203, है तथा जो 22-प्रीत विहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 में भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, दिनांक मार्च 1984

की पर्योवत संपतित को उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापबोधन स्थापित का उचित बाजार सूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल में, एमें स्थ्यमान प्रतिकाल का स्वद्ध प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तिकों) के दीर गोम अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिकाल, निम्तिलिका उद्धेष्ट्य से उसत बनारण निमित्त में बास्तविद्य स्थ सं विश्वा मुद्दा का निमान सिवित

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रिधिनयम के अधीर कर होने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

एसी किसी आब या किसी भन या अन्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-गर की श्रीनयम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्रीव के किस अधिनियम, श्रीव के प्रशीन का 27) के प्रयोजनाथ भन्तिरियी द्वार प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः थव, उक्त किर्नियम की भारा 269-व के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात् :— 28—346GI|84 (1) मैं ० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीरा सुरेश भागंवा, निवासी—180 सिद्धार्थ इन्क्लेव, नई दिल्ली—14 ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्य वर्णह्या करता हु।

अस्य अन्योग क वर्षन की मनध में कांडें भी आक्षण :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मंगाध साथ में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस । सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाइस्ताक्षरी के पाक राज्य मा किस जा सकतेंगे।

अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ज्यें होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् थी

प्रो० नं० ग्रार०-एस०-टी०-203, बिल्डिंग नं० 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92, तादादी 110 वर्गकीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-10-1984

प्रकृप बार्ष हो. एम. एस.----

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सकता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एवय०/3/37ईई/3-84/181--यत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन वाला प्राधिकारी के यह चिक्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्मका निवन काजार पुल्य 25.006/- रह से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 103, है तथा जो 22-प्रीत विहार, दिल्ली-92 में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, स्रजैन रेंज-3. नई दिल्ली में श्रायकर प्रधिनियम-1961 के प्रधीन, दिनांक मार्च,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उप्तिन बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिनियम के सधीन कर दोने के जन्तरक के दाधितक में कमी करने या उपसे बक्तने में अधिक रेटिका अर्टिन्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1937 (1927 का 27) के गयोजनार्थ जन्हीरती ब्यारा प्रकेट त्यों जिल्ला स्था था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीत : ---

- (1) मैं राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज एन-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रार० सी० ग्रग्रवाल, निवासी—1903 गली लेख्वा, मोहल्ला इमली, बाजार सीताराम, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

का यह सुमना वारी करके पृत्रांत्रिस सम्पन्ति को प्रती के जिला कार्यवाहियां करता हूं।

थक्त सम्पत्ति के क्वांन के सम्बन्ध में कोड़ भी आशंग:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर अधिकतारों में से दिक्सो स्थिति कुस्तर।
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच में हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी उपा व्यक्ति प्राप्त अधोहरताक में कंदा

स्थष्टिकारण. ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भंबा हैं।

मगसपी

प्रो० नं० भार०-एस०-टीं०-103, ग्राउण्ड फ्लोर, 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, विल्ली-92, तादादी 80 वर्गकीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रभन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-10-1984

अक्रम लाइ⁴, ट्रीं, एक , एक , जन्म----

मायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अन्तूबर 1984

निदेण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-84/186--म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 कर का कारण है

ग्रीर जिसकी सं० 106 है, तथा जो 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक दिल्ली-92में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व च्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के प्रधीन, विनांक मार्च 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथप्यांक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का किन्द्र प्रतिषति अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्वेच्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (%) अप्लरण संहुई किसी आव की बाबल, उक्त. अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी अपने या उससे बचने में सविधा के मिए; अर्थित्या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय दायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में इविधा के जिए,

वतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविचित स्यक्तियाँ, अर्थात् ध---

- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश जैन, निवासी—ए-124, प्रीत विहार, विल्ली—92 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारांत्र से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगै।

स्माच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो जस सध्याय में विया भया हैं।

प्रन्सूची

भ्रार०-एस०-दी-106, ग्राउण्ड फ्लोर, 22-प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 , तावावी--80 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक : 31-10-1984

मोइर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-3, नई दिस्ली

नई दिल्लों!, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं10/एक्यू०/3/37ईई/3-84/184 अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आपस्य शीर्मानयम, 1961 (1961 हा 4%) (जिसे इसमें 1974) प्रश्नात जिन्न अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

श्रीर जिसका सं० 302, 303 है, तथा जो 22-प्रोत बिहार, 'ए' ब्लाक, दिल्लां-92. में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अतान दिनांक मार्च, 1984

कां पृथोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (३) जन्तरण मं हुइं किसी आप को बावस, इबस अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के अस्तर, और/या
- (ख) एसं। किसी अप का किसी पन या प्रत्य अर्गस्तिम हो: जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, 6 पन या अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा मुखिया के लिए.

अस. शव, एक्त अधिनियम की धारा २६० म कं. अनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीण एण्ड इन्डस्ट्रॉज, एन० 52-ए, फर्नाट प्लेस, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

2 श्रोमर्ता उषा शर्मा, निवासो श्री-4/13, कृष्ण नगर, दिल्लो-51। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुमारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

पनु सुची

प्रो०नं० आर०-एस०-टो० 302, प्रौर 303, पहली मंजिल, 22-प्रीत बिहार, 'ए' इलाक, दिल्लो-92, तादावी 220 वर्ग-फोट।

जी एस गोपाल नक्षम प्राधिकारो महायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. विल्ली, नई दिल्ली

विनांक 31-10-1984 मोहर: प्रकृष बाह्र . टी. एस. एस. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यास्त्र , महायक काववल जायकत (भिर्दक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1984

निदेश सं ० आई० ए० सी ०/एक्यू ०/3/37ईई/3-84/187--अतः मुझे, जः० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक 💅 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रह से अभिक हैं।

भीर जिसको मं० 4, है तथा जो 22-श्रीत बिहार 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण 👫 रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधेत दिनांक मार्च, 1984

का पूर्वामत सम्परित के उफित बाजार मुख्य से कम क इस्यमान परिकल के लिए अन्तरित की सर्व है और मूझ' यह विक्यास करन का कारण है कि संधापुना कि संपत्ति का डांचत प्राजार मुख्य, असके दरममान प्रतिकास से, गुमें उत्यमान इतिकान का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) को बीच एस अन्तरम के लिए तथ भाषा गया प्रतिwe the color over a color of a few all the fine पा ने कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/भा
- (श्व) एसी किसी जाम या किसी भ्रम या बन्ध आहितायाँ की, जिन्हों भारतीय अधि-वार की भीनेयह, 1922 1922 का 11) भ शक्त व्यवस्थित, सा धन-कर विभिन्न, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं । स्था नवर का बा किया जाना काहिए कर, क्रियानं हैं त्विभा के लिए;

 मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रोज, ्रान-52 ए. कनाट प्लेस, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

2 शा एम० सा० दल निवासी 2/X, छोटालाल मेन दरिया गंज, विस्ली (अन्तरिती)

को बहु सुचना कारी करके पुवर्षिक्य सम्परित के वर्षन की सिक्ष कार्यवादियां करता है।

अक्त सम्मत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई' भी बाहोद:--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख्य खे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वापित व्यक्तियों में हो असी अविश्व शुधार।
- (क) इस स्वतः के राजपण में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भाव र उक्त स्थानर सम्यत्ति में हितवहुन किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास रेसिश्वत वे १५५ए ७) सकेंगं

स्पक्षतीकरणः -- इसमं प्रयुक्तः वाच्यों और पदा का, वा **राज्**य भीशीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा को उस अध्यास में विया नगर हुने।

भगस्यौ

प्री० नं ० आर० एस० टा-4. 22 प्रीत विहार, 'ए' ब्लाक, दिल्ली-92, तावावी 100 वर्ग फीट।

> जः० सं३० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास् :---

दिनांक: 31-10-1984

प्ररूप आहें. दी. एनं. एस------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5265——अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० महान नं० 752 पुराना, नया नं० 7 है तथा जो कमलागंज, आगरा बम्बई रोड, शिवपुरी, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकों अधिकारा के कार्यालय शिवपुरी में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमता इन्दुमता पति श्री रमणलाल बाबरा,
 निवासी महेणतगर, इन्दौर द्वारा मु० खास,
 श्री गोपाल पिता श्री रामजाबन राठी
 निवासी श्रीराममार्केट, कंठाल, उर्जन (म०प०)
 (अन्तरक)
- ट्रस्टा, श्रां नाथूराम शिवहरे धर्मार्थ ट्रस्ट, शिवपुरी, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्णन के विश् कार्यवाहियों शुरु करता हैं।

उक्त सम्पत्ति क वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष: ~

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रव्ध किसी क्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था कर्केंगे।

म्यव्यक्तिरणः — इसमा प्रयुक्त धल्दों कौर तदा का, ओ उत्यक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.।

वनुस्पी

मज्ञान नं० 752 पुराना, नया नं० 7 है. जो कमलागंज, आगरा बम्बई रोड, शिवपुरी, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण कार्भ नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रेंज, भोपास 🌬

दिनांक: 22-10-1984

प्रकृष आर्च. टी. एन. एस . ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० आर्ष० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/5270—-अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 43/738 है, तथा जो जम्बुरखाना, मामा का बाजार, लग्नर, ग्वालियर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अञ्चल विनोक मार्च, 1984

को पूर्वितिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकरा का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी धन सा सन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकर नहीं किया गरा रा हा किया जाना बहिता था, छिपाने में सविधा से निष्।

 श्रीमता लं,ला देव:, पति श्री सुन्वरवासणा राजपाल, सिंधा:, निवासी जम्बुरखाना, मामा का बाजार, लग्कर ग्वालियर ।

(अन्तरक)

3. श्रामता जयदेवा पति स्व० प्रहलाव दास जी गंगावाना, निवासा मकान नं० 43/738, जस्बुरखाना मामा का बाजार, लक्कर. ग्वालियर (म० प्र०)।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारां करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति (इंग्रें)
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीक्ररणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अब हारेग जा उत्म अध्याय में किए। गया ही।

अनुसूची

मकान नं० 43/738 हैं, जो जम्बुरखाना मामा का बाजार, लग्कर, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में नोहित है तथा अन्तरितः द्वारा, सत्यापित किया गया है।

्वारेन्द्र कुमार बरमवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण रूं, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

दिमांक : 22-10-1984

मोह्नर:

जरूम आर्था, 'टी ऐन, एस.

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984 निदेश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/5271—अतः मृद्रो, वंतरेन्त्र कुमार बरनवाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की एउ विश्वास करते का कारण है कि त्थावर सन्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकः सं० मकान नं० 26/1118 है, तथा जो गांधीनगर, कालोनः, ग्वालियर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय गालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उजित जाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत सब्देश्य से उपत अंतरण स्मित्य संवरण स्मित्य संवर्ण स्मित्य संवरण स्मित्य संवरण स्मित्य संवर्ण स्मित्य संवर्ण स्मित्य संवर्ण स्मित्य स्मित्

- (क) अन्तरण नं हुई किसी आय की बानस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायरक में कमी करने या उससे बचने मी अभिन्धा के लिए और/सर
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य असंस्तामां की जिन्हों भारतीय आय-धन विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27 वन-अन्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किया में मुविधा के लिए:

 अः छण्ण कुमार, पुत्र श्रो बण्चनलाल जः मिश्रा, शिवासः, गांधानगर कालोनः, ग्यालियर, (अन्तरक)

 श्रा पूरतचन्द जेतला, पुत्र श्रा रादिसामल जेतली, निवामो गांधानगर कालोना, ग्वालियर । (अन्तरिता)

को बहु सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सर्वाध में कांडे भी आक्षप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर न्याबितयों में से किसी ज्योग्त द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख प्र 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:-----इसमें प्रधुक्त शब्दां और पदों का, ये एक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में पारिकाणित ही, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

मकान तं० 26/1118 है, जो गांधीनगर कालोनो, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मत्तिहै जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्थापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन टेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त बाँभनियम की पारा 269-ए क अन्यरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक : 22-10-1984

मोहरः

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज, भोधाल

भोपाल, दिनांक 22 अक्तुबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मा०/अर्जन/मोपाल/5272---अतः मुझे वोरेन्द्र कुमार बरनवान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पदशत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 8/45 है, तथा जो गोशापुरानं० 1, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्कृश्वितीं अधिकारी के कार्यालय न्वालियर में रजिस्कृश्विरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा के निए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम । जा धन-कर अधिनियम । 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्निश्री बनारसीवास, निवासी गोंशपूरा नं ० 1, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

 श्रंमित् लीलावती परिन श्री द्वारिका प्रसाद निवामी गोणपुरा नं 1, ग्वालियर।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

मकान नं 8/45 है, जो गोशपुरा नं 1, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 22-10-2984

मोहरः

क्तः शक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—346GI/84 अक्ष्य प्राद्^य. टी. एच. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

HISE ENGL

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल

भोगाल, दिनांक 22 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5273—-अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संश्मित नंश् 18/45 है, तथा जो गोशपुरानंश प्रवालियर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूर्वः में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन विसंक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित की उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें रश्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के स्थित्, और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ततः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्निर्श्री बनारसीदास, निवासीगोशपुरा नं 1, ग्वालियर ।

(अन्तरका)

 श्रीराजेन्द्रकुमार पुत्रश्री द्वारका प्रसाद , निवासी गोशपुरा नं ० 1, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस सृष्या के राषपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा अवद विधिनसम, के वश्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

वन्स्वा

मक्रात नं 8/45 है, जो गोशपुरा नं 1, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में निहित है तथा अन्धरिता द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वि≀रेन्द्र कुमार बंश्सवाल गक्षम प्राधिकारी महासक्ष आसकर आयुक्त (निर्र∂क्षण) अर्जन रोज, भोषाल

दिनांक : 22-10-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-थ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 22 अक्तूबर, 1984 निदेश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोषाल/5274--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 8/45 है, तथा जी गोसपुरा स्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और जो पूर्ण रूप से विजित्त है) रिजस्ट्रीक्षर्ती अधिकारी के कार्यालय स्वालियर में रिजस्ट्रीक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक मार्च, 1984

फो प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्शास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती लक्ष्मी देवी पितन श्री बनारसीवास, निवासी गोषपुरा, नं० 1, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्री द्वारका प्रसाद पुत श्री रामदयाल, निवासी गोशपुरा नं 1, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप —
 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की बन्धि, जो भी बन्धि
 वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिदित में किए वा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8/45 हैं, जो गोशपुरा, नं० 1, खालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37 जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्थापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :----

विनांक: 22-10-1984

प्रकार गाइ. थी. एत. ६व. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन मुचगा

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सं:०/अर्जन/भोपाल/5275--अतः मझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवार्ल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति शासार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 51/339 नया /48/180, पुराना है सथा जो तेल की बजरिया, नया बाजार, लक्ष्यर, ग्वास्टियर में स्थित है (और इससे जपाबड़ अनुसूर्च: में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में रिजस्ट्रोकर अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान विनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक कम निम्निसिंदित उद्वेषय से उन्तर अन्तरण विकास में वास्परिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा धा था किया चाना नाहिए बा, किया से सूविधा के लिए;

 श्री प्रताप राव खड़के मतद श्री पांडूरंगराव खड़के निवासी नथा बाजार, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्सरक)

2. सी० अंगुरी देवी परित श्री खेमचन्द, जी, निवासी तेलकी बजरिया, नया बाजार, लक्ष्मर, खालियर, म० प्र०

(अन्तरिती)

ना यह भूमना जारी करके पृषां कत सम्पारित के अर्थन के निक् कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पांत के अर्जन के सम्बन्ध में कांध्रं भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तानीम से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त प्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन्म स्थावर सम्पत्ति में कि तबक्ष किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अयहिस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्यक्षीकरणः ---इसमें प्रभूवस्य कच्यों जीत पदी का, को सबस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगतयो

मकान नं० 51/339/नया/48/180/पुराना, है, जो तेलोकी बजरिया, नयाबाजार, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में अन्तरिती, द्वारा सत्यापित कियागया है।

> वीरेन्द्रं कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अव उक्त जिभिनियम की भाष 269-ग के अमृसरण में, में. उक्त अभिनियम की भाष 269-थ की उपभाष (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्ः—

दिनांबा: 22-10-1984

श्रोहर:

प्रकष् बाह्रं .टी . एन . एस . ------

शायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अस्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं।०/अर्जन/भं।पाल/ 5276--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

और जिसकी संव 494/40 (पुराना) और 179/49 (नया) है, तथा जी कम्पूब्ब लिक्सर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्र लिती अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

25,000/-रत. से **अधिक हैं**

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण जिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार याने के अंतरक के बायिरण में कामी कारने या उससे बचने में सृथिधा के किए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्जारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिश्मान में सुविभा के सिए;

 श्री पराध पुता श्री बालचन्दर रावः
 द्वारा मां श्रीमती प्रमिलाबाई है, पत्निश्री बालचन्दर राव निवासी कम्पू, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तत्रकः)

 श्री हसन मोहम्मद पुत्र श्री नूर मोहम्मदः निवासी कम्पू, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगै।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्यत ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 494/60, पुराना और नया 179/49 है, जो कम्पू, नक्कर, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित्त है तथा अन्तरितं। द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिथित व्यक्तियों अर्था

विसांभ : 22-10-1984

प्रकृप काई ्रिटी. धृत. धृत्र. छ त त - स-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के मुधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० आर्ड० ए० मी। अर्जन/भोषाल/ 5277—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरभवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० गांधी नगर, लालोनी ग्वालियर में है, तथा ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप में विणत है) रिजस्ट्रीलानी अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनों के माचे, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाह्र/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

 श्री पूरतचन्द जेतली पुत्री श्री रामवत्तामल जी जेतली, निवासी गांधी भगर कालोनी, ग्यालियर।

(अन्तर्घ)

- 2. (1) श्रीमती मंगलामुखी, पत्ति मुरारी लाल चतुर्वेदी
 - (2) भो मुकुल चतुर्वेदी, दत्तभ पुत्र स्व० मुरारी लाल जी निवासी-15 विकास नगर, ग्वालियर।

(अन्तरितो)

कां यह स्वना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविश्वयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यों

मकान नं 195 हल्का नं 22 प्लाट नं 46 ए ब्लाक जे पर है, जो गांजी नगर कप्रलोनी. ग्वालियर है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस हा विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अधीत् क्र—

दिनांक : 22-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोगाँल

भोगाल, दिनांक 22 अक्टूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो/अर्जन /भोपाल/5278—-अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 22, योजना नं० 2 है, तथा जो मयूर बाजार, गांधी नगर मुरार, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते येंह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- म) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जीतसिंह पुत्र सरदार खजान सिंह, निवासी-सिंधी की छावनी गुरूदारे के सामने, लक्कर ग्वालियर, म० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) श्रे मेबालाल गुष्ता आत्मज श्रे कुन्नेलाल जी गुष्ता निवासी-लहार जिला भिड, म० प्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध ने कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सास लिखित में प्रिया का सकेती ।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं वा हारत जो उस अध्याय में दिया गथा हो।

नन्स्ची

मकान ऊपर प्लाट नं० 22, योजना नं० 2, है जो मयूर, बाजार गांधी सड़क मुरार ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसकी विवरण फार्म नं० 37— जी० में निहित है, तथा अन्धिरतो द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल ाक्षम प्राधिहारी १९१३ क्रायहर,अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 22-10-1984

भोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 22 अन्तुबर 1984

निदेश मं० आई० ए मी/अर्जन/ भोपान/5279--अतः मझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भवन केवल तल मंजिल का भाग प्लाट नं० 22 पर निर्मत स्थिति गांधो रोड योजना क्रमांक 2 है. तथा जो मथूर बाजार, गांधी सड़क मुरार ग्वालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजर्म्झालर्गा अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्झालरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वावत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः इंग्. इक्ष अधिनियम की धारा 260-म की अन्यारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन अक्तियों, अर्थीन :---

(1) श्रः जातिमिह पुत्र सरदार खजान सिंह निवासा—पींचा का छातनो गुरूद्वार के सामने लक्कर, ग्वालियर, भ० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) श्रामतोसी शांतो गुप्ता विध्वा पत्ति स्व मुन्तीलाल जी गुप्ता तिशसा—लड्ड जिला भिण्ड, मण्डा

(अन्तरितो)

को ग्रह सूमना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्सि को अर्थन को लिए कार्यवाहियों हारु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विथा गया है।

अनुसुची

भवन तल मंजिल में प्लाट नं० 22 योजना नं० 2 है जो मयूर वाजार, गांधी रोड़ मुरार खालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है, तथा श्रीतरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वारेन्द्र कुमार वरनवाल अजम प्राधिकारी सहासक आयकर आयुक्त (निरा**क्षण**) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 22-10-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

निदम सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/5280---अतः मुझे, वीरेंद्र कुमार बरनवाल,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 35,000/-रुः से अधिक है

भीर जिसकी संख्या खसरा मानांक 20724 वर्ग फीट है, तथा जो ग्रामबुनूर्य, वार्ड न० 22, डबरा में स्थित है (भ्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूच में भ्रीर पूर्णरूप से वांणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिहारों के कार्यालय डबरामें रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधान, मार्च, 1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 बर्ज 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं भ्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः— 30-34531/84

- (1) श्री हरिदास पुत्र श्री रामचरनलाल मोदो निवासा-डबरा ठाकुर बाबा मार्ग ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रंतमतः रामकल,देवां पुत्रेः श्यामलालं दुवे निवासं--प्राम बुजूर्ग डबरा श्रोत्महादेव प्रसाद पुत्र श्रो हरचरनलाल कनकने निवास:--डबरा म० प्र० ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनिशम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खसरा मानांक श्रीर प्लाट नं० 20724 वर्ग, फीट है जो ग्राम बुज्गें वार्ड, नं० 22 डबरा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, तथा अन्तरिते: द्वारा सत्यापित किया गया है

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन भैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 22/10/1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/शोपाल/5281-अत: मुझे, वीरेंद्र कुमार बरनवाल,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंग्य से अधिक हैं

श्रीर जिसके संख्या खसरा मानांत श्रीर प्लाट नं० 11250 वर्ग फट है, तथा जो ग्राम बुजूर्ग वार्ड नं० 22 डबरा में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्णरूप से विजान है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, डबरा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व ों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गरै/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लखन लाल पुत्र श्री हरिदास मोदी निवास. –ठाकृर बाबा मार्ग, डबरा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रामकलीदेवी पुत्ती श्री स्थाम लाल दुबे ग्राम बुजूर्ग डबरा श्री महादेव प्रसाद पुत, श्री हरिचरन लाल कनकने निवासी-डबरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा मानांक नं 0 11250 वर्ग फीट है जो ग्राम बुज्रां वार्ड नं 0 22, डबरा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 0 37-जो में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन केंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 22-10-1984

पुक्षम आहाँ. टी. एन. एत्. ⊶~~~

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मन.

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आग्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 25 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं:०/अर्जन/भोषाल/5282-अत: मुझे, यारेंद्र कुमार बरनवाल, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार । एवं यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं भौर जिनका संख्या प्लाट नं० 11 और 12 है, तथा जो

श्रीर जितकः सख्या प्लाट न० 11 श्रीर 12 है, तथा जो धारज अवार्टमेंट, 48 नर्बदा रोड़, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उनाबढ़ अनुभूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिनारा के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रकर्रा अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन. मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्नत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म अधी अधन था उसस बचन न सविधा के लिए; लौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या अलाका के किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के समील, निम्निबिचि की असियों, अर्थात् :---

- (1) श्राः धारत्रपाल पुत्र श्राः मोरारजा मेहता नियाम:-48 नर्बदा रोड जबलपुर, म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) में सर्ग कार्माशयल आरोमोबाइलय नेपायर टाऊन, जबलपुर, म० प्र०। (ध्रन्तरितो)

को यह सुघना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के तिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोपः ल

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वांक्र व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्ष महाराज के पार्ष

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदौं का, जो उत्कल अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सू मी

प्लाट नं० 11 श्रीर 12 है, जो धोरज अपार्टमेंटस, 48, नर्बदा रोड़, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिप्तता विवरण पार्म न० 37-जी में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वंरिंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहाया जायकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, भोताल कालकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 25-10-1984

प्रकृष बाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 ग्रास्तुबर 1984

निर्देश सं० आई ए० सं:०/अर्जन/भीपाल/5283-अत: मुझे, र्वःरेंद्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उवित याजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० प्लाट नं० 9 श्रीर 10 है, तथा जो धोरज आपर्टमेंटस, 48 नर्बदा रोड़, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूचा में श्रीर पूर्णरूप से विषात है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, जलपुर में रिजस्ट्रा-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, मार्च, 1984

को पूर्वो बत सपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम, के शभीत कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान अन्यिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्था के सिए;

बतः क्य, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के ब्रमुसरक भी, भी उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के बाबीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

- (1) श्री धीरजलाल पुत्र श्री मोरारजी मेहता, नियासी-48 नवैंदा रोड़, जबलपुर "म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स कार्माशयल इंजीनियर्स व बाड़ी, बिल्डर्स कम्पनी प्राप्तवेट लिमिटेड, नेपीयर टाऊन, जबलपुर, म० प्र०।

(अन्तरितोः)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबाकत क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एउट लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही क्ष होगा, जो उस अध्याय में विया न्या है।

मन्स्चा

प्लाट नं 9, 10 है, जो घीरज अपार्टमेंटस, 48 नवंदा रोड़, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में निहित है, तथा अन्तरिती दारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 25-10-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

भाग्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5284— यत: मुझे, वारेंद्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० महान नं० 446, है, तथा जो माछेताल जबलपुर दमोह रोड़, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रानुपूत्रों में श्रीर पूर्णका से बागत है), राजञ्जाका श्रीधकारों के कार्यालय, जानपुर में राजञ्जाहरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रशांत, तारोख मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्षत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदेत से आध्य है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बील एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद् में कास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त ग्रेन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाविरण में अभी करन या उससे अपने में शूणिभा के सिए; जीर/या
- (क) एसं. किया बार या किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक्ट अधिनियम, इशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा को सिए:

कतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में. जक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिधन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो खूबचन्द पुत श्रो रतोकाल जैन, प्रो० पा० मैंसर्स रतोकाल खुबचन्द एण्ड सन्स गांधी गंज, जबलपुर म० प्र०

(मन्तरक)

(2) श्री शीलचन्द पुत्र चकोडीलाल जैन वास्टो फर्म रतोलाल रामलाल एण्ड संस गोधी गंज जबलपुर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्य संपरिस के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित को वर्षान को सम्बन्ध में कांध्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोगे।

स्थष्टिकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया स्या हुँ।

बन्सूचीं

मकान नं० 446, है, जो मादोताल पर जबलपुर दमोह रोड़ जबलपुर पर स्थित है। यह यह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में तिहित है, तथा भन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सङ्घायक श्रायकर ग्रापुतत (गिरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगाल श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपास

तारीख: 25-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक बायक्षर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 25 प्रक्त्वर 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/प्रर्जन/मोपाल/5285---यतः मुझे, बोरेंद्र कुमार वरनवाल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अरे धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 14/74 स्तांडिना नजेल ब्लाक नं० 77 प्लाट नं० 2/62 है, तथा जो सोधोपुरा रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्णका से बणित है), राजिन्द्रोक्तरी श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में राजिस्ट्रोकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, मार्च, 1984

की प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत सम्परित का उचित वाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेगों से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी वाय को वायरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा की लए; और/ए।
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपथरण (१) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात्: :--

- (1) श्रोमतो विद्या श्राहुजा पति श्रकोक श्राहुजा निवासो-छोटा लाईन रायपुर, म० प्र० (श्रन्तरक)
- (2) कऊसलाल पुत्र श्री तरोधेवनदास शाह, निवासो-पांडरो, रायपुर, "म० प्र०"

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सज्य में कोई भी अन्त्रंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिल्पायन किसी अन्य त्याका द्वाप अभाग्रनाकार। के पास निखित में किए गा सकेंगे।

स्पष्डीकरण :--इसमीं प्रयुक्त कब्दीं और पदीं का, जो उक्त श्रीभानपम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मीं दिया गण ही।

वनुसुची

मकात नं० 14/74 है, जो नजुल प्लाट, ब्लाक नं० 77, प्लाट नं० 2/62, पर स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्भ नं० 37-जो में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, भोपाल भ्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 25-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) कं अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ष्रर्जन रेंज, भोप≀ल

भोगाल, दिनांक 25 ग्रास्त्वर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी:०/आर्जन/भीपाल/5286---अतः मुझे, वीरेंद्र कुमार बरनवाल,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विवक्त कार्य प्रकार प्रकार है। कार्य सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं।

श्रीर जित्तकी संख्या भूतल मंजिल मकान नं० 45-सी है, तथा जो शालेंद्र नगर, टैगोर नगर, रायपुर में स्थित है (और इपने उनाबद श्रापुत्रों में और पूर्णका से विणत हैं), रिजिञ्जाकी श्रांबकारों के कार्यालय, रायपुर में रिजिट्टा-करण श्रांधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984

कः पूजिक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजिक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गर्मा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखिल में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से शुर्द किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन अध दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने मा उसमें बनने मो सरित्या की विकास अदि/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, विष्याने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, किन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्रो श्रश्वित कुमार पानो पुत्र, स्व० श्रो कैलाग चन्द पाना, निवासा-बुधिपारा, रायपुर, "म० प्र०"। (मन्तरक)
- (2) श्रीमती चम्यादेवी पत्नी श्री केदारनाथजी निवासी-मकान नं० 45-सी शैलेंदर नगर "टैगोर नगर" रायपुर "म० प्र०"। (ग्रन्सारती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिफिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 45-सो है, जो धौलेंबर नगर, टैगोर नगर, रायगुर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्बक्ति है, जिसका विवरण फार्स नं० 37-जो में स्थित है। तथा ध्रन्तरितो बारा सत्यापित किया गया।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोजाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोजाल

सारोख: 25/10/1984

प्रकथ बाह'. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आरकर आयुक्त (निरक्षिण ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 25 ग्रन्तूबर 84

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5287— ग्रत: मुझे, बोरेंद्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- क. से अधिक है

श्रीर जिपको संख्या मकान व भूमि के० एच० नं० 99/15 है, तथा जो धरमपुरा रोड़, जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रोकर्ती श्राधकारों के कार्यालय, जगदलपुर में र्राजस्ट्रोकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम कें दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्त कि एसे के लिए तथ से वास्त कि एसे कि एसे के लिए तथ से वास्त कि लिए तथ से वास कि लिए तथ से

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, [नम्मिलिखित व्यक्तियों. अथीत् :—

- (1) श्रोमती उमिला देवी पवार पत्नो, श्रो जे० एल० पवार, निवासी-जगदलपुर जिला बस्तर "म० प्र०"। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. राजेन्द्र सिंह चड्डा पुत्र, एस० गुरूदित्त सिंह
 - श्रोमतो हरतंत कौर पत्नी
 श्री राजेन्द्र सिंह चड्डा
 - परीमन्दर सिह 'पुल,
 श्री राजेन्द्र सिह चड्डा
 - 4. बलजोत सिंह पुत्र, श्री राजेंद्र सिंह चड्डा
 - 5. प्रेमजोत सिंह पुत्र, श्रो राजेंद्र सिंह चड्डा पूरे निवासी-धरमपुरा रोड़, जगदलपुर,

जिला बस्तर म० प्र०। (अन्तरितीः)

की यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) असं स्केश को राजपण में असंबद की तारिक से 45 दिन की अविध या तत्मम्बद्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संक्षिण व्यक्तियों का क्ष्री
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए खा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मन्स्यो

भूमि व मकान नं० कें० एच० नं० 99/15 में है, जो धरमपुर, रोड़, जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोगल

तारीख: 25/10/1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

मारत् सरकाडु

कार्यालय, सहायक बायकार वाय्क्त (निरीक्तक)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अक्तूबर 84

निर्देश सं० झाई० ए० सी०/झर्जन/भीपाल/5288----अत: मुझे, वीरेंद्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या पार्ट व मकान श्रौर प्लाट नं० डी-56, स्चेम नं० 27 है, तथा जो शेलेन्दर नगर, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, रायपुर में रिजिस्ट्री-करण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन मार्च, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्योदयों से उक्त अन्तरण निवित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उब्सा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राधित्य मा कमी। करने या उग्नमें बचने से सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गढा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

स्रतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 31—346GI/84

- (1) प्रबोद चन्द्र राय पुत्र स्व० एम० सो० राय. निवासी-शेलेन्दर नगर, रायपुर, म० प्र०। (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स शान्ति इंटरप्राइसेस मालिक श्रीमती विजीया नाहता पत्नी श्री चन्दरमल नाहता, निवासी-मालवीय रोड़, रायपुर, म० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकन संपत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री कर खिलतों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए पा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

पार्ट व मकान श्रीर प्लाट गं० डी-56, स्चेम नं० 27 है, जो शेलेन्डर नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर स्म्पित है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो मे शिहित है. यह श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

सारोख: 25-10=1984

मोहर 洋

प्रक्प मार्चः टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम्, 196। (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 भ्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5289— ग्रत: मुझे, वोरेंद्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान व प्लाट नं डी-57, स्वेम नं 27 है, तथा जो शेलेन्दर नगर, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984

को प्वॉक्त सम्मान के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को प्रेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) लन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-त्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में छन्नी करने या उपने अपने में सुविधा के लिए; श्रीर/वा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था किपाने में सृविधा है सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ्रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, रिक्सिनिसित स्पक्तिकों, स्थिति :—— (1) श्रो साइबल कुमार राय पुष्न श्री प्रबोधचन्द राय, नित्रासो-शेलेन्दर नगर, रायपुर हाल मुकाम दिल्लो

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसमं शान्ति इंटरप्राइसेम मालिक श्रीमती विजीया नाहता पत्नी श्री चन्दर मल नाहता, निवासी—मालवीय रोड़, रायपुर, म० प्र०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

मनसची

मकान व प्लाट नं० डी-57, स्वेम नं०-27 है जो शेलेन्दर नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है। यह भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वोरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भूजैन रेंज, भोपाल)

तारीख: 25-10-1984

मोहरः

प्रकृष बाह्री, टी. एन. एस्. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्योग स्वान

शारत सुरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्ष)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 25 ग्रन्त्वर 84

निर्देश सं० भ्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोपाल/5290---म्रत: मुझे, वोरेंद्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित्त, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

भीर जिसको संख्या मकात व प्लाट नं० डो-57, स्वेम नं० 27 है तथा जो शेलेन्दर नगर, रायपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ भनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, मार्च, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान अतिफल के लिए क्ल्रित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया वितरुक, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त क्न्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम् से हुई किसी बाव की बाबत अवस जिमित्यम के सभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का कन-कर अधिनियम, का कन-कर अधिनियम, का कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अन्, उयतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मं, भं उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के सधीन, निम्नालिखितं व्यक्तियो, स्वर्धात् ६—— (1) श्रो साइबल कुमार राय पुत्र श्रो प्रबोध कुमार राय निवासो-शेलेन्दर नगर, रायपुर हाल मुकाम दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री राज कुमार नाहता पुत्र श्री जन्दरमल नाहता, निवासो-मलवीय रोड़, रायपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हैं--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब कें 45 बिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्थ किसी बन्य स्थावित व्याग कथोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का है इक्श्रं अधिनियम के अध्याय 20 क में परिन भाषित हैं, यही अर्थ होगा, को है के कामान में दिया गया है।

मनुसूची

मकान व प्लाट नं० डो-57, स्वेम नं० 27 है जो शेलेन्दर नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, वह भन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्सण) प्रजैन रेंज, भोपाल भ्रायकर भवन

तारीख: 25-10-1984

प्ररूपः आर्दः, टीः, एनः रस्, - - - - -

जायकर जाँधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोगाल/5291— ग्रतः मुझे, बीरेंद्र कुमार बरनवाल

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है'), की धारा २69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं 32, बार्ड नं 9 है, तथा जो महाराणा प्रताप चौक, बड़नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारों के कार्यालय, बड़नगर में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाव**त, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्**विधा** के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था. कियाने ही नृधिया के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) 1 राजकुमार पुत श्रो मोहनलाल
 - 2. अभय कुमार पुत्र श्री मोह्नलाल
 - श्रीमती शोभा देवी पत्नी, स्व० सोहनकुमार
 - श्रीमती कंचनदेवी पत्नी.
 स्थ० मोहनलाल
 सभी निवामी-बड़नगर जिला उज्जैन,
 म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामन्द्र पुत्र श्रो रूगनाय जो मोनो, निवासी महाराणा प्रताप चौक, बड़नगर जिला उज्जैन, म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 विन की जबिध मा तत्सम्बन्धी स्थाक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, णा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ब) इ.स.स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान नं ० 32, वार्ड नं ० 9 है जो महाराणा प्रताप चीक बड़नगर, जिला उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जो में निहित है, तथा ग्रन्तरितो बारा मस्याजित किया गया है।

वीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1984 मोहर

प्रक्य बाह् . टी. एन. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, भोवाल

भोषाल, दिनांक 27 ग्रन्तूबर 1984

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भो।पल/5292:——ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'ज्ञावत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रो. में अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 57, बी-सेक्टर है, तथा जो कस्तूरबा नगर, भोषाल, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिल्होकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजिल्होकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बोस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रशास प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्यानं समिषा के सिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 260-त्र के अनुसरण र्ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्भात्

- (1) श्रीमतो रानो रमलानि
 पत्नि श्री र्वा० सी० रमलानि
 निवासी-603, एन-3-पी, सेक्टर, भोपाल ।
 (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनोरमा सिंग परित डा० डी० के० सिंग, निवासी—एच० ग्राई० जी०, 498, "ई-7-23" ग्ररीरा कालोनी, "ग्रशोक गृह निर्माण सिर्मात" भोपाल ।

(घन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरू करता हुं।

डक्स सम्परित के बर्जन के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उद्गत स्थावर सम्पत्ति में हितयक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, को उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में देशा गया हैं।

अन्स्ची

मकान प्लाट नं० 57, वो—सेक्टर है, जो कस्तूरवा नगर, भोपाल, में स्थित है। यह वह स्थायर है सम्पत्ति, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, यह अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया जाता है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरोक्षण श्रातीत रिंज भोपाल

दिनांक 27-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सो०/म्रजंन/भोपाल/5293----म्रसः मुझे, बोरेन्द्र कुमार धरनवाल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,010/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० मकान नं० 191 पुराना कम०/165 है तथा जो बजरंगपुरा, महात्मा गांधो रोड़, देवास

मे स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रुप मे वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास मे रिजट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन मार्च 1984

को प्लेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मृक्षे यह विश्वास किने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमृष्ट्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का प्रमृष्ट्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का प्रमृष्ट्य अतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की धायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जीर्/या
- (क) एरेसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती गुलाब बाई परित स्थ श्री श्रीमुसको लाल जो गर्गे निवासी महु तर्फ खास मु० राष्ट्रेश्याम पिता पूत्र श्री मूसदिलाब गर्ग, निवाही-97, सीधी स्ट्रीट, महु "जिला इन्दौर म०प्र०,,

(अन्तरक)

(2) श्री प्रोफेसर जेड॰ए॰ सैयद निवासी-67, मोहसीनपुर देवास म०प्र०,,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसब व्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे

बगुसूची ।

मकान नं 191, पुराना कम 165 है, जो बजरंगपुरा महात्मा गांधो मार्ग देवास पर स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में किया गया है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

र्थारेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निर्रोक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27-10-1984

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 ग्रक्तुबर, 1984

निदेश सं० धाई० ए० सो०/धर्जन/भोपाल/5294—धतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अंग श्रयांत प्लाट नं ० 6/2/1 है तया जं कोहेफांजा शहर, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूचों में श्रीर पूर्ण हुए से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोगल में रिजन्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन तारोख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार क्रून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिस से वास्त्रहित कम से किथत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो केमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः इयः, उसतः अधिनियमं की धारा 269-गं के बनुसरणं मं, मं, इन्द्रतः अधिनियमं की धारा 269-मं, की उपधारा (१) के अधीन, निकालिसित व्यक्तियाँ, वर्थात्:---

- (1) श्रीमंती रिजया फैजी, परिन श्री श्रकत्रर हुसेन फैजी, निवासी-नूर महल, भोपाल, म० प्र०। (धन्तरक)
- (2) डा॰ मनाजिर धलो, पुत्र श्री नासिर धलो निवासी-40 नादिर कालोनो स्यामल हिल्स गहर भोगाल ।

(भन्तरितो)

को यह सृचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यिष्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विकास में किए जा सकरो।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युचो

श्रंण भ्रथीं प्रवाट नं ० 6/2/1 है जो कोहेफीजा भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जो में निहित है।यह भन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है!

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारा सहत्यक श्रायकर ग्रायुक्त (विरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनोक : 27-10-1994

माहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोगाल

भोवाल, दिनांक 27 प्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रांई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5295—ग्रतः मुझे, र्श्वरेन्द्र कुमार बरनवाल नायकर अधिनियर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की श्राप्त 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्ताम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्थाय 25,000/- रुपये से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० मकान "खन्डह्र" है तथा जो कर्बला रोड, झहमदाबाद, भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, भोगाल में राजिस्ट्रोकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफाल से एोमे शश्यमान प्रतिफाल का पन्तृह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिति गों) के बीच एोमे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांगत्य में कभी करने या उसने वयने में सृष्यिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सिंग्या के लिए;

अपः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, सीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) खुणिएका वेगम,
 स्व० श्रो काजीजालील उद्दोन श्रहमद,
 निवासी-मंग्नव मणिद,
 कर्बला रीड़, भोपाल, म० प्र० ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती साईदा का जशी पत्ना श्री मेंहफूज हुसेन. निवासी —कर्बला रोड, भोताल, म∘प्र०

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (च) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वनसर्वी

मकान "खन्डहर" है जो कर्बला रोड़, श्रह्मदाबाद, भोगाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोशल

धिनोक : 27-10-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

माथकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई०ए० सी०/अर्जन/भोपाल--5296--अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल **कायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य

25 · 000 / - रत. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 130, क्षोबफल 3529 वर्गफीट है तथा जो ग्रीन पार्क कालोनी, बेरसिया रोड़, भोपाल में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीं-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विक्वाग **कर्**ने, का कारण **है कि यथापूर्वोक्त** सम्परित का उचित आजार मुख्य, अउसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए`से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, स्व4त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; जौर/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन्न, उत्रक्त अधिनियम की धारा 2,69-ए को, अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को रक्षेत्र भिरशीलखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

32-346GI/84

- (1) श्री पूरनचन्द अग्रवाल, प्त श्री छगनलाल अग्रवाल, निवासी लखेरापूरा, भोपाल, म० प्र० । (अन्तरक)
- (2) 1. ृष्णा गोस्वामी, परिन श्री पी० गोस्वामी 2. कल्पना गोस्वामी पत्निश्री केशव गिरी निवासी-ग्रीन पार्क कालोनी, भोपाल, म०प्र०।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम हैं, वही अर्थहोराजो उस अध्यन्य में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 130, क्षेत्रफन 3529 वर्ग फीट है जो ग्रीन पार्क कालोनी, बेरसिया रोड़, भोपाल, में स्थिन है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायरः आयदार आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 27-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक, 27 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5297--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अंग अर्थात प्लाट नं० 174 है तथा जो जमालपुरा वी क्षेत्रका, भोजान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने पाणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्थालय, भोपान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिकृत में, एस क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के योच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्नलिखित उप्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी धारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

नतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-म के बन्तरण मा, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निव्यत्तिकित व्यक्तियों अधीत .— (1) श्री मिठ्ठु लाल कौशल, पुत श्री जगन्नाथ प्रसाद कौशल, निवासी—174, जमालपुरा, ग्रीन पार्क, कालोनी, भोपाल, म० प्र०1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती असरफी बाई सराफ,
परित श्री प्रेमचन्द सराफ
द्वारा श्री पदम कुमारपुत श्रीपन्नालाल
निवासी—खुरई,
जिला सागर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ग्रंश अर्थात प्लाट २० 174, है जो जमालपुरा भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है। यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27-10-1984

प्ररूप बाईं, टी. एन. एस.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5298—अतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

अप्रैर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है तथा जो कोहफीजा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रो तो अधितारी के दार्यालय भोपाल में रिजिस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टीचत बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एस द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण में हुईं किसी बाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी अथ या किसी घन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय अथ-तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बंधिनियम, या भनकर बंधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, जिन्न म

अतः भव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अशोज कुमार,
पुत्न श्री ईश्वर लाल ठाकुर,
निवासी पुरानी जिन्धी बालोनी,
भोषाल म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) फरहत जहां पुत्री श्री मुजन्बर अली, निवासी -इतथारा, भोजाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध याद में समाप्त हाती हो , को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में को दिन्ही व्यक्ति बृद्धारा
- (ख) इस स्चना को राजगत में जितायन की तारीं स 45 दिन को भीतन जनत त्यावर अर्थित में हिस्तक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्यारा अर्थहर्शकारी को पास जिस्ति प्रतिकृत राजन

स्मण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याण १०-क के परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उन अध्यान में दिया गया है।

बनुसूची

ण्याद गं० 16 है जो कोई।फंका राह्य से स्थित है। जिल्हा विवरण फार्फ गं० 37 की में स्थित है। यह अन्तरिती द्वारा मत्यारित िया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार जरनवा**ल** नेक्सम आहेत्र गरी महत्याः आयदारजासुन्तः (जिरीक्सण) कर्याः रीत, भोषान

दिना : 27-10-1981

भोहर 🗀

प्रश्रम काह[‡]टी. एन. **एस**.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5299---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कोठी महान नं० 752/नया नं० 7 है तथा जो कमला गंज, आगरा बम्बई रोड़, शिवपुरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिशारी के कार्यालय गिवपुरी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्षत अन्तरण जिल्ला के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्षत अन्तरण जिल्ला के लिए तथ निम्नलिखत के सारतिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) क्लारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के अधिरत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जुन्तिरती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अभ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ को अपधार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अधीर (1) श्रोमती रामण्यारी बाई
पत्नि स्व० श्रीजानकी प्रसाद वैष्य,
निवासी छोटा सराफा, इन्दौर म० प्र०
द्वारा मूखात श्री रामलाल
पुत्र श्री श्री रमणलाल महेण्वरी,
निवासी—इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरिक)

(2) नाथूराम शिवहरे धर्माथ ट्रस्ट शिवपुरी म०प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वावदीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कोठी मक्षान नं० 752/नया नं० 7 है, जो कमल गंज आगरा बम्बई रोड़, शिवपुरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-11-1984

प्ररूप मार्घ". टी. एन. एस. - - - ----

नायकर मधिनियम, '1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल/5300-अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुत. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी मकान नं० 752/नया नं० 7, क्षेत्रफल 4267 वर्गफीट है तथा जो कमलगंज, आगरा अम्बई रोड़ जिल्पपुरी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय शिवपुरी में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान
प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इध्यमान प्रितिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उक्त विभिन्निम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए बाँड/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उथत अधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीन, (1) श्रीमती रामप्यारी बाई
पत्नि स्व०श्री जानकी प्रसाद वैश्य,
निवासी—छोटा सराफा इन्दौर,
द्वारा मु० खास श्री रामलाल
पुत्र श्री रमणलाल महेश्वरी,
इन्दौर म० ४०।

(अन्तरक)

(2) श्री नाथू राम णिवहरे धर्मार्थ ट्रस्ट शिवपुरी, म० प्र०।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी मकान नं० 752/नया नं० 7 क्षेत्रप वर्गफीट हैं, जो कमला गंज, आगरा-बम्बई रोड़, णिवपुरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनां ३ - 5-11-1984

प्रकृष बाह्य, टी. एन एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1981

निवेश सं० आई० ए० मीः/अर्जन/भोषाल/5301---अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जि्सका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ह'

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 और उस पर निर्मित मजीन है तथा जो कोहफीजा, भोषाल में स्थित है (और उसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री जिता अधिकारी के वार्यालय, भोषाल में रिजस्ट्री जरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी खामार्च 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्रातिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूतिधा के सिए; शाँड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शोभा ग्वालानी पत्नि डा० रामचन्द ग्वालानी, निवासी--सुरेशएक्सरे एवं नसिंग होम, रायल मार्केट, भोषाल, मं० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंचन **बाई परिन श्री हीरा लाल,** हेगलता परिन श्री सुगंधीलाल , निवासी--लीहा बाजार, भोपाल, मेठप्रठा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫 --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वन्सची

ण्लाट नं० 19 और उस पर निर्मित मक्कान **है जो** कीहीफीजा, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस**ा विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है, यह** अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

दिनांख : 5-11-1984

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

जीवकड ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ज्यीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5302--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर सिंपनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

जोर जिसकी सं॰ प्लाट, उस पर निमित महान है तथा जो ईदगाहिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 ला 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के ज्योन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: जरि√या
- (ब) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सुगील कुनार, पुत श्री बाबूलाल, निवासी -जुमेराती, भोपाल म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स इन्जानी बादर्स, ब्राप्त श्री अर्जन कुमार कन्जानी, पुत्र श्री जेथनंद, निवासी-19, रिजरोड़ ईदगाह हिल्स, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

वनुसूची

प्लाट, उस पर मकान निर्मित है जो ईवगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्थापित विद्या गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर्में आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, भोषाल।

दिनांक 5--11--1984 मोहर :

प्रकृष कार्ष , द्री , एम् , एम् , ------

शायकर वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वृथीन सुपना

BIST RETAIL

कार्याचय, सहायक बायकर बायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5303—अत मही, वीरेन्द्र कुमार बरन्वाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नावार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट एवं उस पर निर्मित मकान है तथा जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए संतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्ष (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य बाबा गया प्रतिफस, निम्नीनिवित उद्धरेग से उनत बन्तरण विवित में बास्तविक कप से कि थित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बांधनियम क अधीन कर दने के बस्तरक के समित्य में अभी करने वा उससे दचने में वृतिका के जिए; आहु/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये वा, किया वे स्विपा से विद्या

कतः जब, उपत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बी, बी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) सुरेण कुमार, पुत्र श्री बौब्लाल, निवासी -जूमेराती, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कन्जानी अदिसं,
कारा श्री अर्जून कुमार कांजनी
पुत्र श्री जय नंदजीं,
निवासी अशी 19-रिज रोड़,
दिगाह हिल्स, भोपाल म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के 'सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उत्तर स्थावर सम्प्रित में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुस्**ची**

प्लाट, उस पर निर्मित मकान है जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका है विवरण फार्म नं० 37-नी ें निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

दिनांक : 5-11-1984

प्ररूप. बाइँ. टी. एन. एस. -----

आधकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भाषाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5304-- भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट, उस पर निर्मित मकान है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निषम की अधीन शर दोने को जन्तरक को दायित्व में अभी करन या अपसे अधने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::—
33—346GI-84

(1) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्रो बादुलाल, निवासी—-जुमराती भौपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स कंजनी ब्रदर्स हारा श्रो धर्जुन कुमार कान्जतरी पुत्र श्री जितेन्द्र निवासी—19, रिज रोड, ईदगाहहिल्स, भोपाल, म० प्र०

(भ्रन्तरिती)

को पह मुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, हे भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्- सब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मब्दिकिरणः ---- इसमाँ प्रयुवस भव्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट, उस पर निर्मित मकान है, जो ईवगाहहिल्स भोपाल पर स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, यह ध्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रें**ज, भो**पाल

दिनांक : 5-11-1984

मोहरं :

प्ररूप आइ. ट. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्ष्ट प्रार्जन क्षेत्र भोगाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5305—म्प्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० मकान है, तथा जो कालटक्स पैट्रोल पम्प हमे। दिया रोड़, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रांघवारी के कार्यालय, भोपाल में राजस्ट्रीकरण ग्रांधानयम 1908 (1908 का 16) के ग्रांधोन, विनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (कन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसमं ललवानी प्रार्थमूबर्स भोपाल द्वारा पार्टनर

1. श्री नन्दलाल ललवानी पुत्र श्री झुमनदास ललवानी

2. श्री लक्ष्मण दास ललवानी पुत्र श्री तुलजाराम

3. श्री मूलचन्द पुत्र श्री निहचल वास,
सभी निवासी—भोपाल

(ग्रन्सरक)

- (2) 1. श्री इन्द्रजीत पुक्ष श्री सोहनलाल,
 - 2. श्री स्नील कुमार पुत्र श्री सोहनलाल,
 - 3. श्री गुरूदास पुत्र श्री ग्रमरीक सिंह,
 - 4. श्रो प्रमरोत सिंह पुत्र श्री गृहदास सभी निवासी—भोपाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

भ्रनुसूची

मकान, कालवेंटस पेट्रोल पम्म, हिमिदिया रोड़, भोपाल, यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहिस है । अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरोक्षो सहायक श्रायकर (श्रायुक्त) श्रर्थन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-11-1984

प्रकल् बाही, टींश एवं, एवं,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सुभना

भारतं सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/प्रर्जन/भोपाल/5306--प्रतः मुप्तो, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी की., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 34-की पर बना हुआ शैड़ है, तथा जो लक्ष्मी बाई नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूचों में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक मार्च 1984.

को प्वेंथित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) । और अंतरिती (अन्तरितिकार्ते) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखत उव्वविय से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अस्परण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कृमी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; जांड/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेमर्स भार० भार० इण्टर प्राइजेंस तरफे भागीदारी श्री राधेश्याम पुत्र श्री रामेश्वरलाल, निवासी—18-ए दिलीप सिंह कालोनी, इन्वौर—म० प्र०।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स शाह खुबाजी भजलयन्द भैन, 97,
मल्हारगंज इन्दौर तरफे भागीदार गण,
1. श्री जयन्तिलाल पुत्र श्री भ्रयलयन्दजी जैन,
2. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री भ्रयलयन्द जैन,
निवासी—97,—मल्हारगंज मेन रोड़, इन्दौर
म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यक्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितववृध किसी मृत्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास जिक्ति में किए का सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची,

प्लाट नं० 34-डी पर बना हुन्ना घैड़ है, जो लक्ष्मीबाई नगर इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, यह अन्तरिता द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज भोपाल

अत: अद, अक्त बीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

विनांक : 5-11-1984

प्रकृप कार्च. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/530 ७---श्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं ० 121 है. तथा जो स्नेह नगर इत्यार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधानयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यिक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निचित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने वा उत्तरे दचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों ने, जिन्ही भारतीय नाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर मिनियम, या भन-कर मिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा है खिए।

अतः अब्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिति व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) श्रो राहुफउल्ला फारुखी पुत्र श्री हमीद उल्ला फारुखी. निवासी—70/1 सुभाष मार्ग, इन्दौर म० प्र०

(भ्रन्सरक)

(2) श्रोमती उमिला बाई पति स्व० श्री कन्हीयालाल जो झबर.

निवासी---मकान नं० 212, स्नेह नगर, इन्दौर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में काहि भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी बन्य स्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सची

मकान सं० 121, है जो स्नेह नगर, दुन्दौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जि में निहित है, यह श्रन्तिरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी यहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) कर्जन रेंज, भोपोल

दिनांक : 5-11-1984

प्ररूप आर्षः, दी. एम. एस. ------

प्रायकर प्रविक्थिम, 1961 (1961 का 43) की छारा ४६५-च(1) के मधीन पूचना

भारत एरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भीपाल

भोपाल, धिनांक 5 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/5308---अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के भारा 269-क के अधीन नक्षम प्रांधिकारी का तह जिस्ताय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव 17 है, तथा जो दैगोर मार्ग, नीमच में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्थालय, नीमच में रिजर्स्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 कर 16) के अधीन, दिनांवा मार्च 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कर के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बाबित्स में कभी कारने या उससे बचने में सबिधा के सिए; बीर/बा
- (व) होती किसी आय था किसी धेन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या कार्य-कर अधिनियम, 1922 के 11) या कार्य-कर विश्वीत्यम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के विए;

कर: ज्रुव, उसत अधिनियम की धारा 209-भ के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जर जे० कंटरेक्टर, निवासी—-48, टैगोर मार्ग, नीमच, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री ध्याम सिंग पुत्र श्री नायूलाल जी, नियासी—-बंगला नं० 46--सी, नीमच, म० प्र०। (अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांत्री हों, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी स्पवित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य न्यक्ति ब्वारा नभाहक्ताकरी के पास जिस्ता में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यंशा है।

धमुसूची

बगला नं० 47 है, जो टैगोर मार्ग, नीमच में स्थित है। यह बह स्थायर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म मं० 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सष्टायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपास)

दिनांक : 5-11-1984

मोहरः

प्रकृप आहे.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांवा 5 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/5309—अतः; मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य, 25,000 (197) में अधिक ही

और जिसकी सं० मकान नं० 47 हैं, तथा जो शास्त्री नगर, नीमच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को प्रवीसन सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है। और गुभी यह जिल्हा करने का कारण है कि यशाद्वीवत सम्पत्ति का उचित वशार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नितियित उद्देष्ण स उपन अंतरण निम्नित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के द्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी पत्र या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धल कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में स्विधा के सिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० सी० देशवानी, द्वारा युन इटेड कर्माण्यल बैंक, नीमच म० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाण बन्सल, निवासी—47, शास्त्री नगर, नीमच, मे० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

मकान नं० 47, है, जो णास्त्री नगर, नीमत में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म सं० 37-भी में निहित है। यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

दिनांक: 5-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एतं. एत. न

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यावय सहायक बायक र वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, द्रोपाल भोषांल, दिनांक 5 नंबम्बर 1984

निदेश सं आई० ए० सी०, अर्जन, भोपाल, 5310 + अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स को अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस ी सं० प्लाट नं० 31 पर बन्धे मनान पैकि पर्व तरफ का तल मंजिन का भेता 12 बीच 44 फीट है, तया जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरसें अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वीकत स्पात्त क उचित बाजार मृत्य सं कम क क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीकत संपत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरक से हुई किसी आये की बाबत, उक्त वर्षिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाक्तिय में कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए, और/मां
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्लया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री घनस्यामधास पुत श्री वाधुमल जी निवासी—41/4, बीठ केठ सिधी कालोनी, इन्दीर मठ प्रठ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल होबब पुत श्री अब्दुल रहमान, निवासी---125 स्नेह नगर इन्दौर म० प्र०। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रभोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (छ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा को, को उक्क श्रीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

वन्स्ची

ण्लाट नं 31 पर बन्धे मकान पैकि पर्व तरफ का तल मंजिल का भाग 12 बाय 44 फीट है जो इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस ता विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयक्तर आयुक्त वर्जन रेंच्य क्षीसाट

दिनांक : 5 11 1984

वांसर् :

प्रकृष आहें.टी. एवं. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भीपाल/5311---अतः मुक्को, वीरेन्द्र कुमार अरनवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 31 पर बन्धे मकान पैकि तल मंजिल का पं का भाग एक मंजिल 12 बाय 44 फीट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीअती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीब बारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वाकत मंपरित के उचित वाजर मृत्य से कम के एश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित आजार मृत्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एंसे रश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्ति में बारविका स्प में कथित नहीं निया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 जा 1) या जायन अधिनियम, या पत्र- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-स को अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा. (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- (1) श्री बंसीलाल पुत्र श्री तुलसीराम जी बालचनदानी, निवासी--40/4, बीठ घेठ सिधी जालोनी, इन्दीर मठ प्रठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहस्मद इसहाब अब्दुल अजीज गोरी, निवासी---17/, मूराई मोहल्ला, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास निम्बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मग्रामी

ण्ताट नं 31 पर बन्धे गशान पैकि तल मंजिल का पश्चिम का भाग स्कीम नं 47 है, जो इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न 37-जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सह्यापित विष्या गया है।

> वीरेंन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल, आयकर भवन मेदा मिल के पास, भोपाल

्नांक: 5-11-1984

प्रकथ जाद . टी. एम. एस. - - - ----

चायकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, भोपाल

भोपाल, धिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जेन/भोषाल/5312--अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार खरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 315/3, एरिया 2.14 एकड़ है तथा जो ग्राम लालबाग (माल०) सह० बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपापद अनुसूची में और पूण के रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1984,

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द मभ्रे विद्वास करने का कारण कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उ<mark>ंद्दोर</mark>ेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा जित्या जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के विषयः

जतः अब, उक्त जिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं को, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन रिज्यनिसित अधिकारों, जर्मात् ह— 34—346GI 84

- (1) श्री दलजीत पिता श्री नारायणदास शाह, निवासी---शनवारा नगर, हु० लघ जिला व पोस्ट बुरहामपुर जिला खण्डवा म० प्र०
 - (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्याधित लालबाग, बुरहानपुर म० प्र० (पंजीयन क्रमांक ए० आर ०/के० डब्फ्यू/1319) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं

उक्त सम्मित्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्वयद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंथा हाँ।

जन्स्की

भूमि खसरा नं० 315/5 एरिया 2.14 एकड़ है जो ग्राम नालबाग (मास०), बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित्त है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांस : 7-11-1984

प्ररूप भाई.दी.एन.एस.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विमांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5313—यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से संधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खंसरा नं० 315/2, क्षेत्रफल 1-40 एकड़ है, तथा जो ग्राम लालबाग "माल०", बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफरः के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बापित्व में कमी करने ना उन्हों वचने में हिविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भाग या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय जान-कर अधिनियम, 1922 में 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया था या था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में विश्वा के जिल्हा

बतः बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रंजीत पुत्र श्री नारायणदास गाह, निवासी—शानवारा नगर, तहसील व पोस्ट बुरहानपुर, जिला खण्डवा म० प्र० (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्या, लालबाग बुरहानपुर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि खसरा नं० 315/2 क्षेत्रफल 1.40 हैक्टर है जो ग्राम लालबाग माल० तहसील बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो नि हित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया है।

वीरेग्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अअंग रेंज, भोपाल आयक्तर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांकः : 7-11-1984

प्ररूप माह् टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन सूचता.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 🖟 1984

मिदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5314---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्ताट सर्वे नं० 64/2 है, तथा जो उज्जैन 'रोड, देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रोक्षर्ता अधिकारा के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रोक्षर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो बालकृण पिता श्री यशवन्त , खोंचे , निवासी—राधागंज, देवास म० प्र०

(अन्तरक)

(2) वी राज ट्रांसपोटं कम्पनी ईदगाह रोड, देवास तरफ पार्टनर श्री मरेन्द्र कुमार, पिता श्रो राम निवास गोमल, निवासी—देवास म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की ताराज के 45 दिन के भीतर उनत स्थावह सम्यक्ति हो दिन के भीतर उनत स्थावह सम्यक्ति हो दिन विश्व स्थावह सम्यक्ति के पास निवित में किए या सकेंगे !

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँद पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट सर्वे नं ० ६4/2, है जो उज्ज्ञीन रोड, देवास में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधि गरी (निरोक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपास

जतः अव, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) कुंजभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

दिनांच : 7-11-1984

मोहर 🖫

शक्य वार्डे. टी. एवं . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए सी०/अजन/भोपाल/5315---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार रनवाल,

कायकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान प्लाट नं० 90, स्कीम नं० 12~1/13 है, स्या जी राजेन्ज नगर (कलीमी कालीनी), रसलाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूच। में और पूणं रूप से वितिण है, रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रसलाम में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तद्रण वे हुन्दं फिसी थाय की बाबत, उपव निभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बज़ने में सविभा में लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धर या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था जिपान में सूरव्या औ सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जैन्दीन पिता श्री हकीममुद्दीन बोहरा पेटबादबाला के मु० आम श्री हकीममुद्दीन पिता पिता श्री कमरअलोजी बोहरा, पेटलालववाला, निवासी—-मनाम नं० 3, चांदनी बौक रतलाम (म० प्र०)।

(अग्तरक)

(2) श्रीमती भिलकीशबाई पति श्री शब्बीयहुसैनजी बोहरा निवासी—मकान नं० 39 लम्कापीठा रतलाम निवासी—मकान नं० 39, लम्कडपीठा, रतलाम म० प्र०

(अड्डसरिती)

को बहु सूचना चारी करक पूर्वाच्छ स्म्युरिस् के सर्वन के सिप् कार्यभावियों करता हों।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्व्यतिकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

वन्स्यी

मकान प्लाट नं० 90, स्कीम नं० 12-/13 है जो राजेन्द्र-नगर, (क्लोमी कालोनी) रतलाम स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण फामं नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सरमापित किया गया है।

> वीरेन्ज कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 7-11-1984

प्ररूप कार्ष टी एन एस ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5316—श्रतः मुझे,, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च भे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान का एक भाग नं० 4 वार्ड नं० 12 है, सथा जो मिन्न निवास रोड, रतलाम में स्थित हैं (भौर इससे उपबद्ध भ्रनुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908(1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1984 को प्रशिवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य सं कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिक स से, एसे दश्यमान प्रतिक का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिक स से, एसे दश्यमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिक कम, जिम्नसिवित उद्व दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्स-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरम् सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के नभीन कर दोने के नृत्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्देव बुचने में सुविधा में सिए; बॉट्ट/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिसी बुयारा प्रकट नहुई किया भया या किम। आणा शाहिए जा कियाने में स्थिया के जिएहा
- वतः वज, जनतः विधिनियत्र की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ, वर्धात् हु---

- (1) 1. मेरीमे--ग्दलेना पति श्री यातिन्द्र कुमारजी,
 - श्री भ्रनील कुमार पिता
 श्री यतिनद्रक्मारजी,
 - कुमारी रीटा पिता श्री यतिन्द्रकुमारजी
 - 4. ग्रनफुलबर्ट पुत्नी श्री यतिन्द्रकुमारजी
 - श्री विकटर पिता श्री यतिन्द्रकुमारजी,
 - श्री यतीन्द्र कुमार पिता
 श्री कुलदीप सिंह,
 सभी निवासी रतलाम म०प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रतीकाबाई पति श्री श्रहमदहुसैनजी सुलेनी, निवासी—लोकेन्द्र टाकीज, रतलाम म०प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी स्थानित वृत्यारा
- (च) इस स्थान के राजपण में प्रकारन की नारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्म किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइं लिखित में किए जा सकी गे।

प्रमुसूची

मकान नं० 4 का एक भाग वार्ड नं० 12 है जो मिल्रनिवास रोड, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

मोहर 🥫

प्रकृप नाह^र.टी.एन्.एक्_{र्यप्रस्थानसम्बद्धानसम्बद्धाः}

नायकर नींधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भाउत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) प्रर्णन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश सं० माई०ए०सी०/भ्रर्जन/भोपाल/5317—म्रतः, मुस्रे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं० 7 एरिया 2.780 हैक्टर है, तथा जो ग्राम डोसी गांव, रतलाम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, मार्च,

को पूर्णेक्त संपर्तित के उत्तित बाजार मृत्य से कम के रुप्यमान मितिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उत्तित बाजार मृत्य, उसके रुष्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निव्विजित उद्देश से उत्तर अन्तरण निधित विश्व के बास्तिक क्षेत्र से क्षेत्र अन्तरण निधित विश्व अस्तिर्व अन्तरण के सिंप्त कर्मा निधित विश्व अस्तिर्व अन्तरण के स्विक अन्तरण निधित विश्व अस्ति स्व

- (क) वस्तरण से हुइ किसी बाव की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कभी कारने या उत्तरे सचने में सुविधा में स्विष्; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्सियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मी में सुविधा चै सिए;

सत: जन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिसित व्यक्तियों, अधित ह—— (1) श्री मशोक कुमार पिता श्री अनोखे लाल जी दास महाजन निवासी डालूमोडी बाजार, रतलाम, म०प्र०।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स रतलाम फरटीलाइजर्स लिमिटेड, रतलाम; रिजस्टर्ड आफिस—305-312, दीव्सी बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, नेहरू पेलेस, नई दिल्ली-110-019, हेड माफिस,—96, गार्डम रिच रोड, कलकत्ता-700023, ब्रारा ग्रडमिनिस्ट्रेशन ग्राफिसर श्री जगदीशलालजी जाजू।

(ग्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बन्धि या तत्त्रंवंधी अप्रिक्तकों पूर सूचना की तामील से 30 दिल की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का बकोंगे!

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिद्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि छै खसरा नं० 7, एरिया 2.780 हैक्टर है जो ग्राम डोसीगांव, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्त-रिती द्वारा सत्यापित किया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण**) **मर्जम रें**ज, **भोपा**ल

सारीब : 7-11-1984

मोहर 🕹

प्रकल आर्ड-टी.एन.एस.------यम, 1961 (1961 काः43) की

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निर्देशिण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवस्वर 1984 निवेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/53:18—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 6, का प्लाट 2700 वर्ण-फीट है, तथा जो वैशाली नगर, इन्दौर में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पम्ह अतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उव्वयस्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक

रूप से ऋषित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्धरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त जिम्मीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; जोड़/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर लेभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भेत: जब एक्त जिमिन्यम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों न अर्थात् :--- (1) श्री विष्णु प्रसाद पुत्र श्री शिवसहायजी बाजपेई, निवासी डी-10, एम०ग्रो०जी० लाईन, इन्दौर, मध्य प्रदेश।

(मन्तरक)

(2) 1. श्री सुधीर पिता
पदमाकर पलटनवाले,
निवासी 45 बी, संगमनगर, इन्दौर।
2. यशवंत पिता
आनंइ दऊसकर,
निवासी 40, सुतारगली, इन्दौर।
3. उदयवालाराव इंगले,
निवासी 13, तिलूकपथ, इन्दौर।
4. किशोर पिता कैशव जाम्बकी,
निवासी 29, म्रादर्शनगर, इन्दौर।
5. श्रीकान्त पिता विश्वनाथ,
निवासी 5/6, कृष्णपुरा,
इन्दौर, मध्य प्रवेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सरपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सक्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वत्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित ह", वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है '।

वन्सूची

प्लाट नं० 6 का प्लाट 2700 वर्ग फिट है जो वैशाली नगर इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है, यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेख कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज,. श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

अस्य बाइ.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/5319---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 197, है, तथा जो साकत नगर इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1984

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा को लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमित सूरजकान्त आहुजा पित डॉ० बी० एम० श्राहुजा, निवासी 350 सिविल लाईन, 2-ए रूढ्की, उत्तर प्रवेग।

(भ्रन्सरक)

(2) मैसर्स गौरव ग्रपार्टमेंट को-ग्रापरेटिव्ह हाऊसिंग सोसाइटी लि०, 165, पालसीकर कालोनी, इन्दौर, म०प्र० तर्फे ग्रध्यक्ष श्री ग्रजम कुमार पिता भोटानन्दजी चायला।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्ज्**या**

प्लाट नं 197 है, जो साकेत नगर इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37—जी में निहित है, यह ग्रन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुव्त श्र<u>ूर्णन रेंज,</u> श्रायकर भवन

> > मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. प्स. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक ७ नवम्बर, 1984

निंदेज सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5320:—ग्रतः मुझ वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ह"

श्रौर जिसकी संख्या बना हुश्रा तैयार मकान प्लाट नं० 91 है, तथा जो लालाराम नगर इन्दौर, में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---35--346GI/34 (1) श्रीमती सालोभी पति श्री सैम्युग्रल मसीह, निवासी 91, लालाराम नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल रजजक पुत्र श्री सादुल्ला, निवासी क्षिरसागर, उज्जैन म० प्र०।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त प्रज्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जनसंची

बन्धा मकान प्लाट नं० 91 है, जो लालाराम नगर; इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-(जी में निहित है, यह भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार ब**रनवाल** सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर <mark>ग्रा</mark>युन्द ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारी**ख**: 7-11-1984

प्ररूपः बार्हः टी. एनः एसः ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत प्रमुख्यार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल/5321—ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या बना हुश्मा मकान व प्लाट नं० 7 है, तथा जो त्रिवेणी कालोनी, "एक्सटेन्शन" इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम मार्च, 1984

का पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य सं तम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करमं का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रश् प्रतिफल, निम्निलिखित उक्करेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुद्दे किसी अध्य अही बाजत, उक्स अधिनियम के अधीन कर धने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वक्षः में सुविका औ सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्यिधा के लिए;

करा. तब उक्त अधिनियम **की भारा 269-ग के बम्बरण** बा, बी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) 1. श्री रिवन्द्र कुमार पिता श्री बृजारामजी कुकरेजा, 2. बृजारामजी पिता श्री सुम्मामलजी कुकरेजा, निवासी 7, ज़िवेणी कालोनी, इन्दौर म० प्र०।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती साधना पति श्री गोपीचन्दजी नोतानी, निवासी 8 त्रिवेणी कालोनी, जइन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आअंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीवन के विकास में या में विकास को दिन होता है।
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

प्लाट व उस पर बना हुआ मकान नं० 7 है, ओ तिवेणी कालोनी "एक्सटेग्शन" इन्धौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है, यह भन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज मोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्रक्ष बाइं.टी.एम.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5322—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिस्ति बाजार मून्य 25,000/- का से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2 ब्लाक नं० ए तैयार प्लाट नं० 779, है, तथा जो मनीषपुरी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1984।

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह निवक्त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तिस का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उपत अन्तरण कि सिक्तर में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उच्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अलक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुकरा इका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उद्योजने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीसिश्चित व्यक्तियों, अधीतु:— मैसर्स वृन्वावन श्रपार्टमेंटस तरफे पाटेनर श्री बालकृष्ण पिता श्री दौलत राम श्रग्रवाल, निवासी 158, साकेत नगर इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर कृष्ण कुमार पुत्र श्री भत्ररलालजी धामबानी निवासी 13, वेनीग्रर स्ट्रीट, मन्नास।

(अन्तरिती)

कांयह सूचना चारी करके पूर्वोक्तः संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अंबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारगः
- (ख) इस मृखना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीच ए 45 दिन को भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मो किए का मकोगे।

रयक्षीकरणः --इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदीं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय मी दिवा गया है।

नन्त्र्यी

प्लाट नं० 2 ब्लांक नं० ए बन्धा मकान नं० 779 है जो मनीषपुरी इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है, यह धान्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीकी सहायक प्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एत. -----

जायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन, रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5323—ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मल्ड 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 779 ए, पर बधे हुए प्लट पैंकिंग नं० 1 ब्लाक नं० तल मंजिल का भाग हैं, तथा जो मनीषपुरी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (का) प्रोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनुसारण भी, भी उपल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :--- (1) मैसर्स वृत्दावन श्रपार्टमेंट्स तर्फे पार्टनर श्री बालकृष्ण पुत्र श्री दौलत राम श्रग्रवाल, निवासी 158, साकेत नगर, इन्दौर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमरावमलजी, राजेश कुमार "एच० यू० एफ०", पुत्र श्री डॉ० के० एम० लोढ़ा, निवासी दिवान रामा रोड, 53, मत्रास-84।

(मन्तरिती)

कों बहु सूचना चारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्रीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

भगसची

प्लाट नं० 779 ए, पर बन्धे फ्लैट पैकि फ्लैट नं० 1 ब्लाक नं० ए तल मंजिल का भाग है, जो मनीष पुरी इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल स्सिक्स प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त धर्जन रज, भोपाल

तारीखा: 7-11-1984

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

स० आई० ए० सी:०/अर्जन/भीपाल/5324:--अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार घरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- राज्ये अधिक हो

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 779 कें। पर बन्धे मकान पैकि पसैट नं० 10 है, जो तथा मनीषपुरी, इन्दौर है स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में भीर पूर्ण से रूप है विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय इन्दौर है रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984।

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई फिसी नाय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें भवने में सूर्यिधा के लिए; बॉप/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविभा के लिए;

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण मं', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निस्तिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स वृत्दावन अपाटमंटस तरफे भागादार श्री: बालकृष्ण पुत्र श्री: दौलत राम जी: अग्रवाल, निवासी: 158 साकेत नगर. इन्दौर मुख्या

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जुबेदा टी० हमदानी पति श्री ताहेर एम० हमदानी निवासी एच 96, एम० आई० जी० कालोनी इस्दौर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के उजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

ह्मब्द्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्ची

प्लाट नं० 779 की पर बन्धे मकान पैकि फ्लैट नं० 10 है, जो मनीषपुरी इन्धीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह आन्तरितं द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल. सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

हस्य बाइ . टो . एन . एव . ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/5325:--अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 779, उस पर निर्मित मकान नं० 6 है, तथा जो मन षपुरः, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे ग्रीर उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रेकर्ता अधिकार के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधि नयम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएव कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिधा को आए; और/मा
- (क) एसे किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनिश्य, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्य, 20 धनकर अधिनिश्य, 21 धनकर अधिनिश्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया सबा बा बा किया जाना चाहिए था खिपाने भी स्विधा के सिए:

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) मेंसर्स वृन्दावन अपार्टमेंटस तरफे पार्टनर श्री: बाल कृष्ण पता श्री: बौलत राम जो अग्रवाल, नवासो 158 साकेत नगर, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) कुॅमारी माधुरी पिता श्री दिनकर एस० होनवर आ० पा० क० दिनकर एस० होनवर, नवासी 7/3 सा डा० रोशन सिंह भण्डारी, मार्ग, इन्दौर मं० प्र०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनसची

प्लाट न० 779, उस पर निर्मित मकान नं० 6 है, जो मनोषपुरी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न०-37 जो में निहित है, यह अन्तिरिता द्वारा सत्यापित किया गया है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो निरोक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 7-11-1984 ज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5326—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 779 बी पर बन्धे हुए मकान पैकिंग फ्लैट नं० 5, पहली म० है, तथा जो मनिषपुरी कालोनी इन्दौर भें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची भें ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें स्वते में स्विशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त पश्चितियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थीजनार अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गा या या किया जन्म आहिए था, छिपाने हें (जिया के जिया)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मं, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैंसर्स वृन्दावन अपार्टमेंट्स तरफे भागोदार श्या बाल कृष्ण पिता श्री दौलत राम अग्रवाल, निवासी 158, साकेत नगर इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरक)

 श्री हर्ष बोरा पिता श्री सुजानमलजी बोरा, निवासी मकान नं० 20/7, यशवन्त निवास रोड, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45 दिन की अवधि या तरमंत्रेत्री व्यक्तियों पर मूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

क्यब्डीकरण !—इसर्ने प्रमुक्त भन्डों वीर पड़ों हा, जा उक्त प्रवि-नियम के बड़्याय 20-6 में परिमाषित है, वही ययं होगा जो उन प्रकाद में बिक एक है।

<u>श्रम्</u>स्

प्लाट नं० 779 बी पर बन्धे हुए मकान पैकि पलैट नं० 5 पहली मंजिल है, जो मनीषपुरी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37— जी में निहित है; यह अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5327--- अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार धरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 9, प्लाट नं० 779 है तथा जो मनीषपुरी कालोनी इन्दोर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण से रूप बिणत है), रजिस्ट्री— कर्ना अधिकारा के कार्यालय, इन्दीर में र्गजस्ट्रीकरण अधिकारा के कार्यालय, इन्दीर में र्गजस्ट्रीकरण अधिकां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोद्धत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरिशयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धर्म के अंतरक कें दायित्व में अभी करने या उसमें बचने में स्विश के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उने अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में स्विधा औ निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:— मैसर्स वृत्वावन अपार्टमेंट्रस तरफे भागादार श्री झाल कृष्ण पिता श्री दौलत राम जी अग्रवाल निवासी 158, साकेस नगर, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरक)

 श्री जतीन कुमार पिता श्री गिरीण भाई मुखी, निवासी 179, साकेत नगर, इन्दीर म० प्र०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सभ्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा से किसी उसीकत द्यारित द्यारा.
- (क) इस सूचना के राजपण मो अकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति मो हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरू दार्ग के पास लिखित में किए का सर्थान

स्भव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

प्लैट न० 9, पर बना हुआ प्लाट न० 779, मकान है जो मनोषपुरी, इन्दौर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जा में निहित है तथा अन्तरिको द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वी**रेन्द्र कुमार बरनताल** सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक आयकर आयु**क्त** अ**र्ज**न रेंज, भोपाल।

तारीख: 7-11-1984

मोदुर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/5328:—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 8, प्लाट नं० 779 है तथा जो मनीषपुरी इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनु-मूची में और पूर्ण के रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984

को प्योंक्स संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संस्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह पितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से क्थित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) बन्तुरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभृतियम् के वशीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- मैसर्स वृन्दावन अपार्टमेंटस, तरफे भागीवार, श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री दौलतराम जी अग्रवाल, निवासी 158 साकेननगर, इन्दौर म० प्र०। (अन्तरक)
- श्री टेरेन्स क्रिस्टोफर पिता जानपाल डिसोजा निवासी मकान नं० 179 साकेत नगर, इन्दीर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण: ---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

मन्स्पी

पलैट नं० 8 प्लाट नं० 779 है जो मनीषपुरी इन्बौर में स्थित है। ब्रह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिांती द्वारा सहया पित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-19.84

मोहर ः

प्रकार कार्य हो . एव ., ध्रुव .,------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सहकानु

कार्यासय, बहायक आयुक्त आयुक्त (निद्धीक्त)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी० अजंन/भोपाल/ 5329:—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान का एक भाग नं 2 गली नं 2 है, तथा जो पलासिया इन्दौर में स्थित है (और इससे उपा बढ़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरिती की गई है

और मुक्ते यह विषयास करने के कारण है कि
यथापूर्व क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उब्बेध्यों से उक्त अंतरण लिखित में
भास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की गायत, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में स्विधा के लिए;

अतः जबः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं बें, में. उक्त विभिनियमं की भारा 269-थं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- श्री अब्दुल सलीम खां
पिता श्री अब्दुल रशीद खां,
निवासी बेन्ड स्टेण्ड,
गेलेक्सी अपार्टमेंट्स, बान्द्रा,
बाम्बे 50
तरफों आम० मु० ओसाफ मोहम्मद खान,
पिता श्री आकिल मोहम्मद खान,
निवासी 9/2 ओल्ड पलासिया, इन्दौर म० प्र०
(पलासिया थाना के सामने)

(अन्तरक)

 श्री फाजील मोहम्मद खान पिता श्री आकिल मो० खां निवासी मकान नं० 2 (पुराना पलासिया), इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरांती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विन्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितवद्य भ किसी अन्य व्यक्ति ६वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्रनुसूची

मकान का भाग जिसका नं० 2 है तथा गली नं० 2 है जो पलासिया, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 - जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षण) सहायक आयक्कर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर निधीनयम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

सं० आहै० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5330:—अतः मुझे, वीरेन्द्र कूमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 2, गली नं 2 है तथा जो पलासिया, इन्बौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्बौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किबित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत्, उक्क वीष्तिवन हो अधीद कर दोने के शृन्दरक हो वार्टियत में कभी कर्डने या उससे वजने में सुविधा के सिए; शोर्ट/या
- (क) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्याभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत ह—

 श्री अब्दुल सलीम खां पिता श्री अब्दुल रशीद खां, तरफे आम मु० श्री आसफ्र मोहम्मद खां, पिता श्री आसिफ मौ० खान, निवासी मंगान नं० 6/2, ओल्ड पलासिया, इन्दौर मं० प्र०।

(अन्तरक)

2. श्री आदिल मोहम्मद खान पिता श्री आदिल मो० खान निवासी मकान नं० 2 (पलासिया थाने के सामने) इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्त्र) दूस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पाद लिखित में किए जा सकरी।

ल्ब्ब्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का. को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

मकान नं० 2 गली नं० 2 है जो पलासिया, इन्दीर में स्थित है तथा यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण थार्म 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सरयापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्रकप बाह् दी एन एस । वननवनवन

नायकुड ज़िभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

नार्व चंड्रकाड्

क्यांनय, सहायुक भायकुर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवस्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5331:——अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर निधीनयम' कहा गया है'), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निध्नास करूने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका उचित नाजार मृत्य 25,000/- हर से निधक है

और जिसकी संख्या म्युनिसिपल मकान नं 51 है तथा जो पन्त वैद्य कालोनो, इन्दौर में स्थित प्हैं (और इससे उपा बद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारो के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984।

को प्नेंक्त तम्मित के उचित बाबार म्स्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिकित (अंतरिश्वा) के नीच एसे अंतरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मितिक स्व से किया से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक स्व से किया नहीं किया पना है है—

- (क) नम्बरण वे हुई किवी नाथ की वायत, उक्त अभिनित्रम के अभीत कुट देने की नस्तरक के वाक्सिय के कबी कुटने वा उससे बचने के सुविधा के सिष्ट; ऑड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियः को जिन्हें भारतीय बायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिनाने में सविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विष्णु पन्त
 पता श्री भास्करराव कुलकर्णी
 निवासी इन्दौर प्र०।
- 2 श्रीमती स्नेहतता पति श्री भास्त्रर ओक, निवासी 18, कृष्णपुरा, तिलक पथ, इन्दौर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनत् संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्कत अजिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

म्युनिसिपल कारपीरेशन मकान नं० 51 है, जो पन्त वैद्य कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा अन्तरिती ब्रारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरमवाल, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी) सहायक आयक्षर आयुक्त अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्रकृष बाइ .टी. एन. एस . ------

जायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/5332—अतः मुझे, वीरेंन्द्र कुमार बरनवाल

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज प्लाट नंज 241 है तथा जो अनूप नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इसे उपाबड अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्क्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के धरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चक्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः -----

(1) श्री केवल कृण्ण पुत्र श्री विश्वंमर नाथ खरबन्दा, निवासी - 7, बीरतलाम कोठी, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्सरक)

(2) श्री गुरु प्रसाद वर्मा कर्ता और तरफे संयुक्त हिन्दू परिवार श्री विश्वन लाल संस जिसके कि की पार्टनर श्री ग्रुरु प्रसाद वर्मा व श्री हरी प्रसाद वर्मा पिता श्री विश्वन लाल वर्मा, निवासी जी-34, एम० आई० जी० कालोनी, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

के यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्मरित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बर्ग स्वा

प्लाट नं० 241 हैं जो अनूप नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पब्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित्त है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेंन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, भोपाल

नारीख : 13--11--1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकरु आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5333—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 तथा प्लाट नं० 779 हैं तथा जो मनीय पुरी कालोनी इन्बौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्बौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा सायत्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) मैं व वृत्वावन अपार्टमेंटस तरफें पार्टनर श्री बालकृष्ण अग्रवाल, पिता श्रो दौलत राम जी अग्रवाल, निवासी 158, साकेत नगर, इन्दौर (म॰ प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्सा दिनशाह मिस्त्री पिता श्री डी० डी० मिस्त्री, निवासी एफ-27, एम० आई० जी० कालोनी, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नतः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 1 तथा प्लाट नं० 779, है जो मनीषपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फामं नं० 37 जो में निहित्त है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किाय गया है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज**न रें**ज; भोपाल

तारीख : 7-11-1984

प्ररूप भार्यः टी.एन.एस.------

अप्रयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तहकार

कार्यातयः, सहायक नायकर जायुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/5334---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परजात जिस्त मिथिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्रवास केरने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाटनं० पर बना हुआ मक्तान नं० 11-12 है तथा जो रतलाम कोठी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, \$1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्स्त नहीं किया गया है :---

- (क) जन्सरण ते हुई किसी बाब की बाबता, उत्तर जिमितियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-**म की उपधारा** (१) के अभीन, निम्ननित्तित स्था<u>नि</u>त्तायाँ, अर्थात् क्र— (1) श्री राधा रमण पिता श्री नारायण जी अग्रवाल, निवासी 42, संयोगिता गंज, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती श्यामा देवी पति श्री कृष्ण कुमार सुरेखा, निवासी 22-वाइट चर्च कालोनी, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिश में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिमित्यम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस जध्याय में दिया न्या है।

वर्स्य

प्लाट पर बना हुआ मकान नं० 11-12 है जो रतलाम कोठी, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; भोपाल

शारीख: 7-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांस 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5335—स्वतः मुक्को, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 242 है तथा जो अनूप नगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मलक्यित सिंह पिना श्री जागीर सिंह बाजवा, निवासी जे~66 साउथ एक्सटेंगन, पार्ट-1, नई दिल्ली, तरफे मुख्तयार श्री अब्दुल बहाब पिता श्री अब्दुल अजीज, निवासी 149, अाजाद नगर, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना पति श्री शांति लाल जैन, 16, गौतम पुरा, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कावाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 242 है जो अनूप नगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती बारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्: भोपाल

तारीखा: 7-11-1984

मोहरः

प्रकप भार्च. टी. एन. एस.-----

णाभकर अभिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भाइत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० मी०/भ्रर्जन/भोपाल/5336—भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उक्त अधिनियम कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खमरा नं० 1215/1 व 1317/2 है तथा जो ग्राम खजराना इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई हैं और मुम्ने यह विक्रंशास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भक्त प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में स्विधा के लिए, शरि/या
- (क) ऐसी किसी भाग ग त्रि.सी भन या अन्य आंस्तियाँ कां, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मधिका के सिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन जिल्लिनिक व्यक्तियों, अर्थात् :---37 ---346 GI84 (1) मै० श्रालिपित सोलेयेक्स लि०, (पूर्व का नाम श्रालिपित एवं माल्ट ब्रेंबरीज श्रा० लि०), 10/11, यशवन्त निवास रोड, इन्दौर (म० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं भ्रालिपन प्रापर्टीज लिमिटेड, 52, त्रम्पा गली, चौथी मंजिल, कालबा देवी, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अर्जीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर मुसन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ण) इस स्चाना को राजपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थायटीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उतक अधिनिदम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अम्सुची

भूमि खसरा नं 1315/1 व 1317/2 है जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनधाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपान

तारीख : 7-11-1984

मुक्त वार्त हो पुन पुन न्यान्यान्यान

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्नाई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/5337—म्झे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार भृष्य 25,000/- छ. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 1322/1-1 है तथा जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्दा ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से किथक है जीर अंतरक (अंतरका) जीर बंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब बाबा क्या विकल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त वन्तरण विविच वे बास्तियक स्प ने किया पढ़ी विश्वा प्रा है !--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बावत उक्स अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त आधौनगम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स ग्रालपित सोलवेक्स लि०, फामर्ली ग्रालपित मारूट एण्ड बेवरीज प्राइवेट लिमिटेड, 10/11, यशवन्त निवास रोड, इन्दौर (म० प्र०) ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स झालपिन प्रोप्नेटिस लि॰, 52, चम्पा गली, चौथो प्पलोर, कोलाबा देवी रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाज्यिः शरु करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संजंध में कोई भी जान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में विया

ग्रन्स्ची

भूमि खसरा नं० 1322/1/1 है जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

विरिन्द्र कुमार यरनत्राल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1984

इक्त कार्च, बी., दन., एक्.,--------

आयकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के संधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/प्रजीन/भोपाल/5338—श्रतः मुझे, वीरेन्त्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाब्द सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 24 स्ट्रीट नं० 5 है तथा जो स्नेहलतागंज, इन्दौर में स्थित है य(श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रघीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिपाल से, एसे क्यमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिपाल, निम्निसिवत उद्विक्य से उक्त अन्तरण कि चित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है किया

- (क) अंतरण से हर्ष किसी बाय की बाबत, उक्द अभिनियम के बधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-स्टर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा औं सिक्ष;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

- (1) 1. श्रीमती प्रभा कुवर पति श्री गिरधर भाई दोषी।
 - श्रीमती मीना बहुन पति
 श्री रमेश भाई दोषी।

- श्रीमती ग्राशा बहुत पति
 श्री रमेशा भाई दोषी।
- श्री सुभाष पिता
 श्री गाडा लाल। से निवासी 33, कंचन बाग, इन्दौर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती स्मिता पति श्री दिनेश चन्द्र देसाई।
 - श्रीमती राधा पति
 श्री रजनी कांत देसाई।
 - श्रीमती इन्दरा पति
 श्री नरेन्द्र कुमार देसाई।
 - श्रीमती मीना पति
 श्री भरत कुमार देसाई ।
 निवासी 21—बी, बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

45 दिम की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बुवाय;

(क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

क्षांकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुष्यी

मकान नं० 24, स्ट्रीट नं० 5, है जो स्नेहलता गंज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, यह भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-198**4**

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - -

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5339---- प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लीट नं 1, तीसरी मंजिल,तथा 113 है तथा जो श्री नगर, एक्सटेंगन, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (ग्रंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में शास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिका।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:--- (1) मैसर्स मधुवन भ्रपार्टमेंट्स, प्रो० श्री नन्द किसोर राम किसन, तरफे श्री प्रेमचन्द मन्ना लाल, निवासी 1-एम० टी० एट० कम्पाउन्छ, इन्दौर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री णाबीर हुसैन पिता श्री एच० रामणी, द्वारा बैंक श्राफ इण्डिया, श्रांच धार, म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजापत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[®], वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह[®]।

नग्रुपी

फ्लैट नं 1, तीसरी मंजिल, नं 133 है जो एक्टेंशन, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37 जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीखा : *7*—11~1984

प्रकृष आई. टी. एत. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5340---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० 2 न० 113 है तथा जो श्री नगर (ए सटेंशन) इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी न, तारीख मार्च, 1984

का पूर्विक्स सम्परिस के उचित बाजार मृस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाय की नावत उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे जजने में स्विधा के लिये; बौर/ना
- (७) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य वास्तियों की, जिस्हें भारतीय नायकर किजिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के जिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्थात :—

(1) मैं सर्स मधुबन अपार्टमेट. प्रोफेसर नन्द किणोर राम किणन, तरफे मुख्सयार: श्री प्रेमचन्द भगवान दास, निवासी आई० एम० टं० एच० कम्पाउम्ड, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री पांडुरंग पुत श्री श्रीकृष्ण जोशीः, द्वारा बैंक आफ इण्डिया, धार (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

का यह युवाना जारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविकतमों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नम्स्ची

प्लाट नं० 2 पर 113 है जो श्री नगर एम्प्टेंशन, इन्दौर हुस्थित है। यह बहस्थावर सम्पत्ति है जिसेका विवरण फार्म नं० 37 में निहित है पथा अस्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

त्रक्य भार^{*}. टी. एन. एस. ----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बबीब सूचना

नारुष् परकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवस्बर 1984

निवेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5341—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात जिस अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित ब्राजार मून्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2 तीसरी मंजिल पर 113 है तथा जो श्री नगर एक्स्प्टेंशन, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृद्द है और मुक्ते यह विद्यास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) इस न्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कनी करने वा उबसे वयने में बृविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या जन्य जारिसयों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भव-क्कर विशिवस्थ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विष्ण के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) भी अधान, निम्मलिकित व्यक्तियों, मर्थातः— (1) मैसर्स मधुवन अपार्टमेट
प्रो० श्री नन्द किशोर राम किशन
तर्फ द्वारा मुख्यतायर
श्री प्रेम धन्द मन्ना लाल निवासी आई० एम० टी० कम्पाऊड इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रो स्तोश चन्द्रा रामघुने पुत श्री बालचन्द्र धुव द्वारा: सेंद्रल बैंक आफ इण्डिया इन्दीर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी बच्च व्यक्ति ब्यारा, वभोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स श्रीभ-नियम के सभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

NT TO THE

फ्लेट नं० 2 तीसरी मंजिल पर है जो श्री नगर एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसकी विवरण फार्म नं० 37 जो में निहित है। तथा अन्तरिती द्वारा सस्यापित किया जाता है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षित) अर्जन रेंज् भोपाल

तारीख : 7-11-198

प्रस्प भार्', टी. एन, एस.,-----

अग्रमकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक वायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/शोपाल/5342--अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० खुली मंजिल 0.23 है तथा जो ग्राम खजराना, इन्वौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

के अधीन मार्च, 1984

- (क) अन्तरण से हुइंकिसी आय की शावत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कमी करने या उससे अचने से स्विधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य भास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविभा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपचारा (1) कें अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— श्री सत्यनारायण पुत्र श्री दुलं/चन्द नागर निवासी 756 खजराना. दन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप पटगावंकर पुत्र श्रीणांता राम पटगांवकर. व श्रीमती भारती देवी पति श्री प्रदीप पटगांवकर, निवासी 25, अनूप नगर कालोनी इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाठ सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्तकी

खुली मंजिल नं० 0.23 है जो ग्राम खजराना इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी मे निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वे।रेन्द्र कुमार झरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

त्ररूप नार्चा, टी., एम्., एस्., _{१९८०-१००}००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5343---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/- रह. से अभिक हैं
और जिसकी सं० यहां पर मकान म्यु० पा० 33 पुराना नं०
46 है तथा जो सियागंज मेन रोड इन्दौर में स्थित
है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यैथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा विकल निम्नसिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नसिक्ति से आस्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाब की बाबत, उपल विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के स्विथित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण भा, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) भी अधीस, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :---

- (1) 1 श्री ईश्वर लाल पिता
 श्री मोहन बास निवासी
 147, जयाराम पुर कालोनी, इन्दौर।
 - श्रीमती सुन्दरीबाई पति
 श्री खान चन्द जी,
 निवासी बियाबानी, इन्दौर ।

- श्रीमता सुषमा बाई पति
 श्री अगोक कुमार, निवासी
 100, वियाजानी, इन्दौर ।
- श्रीमती पुष्पा बाई पिति
 श्री मोहन दास जी निवास 147, जयरामपुर कालोनी, इन्बीर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री चिमन दास पुत्र श्री नारायण दास ।
 - श्री नानक राम पुत्र श्री नारायण दास ।
 - श्री प्रकाणचन्द पुत्र श्री नारायण दास । निवासी 1, रूपराम नगर, इन्दौर । (मध्य प्रदेश) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्तत संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

यहां पर म्यु० ११० नं० ,33 पुराना, 46 नयानं० है, जो नियागंज मेन रोड, इन्दौर मैं स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी निहित तथा अन्तरित हारा सत्यापित किया गया है।

वोरेन्द्र कृमार क्ररनवाल सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1984

प्ररूप भार्दः दी. एम. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोगाल, दिनांक 7-नवम्ब र, 1984 निदेश सं अर्घ ए० सी ० /अर्जन/भोगाल/ 5344—अत: मुझे विरेन्द्र कुमार बरनवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहला 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जिसकी है तथा जो उज्जैन में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूच: में और जी पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट जिती अधिएएएं के आर्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधिन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करते का काश्या है कि वश्रापृतेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल स. एमें रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एक अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उक्किय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अलरण से हुई किसी अप की यावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दौने के अलरक के आधित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, अवन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा विकास कर सामित्र जाना उपिए था, जिन्हों में गविधा के सिए;

- 1. (1) बल्लभन दास पुत्र श्री ऊक्षारलाल,
 - (2) मोहनलाल पुत्र आ अकारजाल
 -) 3) रामचन्द पुत्र श्री ऊन्हारलाल
 - (4) महेगा कुमार पुत्र श्राः ऊकारलाल निवासी उज्जैन, म० प्र०

(अन्तरक)

- 2. (1) अब्दुलरसूल पुत्रश्रां शेख फ्रियर मेन टांकीवाला
 - (2) फखरूदोन पुत्र श्रो यूमुफ़ अलीं,
 - (3) शब्बं र हुसेन पुत्र श्री अकबर अली।
 - (4) सफूदीन पुत्रश्री अब्बास भाई सभी निवासा प० रामप्रसाद भागेव मार्ग,
 - (5) हुकीमुदन पुत्र थी। इन्नाहोम भाई निवासी खाराकुवा, उज्जैन ।

(अग्तरितीः)

को यह सुभना जारी करके प्रयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्य में कीर्ड भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधियाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्स कारतन्या के स्वास्त्रभी स्थिकत द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किट गवा है।

अनुसूची

मकान है जो उज्जैन में स्थित । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहिस है, तथा अन्तरिनो द्वारा सत्यापित विधा गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र प्राणुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब, अक्त अधिनियम, क्री भारा 269-व के अन्सरण मो, मी. अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीत: निम्निलिखित व्यक्तिरा[™] अर्थात् :---83—346 GI/84

दिनांक 7-11-1984 मोहरः प्ररूप बाईं. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निराक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० आ०ई ए० ्सी०/अजन/भोपाल/5345---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्यो हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकाणी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य। 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खरारा नं० 293/2 है, तथा जो ग्राम उमिरिया, तहसील जिना इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से पणित है) रिजस्ट्री इर्ती अधिशारी के कार्यालय में रिजस्ट्री अपण अधिनियम, 1,908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्त्र के अधीन कर दोने के अन्तरक की त्रियल में कभी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अतत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री सुशील कुमार चढ़ा,
 भागीदार, मैसर्स किशना फ्रेंम,
 ग्राम उमरिया, तहसील महूं (जिला इन्दौर)
 (अन्तरक)
- मैसर्स बजाज टेम्पो लि० अकुरडी, पुने, (महाराष्ट्र)

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि खसरा नं० 293/2 है, जो ग्राम उमिरया तहसील महूं, जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर अध्युक्त (निरीक्षी) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की जन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नीलिखत व्यक्तियमें अर्थाव :---

दिनांक : 7-11-84

प्रस्त बार्ड. टॉ. एन. एस.....

जापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) ये अभीन सुभना

भावस साम्छा व

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सा०/अर्जन भाषाल/5346---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन उसपर बनामकान खसर। नं 293/2, है, तथा जो ग्राम उमिरिया, तह्मीन भहू, जिना इन्दोर म० प्र० में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसून्। में और जी पूर्ण क्ष्प से बिणित है) रिजिस्ट्रा छती अधिकार। के टार्याज्य महूं में रिजिस्ट्र- करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अर्छ।न दिनांक मार्च, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण मं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोंने के सन्तरक के बामिरण में कसी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ्मी किसी आय या किसी धन या कार जान्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निज्नितिबत व्यक्तियों, अर्थात —— मेजर हरबंसलाल चड्डाः भागं/दार, किशना फामंस, ग्राम उमिरया, तहसं/ल महु जिला इन्दौर म० प्र०

(अन्तरक)

 मैसर्स बजाज टैम्पी लि० एकुरडो पुने, (महाराष्ट्र)

(अन्तर्रितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की समिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा तो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन उस पर बना हुआ मणान खसरा नं० 293/2 है, जो ग्राम उमरिया, तहसील महू जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फाम नं० 37-जी में निहित है, तथा अन्तरित द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपास

विनांक 7-11-1984 मोहर:

प्रस्प. बाइ. टी. एन. एंस -----

भायकः अधिनियसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/5347—अतः मझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन-सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ∠5,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 3, ब्लाक नं 13 है, तथा जो मोहकला सिंगार तलाई, में स्थित है (और ईससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अविहारों के कार्यीलय खंडवा में रिजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिश्राल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं। और मृक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि श्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिश्राल से, एसे दश्यमान प्रतिश्राल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिश के लिए तय पाया प्रतिश्राल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरिश लिखित में बास्तिक हैं। किया गया हैं .--

- (क) अतरण में हुई किमी आग की बाबत, उक्ष्ण अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कामित्व में कामी कारने का अससे अवने मी कृतिया के लिए, और/या
- (क) एसी कियी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता लोहिए हुए, कियाने भी स्विभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्तरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269 के की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) असगर अली पुत्र श्रीं इब्राहीम, भाई,
 - 2. याहयां भाई पुत्र श्री इब्राहाम भाई
 - (3) कुसार मायान भाई पुत्र श्री इब्राहीम भाई,
 - (4) श्री अब्दुलाह भाई पुत्र श्री इन्नाहं।म भाई निवासी खासपुरा, खंडवा, म० प्र०

(अन्तरक)

2 श्रीमती लता देवी, पति श्री बसंतलाल खंडेलवाल निवासी कलारगंज, खंडवा, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह, सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पान के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त स्थिति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षंप

- (क) इस मूचना को राजपन्न मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिसंबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के. पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाक एप :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

प्लाट नं० 3, ब्लाक नं० 13 है, जो मोहल्ला, खंडवा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-र्जः में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-11-1984

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5348--अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

अंश जिसका सं १ प्राट नं २ को है, तथा जो पालरीकर कालोनों, इन्दार में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में ओर जो पूर्ण रूप से विशित है) प्रजिस्ट्रोक्शनी अधिकारी के कार्याज्य इन्दौर में प्रजिस्ट्रोक्सण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एमें इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण ते हुन्द किसी आय की वाबत , उज्जल विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मां कभी कारने या उससे मजने मां भृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी अय या किसी अन अव्य किस्ता को जिस्हों भारतीय भारकर आंची के 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में निविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के क्रमणण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रानानमल पुत्र बतुमल कुकरेजा.
 तर्फो आ० मु० श्री मनोहरलाल पुत्र श्री संबक्षराम जी।
 निवासी -53/3 पनशीकर कालोनी, इन्दौर, म० प्र० (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एहमद पति श्रो सैयद मोईदोन एहमद निवासी 106, नन्दलालपुरा, इन्दौर म० प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हैं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया नया हैं।

अनुसूषी

प्राप्त त० 6-को है, जो पत्रणीकर कालोती, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी विहित है, तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> दीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-4, भोपाल

विनांक: 7-11-84

त्रक्ष मार्ड. टी. एमं, एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुसता

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 9 नवस्वर, 1984 निर्वेश सं० आई० पूँए० सी०/अर्जन/भोषाल/53749—— अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिया कि प्रति अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

और जिसकी सं मकान नं 36/93 (पार्ट) है, तथा जो पाटनकर बाजार, नण्कर, खालियर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजर्द्धीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजर्द्धीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलाक मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंस-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्यों से उसत अन्तरण निचित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक क वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुश्रिधा के लिए; और/या
- (ल) इसी किसी तथ्य या किसी तन या अध्य अग्रेस्तर्या को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 10.25 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अभकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जीना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः, अव, उत्कर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, स्वक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रोमती कैं शरबाई पित श्री गप्पुलालजी. निवासी डिडवाना और्ली, लण्डार. ग्वालियर, म० प्र०

(अन्सरक)

 श्री विष्णुकुमार पुत्र मोहनलाल जी निवासी सदर बाजार, मोरार, "ग्वालियर", म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वाविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पर्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वस समि

णार्टंज और मकान नं० 36/93 है, जो पाटनरकर बाजार, नम्कर, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित्त है, तथा अन्तरिति द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 9-11-1984 मो**ह**र ः प्ररूप. आहुर, टी. एन. एस. -----

आग्रक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) जे अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आधृतत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

निवेश सं्े आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/5350—अतः मुझे बोरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 35/93 है, तथा जो पाटन कर बजार लग्न कर. ग्वालियर में स्थित हैं और इसमे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कर से वर्णिन हैं) रिजिस्ट्रों कर्ता अधिकारों के सार्यालय ग्वालियर में रिजिस्ट्रोकरण से अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन विनास मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृल्य सं क्ष्म के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला स्था प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला कर से किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अश्रीन कर दोने के अन्तरत के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृदिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम . या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपानें में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ५०धारा (1) के अधीन, निस्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्रामतं केणर बाई पहिन श्री गण्पुलाल जी, निवासी डिडवाना औली लक्कर, ग्वालियर म०प्र० (अन्तरक)
 - सुरेश चन्द्र पुत्र श्रीमोहनलालजी निवासी सदर बाजार, मुरार ।

(अन्तरिती)

तार्गे यद पातना जारी करके पूर्वेकित संपत्तित के आर्थन के लिए पार्थवाहियाँ करता हुएँ ।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में करोड़ी भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों किन व्यक्तियाँ में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया

अनसभो

मजाम नं ० 36/93 है, जो पाटनकर के बजार, लाग्कर, खालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी में निहित्त है, तथा अन्तरिती हारा सत्यापित किया गया है।

वीरिन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयका आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, भौपाल

दिनांक: 7-11-1984

मोहर

प्ररूप बाह्र'. टी. एन. एस. -----

शायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

'कार्याक्षय, सहायक बायकर भागुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/5351—-अनः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डम्प्पेर परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 . ∂⋴67 - रह. से **अधिक ह**ैं। और जिसको स० मकान नं 36/93 है, तथा जो पाटनकर वाजार, लक्कर, ग्यालियर में स्थित हैं (<mark>अ</mark>रि **इससे** उपायत अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से दिणित है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय खालिया में रिकस्ट्रोरायण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मार्च, 1984 कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास इस्तेका कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुल्य, उसके कस्यमान प्रतिफल से**, एसे कस्यमान प्रतिफल** का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित। में भास्तिक भए से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त एधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के शियत्य में कमी करने में उसमें बचने में सुविध्य के लिए; और/या
- रिया ए.सी वार्य के आप राग निकार पर या अग्य शाक्ता की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकार अधिनियम , या धनकार अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , किपाने में सिकार के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रोमता केपार बाई पत्नो आ गण्युलाल जी बाकलीयाल, निवामी डाडवाना औला, लक्क्षर, ग्वालियर म०प्र० (अन्सरक)
- श्री सुरेश चन्द्र जैल, पुत्र श्री मोहललाल जी जैल, शिक्षाक्षा सदर बाजार, मुरार, म० प्र०

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मक्ति के अर्जन के लिए अर्ज्यवाहिया करका हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप---

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक किसी के में किए आ अपन में

स्थव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

जनसूची

मकान नं० 36/93 है, जो पाटनकर बजार, लक्कर खालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जा में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

बोरेन्द्र कुमार बंदनबाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-11-1984

माहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-व (1) के बधीन मुखना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

निदेश सं० श्राई० ए०सी०/भर्जन/भोपाल/5352—-श्रतः मुझे बीरेन्द्र कुमार वरनवाल

भागकार शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि न० ब० नं० 264, हाल मुकाम नं० 24/1 है, सथा जो ग्राम जबलपुर, तह० जिला ० जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय

जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां क मार्च, 1984

करे पूर्वोक्ष्त संपत्ति के उन्तित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिर वाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रश प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित् में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिलिधा के लिए;

अत: अत्र, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण जे भी उत्रत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---35-34(C1/54 श्री सुभाग चन्द्र मसुरहा पिता श्री रामनाथ मसुरहा नित्रामी 149, कोनवाली बार्ट जबलपुर, म० प्र० (श्रन्सरक)

2 श्री सखनलाल पुनासे पुत्र श्री प्रह्लाद दास जी पुनासे निवासी 26, श्रानन्द नगर, कालोमी, श्राधारतल वार्ड, जवलपुर, म० प्र०

(ग्रस्तरिती)

को बह सुनना कारी करके पृथानित सम्परित के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में खोई भी बाबोद:--

(क) इस स्वना के शक्यन में प्रकाशन की तारी खं 45 विन की जनिथ या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर स्वना की तायील से 30 दिन की अवधि, को भी बर्धा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका स्थितायों में से किसी व्यक्ति हवारा;

इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय हैं

45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सक्यारित में हितवबूध
किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, को अवद अधिनियम, के अध्याय 20 क में दीरमाईकत ही, वहीं कर्य होगा को उस अध्याम हों दिया गया ही।

बगुतुवीं

भूमि न० ब० नं० 264 हाल मुकाम नं० 24/1 है, जो ग्राम जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा प्रमारिती द्वारा सन्यापित किया गया है।

वीरेश्व कुमार बस्तवाल, सक्तम प्राधिकारी, (निरीकी) सहायक आयकर आयुक्त, धर्जन रेंज, भीपाल

दिनांक 7-11-1984 मोहरः प्ररूप् आई.टी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीम सुचना

शारत सरकाड

कार्म्यालय, सहायक **आधकर आधृक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1984 निर्देश सं० प्रार्द्दे० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/5353—प्रतः मुझे वीरेब्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उन्त अधिनियम' बहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सकम प्राधिकारी को यह निश्थास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुः, से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ं एकान नं 301/1 है, तथा जो बीरोन बजार, छोटापुरा सिविल लाईन बिरायपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक श्रमुमुणि में पूर्ण रूप में विणात है) रशिस्ट्रीकर्ती अंकिंगों के विधिलय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम. 1908 (1908 को 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वर्यमान क्षिक्तिक के के किए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास किंकिंग केंग्रिक के किए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास किंकिंग केंग्रिक के किए प्रमुख्य , किंकिंग के प्रमुख्य के किए के विश्वास के प्रमुख्य , किंकिंग से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिय त्य पाया गया प्रतिकत निम्मलिकित उद्देश्य में अक्त जन्तरण निकिस में अध्या के किया से किंकिंग से किया गया ही किया से किया निम्मलिकित उद्देश से अक्त जन्तरण निक्तिस में अस्ति के अस्य से किथा तक्षी किया गया है:--

- (ध्य) अन्तरण से हुई किसी जाव की बावत्, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा खे किए; और्/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विशा का या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्वावण के स्थि,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, हो, लेक्ट अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिग्निस व्यक्तियों, अर्थात् :---

शी जगन्नाथ पुत्र श्री भान्ता राम पिगे, निवासी 201, शंकर नगर नागपुर, हाल मुकाम बाहरिंग वाजार, रायपुर, म० प्र०

(अन्तरक)

 श्री कमलकान्त पुत्र श्री प्रिया नाथ वसक. निवासी बाडरिंग बजार, रायपुर म०प्र०

(ग्रन्तरिती)

कां थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से \$\delta\$5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में धे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस का खर्जने (ध

स्थब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

मकान नं० 301/1 है, जो बीरोन बजार, छोटा पुरा, सिबिल लाईन रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती हारा संस्थापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आगकण आयुक्त (विरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक 7-11-1984 मोहर: प्ररूप भार्दे. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 नवम्बर, 1984 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5354--श्रतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 274/4 व 276/4, हल्का नं० 13/1 है, तथा जो ग्राम सरेखा, तहसील व जिला बालाघाट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वालाघाट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उब्दोख से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्हरण वो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा ी) के अधीन, निम्मालिधित व्यक्तियां, अर्थात् :--- मैसर्स कीर्ति फर्मस प्राइवेट लिामटड, रायपुर का श्रीर सिं मैनेजिंग डायरेक्टर कमलेश कुमार पिता श्री घेवर चन्स जैन, निवासी सदर, रायपुर, म० प्र०

(ग्रन्तरक)

 विवेक सहकारी गृह निर्माण समिति मर्या०, बालाघाट की श्रोर से श्रध्यक्ष श्री पूरन कुमार पिता जेठानन्द श्रडवानी, निवासी वार्ड नं० 11, बालाघाट ।

(श्रन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपें :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

मन्स्ची

भूमि पर बना हुआ मकान नं० 274/4 व 276/4 है, जो ग्राम सरेखा, तह० व जिला बालाघाट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) वर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 7-11-1984 मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भारकत श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए०सी०/धर्जन/भोपाल/5355—स्वतः मृक्षे, पीरेन्द्र कुमार बरमवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पुरुष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परम्स् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च चे ज़भीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि से० से० 1.214, हैक्टर नं० 99/2 है. तथा जो प्राम खेरी, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नासिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन: निम्निनिस व्यक्तिस्यों, अधीत्

- 1. (1) जयन्तिलाल पुत्र श्री जेथालाल
 - ((2) शिवलाल पुत्र श्री देवचन्द भाई
 - (3) प्रहलाव भाई पुक्ष श्री आत्माराम
 - (4) विष्णु भाई पुत्र श्री नवीन भाई, सभी निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

 हर्ष नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, भर्या० पजी० श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री दयाराम तुरकर, निवासी जबलपुर म० प्र०

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकंपूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वनुस्ची

भूमि रखबा खसरा नं० 99/2, क्षेत्रफल 1.214 हैक्टर, है, जो ग्राम खैरी, तह० जिला जब्लपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फ़ार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापिन किया गया है।

> विरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल,

दिनाक 9-11-1984 मीहर: प्ररूप . मार्च . टी . एन . एस ., -----

माग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत स्रकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रज, भोपाल

भाषाल-धिनांक १ नवस्वर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/5356---यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या भूमि पर बना हुआ मकान नं 114/1 है, तथा जो मौजा, मकरोरिया बुजुर्ग, सागर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोक्सी अधिकारों के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रोंक्सण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिजित में शास्तिक रूप से कथिए नहीं किया ग्या है हु---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्ट जिमिनयम के बधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के सिए: जरि/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या क्य अस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविभा के निए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निकित व्यक्तियों, अधीन, १००० (1) श्राः बाबूलाल पुत्र श्रोः खुवे कुमार, निधासा-मकरोरिया बुजुर्गे, सागर (म० प्र०)।

(अम्हरक)

(2) अध्यक्ष मानस मगर गृष्ट् निर्माण सहकारो समिति मयौदित, सागर (म० प्र०)।

(अम्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को भर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की व्यक्तियों पर मूचना की तानीस से 30 दिन की व्यक्ति को भी स्विध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाव तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, बही जर्थ होंगा जो उस बच्चाम में दिया गया है।

अपृत्यी

भूमि पर बना हुआ मकान मं० 114/1 भौर 2.45 एकड़ है जो प्राम मकरोरिया बुजुर्ग, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा संस्थापिस किया गया है।

नीरंग्द्र कुमार बरनकाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 9-11-1984

मोजूर :

प्रकृप बाहै. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्राह

कार्यालयं, सहायक गायकर भायकत (निरौक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 तबस्बर् 1984

निर्देश सं० अर्थ्ड० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5357--युटः, मुझे, विरेन्द्र कुमार बरनेवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 77.13 लगानी है, तथा जो ग्राम माधवगढ़ तहसील रथुराजनगर जिला सतना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधेन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरिहियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के निए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के सिए;

 रमेण घन्द्रा पुत श्रे जगदंश घन्द्रा
 विद्याप्रकाश पुत श्रे जगदंश चन्द्रा
 उमेश चन्द्रा पुत श्रे जगदंश चन्द्रा निवासे-साधवगदः तहसंल रघुराजनगर जिला सतना ।

(अन्तरक)

(2) 1. धर्मदत्त पुत्न श्री गांपाल दत्त
2. श्रीमती अहिल्या पत्नी श्री धर्मदत्त
3. श्री पुणवेंद्र पुत्न श्री धर्मदत्त
4. श्री नीलेन्द्र पुत्न श्री धर्मदत्त
निवासी-श्रदैया, सतना
(म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्त में किये जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयूथत शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

ग्रनुसूची

किता रकबा 77 13 लगानी है, जो ग्राम माधवगढ तहसील रघुराजनगर, जिला सतना में स्थित है। यह वह सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा स्त्यापित किया गया है।

> घीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

मूक्त मन, उन्त मीधीनयम की धारा 269-ग के मनुसरण भें, में', उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमानिसित स्थितिसों, मर्थात क्ष्म

तारीख: 9-11-1984

प्ररूप बाद्दी,दी,एन,एस., -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुक्टा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देण सं० आई० ए० मी/०/अर्जन/भोषाल/5358--यतः, মুझो, दोरैन्द्र कुमार वरनवाल,

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं 20/2, 35, 38/1 स्रीर 38/2 है, तथा जो ग्राम गायखुरी, बालाघाट में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालाघाट में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, मार्च, 1984

के प्रयोगन नम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्स जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, शिक्षा प्रमेन्कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अगा चाहिए था, फिपाने में अधिका के निए;

(1) श्रं: ग्रविका प्रसाद पिता छोटेलाल मिश्रा निवास-वार्ड नं० 12, बालाघाट (स० प्र०)

(अस्तरक)

- (2) 1. श्र.मतः सविता नैमा पत्नीः विनोद नैमा निवासः 17. वालीघोट
 - ग्रोभा गौतम पत्नी बी० एम० गीतम निवासी बाई नं० 15, बालाबाट
 - श्रीः संदीपः कुमारः
 - अी सचिन कुमार वल्द वलीगोपालदास अग्रवाल वल्द राधाकुष्ण अग्रवाल निवासी वार्ड नं० 7, बालाघाट
 - 5. श्रीमती गंगादेवी पत्नी स्व० बाबूराम टाकुर निवासी वार्ड नं० 15, बालाघाट
 - 6. श्री द्वारिकाप्रसाद पुत्र श्री शंकरलाल गुप्ता निवासी वार्ड नं० 15, बालाघाट
 - श्री कमलेश कुमार पुत्र श्री चतुर्भुज खोखरे.
 - ९ श्रामनः सुपमा जैन पत्नी डा० आर० के० जैन
 - 9. श्री प्राणेण राव पत्र श्री एम० के० राव

(अन्तस्तिः)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। गया है।

वनुस्ची

भूमि खसरा नं , 20/2, 35, 38/1 और 38/2 है जो ग्राम गायखुरी तहसील और जिला बालाधाट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है. तथा अन्तरिन, द्वारा सत्यापित किया गया है।

बे,रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायण आयप्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाच

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अथीत हुन्य

नारीख: 9-11-1984

.क्ष्म नाइ . दी . एन . एक ---------

भावकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बारव बरकार

कार्याजय सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० चाई॰ ए० सी०/धर्जन/भोपाल/5359—यतः, मुझे, जीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25.000/- रा. से विधिक हैं

जिसकी संख्या जमीन पर बना हुन्ना मकान नं 0 188 भौर 192/1 है, तथा जो मौजा बालाबाट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रन्- सूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय, बालाबाट में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, मार्च 1984

की पूर्वीकर सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके करयमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिश्वत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितिथों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल मिन्नीकवित उज्जेष्य से सकत बन्तरण मिजित में वास्तिक रूप से की थत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वंड्राइ किसी बाब की बाबत, उथस विधिनम्ब के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्व के कमी करने या उत्तर्श करने में स्विशा के किए; और/वा
- (च) एसी किशी जान था किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निभिनियम, था धनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ नस्तिरती बुनारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने भें सुनिया के किए?

वतः भव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के वन्तरण वें, जें, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) कें बधीब, क्यानिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह----

- (1) 1. श्री टेंकचन्द पिता श्री हीरालाल श्रीवास्तव, वार्ड नं० 6, बालाघाट हाल मुकाम मोदाह यु०पी० (उत्तर प्रदेश) ।
 - लक्ष्मीप्रसाद पिता श्री हीरा लाल श्रीवास्तव वार्ड नं० 6, बालाघाट
 - धरनीधर पिता श्री हीरालाल श्रीवास्तव बार्ड नं० 6, बालाघाट हाल मुकाम जवलपुर, रामपुर जिला जबलपुर।

(श्रम्सरक)

(2) नरेन्द्र कुमार पिता श्री धाज्ञाराम गह्धील वार्ड नं० 11, स्टेशन रोड बालाघाट तहसील जिला-धालाघाट ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष्:--

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य अथित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्वव्यक्तिरण: ----- इसमें प्रयुक्त सन्यों नीर पवां का, जो खबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ग्रनुमूची

भूमि पर बना हुन्ना मकान नं० 188 श्रीर 192/1 है जो मीजा बालाघाट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है, तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> त्रीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-11-1984

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/5360— यतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि पर बना हुन्ना मकान नं 396/2, प०ह० नं 58 है, तथा जो मौजा जरोदा तह० ग्रौर जिला दुर्ग में स्थित है (ग्रौर इसमें उपादद श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शधीन, मार्च, 1984

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापनिक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उदयास्य से उक्त अन्तरण जिशित में सम्पत्तिक का किया में किया का से किया नहां किया गया है:---

- (क) श्रन्भश्य स हुई किसी आम की अबत उक्त अधि-विचय के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/बा
- ंग) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था दिएपनी ने स्विधा के लिए;
- ा अर्थ, उक्त जीविनया की भाग २००-म भी अवसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा २०९-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अथिति:—— 40—346GI84

- (1) 1. जयेश पुत्र श्री मोहनलाल
 - 2. श्रीमती चन्दनवाई पत्नी स्व० श्री मोहनलाल निवासी--ग्राम चरोद तह० जिला दुर्ग (म०प्र०) (ग्रन्तरक)
 - (2) छन्तीसगढ़ विकास गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादिन भिलाई-- 3 चरोदा, दुर्ग (म० प्र०)। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में से विसी त्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीसं पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, के उस अध्याय में दिया गवा है।

नम सची

भूमि पर बना हुआ। मकान नं० 393/2 क्षेत्रफल 2 00 हैं जो ग्रांस चरोदा तह० जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थवर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित हैं, तथा श्रन्तरिती द्वारा स्त्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम श्रविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-11-1984

प्रसम्ब बन्ह". टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5361——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाक्ष करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि पर बना हुन्ना मकान खसरा नं 25, 1, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11 श्रीर 25/14 है, तथा ुजो मौजा कोहा, तह श्रीर जिला दुर्ग में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनु— सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984

क्ये पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्त किक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) जन्तरण से हुन्द किसी काथ का काबस, उन्हर सीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में कविभा के लिए: आरि/या
- (च) ऐसी किसी साम या किसी थन या बन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि ला जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए

कतः ज्या, उक्त अधिनियम की वाश 269-ग के अनुबस्ध मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री एम० राजामणी पुत्र श्री पी० मदिराम
 - 2. श्रीमती बिमला पत्नीं श्री एडविन नाडार निवासी-भिलाई नगर, तह० श्रौर जिला दुर्ग म० प्र० i (ग्रस्तरक)
- (2) 1. श्रीमती गीता मालवीया पत्नी श्री गोविन्दप्रसाद
 - 2. श्री गोविन्दप्रसाद पुत्र श्री मोजीलांल मालवी निवासी-दीपक नगर, दुर्ग (म०प्र०)। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी कारके पृथावित सम्पत्ति के अर्थन के लिए भार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय रें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किली व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के एाम निकास में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

भूमि उस पर बना मकान नं० 25, 1, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11 श्रौर 25/14 है, जो ग्राम कोहका, तह० जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रस्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्ज रें ज, भौपाल

तारीख: 9-11-1984

प्रकथ बाई. टी. एत. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवस्व

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/5362--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 में के लिए स्टान प्राचना से हारे यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या भूमि रकबा नं० 27 है, प०ह० नं० 78 है, तथा जो मौजा पोलसायपारा, दुर्ग में स्थित है (स्रीर इससे उपा~ बद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पर्य का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पर्य का का उचित बाजार पर्य का उचित का पर्य का पर्य का पर्य का पर्य का पर्य का अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिबक का का का का का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिबक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में कमी करने या उसते अजने में सुविधा को लगा और/था
- (थ) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया भण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिया के लिए;

जतः अतः, उत्ततः अभिनिधम की भारा 269-ग को अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन. निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बालूराम वल्द श्री रतीराम महोबिया निवासी-पोलसायपारा दुर्ग (म०प्र०)।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. गौतभवन्द ग्रात्म० स्व० श्री रानूलाल पारख
 - 2. जयंतीलाल पारख
 - 3. श्रीमती कुसुम पारख
 - श्रीमृती फूलबाई
 निवासी-भागीदार मेसर्स जैन स्टोर्स, मेन रोड,
 पोलसायपारा, दुर्ग (म॰प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में काहे भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकेंगे।

स्पत्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, जो उनत् विधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

वर्त्स्त

भूमि रकबा नं ं 27 है, प० ह० नं ० 78 है जो पोलसायपारा, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में निहित है, तथा प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रें ज, भोपाल

तारीख: 9-11-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निदश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5363— अत. मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि उस पर बना हुन्ना मकान नं० 836 / 5, क्षेत्रफल ० 25 है, तथा जो मीजा जुना-बिलासपूर,

विलासपुर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ भनुसूची में ग्रीर पूर्ण, रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं क्या गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बहादत शर्मा पुत्र श्री हरीशचन्द्रा शर्मा, निवासी--लिन्क रोड, बिलासपुर ।

(भन्तरक)

(2) कुमारी रशमी बुआ पुर्वी श्री पी० पी० बुआ नटकर गोविंद मोथेर श्रीमती राज दुआ निवासी विनोद नगर, बिलासपुर म० प्र०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां नह करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि पर बना हुआ मकान नं ० 836/5, 0.25 क्षेत्रफल है, जो ग्राम जुना बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37 जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 9-11-1984

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाइत परकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०√ग्रर्जन/भोपाल/5364—यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुज से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि पर बना हुग्ना मकान नं० 836/5 है, तथा जो ग्राम जुना तह० जिला बिलासपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च, 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उजित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का नन्त्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उन्तर श्रीभ-नियम को शंभीन कुर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या अससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वज, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण ग, थी, उपत अधिनियम की जारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हरू

- (1) श्री ब्रह्मदत्त शर्मा पुत्र श्री हरीशचन्द्र शर्मा निवासी लिंक रोड, बिलासपुर (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राज दुआ पत्नी श्री पी० पी० दुमा निवासी-विनोद नगर, बिलासपुर (म० प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं. 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित इं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि उस पर बना हुआ। मकान नं० 836/5 है जो ग्राम जुना-बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-11-84 ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5365—यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 52-ए, स्टोर है, तथा जो इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सृविधा के लिए;

- (1) श्री रमेश चन्द्र खेरा पुत्न श्री देवराम खैरा, निवासी-94, मालवीय नगर भोपाल (म०प्र०)। (अन्तरक)
- (2) नाबालिंग कुमारी देवी गृहा पुत्री श्री कुमुद रंजन गृहा निवासी-196, इन्द्रपुरी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 52-ए,-स्टोर है जो इन्द्रपुरी भोपाल में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण हुँफार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मंन, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख :12-11-1984

मोहर ः

अरूप शार्ष: टी. एन. एस. ------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनाक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 5366---श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मृल्य 25,003/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 42 ग्रीर 48 है, तथा जो नीर सिंधु टाकिज, बेरागढ़, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च, 1984

को प्वािं भर्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वािंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल निम्नसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त-रिक अप से किशत नहीं किया स्था है:----

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शिवक की सभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कानी करने वा उससे दचने में स्विभा के लिए; और/या
- (का) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अनिहर कर छिपाने भें सविधा के लिए:

अत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की वर्षभारा (1) के अधीन, निम्निसिलित 'रिस्तियों', अर्थात !---- (1) श्रीमती म्रहिल्या बाई पत्नी स्व० श्री चेलाराम जी निवासी तया ए-8, बेरागढ़, भोपाल ।

(मन्तरक)

(2) पार्वती बाई परनी श्री कैरोमल निवासी—नया बी—8, बेरागढ़, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)_

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्यूंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुखी

प्लाट नं० 42 श्रौर 48 है जो सिंधु टाकिज, बेरागढ़, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विधरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा श्रम्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनव सक्षम प्राधिकः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-11-1984

प्रकृष कार्षं टी. एन एस.

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (३) के संधीन सूचना

शास्त्र शरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/5367—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रः. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 22, ए सेक्टर है तथा जो इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है (भौर इसमे उपाबद श्रनुसुची में भौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान एतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण मिनिबत में सस्तियक रूप से कथित महीं किया गया है:

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिजयम से अभीन कर दोने के सम्बरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में जुविधा के सिक्श करि/का
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं निरुष्ण गवा था बिक्या बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

क्रतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निमनलिक्षित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री फखरूदीन पुत्र ग्राली मोहम्मद, भागीदार जे०के० मेडीकल हाल, चौक, भोपाल, (भ्रन्तरक)
- (2) 1 दीन दयाल ग्रंसारी पुत्र श्री मलयूलाल ग्रंसारी
 - 2 श्रीमती शकुतला पत्नी नाथुराम ग्रसारी निवामी-जड़ा भसहटा, छतरपुर (म०प्र०) (ग्रन्तरिती)

भी यह सुणना जारी कारकं पृथींकत संपत्ति कं अजन के लिए कार्यनाहियों करता हो।

बक्त सम्मत्ति के कर्जन के सङ्ग्रन्थ में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस स 45 दिन की अमधिया तत्सनेथी करिनत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि को भी बब्धि मान में सभाष्य होती हो, के भीतर प्राधित व्यक्तिसों में संकिसी व्यक्ति हुनाया;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीश्य से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति युवारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया स्या है।

नन्त्यी

प्लाट नं 22, ए-सेक्टर है जो इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण कार्म नं 37-जी में निहित है, तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापिस किया गया है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सज्जम प्राजिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-11-1984

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd November 1984

No. F.6 84-SCA(I).—Shri P. S. Bhatnagar, Section Officer, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of October 31, 1984.

S GHOSH, Assistant Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 10th October 1984

No. A-32011 | 1 | 83-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period from 28-8-84 to 11-10-84, or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.

Name

- 1. Shri B. N. Arora.
- 2. Shri I. P. Tuli.
- 3. Shri K. L. Suri.
- 4. Shri B. D. Sharma.

The 23rd October, 1984

No. A-32011|1|83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Mukul Chatterjee, Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period from 18-9-84 to 1-11-84 or until further orders, whichever is earlier.

No. A-32013|2|84-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 28-7-84 the President is pleased to appoint Shri L. B. Sinate a permanent Grade I Officer of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a period of 3 months w.e.f. 20-9-84 or until further orders, whichever is earlier.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.). UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 20th October 1984 CORRIGENDUM

No. A-32013|4|84-Admn.II.—In this office Notification dated 9-10-1984, the number appearing on the top may be read as "A. 32013|4|84-Admn.II" instead of "A.32013|4|83-Admn.II".

The 23rd October 1984

No. A.32018|4|83-Admn, II.—In continuation of this office notification of even number dated 4th August, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S|Shri D. R. Anand and V. K. Vohra, permanent Programme Assistant-cum-Consol Operators in the office of Union Public Service Commission as Programmers (Group 'A') in the Commission's office for a further period of 3 months w.e.f. 13-10-1984 to 12-1-1985 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

This appointment is subject to the approval of the Union Public Service Commission.

Their appointment as Programmer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority in the post.

VIJAY BHALIA,
Section Officer (Admn.II)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 9th November 1984

No. 3|33|82-Adm.I.—Consequent upon his appointment as Deputy Secretary in the Fourth Pay Commission under the Ministry of Finance, Department of Expenditure, Shri Ajoy Prasad IPS (WB-1969) has relinquished the charge of the post of Assistant Director (Training), Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the foreneon of 5th November 1984.

S. K. MALLIK, Director General.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th October 1984

No. E-32015(4)|67|84-Pers I.—President is pleased to revert Shri K. M. Balagopal, Assistant Commandant (Ad-hoc) CISF Unit MPT Madras with effect from the forenoon of Executive with effect from the afternoon of 31st August 1984. On reversion as Inspector Executive he has been posted to CISF SZ (Trg. Reserve).

The 27th October 1984

No. E-32015(3)|1|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri N. C. Sood, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit MPT Madras with effect from the forenoon of 4th May 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for the period upto 26-9-84 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|159|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri R. V. Rai, on promotion as Assistant Commandant (R&T) CISF HQrs New Delhi with effect from the forenoon of 27th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

No. E-32015(4)|128|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri Madan Mohan, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharla with effect from the forenoon of 18th September 1984.

No. E-16013(2)|14|84-Pers I.—On appointment on deputation, Shri H. R. Kataria, IPS (AP:75) assumed charge at CISF HQrs New Delhi in the forenoon 10th August 1984 and was posted to CISF Unit V.S.P. Visakhapatnam where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit V.S.P. Visakhapatnam with effect from the forenoon of 27th August 1984.

No. E-16016(2) |2|84-Pers I.—On transfer on deputation from the office of Controller General of Accounts, Ministry of Finance, Deptt. of Expenditure, Khan Market New Delhi, Shri R. S. Bachheti, has assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Directorate General Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the foremon of 12th October 1984.

Sd|- ILLEGIALE Director General|CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 23rd October 1984

No. PD-3|7503.—In continuation to this office Notification No. PD-3|694 dated 13-4-1984, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Anand as Assistant Works Manager in the Pay Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended from

1-9-1984 to 27-11-1984 or till further orders, whichever is

The 7th November 1984

No. 7(59) 7700.—In continuation to this office Notification No. 7(59)13630 dated 11th March, 1983, the ad-hoc appointment of Shri Raj Kumar as Assistant Chief Chemist in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period upto 31-12-83.

The 8th November 1984

No. 7(59) 7707.—Shri Raj Kumar, ad-hoc Assistant Chief Chemist is appointed on regular basis in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-8-1984. He will be on probation for a period of 2 years.

> S. R. PATHAK. General Manager.

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 17th September 1984

No. 176.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) made in the meeting held on 18-8-1983, the General Manager, India Government Mint, Bombay, is pleased to promote the following officials on regular basis to the posts mentioned against each with effect from 18-8-1983.

- 1. Shri T. P. Kalyanraman, Administrative Officer.
- 2. Shri K. R. Kunjappan, Accounts Officer.
- 3. Shri C. S. Mandrekar, Bullion Registrar,
- 4. Shri M. S. Chary, Purchase & Stores Officer.

V. RAMAMURTI. Chief Accounts & Admu. Officer for General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 12th November 1984

No. Admn.I.O.O.No. 274.—Shri Rajender Nath Tirkha an officiating Audit Officer and permanent Section Officer of this office expired on 26-10-84 and his name has consequently been struck of the rolls of this office with effect from 27-10-84.

The date of birth of Shri Tirkha is 15-8-36 and he joined Govt. service on 7-4-58,

Sd |- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 17th October 1984

No. O.E.XI|GO|Promotion|262.—The Accountant General (Audit-I): I Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote Shri T.C. Gupta, Asstt. Audit Officer as Audit Officer in an officiating capacity in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the date of his taking over as noted against him.

Name	Permanent No.	Date of taking over	Allocated to
1	2	3	4
Shri T.C. Guj	ota 01/325	5-10-84 A.N.	A.G.Audit Bhopal

(Authority: -A.G. (Audit): I Orders dated 29-9-1984)

8di- ILLEGIBLE

Dy. Accountant General (Admn,)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 29th October 1984 IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLIHSMENT)

No. 6|909|70-ADMN(G).—On attaining the age of superannuation. Shri J. Colton Samuel Controller of Imports and Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports, Modras has been retired from Government service with effect from the afternoon of the 30-9-1984.

> M. L. JAYANT. Dv. Chief Controller of Imports & Exports. For Chief Controller of Imports & Exports.

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay 400 020, the 23rd October 1984

No. CER|3|84|9.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notifications No. CER|3|69 dated the 19th September, 1969 namely:—

In the said notification :-

Sub-paragraph 2 (a) of paragraph VIII shall be substituted to read as under :-

"2(a) the height of the letters and figures used shall not be less than (1) one cm. for markings specified in paragraphs II, IIIA(i), IIB, III, IIIA, IIIB, IIIC, IIID, IIIE, IIIEE,

IIIF, IV, V, and VII (Other than cones) (2) Three cms. for the markings specified in paragraphs VI and VIIA (Other than cones) and (3) Not less than one quarter of a centimeter for markings to be made in case of yarn packed in cones specified in paragraphs VII and VIIA"

The 24th October 1984

No. 5(2) |84|CLB|10.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4(2) read with Clause 9 of the Art Silk Textiles (Production & Distribution) Control Order 1962, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)|81-CLB-II dated 23rd November 1981 namely:—

In the said Notification, after Clause V, the following proviso shall be added :--

"Provided that in the case of Art Silk yarn packed in cones or cheeses, the letters or figures should not less than one quarter of a centimeter in height.

The 30th October 1984

No. EST.F-37(6)|84|5624.—The President is piersed to appoint with effect from the 10th October 1984, and until further order Shri K. S. Desikan an ad-hoc Director (CP) in the Office of the Textile Commissioner, as regular Director (CP) in the same office.

The 31st October 1984

No. EST.I-37(9) 84 5638.—The President is pleased appoint with effect from the 10th October, 1984 and until further order Shri A. K. Verma an ad-hoc Director (NT) in the Office of the Textile Commissioner, as regular Director (NT) in the commissioner, as regular Director (NT) tor (NT) in the same office.

> S. RAMAMOORTHI Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st October 1984

No. A-19018(66)|73-Adma.(G)VolJI.—The President is pleased to permit Shri M. P. Rao, Asstt. Director (Gr.I) (L|F) SISI, Hyderabad to retire from Government service on attaining the age of superannuation w. e. f. afternoon of 30.6.1984

No. A-19018(105)|73-A(G)Vol.II.—The president is pleased to permit Shri S. M. Varshney, Dy. Director (Hosiery) SISI, Ludhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation w. e. f. afternoon of 31-8-84.

No. A-19018(264)|76-Admn|(G).—The President is pleased to appoint Shri K. Vasudevan, Asstt. Director (Electronics) SISI, Trichur as Dy. Director (Electronics), at SISI, Bangalore on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 18-4-84 until further orders.

No. A-19018(262)|78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. V. Reddy, Asstt. Director (Gr. II) (G|C), SISI, Hyderabad as Asstt. Director (Grade I) (G|C) at the same Institute on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 26-4-84 until further orders.

No. A-19018(655)|82-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri P. D. Radhakrishnan, Asstt. Director (Gr. II) (Electronics), Field Testing Station, Madural, under RTC, Madras to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 31-8-84.

No. A-19018(704)|83-Admn.(G).—On discontinuance of his ad-hoc appointment Shri S. R. Bhatacharya, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) (Electrical) at Field Testing Station, Dehradun under Regional Testing Centre, New Delhi on the afternoon of 13-7-1984.

No. A-19018(753)|84-A(G).—The President is pleased to appoint Shri P. N. Ramamurthy, a Grade III Officer of the (IES) as Dy. Director (EI) in the office of the DC (SSI), New Delhi w.e.f. the forenoon of 1-10-1984 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 9th November 1984

No. A-17011|288|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Sujit Kumar Ghosh, Examiner of Stores (Engineering) and officiating Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay from the forenoon of 28th September, 1984 until further orders.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th October 1984

No. A-1 1(735).—Shri Mukat Behari Lal, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Supplies) (Grade I) in the office of Director General of Supplies and Disposals, New Delhi, expired on 28-10-1984.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

Calcutta-16, the 30th October 1984

No. 7480B|A-19012(1-A.H.)|83-19A.—Shri Asfar Hakim is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650-19- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the Forenoon of the 30-8-1984, until further orders.

A. KUSHARI,
Director (Personnel)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st October 1984

No. A. 19011 (187) | 75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Arora, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 25th September, 1984, for a period of 6 months.

The 5th November 1984

No. A. 19012(175)|83-Estt.A. PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri P. V. Purohit, Assistant Administrative Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31-10-1984 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department.

The 6th November 1984

No. A. 19011 (180)|75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. Rajgopal, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 8th October, 1984, for a period of 6 monts.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

SWASTHYA SEWA MAHANIRDESHALYA

New Delhi, the 31st October 1984

No. A. 19018/8/83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Krishnamurthy Savithri to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Pune on temporary basis, with effect from the Forenoon of the 25th August, 1984.

T. S. RAO Deputy Director Admn. (CGHS. I)

New Delhi, the 12th November 1984

No. A-12025|4|81-(HQ)Admn.I,—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta to the post of Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19th September, 1984 until further orders.

P. N. THAKUR
Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 7th November 1984

No. F. 7-18|84-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri C. S. Grover, Sr. Technical Assit. (Entomology) of this Directorate, as an Assistant Entromologist at Plant Quarantine and Funnigation station, Bongaon in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 11th October, 1984 to 31-12-1984 (AN) on ad-hoc basis.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 31st October 1984

No. A. 19025/10/84-A-UI.—The resignation tendered by Shri A. T. Sankar, Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad has been accepted by the competent authority and he has been relieved of his duties on 5-10-84 (AN).

No. A. 19025/12/84-A-HI.—The resignation tendered by Shri S. K. Jona, Asstt. Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Fandabad has been accepted by the Competent Authority w.e.l. the Afternoon of 15-9-84.

No. A.19025/18/84-A.HI.—On the recommendation of the U.P.S.C. Shri Sayam Sunder Barik has been appointed to officiate as Assit. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Patna with effect from 10-9-84 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

J. KRISHNA,
Director Admn,
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 31st October 1984

No. NAPP|Rectt.|12|84|S|10508.—Project Director Narora Atomic Power Project appoints Shri C. D. Pillai, a Permanent Assistant Security Officer in Heavy Water Projects, Bombay to officiate as Security Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from October 17, 1983 (AN). He relinquished charge of the post of Security Officer in this Project on the afternoon of June 19, 1984 consequent on his transfer to Nuclear Power Board, Bombay.

R. K. BALI, Chief Adm. Officer.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 30th October 1984

Ref. 05012|R|5|4240.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri M. Satyanarayana, a permanent Assistant Security Officer Nuclear Fuel Complex to officiate as Security Officer in Heavy Water Plant (Tuticorin) w.e.f. the forenon of August 28, 1984 until further orders.

SMT. K. P. KAUYANIKTTY Adm. Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 15th October 1984

No. VSSC|EST|F|1(17).—The Controller, VSSC hereby promotes the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960|- in an officiating capacity as per the details shown against their names:—

- Sl. No. Name Promoted post With effect from
 - 1.P. R. Sambamurthy Asst. Purchase Officer-1-9-1984 FN
 - 2. K. Somarajan Pillai Asst. Adm Officer-13-9-1984 FN
 - 3. N. Vijayan Asst. Accounts Officer-13-9-1984 FN
 - 4. T. Sivakumar Asstt. Accounts Officer-24-9-1984 F.N.

G. MURALIDHARAN NAIR, Adm. Officer-II (EST) for Controller, VSSC

Trivandrum-22, the 18 October 1984

No. VSSC/EST/A/84—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engieer 'SB' in the scale ofpay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further ord ers:

SI, No.	Name	Divn.	Date of appointment
1	2	3	4
2. 3. 4. 5.	S/Shri/Smt. Mouttou Prebagarane M. Krishnakumar Helen Basil M Naryanan Namboodi D Prakash Paj S. Sukesh Kumar	ELS ELS IRS iripad CGD ELS SMD	18-6-84 27-6-84 12-7-84 16-7-84 31-8-84 24-9-84

G. MURALIDHARAN NAIR Admn. Officer-II (EST)., for Director, VSSC

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd November 1984

No. 1/85/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. K. Goswami, Supervisor of Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity at the New Delhi Branch, with effect from the forenoon of 22nd August, 1984 and until further orders, on a regular basis.

R. K. THAKKER, Dy. Dir. (Adm.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 5th November 1984

No. 16/417/84-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Debra Dun, is pleased to appoint Dr. Nirmal Sudhir Kumar Harsh as Research Officer, Disease Insect Survey, Jabalpur under the Forest Research Institute & Colleges, Debra Dun with effect from the forenoon of 31-1-1984 in a temporary capacity until further orders.

No. 16|428|84-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Paramjit Singh as Research Officer, Botany

Branch, Regional Forest Research Centre, Jabalpur under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the foreneon of 28-6-1984 in temporary capacity until further orders.

> G. S. GROVER. Registrar.

MINISTRY OF ENERGY DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 9th November 1984

S.R. No. P 8(25)/67—In exercise of the powers conferred by Sub-rule(1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Rules, 1949 and in supersession of this office Notification No. P.8(25)67 dated 23-12-1975 and subsequently amended, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee its meeting held on 25-4-1984 constituted the Finance Sub-Commttee consisting of following members:-

1. The Coal Mines Welfare commissioner Dhanbad

Chairman

2. The Chief of Personnel, Employers' Coal India Ltd.,

representatives.

Member

Calutta.

representatives.

3. The Director (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd.

Dhanbad.

Workers' Member

4. Shri Damodar Pandey, Jt. General Secretary. Indian National Mine

Workers Federatoin, Hazaribagh.

5. Shri Hit Narain Singh, General Secretary, Hind Mazdoor Sabha (HMS), Koiri Bandh, P.O. Jharia. Dhanbad. Bihar.

6. The Dy. Financial Adviser, Government of India, Ministry of Energy, Department of Coal, New Delhi.

Co-opted Mem-Member.

R.S. SHIVANI, Coal Mines Welfare Commissioner.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 5th November 1984

No. 23-TR(2)|80.—The Director General of Shipping is pleased to appoint Shri S. K. Sinha working as Radar Simulator Technician on ad hoc basis since 1-12-1980 in the Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay, on a regular basis with effect from 5-10-1984.

> AMITABH CHANDRA, Dy. Dir. Genl. of Shipping.

DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta the 31st October 1984

No. G-65/S.O.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director General. Natlional Test House, Calcutta is pleased to appoint the following Scientific Assistants (Electrical) of National Test House, Calcutta as Scientific Officers (Electrical) in the office of the National Test House, Alipore, Calcutta with effect from the date mentioned against each on a temporary basis until further orders.

SI. No.	Name			a	Date of ppointment
1	1 2			3	
1.	S/Shri Uttarayan Sett .				12-7-84 (F/N)
	Sugata Kumar Chakrabarti Ashok Kumar Mitra	i .		•	26-7-84 (F/N) 20-8-84 (F/N)

J.M. BHATTACHARJEE Deputy Director (Admn.), for Director General, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & CO. AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD,

OFFICE OF THE REGISTRAR OF CAMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Manipurl Commercial Union Limited Shillong, the 26th October 1984

No. Tech|M915|560(5)|3208.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s. MANIPURI COMMERCIAL UNION Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 as of M|s. Ashoka Roadways Private Limited

> > Shillong, the 26th October 1984

No. Tech|M1688|560(3)|3218,-Notice is hereby pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M|s. ASHOKA ROADWAYS PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 as of M|s. Assam Polymer Private Limited hillong, the 26th October 198-

No. Tech M | 1368 | 560(3) | 3221.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M|s. ASSAM POLYMER PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

> D. N. PEGU, Registrar of Companies, Assam, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizogam, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Superior Transports Private Ltd

Madras-600 006, the 29th October 1984

No. DN|4419|560|84,--Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s Superior Transport Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> Sd. - ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Renuka Transports Private Ltd Madras-600 006, the 31st October 1984

No. 3759|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Renuka Transport Private Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of Mis. Bliwas Private Ltd.

Madras-600 006, the 31st October 1984

No. 5719|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Bilwas Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Kamatchi Roadway's Private Ltd.

Madras-600 006, the 31st October 1984

No. 4191|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kamatchi Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M|s. Balu Fabrics Private Ltd.

Madras-600 006, the 31st October 1984

No. 6609|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Balu Fabrics Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Erode Coimbatore Service Private Ltd.

Madras-600 006, the 31st October 1984

No. 695|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Erode Coimbatore Service Private Ltd. has this day been struck off the Registrar and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Quality Dairy Industries Pvt. Ltd. Madras-600,006, the 31st October 1984

No. 3375|560(5)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Mis. Quality Dairy Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Attur Motors Private Ltd.

Madras-600 006, the 6th November 1984

No. 4236|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Attur Motors Private Ltd. has this

day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. |- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Kshipra Leathers Private Ltd.

Gwalior, the 30th October 1984

No. 1479|PS|CP|4113.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kshipra Leathers Private Limited, Dewas (M.P.) unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR, Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of Companies Act, 1956 of Ms. Amalgamated Magnet Wires Private Ltd.

Bangalore-9, the 7th November 1984

No. 4588 560 84.—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Amalgamated Magnet Wires Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Patel Precision Industries Private Ltd.
Bangalore-9, the 7th November 1984

No. 3209|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M.s. Patel Precision Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Mine Trades Private Ltd.

Bangalore-9, the 7th November 1984

No. 1845|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the the name of M/s. Mine Trades Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd.]- ILLEGIBLE Registrar of Companies In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gondwana Publications Private Limited

Gwalior-474009, the 12th November 1984

No. 1922|PS|CP|4185.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gondwana Publications Private Limited Jabalpur (M.P.) unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR, Registrar of Companies, M.P.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Hyderabad the 30th October 1984

ORDER

No. 506—The undermentioned Income-tax Officer is confirmed as Income-tax officer, Class- Π with effect from the date noted against him in Col. No. 3.

Sl. Name of the I.T.O.,	Date from which	How the vacancy
No. and Designation and	confirm e ď	has arisen
place at which		
working.		

1	2	3	4
I	Shri C. Venugopal, ncome-tax Officer, J.Ward, Vijaywada.	1-9-84	Due to retirement of Shri P. Singa Rao, Incometax Officer.

^{2.} The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

V.V.S. SASTRY, Commissioner of Income-tax, Andhra Pradsh-I, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Uma Sen Gupta of 249, Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta-72

(Transferor)

(2) Smt. Sita N. Karia of 222 A, Vivekananda Road, Calcutta-6

(Trausferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta,the 23rd October 1984

Ref. No. AC-82 Acq.R-II Cal 84-85.—Whereas I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot No. 27A situated at Salt Lake City, Sector-I,

Block-CD

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at S. R. A. Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

5.3016 Cottahs of land with structures situated at Salt Lake City in Sector-I, Block-CD, Plot-27A, Dist. 24 Parganas More particularly described in Deed No. I 3847 of S. R. A. Calcutta of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Cab 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Madan Prasad Shah, Master Para, Dibrugarh. (Transferor)

(2) Mrs. Ratna Bora, Hijuguri, Tinsukia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 19th October 1984

Ref. No. A-269|84-85|TSK|534-36.—Whereas, I, C. J.MAWLONG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 22 554 P. Patta No. 22 situated at Hijuguri A. T. Road, Tinsukia Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Tinsukia on 19-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—346GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kathas 16! lessa bearing No. Dag 554 (Eastern Part) and P. Patta No. 22 (khaka) is situated at Hijuguri, A. T. Roaw, Tinsukia Town.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Shillong

Date: 11.10.1984.

29040

FORM I.T.N.S. ----

(1) M[s. United Builders Construction.

(Transferor)

(2) M/s Stresscrete India Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 30th April 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3163|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 510 Balarama, Plot C-3, Block 'E' Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (East), Bombay-400 051,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on

for an apparent consideration which a less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inconst-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used marcin as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

510 Bal rama, Plot C-3, Block 'E' Bandra-Kurla Commercial Curplex, Bandra East, Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority), Bombay under Serial No. AR.II[37FE]3463[83-84 dated 5.3.84.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 14-5-1984. Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th November 1984

Ref. No. III-964|Acp|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,900/-and bearing

Khata No. 1 Plot No. 221, Thana Jharia No. 52. Mauza Dhansar, District Dhanbad situated at Mauza Dhansar. Distr.

Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Dhanbad on 20-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls Dhansar Engineering Co. Pvt. Ltd., Dhanbad through its Director Braj Mohan Agarwalla Slo Laxmi Narain Agarwalla.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pashupati Nath Singh Slo Sri Gauri Shanker Singh,

 Bhubneshwar Pd. Singh S|o Sri Gauri Shanker Singh, Dhansar, Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 8 kathas 4 chhataks situated at Dhansar, District Dhanbad and morefully described in Deed No. 2841, dated 20-3-1984 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Blhar, Patna

Date: 9-11-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th November 1984

Ref. No. III-965 Acp. 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

R.S. Plot No. 70, Khata No. 171, II CH, No. 1857 B situated at Hehal, P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 14-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dr. Mysore Sudhakar Slo Mysore Subha of Hehal P.S. Sukhdeo Nagar Itki Road, Ranchi. (Transferor)
- (2) Mr. Nikhil Yadav Soo Bishundeo Narayan Yadav of Hehal, P.S. Sukhdeonagar, District Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

783 Sq. Meter of land (Equal 11.35 Katha Land with those area situated at Hebal P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi and more fully described in deed No. 3518, dated 14-3-1984 Registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona⁵⁴, the 31st August 1984

Ref. No. IAC Acq|CA-5|37EE|84-85|877|31|8|84.— Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 12|A-3, Flat No. 402, 4th floor, Gopal Nagar, Bhiwandi situated at District Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquin, Range, Pune in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s, Yogi Corporation, PNB House, 2nd floor, Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mr. Rajendra Karman Haria, Kap-Kanneri, Mulchand Compound, Bhiwandi-421 302. Distt, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat at 12|A-3, Flat No. 402, 4th floor, Gopal Nagar. Bombay Agra Road, Near Dandekar factory, Bhiwandi, District Thana. (Area—750 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 8366 in the month of July, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 31-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th September 1984

Ref. No. IAC Acq|CA-5|37EE|83-84|853,—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 15, situated on First Floor, Building No. 11, S. No.

Flat No. 15, situated on First Floor, Building No. 11, 5. No. 1192 A, Model Colony situated at Pune-411016 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq Range, Poona in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed we between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Makwana Brothers & Co 441, Somwar Peth, Poona-411011.

(Transferor)

(2) Shri J. S. Nazarath & Others. Matru Chaya Sahakari Housing Society, Ashok Nagar, Poona-411007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 situated on First Floor, Building No. II, S. No. 1092 A. Model Colony, Poona-4110016. (Area 1045 Sq. Ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Poona under document No. 37EE 3663 83-84, dated March, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitian of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1984,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 3th August 1984

Ref. No. IAC Acq.CA-5[37EE[5330[84-85] 847.---Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

C.T.S. No. 585, Plot No. 99, Flat No. 3, At Village Manjari situated at Tal. Haveli, District Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Poona on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the besset of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Mohanlal Tarachand Parmar. 524 25 26, Mahatma Phule Peth, Pune-2, (Transferor)

(2) Mr. Prakashchandra K. Murkute, Mr. Bahanrao V. Murkute, Mr. Bahanrao V. Markute, 365/8, Kuldeep Building. Ekbote Colony. Ghorpade Peth. Poona-(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 99, C.T.S. No. 585, Village Maniari. Taluka Haveli, District Pune. (Area 1,000 Sq. Ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Poona under document No. 37EE|5330|84-85, in the month of May, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 10th October 1984

Ref. No. IAC Acq|CA-5|37EE|3704|Pune|83-84|869|10|10|84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 15 Building, D in Ashoka, CTS No. 3|1 & 3 (Part) Naylore Road, Pune-411 001 situated at Pune-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Poona in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 Act; 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Prem Prakash, Clo Dr. K. G. Desai, 6 Dr. Coyall Road, Punc-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. Francis Santan D' Souza, Mrs. Maria Garetti D'Souza, 7 Aundh NCL Road, Poona-411 007.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

.at No. 15 Building, D in Ashoka, CTS No. 3|1 & 3 (Part) Naylore Road, Poona-411001, (Area 1000 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Poona under document No. 37EE| 3704|Poona|83-84, in the month of March, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269°D; of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60[6, ERANDAVANE, POONA-4

Foons-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|5485|Pune|873|2318|84|84-84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, 84-84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 62, S. No. 121—122, Kothrud, Pune situated at

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:--43-346GI|84

(1) Ms. Dadhe & Ruikar, 2007, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Thakur,
& Mr. P. R. Thakur,
55|11-B, Ulka Building, Ashok Fath. Erandavana, Pune-411 004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 62, S. No. 121-122, Kothrud, Pune. (Area: 905

(Property as described in the agreement of sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune in document No. 37EE 5485 Pune 84-85, in the month of July, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 27|8|1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nikhil Enterprises, 14, Bombay Pune Road, Near Bajaj Auto Show.com, Wakadewadi, Shiyajinagar, Pune-411 605.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXX of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same me ning as given

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Mr. Biswa Ranjan Bera, Plot No. 29, 109/2, Jawahar Nagar, University Road, Pune-411 016.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|5409|874|27|8|84|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

osing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 7 in B Wing, B 3 Building at Chintoman Nagar, S.N. 12811 Aundh, Pune-7 situated at Pune-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. A can. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHI DULE

(b) facilitating the comoneys or other which ought to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 7 in B Wing B 3 Building, Building at Chintaman Nagar, S. N. 128 1, Aundh, Pune-7. (Area: 515 Sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Accuisition Range, Pune under document No. 37EE/5409/84-85, in the month of July, 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 1ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date ; 27-8-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 31st August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|8369|Thane|876|31|8|8|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Sector No. 8 B-6, Flat No. 203, Second Floor, Site Gopal Nagar, Bombay Agra Road, Near Dandekar Factory Bhiwandi situated at Bhiwandi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqu. Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:—

(1) Yogi Corporation, PNB House, 2nd Floor, Sir P.M. Road, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Shantaben Rameshchandra Patel, 25. Sunderbeni Chawl, Agra Road, Bhiwandi-421302, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Secton No. 8 B-6, Flat No. 203, Second Floor, Site—Gopal Nagar, Bombay Agra Road, Near Dandekar Factory, Bhiwandi.
(Area: 500 Sq. Ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune in document No. 37EE|8369|Thane|84-85 in the month of September 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 31-8-1984, Seal:

(1) Mls. Thacker Enterprises, 72, Land Mark, Cermichael Road, Bombay-400 026.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vasant Maruti Khatpe, 2139, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 10th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|3641|871|10|10|84|84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Mihir Apartments 1 & 2 shop No. 10 & 11, ground floor.

S. No. 1911A, Waniwary, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mihlr Apartments 1 & 2, Shop No. 10 & 11, Ground floor, S. No. 19 1A Waniwary Pune, Cantonment, Pune. (Area 970 Sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE 3641 83-84 in the month of March, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|3577|Pune|870|9|10|83-84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 29, Building No. 7, Guru Prasad Co-op. Housing Society, 24 Gund Garden Road, Pune-411 001 situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopaldas M. Nagpal, 74|75, Dharamiyot, Building No. 2, New Kantwadi, Opposite Perry Cross Road, Bandra-50.

(Transferor)

(2) Mr. Percy Fram Daruwala & Mrs. Kermeez, P. Daruwala, Flat No. 29, Building No. 7, Guru Prasad Housing Society, 24-Bund Garden, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29, Building No. 7, Guru Prasad Housing Society, 24-Bund Garden, Pune-411 001. (Area: 1000 Sq. f..). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/3577/Pune/83-84, in the month of March, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5343.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

ceing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House bearing Municipal Corporation No. 33 (old)|46 New situated at Siyagani, Main Road, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Ishwarlal So Shri Mohandas Wadhwani,
 - R|o 147 Jairampur Colony, Indore.
 2. Smt. Sunderbhai W|o Shri Khanchandji
 - R|O Biyabani, Indore.

 3. Smt. Shushma Bai W|O Shri Ashok Kumar,
 - Rio 100, Indore. Smt. Pushpabai Wio Shri Mohandasji Ro 147 Jairampur Colony, Indore.

(Transferors)

- (2) 1. Chimandas So Shri Naraindas.2. Nanakram So Sh. Naraindas.
 - 3. Prakash Chand So Shri Naraindas.
 All Ro 7 Rupram Nagar, Indore (M.P.). (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hoose bearing municipal corporation No. 33(Old) 46 (new) situated at Siyaganj Main Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

FORM ITNS-

Ahmednagar.

(1) Shri V. M. Navale and Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s. Asha Builders, Partner-Shri. D. B. Phaltane and Others, At Court Lane, Ahmeduagar.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona, the 29th October 1984

Ref. No. CA-5-37-G 1185 84-85.—Whereas I, SANTOSH

DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Mauje Savedi, S. No. 80E, Plot No. 46 to 49 & 63 to

66 situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Nagar in March, 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rainsfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which were pariod arrains before pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mauje Savedi, S No. 80-E, Plot No. 46 to 49 and 63 to 66, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 970 in the month of March, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 29-10-1984

Scal ;

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th November 1984

Ref. No. IAC-|Acq.|46|19|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Municipal House No. 690, 690|1, & 690|2 on plot No. 31-A out of Kh. No. & S. No. 1040 situated in Tilak nagar,

Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nagpur on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely—

 Smt. Trivenidevi Wo. Trimbak Rao Kulkarni, Rlo 31-A, Tilak Nagar, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Shripad Laxman Wadodkar Rlo. 31-A, Tilak Nagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and half storeye. house bearing Mpl. Corpn. No. 690, 690, 1, & 690, 2 on plot No. 31 A admeasuring total area 2000 Sq. ft. situated in Tilaknagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 6-11-1984

cal :

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR. SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagour, the 6th November 1984

Ref. No. IAC-|Acq|45|19|84-85.--Wherens, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

5.00 acres of agricultural land in Kh. No. 85|2 & 119|2 at Moura Sarangi Teh. Kalmeshwar Distt. Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 22-3-1984

for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of practice with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44-346GI 84

- (1) Shri Shivnarayan Pratap Singh Tomar, Ro Sarvangi Teh. Kalmeshwar, Distt. Nagpur. (Transferor)
 - (2) Shri Janardhan Kashi Nath, Ekhankar, Ro Wadi Teh. Distt. Nagpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 Area of Agricultural land in Kh. No. 85|28119|2 at Moura Sarvangl Teh. Kalmeshware, Distt. Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 6-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONUR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 300 FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th November 1984

Ref. No. 15C[Acq]44]19[84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

House bearing plot No. 7 situated at Tilak Ward, Pusad Tal Pusad Disit. Yeotmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (77 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ycotmal on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properts by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Kamruddin Habibbhai Gajiyani, R|o Pusad, Tal. Pusad, Distt. Yeotmal. (Transferor)

(2) Shri Rahimuddin Fayaotuddin Nawab, R|o Phoolsawazi, Tal. Mahagaon, Dist. Yeotmal, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing plot No. 7 at Tilak Road, Pusad Tal. Pusad, Distt. Yeo'mal, Total Area 3000 Sq. ft.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissionar of Income-tax Acquisition Range. Nagpur.

Date: 6-11-1984

_-----

FORM ITNS-----

- (1) Smt. Vaadevi Wlo Baburao, Pimpalwar, Rlo Tilak ward Pusad, fal. Pusad, Distt. Ycotmal. (Transferor)
- (2) Shri Kemruddin Habib bahi Gajayani, Rlo Pusad, Tal. Pusad, Distt, Yeotmal.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,
CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th November 1984

Ref. No. IAC|Acq|43|19|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

House bearing plot No. 7 situated at Tilak Ward Pusad Tal.

Pusad & Dist. Yeotmal, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Yeotmal on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been thuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 7 situated at Tilak Ward. Near S.T. Bus stand, Pusad. Total Area of plot 3000 sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acq|42|18|8485.--Whereas, I, JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Open land on plot No. 48 admeasuring 95000 sq. ft. in Kh. No. 72 & 73 Pande Layout, Khamia Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nagpur on 6-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Malhar Bhikaji Gore, R|o 204, Vidya Building, L.T. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-16.

(Transferor)

(2) Sneha Samvarllak Co-operative Housing Society Ltd. Khamla. Secretary: Shri Anil Yeshwant Dandekar, Ro Plot No. 10 Jaiprakash Nagar Khamla, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plot in Kh. No. 72-73 situated in Pande Layout bearing plot No. 48, of Maura: Khamla Tal. Nagpur P. C. No. 9, admeasuring 100×95=9500 Sq. ft. (880 Sqr. Mtrs.) approximately.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Date: 5-11-1984

FORM-ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR

SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th September 1984

Ref. No. IAC-Acq[21]15[84-85,-Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000 - and bearing

Agricultural Land bearing S. No. 8[1 situated at Mauia Wad-gaon Road, Tal. District Yeotmal (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ycotnial on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Shailabai woo Baburao Thorat, Netaji Nagar, Yeotmal.

(Transferor)

(2) Ujwalo Girah Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Yeotmal (President Shri Govind Kanhuji Dewapare). Rlo Ycotmal.

(Transferce)

(3) Veendees.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Mauja Wadgaon Road, (Goan No. 309) Tal. & District Yeotmal S. No. 81, 2 Heeter Area.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 5-9-1984.

कारत कुरा <u>। अन्या सामाना क्ष</u>ण । क्रमाना । अस्तरास १ १ । <u>४००</u>० सम FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq|23|15|84-85,-Whereas, I.

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Half portion of the house property situated at Ambapeth Amrabati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amravati on 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Sushcelabai Panduoang Salaye,

- Shri Awinash Krishnarao Bhole,
 Shri Vijay Kashinath Bhole,
 Shri Kishore Kashinath Bhole.

5. Shri Ramesh Kashinath Bhole.

6. Shriram Krishnaraoji, All rlo SPE Bhu Pranoatade Chowk Near Shastri Hall, Grant Road, Bombay-57.

(Transferor)

(2) 1. Shri Manikrao Punjaji Mangat, Rlo Post Varkheel Tal. Tiosa, District Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of the house property situated at Ambapeth, Amravati of which Nazed Sheet No. 55-B, Plot No. 11 Area 2936 sq. ft. & constructed house,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th August 1984

No. IAC-Acq[19]14|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House on plot No. A-2, situated at Mul Road, Shastri Nagar. Chandrapur

(and more fully describet in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Chandrapur on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Moreshwar Narayanrao Mahindrakar, Gokulpeth, Nagpur-10.
 - (Transferor)
- (2) Shri Hansraj Mandanlal Sancheti, Shastri Nagar, Chandrapur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house constructed on Plot No. A-2 at mouze Govindpur compartment consisting Plot area 6000 sq. ft. (100'x60') which is situated in Shastrinagar at Mul Road. Chandrapur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΝ Α**C**Γ, 1961 (43 **OF** 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 23rd August 1984

No. IAC-Acq|20|14|84-85.--Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural Land bearing S. No. 22/2 situated at Waghapur Tal. & Diett, Ycotmal (5 Acres of land)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at Yeotmal on 9-3-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Vishnu Uddharao Chardurkar, Retired Principal, Tal. Distt. Thane.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Devidas Mahadeo Prasad Singhariya,
 - 2. Smt. Ratnabai wlo Deviprasad Singhariya, 3. Shri Ravindra Deviprasad Singhariya, All Ro Wadgaon Road, Yeotmal.
 - Shri Kajodimal Hariramji Agrawal,
 Shri Sunilkumar Nandlal Agrawal,
 - 6. Smt. Saraswatibai Nandlal Agrawal. All R|o Purna Nagar, Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing S. No. 22|2 situate dat Waghapur Tal. & Distt, Yeotmal Total Area 5 Acres.

> M. C. JOSHI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 23-8-1984.

Soal :

(1) Shri Baburao Ramchandra Dhote. Rlo 112, Ratni Nagar, Amravati, Tal. & District Amrayati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Machindra Mallappa Kurhe, Rlo Sat Khirandi Dhanraj Line, Amravat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th September 1984

Ref. No. IAC-Acq|24|15|84-85.-Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Acres of Agricultural Land situated in Survey No. 167 at

Village Rahatgaon Tal. & Distt. Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Amravati on 30-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Field of Mauja Rahatgaon Pras Nandgaon Peth, Tal. & District Amravati. Out of Field No. 167, 7 Acres of Agriculture Land.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1984.

Seal:

45-346GI/84

Shri Namdeo Balaji Hadke, Ro Khamla, Tal. & District Nagpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jetwan Co-op, Housing Society through its Secretary Shri Bhimrao Vithalrao Kapse. R|o Khamla, Tal. & District Nagpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th September 1984

Ref. No. IAC-Acq|26|15|84-85.-Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

4 Acres of Agricultural Land in Kh. No. 74 and 6 Acres of Agricultural Land in Kh. No. 58 1 both P.H. No. 9-A situated at Mauza Khamla Tal. District Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 14-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres of Agricultural Land in Kh. No. 74 and 6 Acres of Agricultural Land in Kh. No. 5811 both P.H. No. 9-A situated in Mauza Khamla, Teh. & District Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagour

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, his pulsuance of Section 2090 of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid epoperty by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 17th September 1984

Ref., No. IAC-Aca|27|15|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Northern Portion of N. Plot No. 93 in Dn. No. 8 Arele No. 20 Wd. No. 72 on Canal Road, Ramdespth, Nagpur, Tah. & Dists, Nagpur with temporary construction Total Area 6176 Sq. Ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Nagpur on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt. Pushpaben wo Jayantilal Shah.
 - 2. Shri Ashwinkumar Jayantilal Shah,
 - 3. Shri Sanat Slo Jayantilal Shah. Shri Shrenkh s|o-Jayantilal Shah, For 1, 2 and 4 through Authorised representative Shri Sanat slo Jayantilal Shah, Rlo 27 Nilkhant Nagar, Bharuch (Guirath).

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kundanben wlo Novncethhaf Shah. 2. Shri Bharat slo Navneetbhai Shah. Rlo 7, Giriraj Society Farmland layout, Ramdaspeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Northern Portion of plot No. 95 in Dn. 8 Ward No. 20. Ward No. 72 on Canal Road, Ramdespeth, Nagour, Tol. & District Nagpur with temporary construction. Total Area 6176 Sq. Ft,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nauptte

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 17th September 1984

Ref. No. IAC-Acq|27|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 7 at Satuma situated in Amraoti District

Unit (Office) No. 505, Arihant Bldg., Ahmedabad Street, Bombay-9

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amraoti on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajwanti Baijnath Yadav, Balasi Plots, Amraoti,

(Transferor)

 Shri Hemant Kumar Dhinrajlal Sangani, Amraoti.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

261 Gunthas of agricultural land in S. No. 7 situated at Mouza Satur Nagar in Amraoti District.

M. C. IOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1984.

(1) Shri Umakanth Baijnath Yadao, Balasi Plots, Amraoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhirajlal Jagrinante Sangani, Clo Sarang Stores (Jawahar Road, Amraoti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 17th September 1984

Ref. No. IAC-Acq -- Whereas, I. M. C. JOSHI Ref. No. IAC-Acq.—Whereas, I. M. C. JOSHI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 7 at Mouza Saturn situated in Amraoti District (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer.

of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amraoti on 30-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> 26½ Gunthus of agricultural land in S. No. 7 at Mouza Saturna situated in Amraoti District

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR Nagpur, the 19th September 1984

Ref. No. IAC-Acq|29|84-85.-Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plots No. 59 to 61 in S. No. 12/2 at Mouza Shegaon situated

in Amraoti District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amraoti on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(1) Chhagan Lal & Co., Through Shri Chhagan Lal Chironillal Agrawal. Amraoti. (Transferor)

(2) Niyojit Asiad Sahakari Grihe Nirman Sanstha, Through Shri N. N. Handa, Rural Institute, Amraoti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land on Plots on 59 to 62 in S. No. 12/2 at Mouza Shegaon situated in Amraoti District.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagour

Date: 19-9-1984.

FORM Π'NS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1984

Ref. No. IAC|Acq|30|16|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 63 to 67 at Mouza Sheagaon of Amraoti District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amraoti on 28-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chhaganlal & Co., Through Shri Chhajanlal Chiranjilal Agarwal, Amraoti.

(Transferor)

(2) Niyojit Asiad Sahakari Girha Nirman Sanstha through Shri N. N. Handa, Rural Institute, Amraoti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land on Plot No. 63 to 67 situated at Mouza Sheogaon of Amraoti District.

M. C. JOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25-9-1984.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 29th September 1984

Ref. No. IAC|Acq|31|16|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot Nos. 1 to 8 and 68 to 70 at Mauja Shegaon, Tal. & Distt. Amrayati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 27-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Chaganlal & Co. through Shri Chaganlal C. Agarwal R|o Amravati.

(Transferor)

(2) Niyojit Asiad Sahakari Girha Nirman Sanstha through Shri N. N. Handa, Rural Institute, Amraoti. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots bearing Nos. 1 to 8 & 68 to 70 at Mauja Shegaon Prag. Nandgaon Peth Tal. & Distt. Amravati, Total area 27136 Sq. ft.

M. C. JOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 29-9-1984.

FORM I.T.N.S .---

(1) Smt. Rajwantibai Baijnath Yadav. Balaji Plots, Amravati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hemant Kumar Dhirajlal Changani. Amravati, Tal & Distt. Amravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1984

Ref. No. IAC-Acq|34|17|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the accome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Agricultural land of Mauja 'Saturna' Tal & Distt. Amravati

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amravati on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of russfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land at mauja Saturna Tal. & Distt. Amravati of which S. No 7 and Total Area 261 Gunthas.

THE SCHEDULE

M. C. JOSHI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Name

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 46--346GI/84

Date: 25-9-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1984

Ref. No. IAC-Acq. 35 17 84-85.—Whereas, 1, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural Land at Mauja Shegaon Prag. Nandgaon Peth Tal. & Distt. Amravati. Total Area 2 Acre (1 Acre+ 1 Acre)

by seller to Saledeed (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 22-3-1984 & 23-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio n269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishanlal Bachharaji Vyas, Rio Amravati. (Transferor)

(2) M/s. Changalal & Co., Part. 1, Shri Chaganlal Charanjilal Agarwal. 2, Smt. Sushiladevi Radhesham Agrawal R/o Amravati Tal, & Distt. Amravati (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Mauia Shegaon Prag Nandgaon Peth. Tal. & District Amravati. Total Area (1 Acre + 1 Acre) 2 Acres of which is S. No. 34, and which have been sold for (Rs. 100,000 & 10,000|-) separately.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nuggur

Date: 25-9-1984. Seal:

(1) Shri Haridas Shrikrishna Pidiyar. Ro Amravati. Tal. & District Amravati. (Transferor)

(2) M|s. Rajkumar & Co.. Partner Shri Radhasham Chiranjilal Agrawal. R|o Amravati, Tal. & District Amravati.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 24th September 1984

Ref. No. IAC Acq|33|17|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agricultural Land at Mauja 'Saturna' Tal. & Distt. Amarvati (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amarvati on 3-3-1984 & 15-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

There are two separate transaction of 20 Guthas of Agri. Land (each) at S. No. 9 at Mauia 'Saturna' Tal. & District Amrayati.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 24th September 1984

No. 1AC|Acq|32|17|84 85 -- Whereas, I, M. C. JOSHI,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing Plot Nos. 9-10, 44, 56-57 & 34. Total Area 11580 sq. ft.

Plot Nos. 9-10, 44, 56-57 & 34. Total Area 11580 sq. ft. at Mauja Shegaon Prag Nandgaon Peth, Tal. Distt. Amravati S. No. 11|2| & 34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registering Officer at
Amravati on 31-3-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chhaganlal & Co., through partner Shri Chaganlal Chiranjilal Agarwal R o Amravati, Tal. & Distt. Amravati.

(Transferor)

 Niyojit Asiad Sahakari Grah Nirman Sanstha Ltd., through Shri N. N. Handa, Rural Institute, Amrayati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots Nos. 9, 10, 44, 56, 57 and 34 Total area: 11580 sq. ft. at Mauja; Shegaon Prag, Nandgaon Peth, Tal. & Distt. Amravati S. No. 11/2 & 34.

M. C. JOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date: 24-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 18th October 1984

No. IAC|Acq|35|17|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and boaring No.

Agricultural Land at Mauja: Shegaon Prag Nandgad Peth, Tal & Distt. Amravati Total Area, 1x1 Acre land (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office Amravati on 22-3-84 & 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kishanlal Bachharaj Ji Vyas, Ro Amravati. lal Chiranjilal Agrawal,

and the state of t

(2) M/s. Chaganlal & Co., through partner Shri Chaganlal Chiranjilal Agrawal 2. Smt. Sushiladevi Radhasham Agarwal Rlo Amravati Tal. & Distt. Amravati,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land at Mauja: Shegaon Prag, Nandgaon Peth, Tal. & Distt. Amravati Total Area: (1 Acre x 1 Acre), Survey No. 34,

> M. C. JOSHJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur

Date: 18-10-1984.

 Shri Prabhakar Alias Digamber Krishnaji Patankar, Civil Lines, Sagar (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Hanumantrao Ganpatrao Adyalkar Kelkarwadi (111|1), Wardha.

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersished :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th October 1984

No. IAC|Acq|36|17|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

A House situated in Kelkarwadi, Wardha MPL, House No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wardha on 20-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House No. 111|1 situated in Kelkarwadi at Ani Road, Wardha.

M. C. JOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date: 19-10-84.

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5676 .- Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexure hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

(a) acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Narinder Pal Singh & Sukhvinder Singh slo Tarlok Singh rlo 263, Mota Singh Nagar, Jalandhur, (through Amarjit Kaur) (Transferor)
- (2) Narinder Singh sjo Darshan Singh and Rippan Walia rjo 108-R Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As s.no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated at New Rly. Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 7118 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 12-11-1984.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 12th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5677.—Whereas, I. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar has been transferred and the agreement is registered under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said ins

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Sukhvir Kaur Wjo Mahavir Singh rjo 198-L. Model Town, Jalandhar Attorney Dewan Karfa Krishan, I-Link Road, Model Town, Intandhar

(2) Shri R. P. Mittal s|o Sadhu Ram r|o 1571 Sector No. 18-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated at Nakodar Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 7123 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandha

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5679.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tsx Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47-31531/84

(1) Shrimati Balwant Kaur Woo Harbhajan Singh, Roo Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shrimati Harbinder Kaur W|o Ranjit Singh, R|o Kapurthala.
- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3597 of March. 1984 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-11-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5680.—Wheraes, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Jaswant Kaur W|o Harnam Singh, R|o Kapurthala.

(Transferor)

 Shrimati Pinki Talwar Wo Ujjal Singh, Ro Kapurthala

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3598 of March 1984 of Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-11-1984

FORM (TNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5685.—Whereas, I

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at Phagwara in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Gurdeep Kumar Soo Gurdas Mal, Central Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sarjit Singh Slo Kesar Mal, Rio Phagwara.

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2745 of March 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5686.—Whereas, I

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Phagwara in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as aggregative between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gulshan Kumar Slo Gurdas Mal, Ro G. T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh So Kesar Mal, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the date Of Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2746 of March, 1984, of the Registering Authority Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-11-1984

(1) Shri Rai Singh So Buta Singh ro V. Mithapur Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh S|o Assat Singh r|o V. Mithapur Tehsil Jalandhar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5688,-Whereas, I

J. L. GIRDHAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per schedule situated at Mithapur,

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1984,

tor an apparent consideration which is less than fair market value of the efforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(3) As s.no. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows) to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land area 1 Kl. situated in V. Mithapur tehsil Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6733 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5689.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Mithapur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Janak Raj S|o Amar Chand r|o Tagore Nagar, Jalandhar Mukhtiar-am of Piara Singh s|o Ajit Singh r|o V. Mithapur Tehsil Jalandhar.
- (2) Shrimati Sudershana Kumari Woo Kailash Nath Ro 704, Model Town, Jalandhar,
- (3) As sino, 2 above.
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6789 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5690 .- Whereas, I

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Mithapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jalandhar in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following process of the said Act, to the following the said Act, to the following the said Act, to th ing persons, namely :-

(1) Shri Jarnail Singh So Hazara Singh ro 8-Central Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Jagdev Kaur Wo Mihan Singh ro 8-Central Town, Jalandhar.

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersimed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 7344 Sq. ft. situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 7163 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5691.—Wheraes, I

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in March 1984,

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of persons, namely:—

(1) Shri Haripal Singh So Ujagar Singh (Cold Storeage) V. Kingra Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Satpal Kaur Wo Tara Singh ro V. Randhawa Tehsil Jalandhar.

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6890 of March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange
Jalandhar

Date: 13-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5692,---Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Jalandhar in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48 —346GI]84

- (1) Shri Haripal Singh So Ujagar Singh (Cold-Storage Wale), Ro V. Kingra Teh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Gurbax Kaur wo Rachhpal Singh ro Sagar Pur teh, Jalandhar,

(Transferce)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4500 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 6889 of March 1984 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandha

Date: 13-J1-1984

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

and the state of t

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5693.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in March 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Actin respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sai! Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Col. Ramesh Chander Slo Nanak Chand rlo New Market, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrinasti Shakti Mehta Wo N. K. Mehta and Shoba Mehta Wo Vijay Kumar Mehta and Minakshi Mehta wo Shri R. K. Mehta and Parveen Mehta wo Sarriader Kumar ijo 434-1. Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As s.no. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 333 area 1K-9M-18 Sq. ft. situated in Defence Colony, Jalandhar and Persons as mentioned in the register. I cale deed No. 7120 dated March 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rence
Jalandhee

Date: 13-11-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1984

Pef. No. A.P. No. 5694 --- Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Batinda,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chand Kaur Wdo Bishan Singh, Old Police Satarion, Bathinda.

(Transferor)

 Shrimati Balwinder Kaur D|o Lal Singh, R|o Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5118 dated 19-3-1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 14-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE TALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5696.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bathinda in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Old Police Station, Bathinda. (Transferor)

 Shri Gurmit Singh Brar S|o Gamdoor Singh, C|o S.R. Bathinda.

(1) Shimati Chand Kaur Wdlo Bishan Singh,

- (3) As s.no. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 5234 Dated 26-3-1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
Talandhar.

Date: 14-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5695,---Whereas, I

J. L. GIRDHAR.
being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bathinda in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Chand Kaur Wdlo Bishan Singh, Rlo Old Police Station, Bathinda.

(Transferor)

(2) Kumari Manjit Kaur Do Natha Singh, Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As s.no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5175 dated 22-3-1984 of the Registering Authority, Bathinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-11-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5697.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inserne tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'sa'! Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office, of the Registering Officer

Bathinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stared in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 111 of 1922) or the hald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chand Kaur Wdlo Bishan Singh, Near Old Police Station, Father b

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Sjo Kapoon Chand, Clo S.R. Bathinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 5285 of March 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 14-11-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5698 and 5701.—Wheras, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

as per schedule, situated at Jalandhar

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalanchar on March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Ratten Chand s o Gulab Ram r o Ram Dass Fura, Boota Mandi, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s|o Bhana Ram r|o Arya Nagar, (Jalandhar Distt.), Kartarour.

(Transferee)

(3) As 5. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in reschapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in mohalla Ram Dass Pura, Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos 6937 and 7003 of dated March, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jalandhar

Date: 13-11-84.

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5699 and 5700.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer Jalandhar on Merch 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax 42. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid as perty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ratten Chand slo Gulab Ram rlo Ramdoss Pura, Buta Mandi, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Harbilas Rai slo N. note Rant rlo Myr Nagar, Kattarpur, Distt Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in mohalla Ramdass Pura, Basti Sheikh, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 6985 and 6858 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-11-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5702.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

os per schedule situated at Kotkapura No. 12, situated at II stage, Rajajinagar, Bangalare (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

persons, namely:—
49—346GI|84

(1) Shri Sandip Kataria soo Faqir Chand, Rly Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Darshan Kumar s|o Ruldoo Ram and Devinder Kumar s|o Rakha Ram C|o Mini Super Store, Moti Bharu Bazar, Kotkapura Distt. Faridkot, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop (Portion) situated in Moti Bharu Bazar, Kotkepura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5374 of March, 84 of the Registering Authority. Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 14-11-84.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th September 1984

C.R. No. 62|R-1017|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

96, situated at 6th Main Road, Nalleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under Document No. 870|83-84 on 13-3-84 Bangalore

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Mr. Padubidri Jagannath Rao, Mrs. Naina Jagannath Rao Clo. N. R. N. Nalkur, S-382, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Devi Bachhawak, Flat D-6, Maithree Apartments. No. 96, 6th Main Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 870 83-84 dated 13-3-84). 3 bed Room flat of 'C' Block, V floor at Maithree Apartments Co-operative Housing Society Ltd. ... o. 96, 6th Main Roud, Malleswaram, Bangalore-3.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 28-9-1984.

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Paniim Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jolyon R. Kamath & Mr. Swithen Rodrigues, Clark House, 8 Nathalal Parekh Marg, Bombay-39. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th September 1984

C.R. No. 62 R-1041 83-84 ACO B 37EE .- Whereas, I.

R. BHARDWAJ,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B-7 situated at Candolim, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore

under Document No., 875 on 15-3-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 875, dated 15-3-84). Flat No. B.7. "Aguada Holiday Homes" Candolim Village homes at Candolim, Bardaz, Goa.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 10-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th October 1984

C.R. No. 62|R-1038|37EE|83-84|ACQ|B.-Whereas, R. BHARDWAJ,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

B-8, situated at Candolim, Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

Bangalore under Document No. 872 on 15-3-84.

tor an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under autrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panjim, Goa.
 - (Transferor)
- (2) Mr. Jolyon R. Kamath & Mr. Swithen Rorigues, Clark House, 8 Nathalal Parekh Marg, Bombay-(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 872, dated 15-3-84). Flat No. B.8. "Aguada Holiday Homes" Candolim Village homes at Candolim, Bardez, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-10-1984.

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building. Panjim, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Angela Gracias "Paramjot" 1st floor. 16th Road, Bandra (West), Bombay-50. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th October, 1984

C.R. No. 62|R-1085|37EE|83-84|ACQ|B—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

A-5 situated at Candolim, Goa,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 913 on 27-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 913 dated 27-3--84). Flat No. A-5 "Aguada Holiday Homes" Candolim Village homes at Candolim, Bardez, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangafore

Date: 10-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th October 1984

C.R. No. 62|42751|84-85|ACQ|B.—Whereas, I,. R. BHARDWAJ,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

1, 1|1, 1|2, 65, 65|1, 65|2, 65|3, 65|4, 65|5, Noorulli Shama-kam Road, situated at Sayyaji Rao Road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bangalore Mysore on 16-3-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kamalakshama, (2) A. R. Govinda Setty, (3) A. G. Ramaprakash, (4) A. G. Raghuram, (5) A. G. Dashrath, (6) A. G. Ashok, (7) A. R. Rama Setty, (8) A. R. Ganeshwar, (9) A. R. Jayaram, (10) A. J. Veukatesh, (11) A. R. Janakiram (12) A. J. Prashanth (13) A. R. Seetharam (14) A. S. Arallindra 15) Premaleela 16) A. V. Anandram (17) A. V. Badriram No. 1596, Kabir Road, Mysore.

(Transferor)

(2) M/s. Bhavani Enterprises, 199/D, VIII-B-Main III Block, Jayanagar, B'lore-11, G. R. Bahthija & others, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Regishtered Document No 5357|84-85 dated 16-3-84). Property bearing Nos. 1, 1|1, 1|2, 65, 65|1 to 65|5 situated at Noorullishamakam Road, Sayyaji Rao Road, Mysore.

R. BHARDW Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th October 1984

C.R. No. 62|42749|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

nnd bearing No.
Nos. 1/2, 1/1, 1, 65, 65/1 to 65/5, 15, 15/1 situated at
Gargeswarigudi Road and Sayyaji Rao Road, Mysore
(and more fully described in the scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
Mysore on 16-3-1984
for an apparent account.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(1) 1: Smt. A. V. Kaukarathuramma,

2. A. V. Suryaprakash

3. A. S. Chetan

A. V. Satyanarayana
 A. S. Dinesh
 A. V. Ramdas

A. R. Sreeniwas

1066, Sivarampet, Mysorc.

(Transferor)

(2) M|s. Bhawani Fnterprises, 199-D, VII-B-Main III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferees)

(3) Shri Kishandas & others, Муѕогс.

[Person(s) in occupation of the property]

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5355|84-85 Dated 16-3-84) Property bearing Nos 1, 1[1, 1[2, 65, 65]1 to 65[5, 15, 15]1, situated at Garge-waigadi Road and Sayyaji Rao Road, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 11-10-1984

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Harris and Alleggers and a

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th October 1984

C.R. No 62|42750|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Nos. 1/2, 1/1, 1, 65, 65/1 to 65/5, 15, 15/1 situated at Gargeswarigudi Road and Sayyaji Rao Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mysore on 16-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri A. C. Shankar 2. Shri A. S. Madhukar, 43. MIG II Stage, KHB Colony, Vijaynagar North, B'lore-79.

(Transferor)

(2) Mps. Bhawani Enterprises, 199-D, VII-B-Main III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

(3) Shri Kishandas & others, Mysore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3356|84-85 Dated 16-3-1984)
Property bearing Nos. 1, 1|1, 1|2, 65, 65|1 to 65|5, 15, 15|1, situated at Gargeswarigudi Road and Sayyaji Rao Road, Mysorc.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Renu M. Jeswani No. 602, vI fleor, Roop Dharshan-'C' Junu Lane, Antheri West, Bombay-58.

grant and make the matter than

(Transferor)

(2) Shri Chamlal Vishandas, No. 21|2, Lakshmi Road Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd November 1984

C.R. No. 62|43053|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 11(13), situated at Lakshmidevi Block, V Cross,

Shanthinagar, Banagalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanngar on 28-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a neriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acashall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 4695[84-85 Dated 28-3-1984)
Property bearing No. 11 (old No. 13), situated at Lakshmidevi Block V Cross, Shanthinagar, Bangalore.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——
50—346 GI|84

Seal:

Date: 2-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. Nagaraja,
No. 86|2, 17th Cross,
Lakkashamdha, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Naushad Ali Khan, Rep. by Smt. Qamrunnissa Begum, No. 12 1-A, (Upstairs), Norris Road, Richmond Town, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st October 1984

C.R. No. 62|43801|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 2

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 321, situated at MICO Layout, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore South Tq. on 21-3-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 321, situated at MICO Layout, Property bearing No. 321, situated at MICO Layout, Bangalore-27.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bangalore-560 001, the 30th October 1984

C.R. No. 62|43808|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and beari

No. 12, situated at II stage, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajajinagar on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Byenna
 13th Cross, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri N. Manjunathiah, 4302, Subramanyanegar, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning are given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4936|84-85 Dated 12-3-1984).
Property bearing No. 12, situated at II Stage, Rajajinagar,
Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Thomas Alexander, No. 2, Cunningham Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Mammen George, Chandy, No. 53, V floor, Shalimar Apartments, Residency Road, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1984

C.R. No. 62|43807|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

R. BHARDWAI.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Apartment 1-B, I floor, situated at 72|1
Cunningham Road, Bangalore
(and proceeding the state of the Schedule appeared bereto)

find more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 7-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3526 84-85 Dated 7-3-1984). Property bearing No. 1-B 1st floor, 72 1 Cunningham Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the fellowing persons, namey:-

FORM I.T.N.S.-

(1) Srnt. Rathi Hungsu, Munja Village, Kasaragod Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harichandra Puthan, Bolara Ferry Road, Mangalore-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Bangalore-560 001, the 30th October 1984

Ref. No. C.R. No. 62|43806|84-85-ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000]- and b aring No. RS. 496-1, TS. No. 77-1, Part extn. 17 cents. signated at Attavar village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule agreezed hereto).

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore city on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration $\mathbf{z}_{i,d}$ that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of th. publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Decument No. 1732|84-85 Dated 12-3-1984). Property bearing RS. No. 496-1, TS No. 77-1 Part extn.—17 Cents of Attavar Village, Mangalore Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Thomas, No. 21, Kandaswamy Mudaliar Road, Frarer Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Dr. N. Selvan, rep. by K. Chinnaswamy, No. 7/1, V Cross, Nagappa St., Palace Guttahalli, Bangalore-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 601, the 30th October 1984

C.R. No. 62|43809|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BIIARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No.

No. 197 (82) situated at Hebbal, Gangenahalli, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Gandhinagar on 14-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3584|84-85 Dated 14-3-1984)
Property bearing No. 197 (82) situated at Hebbal Gangenuhalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 30-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1984

C.R. No. 62|43187|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/and bearing No.

No. 19|1 (old No. 19 & 29) situated at Malavalli Rama Rao Lane, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his

office at Gandhinagar on Apr., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 [27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. G. Solai,
 Smt. T. Neelavathi,
 No. 42, P.V.R. Road,
 Joly Mohalla, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mohd. Saleem, No. 15, Ibrahim Shah Mosque St., Kumbarpet, Bangaiore-2 repd. by Janab Md. Azam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 313|84-85 Dated Apr 1984)
Property bearing New No. 19|1, (old No. 19 & 29),
situated at Malavalli Rama Rao Lane, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th October 1984

C.R. No. 62|43068|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing No. No. RS. 664-3B, TS. No. 241-3B, situated at Attavar Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore City on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than attion per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ralph Hermann Constance D'Souza rep. by 1. Sri M. Rajmanohar, 2. Sri G. Chitharanjandas, Gomanthi Temple Road, Mangalore, 10|632, Bishop Victor Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) M|s. Victoria Benedict D'Souza repd. by Sri B. K. Hegde, opp. Government College, Hampaukatta, Mangalore.

我是我们的我们的我们的我们的我们的我们的我们的我们的我们是一个人的我们就是一个人的,我们就是这一个人的,我们就是这一个人的,我们就是这个人的,我们就是这个人的

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1799|83-84 Dated 24-3-84)
Property bearing No. RS. 664-3B, TS. No. 241-3B, situated at Attavar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :---

Date: 27-10-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd October 1984

C.R. No. 62|43026|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARD v. AJ.

Insperting A sistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 10 (424), situated at 12th Main, R.V. Extn. Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at With the competent authority under Section 269AB, in his

office at

Gandhinagur on 19-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

51-346GI 84

- (1) 1. Smt. Kamala Bai,
 - 2. Miss Kavitha, 3. Miss Sangeetha,
 - 4. Miss Amitha,
 5. Miss Sabitha,
 6 Miss Priyadarshini,

 - No. 20, Queen's Down Road,

Bangalore-80.

(Transferor)

(2) Shri K. Raghava Reddy, 446, Rajamahal Vilas Extention, Bangalore 20,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No.3796|83-84 Dated 19-3-1984) Property bearing No. 10 (424), situated at 12th Main Road, Rajmahal Vilas Extention, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango, Bangalore

Date: 23-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-500 001, the 30th October 1984

C.R. No. 62|43018|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAL

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-

and bearing No. 2748, D35, situated at IV Main, Voutikoppal, Devaraj Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mysore City on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and :
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. K. Krishnappa, No. 2748, IV Main Voutikoppal, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri N. Jairaj, No. 137 1, Saibabanagar, Adoni, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the: publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms wind expressions used herein as: are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5467 83-84 Dated 21-3-1984)
Property bearing No. 2748, D-35, situated at IV Main, Voutikoppal, Devra; Mohalla, Mysorc.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesast property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Dangslore-560 001, the 25th October 1984

C. R. No. 62|42938|83-84|ACQ|B.—Whereas f, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

S 123 (Part), 125 to 130, 136, 137 & 140 situated at Settarahalli Village, Kasba Hobli, Devanhalli Tq., Bangalore Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Devanahalli on 9-3-1984

on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in cospect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri S. Srinivasan, 31|25, Kempaune Layout, Bangalore-20.

(Transferor)

 Shri Zerasp S, Kothawala, c|o Mr. P. Bal Sara, Borewell Tank Road, White field, Bangalore Distt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1713]83-84 Dated 9-3-84]
Property bearing Sy. Nos. 123 (Part), 125 to 130, 136, 137 & 140, situated at Settarahalli Village. Kasba Hobli, Devanahalli Taluk, Bangalore Distt.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Pate: 25-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1984

C. R. No. 62[43276]84-85[ACQ]B.:-Whereas I. R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. 13, situated at II Cross, IX Main Road, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; age/or
- (8) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kumari Sailakshmi, Repd. by Mr. K. P. Santaram, 31, Venkatanarayan Road, T. Nagar, Madras.

(Transferor)

 Kumari Jayalakshmi, Repd. by Mr. K. P. Balasubramaniam,
 II Cross, IX Mani, Jayaniahal Vilas Extn.,
 Bangalore.

(Transferee)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 625|84-85 Dated May, 841]
Property bearing No. 13, situated at II Cross, IX Main Road, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-10-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chikkaveerappa, No. 6, Ramaswamy Layout, 19th Cross, Lakkasandra, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagaraja, No. 5|11|2, 19th Cross, Lakkasandra, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th October 1984

C. R. No. 62|43996|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. DHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Lakkasandra, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Jayanagar on 5-3-1984

Jayanagar on 5-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in cospect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 4373|83-84 Dated 5-3-841 Property situated at Lakkasandra, Baugalore.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONED OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th October 1984

62|43002|83-84|ACQ|B.---Whereas R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bungalore being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000 and bearing No. 124-A, situated at White field, Bangalore South Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore South 1q. on 28-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Capt. P. P. Nandi,
 Mis. Jannifer Ann Nandi,
 Repd. by Mr. T. Mackay,
 O. 2, Green Park Main Road,
 White field, Bangalore.

(Transferor)

(2) Likha Sampat (Minor) Rep. by Mr. S. G. Sampat, No. 8, Kumara Park West, I-Block, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 8558]83-84 Dated 28-3-84] Property bearing Khata No. 124-A, situated at whitefield, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-10-1984

Scal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri O. P. Dhawan, No. 21, II Main Road, Kumarapark, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri W. B. Krishnappa, No. 39, Palace Road. Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Eangalore-560 001, the 22nd October 1984

C. R. No. 62|43043|83-84|ACQ|B.—Whereas R. BIIAR DWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 9, situated at Domiur Layout, 1 Stage, Bangalore

9, situated at Domlur Layout, I Stage, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 29-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 115 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3547|83-84] Dated 29-3-84] Property bearing No. 9, situated at Damlur Layout, I-Stage, Bangalore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 5th October 1984

C. R. No. 62|43096|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

85-B, situated at Jeppinamogru Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore City on 114-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Willibrod James Antony Monteiro, Nandan, Valencia, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Boniface Monteiro, 'Nandan', Valencia, Mangalore-2.

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 58|84-85, Dated 11-4-84]
Property bearing No. 85-B, situated at Jeppinamogru Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1984

C. R. No. 62|43212|84-85|ACQ|B,—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25,000 and hearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. 281|13, situated at 17th 'D' Main Road, HI Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Rajajinagar on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-346GI|84

Shri K. Bettadaraya,
 No. 281|13, 17th 'D' Main Road,
 III Block, Rajajinagar,
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati P. R. Kamalam, No. 710, III Block, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 219|84-85 Dated 16-4-84|
Property bearing No. 281|13, situated at 17th 'D' Main Road, III Block, Rajajinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th October 1984

62|43117|84-85|ACQ|B.--Whereas R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 96|56, situated at VI main, V-Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office Jayanagar on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ω believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. B. Bhupathi Naidu, 2. B. Bhaskar, co Bhupathi Naidu & Sons, Gundopanth Street, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Rashida Begum.
 2. Miss Suriya Begum.
 3. Miss Sarvan Taj.

4. Miss Syeda Umme Saluna No. 9, Shivaji Road, N. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 106|84-85 Dated 12-4-84]
Property bearing No. 96|56, situated at VI-Main, V Block,
Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1984

C. R. No. 62|43019|83-84|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2748, D-35,

situated as IV Main. Voutikoppal, Devrai Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule aunexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mysore City on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. K. Krishnappa, No. 2748, IV Main, Vontikoppal, Mysore.

(Transferor)

 Shrimati Meenakshi Hari, wo Mr. B. N. Hari, Saibabanagar, Adoni, A.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 2748, D-35, situated at IV Main, Voutikoppal, Devraj Mohalla, Mysore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th October 1984

C. R. No. 62|43059|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

210|5, situated 39th 'R' Cross, V Block. Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Jayanagar on 21-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other spects which have not been or which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri M. R. Yeshokumar, Bombay.

(Transferor)

 Shrimati M. R. Geetha, No. 210|5, 39th 'A' Cross, V-Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

|Registered Document No. 4587|84-85 | Dated 21-3-84] | Property bearing No. 210|5, situated at 39th 'R' Cross, V Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-10-1984

Scal:

FORM DINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Jagpat Singh Chohan, 9, Siri Fort Road, New Delhi-110 049.

(Transferor)

(2) Deepmala Manufacturing Industries Ltd., 16, India Exchange Place, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4114A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|3-84|657.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

S-440. Greater Kailash-II, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

I.T. Act 1961 in the Office of the Registering office; at

IAC|Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-4:10, Greater Kailash-II, New Delhi. Area: 550 sq. yds, with 2 storcyed building of 2408 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhadra Devi, wo Sh. Harish Chand, rlo £-80, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

No. IAC|Acq. I|37EE|3-84|661.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 209-A, 51-52, Nehru Place, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

section 269.AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore her assets. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 209-A, measuring 230 sq. ft. in 51-52, Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd. 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Dashmesh Tourist Taxi Service, Opposite Akashdeep Bldg, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

No. IAC|Acq. I|37EE|3-84|663.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Space No. 42, Dr. Gopal Das Bhawan, situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 42, on the Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, at 28, Barakhamba Road, New Delhi. mg 113.97 Sq ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. 1AC|Acq,I|37EE|3-84|684.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

103, 22 Barakhamba Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC|Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Skipper Sales (P) Limited, 22, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Bal Ram Bhasin (HUF) and Smt. Puspa Mohan Wjo Shri K Mohan Cjo S-139, Panchshilla Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, at 22 Barakhamba Road, New Delhi-1--mg. 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-11-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1.

NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. JAC|Acq.I|37EE|3-84|685.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

105, 22 Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC|Acq. Runge-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53---346GI|84

 Skipper Sales (P) Limited, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Manu Electronics (P) Ltd., 415, Osian Building, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 22-Barakhamba Road. New Belhi-mg, 750 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi|New Delhi

Date: 9-11-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|686.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

108, at 22 Barakhamba Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-1 New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 Skipper Sales (P) Limited, Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kohli Wo Shri Kailash Chander Kohli, C-226, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, at 22 Barakhamba Road, New Delhi-mg 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date : 9-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|687.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

101, at 22 Barakhamba Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC|Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Skipper Sales (P) Limited, Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kohli Wlo Shri Kailash Chandu Kohli, C-226, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

No. 101, at Barakhamha Road (F. No. 101) New Delhi-110001-mg. 750 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax
Acquisition Range-1,
Delhi New Delki

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Date: 9-11-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISTHON: RANGE-L NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC Aeg.1|37EF|3-84|688.—Whereas, I. SUIDHIR EHANDRA,

beling the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

107, at 22. Barakhamba Road,

situnted, at New, Dethi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at LAFFAct. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aut, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Skipper Sales (P) Limited, Skipper Bhawan, 22. Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M[s. Oriole Exports (P) Ltd., 75-F, Himalaya House, 23, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 107 at 22 Barakhamba Road, New Delhi-mg. 760 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Compettent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 9-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|689.--Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

220, at 5, Bhagwan Dass Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of stransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in -respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales Pvt. Limited, Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajinder Kaur Wio Late S. Avtar Singh, B-535. New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, vhichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 220, at 5 Bhagwan Dass Road, New Delhi-mg. 1000sq ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Rajinder Kaur Wio S. Avtar Singh, A-12/44. Amrita Shergill Marg, (Ratinden Road), New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|691.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A-12|44, Amrita Shergill Marg

situated at (Retinden Road), New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi in March 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:-

(2) Shri J. L. Kumar Wo Late R. B. Amar Nath and Miss lyoti Kumar D|o Shii J. L. Kumar, Both R|o C-9, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restriction of the period of a period of the restriction of the service of notice on the restriction of the re pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. Δ-12|44, Amrita Shergill Marg, (Ratinden Road), New Delhi-mg. 2200 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the uforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely :-

Date: 29-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|696.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

419, Competent House, F-14, Connaught Place,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :~~

(1) M|s. Competent Builders, 101-Competent House. F-14, Middle Circle. Connaught Place New Dolhi-110001,

(Transferor)

(2) Shii Keshav Chandei Beri, R-526, Model Town, Dudhiana, Shri Gian Chander Beri, L-156, Model Town, Ludhiana, K-20, Model Town, Ludina Shri Rajiv Bhatia, K-20, Model Town, Delhi-9, Smt. Anita Bhatia, K-20, Model Town, Delhi-9, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 419, in Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi-mg. 593.13 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DFLHI

New Delhi, the 27th October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.t|37EE|3-84|698.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Space No. 41, Dr.Gopal Dass Bhawan, situated at Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the 1. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Dolhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M[s. Gopat Das Fstates and Hsg. Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh Kumar Sjo Mr. Jai Parkash & Mr. Rajinder Kumar Sjo Mr. Jai Parkash, A-18, Laxman Park, Chander Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 41 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Dass Bhawan' 28 Barakhamba Road, New Delhi-110001—mg. 107.26 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi|New Delhi

Date1: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co. (P) Ltd., 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2)M|s. Mehta Foods Pvt. I.td., 342, Naya Bans, Khari Baoli, Delhi-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|700.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Space in Building at 13 Tolstoy Marg, situated at Flat No. 1201, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-1. New Delhi in March 1984 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned "-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

54-346 GI|84

THE SCHEDULE

Space measuring 820 sq. ft. on 12th floor in the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi-110001.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|710.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 43-44, Kailash Colony,

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Gatinder Hoon, D-6, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Atam Prakash E-285, East of Kailash, New Delhi and Shri C. B. Arora, BL-75, (Paschimi) Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43-44 (Old No. 19-20), Ajit Arcade Kailash Colony, New Delhi-48—mg. 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 9-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW PELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|711.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1107, Devika Tower, 6, Nehru Place

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

the Registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Snowhite-Engg. (P) Ltd., D-28, N.D.S.E.-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Satya Sai Industries, A-62, D.D.A. Shed, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1107, in Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi-mg. 560 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-11-1984

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Arun Chahar Wo Col. G. S. Chahar, House No. 4506, Mohalla Jataa, Pahari Dhiraj, Delhi-110006.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|714.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B or

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Space No. 29, Dr. Gopal Dass Bhawan, 28 Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I New Dein: on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 29, on Lower Ground floor in Dr. Gopal Das Bhawan' 28 Barakhamba Road, New Delhi—mg. 149.58 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Ritu Mehra, E-34, Greater Kailash-I, New Delhi-110048,

(Transferor)

(2) Balram Bhasin, (H.U.F. Smt. Pushpa Mohan, Sin. Fushpa Monan, Sing Panchsheel Park, New Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|716.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. G-2. 16 Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

than those tany described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq, Range-I racay Deshi on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. G-2, 16 Barakhamba Road, New Delhi-mg. 555 sq. ft.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|728.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0007 and bearing No.

Space No. 11, 17, Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as oforecast exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ms. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, harakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Prakash Associates, 110, Meghdoot, 94, Nehru Place, New Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 11 on Lower Ground Floor, in 'Vijaya' Building, at 17 Barakhamba Road, New Delhi—mg. 226.3 sq. ft. sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 29-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AÇT, 1961 (43 OF 1961)

tuttitili. Valta kalaisista tiitaasista kasilaa kasilaa kasilaa kasilaa kasila kalaisista saalaa laa oo t

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|731.-Whereas, I.

Ref No. IAC/Acq.I[37EE]3-84[731.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the Said Act.) have reason to believe that the summovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 402, 7-Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule approved herets).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid otoperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Capt. Sarabjit Singh Bhandari and Mrs, Anila Bhandari, W-105, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

مراجع المراجع ا

(Transferor)

(2) Smt. Mehtab Zamani Ali Khan Clo 32-Regal Buildings, Sansad Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, in 7-Tolstoy Marg, New Delhi the Building is under construction, mg. 600 sq. ft,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :-

Date: 29-10-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|736.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000|- and bearing
No. 209, 51-52, Nehru Place,
situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereta), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

JAC Acq. Range-I, on March 1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Ms. Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi-24

(Transferor)

(2) Sh. Wazir Jaivir Chand and Sh. Wazir Ajaivir Chand Ss. Wazir Mohan Krishan, 19-A/C, Gandhi Nagar, Jammu Tawi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating one concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 209, 51-52, Nehru Place, New Delhi, mg. 230 sq ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-10-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Kamal N. Kaul S|o Sh. Narinder Nath Kaul, F-59, Green Park, New Delhi-110016.

(Transferon)

(2) Mrs. Chander Mani Devi 339, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1809.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. G. F. Flat in M-72, G. K. II.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secrion 269D of the said Act, to the following versons. namely ;----346GI|84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Flat measuring 1543.3 sq. ft. in building Plo: No. 72. Block-M. Greater Kalaish-II, New Delhi-48.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1811.-Wherens, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 3, Park avenue, Maharani Bagh,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Amar Nath Aggarwal, So Sh. Jitu Mal Aggarwal, Ro H. No. 1050, Sector 43-B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Verma and Prabhash Verma, both So Late Sh. Raja Ram Verma, R o 2081, Kali Masjid, Deini-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. D-9, Block 'D' Maharani Bagh Co-op. House Bldg. Society Ltd. now known as 3, park avenue, Maharani Bagh, New Delhi, measuring 500 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-10-1984

Smilt:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Urvashi Jain Wo Rakesh Jain, Ro K-36 A, Green Park, New Delhi.

(2) Sh. Kewal Prakash Anand So Late Fazuir Chand Anand Ro C-128, Kirti Nagar,

New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-S!ONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1814.—Whereas, 1, SUIDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing Mo. E-442, Greater Kailash-II, situated at New Delhi

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 'A' part of property No. E-442, measurin sq. ft. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1818.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Shop plot No. M-32, G. K-II.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Dr. Udey Singh Gauhnia, thr. Attorney Sh. Harbhajan Singh R|o 29|6, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 M|s. Vidu Properties (P) Ltd. through Dir. R. C. Bansal, R|o 7 Sagar Apartments Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop plot M-32, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhl

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC Acq. 1 SR-III | 3-84 | 1821.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. B-64, N. D. S. E. I.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shanta Vasudevan, Wlo Late Dr. M. N. Vasudevan, Rlo B-64. N. D. S. E. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhawani Shankar Chugh, S|o Mohri Ram Chugh, R|o A-15, N. D. S. E., Part-I, New Delhi. and Sh. Vinod Kumar Solo Sh. Mohri Ram Chugh, Ro C-4, Housing Society N. D. S. E. Part-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 64, Block 'B, measuring 200 sq. yds South Extn. Scheme Part-I, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l, New Delhi

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1822.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G. E. of S-129, Greater Kailash-II, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the r appears of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M[s. Mohan Builders through its partner S. Mohan Singh R|o 52|42 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Mohinder Singh S|o S. Makhan Singh R|o B-I|441 Janakpuri, New Delhi-48,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of building S-129 Greater Knilash-II, New Delhi, comprising of 3 bed room with 3 attached baths, drawing dining, Kitchen, open store and one room in the mezznine

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parely: ing persons, namely :-

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|3-84|1856.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. Single Unit House Const. on 248.27 sq. ft.

Single Unit House Const. on 248.27 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of he registering Officer at New Delhi on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Lt. Col. J. S. Guleria Retd., S-155, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar and Mrs. Padma Pangasa, bo,h R o K-8, Jangpura Extn. New Delhi-15

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/ot

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for

the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single Unit House Const. on 248.27 sq. mts. Property No. \$-155. Greater Knilash-H. New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-trax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the indue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 29-10-1984

Sal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sharanpal Singh S|o Sh. Ram Ratan, R|o M-161, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Medowell and Co. Ltd., 3, Second Line Beach, Madras-600 001.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC-Acq. 1|SR-111|3-84|1908.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. E-219. Greater Kailash-II,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property have not been truly extend in the said instant. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

E-219, Greater Kailash-II measuring 251 sq. yds. New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Date : 29-10-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1858,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. S-368, Grater Kailash-II, skuated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Shahpuri Estates (P) Ltd., 5|70, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

through its Director Gurbaksh Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Swapna Roy Wo Ashoke Kumar Roy, Miss Sushmita Roy (minor) Dlo Ashok Kumar Roy th. Ashoke Kumar Roy and Nitin Trivedi and others S-368, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on ground floor measuring 1750 sq. ft. property No. S-368, Greater Kailash-II, New Delhi. of

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under autsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регвоня, падзету :-56-346GI/84

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Harbans Lal Kainth So Late Amar Nath Kainth Ro E-128, Mohammadpur Near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1914.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No. E-230, Greater Kailash-II,

situated at New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(2) Sh. G. K. Pal, So Late Mandtha Pal at Present 5, Bhagwan Das Road. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. C (Second floor) area 1611 sq. ft. part of property No. E-230, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-10-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1984 Ret. No. 1AC|Acq.I|SR-III|3-84|1922,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. S-118, Greater Kailash-II.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent-consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sh. Dev Dutt Sharma So Late Pandit Daulat Ram Rio A-6, Ring Road, N.D.S.E. I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. C. D. Kapur So Late L. Narain Das Kapur and Mrs. Champa Kaur Wo C. D. Kapur, Ro 65,18, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit on Second floor measuring 1750 sq. ft. part of property No S-118, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-II|3-84|180|1611.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. 2!118,

2|118.

situated at Tihar No. 1, Subhash Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Sh. Joginder Singh General Attorney of Sh. Bhawani Dass, S|o Sh. Pritam Das 8|19, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Vig Wo Shri Baldev Raj Vig. E-23, East Nizamuddin, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chiapter

THE SCHEDULE

Quarter No. 2/118, Tihar No. 1. Subhash Nagar, New Delhi alongwith Lease hold rights. Measuring 100 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 31-10-1984

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, **NEW DELHI**

New Delhi, 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-II|3-84|1737|1610.-Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-11|95,

situated at Rajouri Garden. New Delhi

reansfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Tilak Raj B-42, Vishal Enclave, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shiela Rani Pasricha Wlo Sh. Amar Nath Pasricha J-11/95, Rajouri Garden,

(Transferee)

New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ProPerty No. J-11|95, Rajouri Garden, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 31-10-1984

FORM ITNS

 Smt. Ishwar Devi 2. Sh. Satish Chand Talwar
 Sh. Chander Mani Talwar
 J-7|38, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) 1. Smt. Rah Kumari 2. Sh. Kasturi Lal J-372, New Rajinder Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(Trausferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC Acquili SR-II 3-84 1756 1612 .- Whereas, I. G. S. GOPALA

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. J-7/38 situated at Rajouri Garden. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the courses has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- facilitating the concealment of any media of moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferee for (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. I-7|38, Rajouri Garden, New Delhi, Measuring 800 sq. ft.

> G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 31-10-84

(1) Sh. Harbans Singh, House No. 11132, Nasim Building, Poriwalan Sheedipura, New Delhi.

& Sh. Arsal Singh Sandhu 16-C|GGI, Vikaspuri, New Delhi-58.

(2) Sh. Tavinderibir Singh

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|3-84|1749|1613.—Whereas. I. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and

bearing No. 32-A situated at

Krishna Park, Pausangipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives. EXPLANATION: -- The terms and in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 32. Block A, Pausangipur, Delhi. Measuring 200 sq. yds.

> G. S. GOPALA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Saroj Saini, R-31, Inderpuri Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Sham Sunder Popli 2. Sh. Mohan Lal Popli 3. Sh. Om Parkash Popli 9220 8, Nawab Ganj Gali Zamir Wali Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN. NEAR BROADWAY HOTEL, 4514-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|3-84|1614|1731,---Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and

bearing No. R-31, situated at Inderpuri, Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Delhi on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. R-31, Inderpuri Colony, New Delhi.

G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, NEAR BROADWAY HOTEL, AGGARWAL BHAWAN, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.SR|3|3-84|551|93.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. H-8, situated at Hauz Khas, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s Premier Apartments P. Ltd.
 1205, New Delhi House,
 27 Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Rita Agarwal, Wlo Sh. A. D. Agarwal Bhagwati Niwas Gorakhpur (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Faid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-8 Hauz Khas, Flat No. B New Delhi (1|9th share).

Measuring 935 sq. ft.

G. S. GOPALA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhl.

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.SR|3|3-84|529|92.—Whereas, 1, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tr'; Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. 5652|51, situated at Rehampura Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Krishan, Pran Nath, Om Parkash and Narinder Kumar,
 Shakti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S|Sh. Nathu Ram Bansal Sh. Shyam Bansal 3, Rajender Kumar Bansal, 4483|53, Rehgarpura New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Municipal No. 5652 Plot No. 51 Khasra No. 563, Block A, Street No. 78 and 79 Rahgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

Measuring 150 sq. yds.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delha.

Date: 31-10-84 Seal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BRO DWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.SR-3|3-84|548|94.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 303, situated at N-19, Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Geeta Athereya Balasundram Athreya for self and GPA of Muittunias Balasundaram Athreya A-28, Chittranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lul Dujari and Mrs. Shobha Dujari Flat No. 303, N-19, Green Park Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-the terms and expressions used herein EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 part of property No. N-19, Green Park Extn. New Delhi. measuring 925 ag. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.SR-III|3-84|533|95.--Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

bearing No. 90|45 situated at
Malviya Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Delhi on March 1984

omeer at Deint on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Chandu Mal Vaswant Slo Sh. Kala Chand Rlo 90|45 Malviya Nagar, New Delhi through Attorney Sh. Bhulakh Raj

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Lal Ahuja& Sh. Ravinder Ahuja,90|45 Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 90|45 Malviya Nagar, New Delhi. Measuring 200 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-84

FORM ITNS----

WNOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.SR-3|3-84|543|96.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. 4|12 situated at

Siri Fort Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

1898 been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering

Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not oeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Sh. Dharam Singh transferee of Ms Dharam Singh Family Trust, A 2 140, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Rajpaul Mahajan So Sh. Behari Lal Mahajan, J-124, Saket, New Delhi.

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 of property No. 12 Siri Fort Road, New Delhi. Measuring 950 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31-10-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-3|3-84|535|97.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. f 241 situated at

New Rajinder Nagar. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sant Ram
Slo Sh. Ramjas Rlo House No.
2234 Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferor

(2) Dr. Dinesh Kumar Chawla & Smt. Rashmi Chawla, F-241, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transfereet

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. F-241, New Rajinder Nagar, New Delhi.
Measuring 128 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Nilima Kapur 233, Double Storey New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Juggal Kishore Uppal 477 Double Storey New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-3|3-84|538|98.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 125 126 situated at

New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) i nthe Office of the Registering Officer at Delhi on M arch 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 125/126, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi. Measuring 127.66 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq3|SR-3|3|84|539|99.-Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acq3|SR-3|3|84|539|99.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 5.12, situate at Siri kert Road New Delhi

Siri Fort Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Dharam Singh Trustee Mis Dharam Singh Family Trust, A-2 140, Safderjung Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Ashok Pandit Slo late Sh. Prem Parkash Pandit Brothers Buland Shahr (U.P.) Presently No. 12 Siri Fort Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 (second floor-Front portion) 12, Sirj Fort, Road, New Delhi. Measuring 950 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-84

TORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ret. No. IAC[Acq.III]III;3-84[525;100,---Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. 16/10002 situated at Plot No. 3 Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delh in March 1984

for an apparent consideration which is less than the law market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Chander Mohan Gupta 5,0 Sh. Gangadeen Gupta, 18.8. W.F.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. N. D. Taneja H.U.F.

Sh. N. D. Taneja H.U.F. through its Karta Sh. N. D. Taneja Sh. D. N. Taneja H.U.F. through its Karta Sh. D. N. Taneja 7 South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 16,10002, Plo. No. 8, Block No. 18 Khasra No. 775!757, W.F.A. Karol Bugh, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons manually

58-346 GI 84

Date: 31-10-84

(1) Mis. Rajendra's Properties & Industries 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjcev Bahadur A-73, Madhuvan Officers Colony, Patpargani Road, Delhi-92.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIL NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|193.-Where, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. RST 204 situated at

22. Prect Vihar, A Block, Delhi-92 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at LA.C. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of raisfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (1) of (922) or the said Act or the Washin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 204 (Upper Ground floor) 22 Preet Vihar, A Block Delhi-92. Measuring 95 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 31-10-84

Sea: :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984 Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|194.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. RST 111 & 112 situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ-III on March 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or buy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Rajendra's Properties & Industries 52-A. Conn. New Delhi. Connaught Circus,

(Transferor)

(2) Sh. M. C. Sharma, A-169, Pret Vihar, Delhi-110092.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 111 & 112 (Ground floor) 22, Preet Vihar, A Block Delhi-Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-84

FORM I.T.N.S .--

(1) Ms. Rajendra's Properties & Industries. 52-A, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Pramshwari Devi, & Sh. Prem Pal Sahni, C-126, Preet Vihar, Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|192.--Whereas 1, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property having a ran market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. RST 12-A, situated at 22 Preet Vihar, A Block, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ-III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interest by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (3) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said presenty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a partical of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 12-A (Lower ground) 22 Preet Viha), A Block, Delhi. Measuring 90 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Rajendra's Properties and Industries 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Jagjit Kaur, B-269, Vivek Vihar, Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC Acq.III 37EE 83-84 191.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. RST 20 situated at 22 Preet Vihar, A. Bleck, Delhi-92 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ-III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. RST 20 (Lower Ground) 22 Preet Vihar, A Block, Delhi-92. Measuring 90 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Acquisition Range-III
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-111 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|83-84|190,---Wherens, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. RST 11 situated at 22 Preet Vihar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Income-tax, 1961 in the office of the

IAC. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Rajendra's Properties & Industries. 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Bimla Mittal, C-49, Delhi Admn. Flats, Timarpur, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the baid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 11 (Lower Ground) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92. Measuring 45 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 31-10-1984

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(i) M|s. Rajendra's Properties & Industries 52-A, Connaught Place, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Cr. Sudbir Sud A-149, Preet Vibar, Delhi-110092.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref No. IAC|Acq.III|37EE|83-84|189.-Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. RST 119 situated at 22 Preet Vihar,

A Block Delbi

A Block, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Income-tax, 1961 in the office of the

IAC. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the vervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) tacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Property No. RST 119 (Ground floor) 22 Preet Vihar shopping Centre, A Block, Delhi-92. Measuring 60 so. ft.

> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> Delhi|New Delhi G. S. GOPALA

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(2) of the said Act, to the following persons, namely :- .

Date: 31-10-1984

Sçal :

NOTE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Rajen/ra's Properties & Industries. 52-A, Connaught Place. N.w Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Poshpawati, B-2 Kotla Ferozshah New Delhi-2,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI HOTEL

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. 1AC[Acq.III]37EE[83-84]188.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. RST 110-A, situated at 22, Preet Vihar,

A Block, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Income-tax, 1961 in the office of the

JAC. ACQ-III in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market valu cof the aforesaid proptrty and I have reison 10 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 110-A (Ground floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi. Measuring 50 sq. t.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Rance-LH Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sec ion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1984

Scal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY 4,14A, ASAF ALI ROAD HOTEL NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-111|37EE|3-84|215.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. H-3, situated at 1 Rajendra Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Income-tay, 1961 in the office of the

IAC. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

(1) M_{|3}. Neha Deep Constructions, 1, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Capt Rajinder Singh Sandhu and Mrs. Harbans Sandhu, K-38-A, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-3, (First Floor) 1, Rajendra Place, New Delhi. Measuring 225 sq. ft.

> G. S. GOP. Competent Author-Inspecting Assistant Commissioner of Income.
> Acquisition Range
> Delhi New De

Date: 31-10-1984

Seal:

59--346GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY 4|14A, ASAF ALI ROAD HOTEL NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|234:--Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 215 situated at Jaina Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex (New Delhi (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred.

has been transferred

has been transferred under the Income-tax, 1961 in the office of the IAC. ACO-III in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Aar Pce Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Y. C. Mathur, & Mrs. Lily Mathur, 2|3 Sector XIII R. K. Puram, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 215 Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex, New Delhi. Measuring 100 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Rcf. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|235.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-25, situated at Commercial Complex, Preet Vihar, Delhi-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Income-tax, 1951 in the office of the IAC. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Jaina's Properties P. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Kumar Gupta 25 Upper Flat D.C.M. Road, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-25 (Basement) Commercial Preet Vihar, Delhi. Measuring 44 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI, BHAWAN NEAR BROADWAY 4/14A, ASAF ALT ROAD NEW DFLHI HOTEL.

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37FF|3-84|236.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. B-52 situated at Jaina's Tower, Preet Vihar,

Commercial Complex Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Income-tax, 1961 in the office of the IAC, ACO-III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M|s, Jaina's Properties P. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. G. C. Gulati G-186, Sriniwaspuri, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-52 (Basement) Jaina's Preet Vihar Commercial Complex, Delhi-92. Measuring 44 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|3-84|2000.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. RST 15 (Lower Ground) situated at 22 Prect Vihar, A
Block, Delhi-140092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the JAC, ACQ,-III Income-tax Act, 1961 on March 1984

Income-tax Act, 1961 on March 1984 on vlarch 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the case Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mb. Rajendra's Properties & Industries, 52-A. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Maugal Dass, 4696 Street Pazia Begum Hauz Kazi Delhi 6.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 15 (Lower Ground) 22 Prect Vihar, A Block, Delhi-110092. Measuring 90 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi[New Delhi

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI HOTEL

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|201.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RST 2 (Basement) situated at 22 Preet Vihar, A Block Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax, 1961 in the office of the IAC. ACQ-III in March 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid perperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s Rajendra Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. D. N. Kothari, House No. 135, Vinod Nagar, Kumaon Square Delhi-110092.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 2 (Basement) 22 Preet Vihar, A Block Delhi-92. Measuring 55 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984

 M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha Gupta and. Sh. Ashok Kumar Goel, 12|3, Railway Colony, Sewa Nagar. New Delhi-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. 1AC|Acq-III|37EE|3-84|199.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating

No. RST 114 (G.F.) situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delbi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of IAC, ACQ.-III Incometax Act, 1961 on Mrch 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A Block, Delhi-92. Measuring 50 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|24-A, ASAF ALI ROAD AGGARWAI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|83-84|198.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. RST 6 (Lower Ground) situated at

22/2, Preet Vihar, A Block, Delhi-92 has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the IAC. ACQ.-III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|5. Rojendra's Properties & Industries No. 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Praveen Parkash & Girish Bhaita B-26 Preet Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 6 (Lower Ground) 22 Preet Vihar, A Block, Delhi-92. Measuring 45 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, l. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|3-84|197.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

No. RST 107 (G.F.) situated at 22, Preet Vihar, A Block Dolhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the registering Officer

at IAC, ACQ, III Income-tax Act, 1961 on March 1984

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60-346 GI/84

 Mis. Pajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Kumari, E-141, Nanak Pura, New Delhi-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 107 (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92. Measuring 80 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|83-84|196.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

and bearing
No. RST 118 (G.F.) situated at 22 Preet Vihar, A Block,
Delhi-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the Income-tax Act, 1961, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(2) Sh. Kewal Krishan Khanna, D-18 Preet Vihar, Delhi-110092. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 118 (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delbi-110092. Measuring 60 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, named:—

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASIF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|3-84|195.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000l-and hearing

No. RST 210 (Upper Ground) situated at 22 Preet Vihar, A Block, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ.-III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Prem Sharma, B-195, Vivek Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 210 (Upper Ground) 22, Preet Vihar, A Block Delhi. Measuring 114 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|3-84|180.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing —No. 117 situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-Λ, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Chopra, Sh. Pankaj Chopra, Master Sanjay Chopra, G-230, Preet Vihar, Delhi-92.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rubilication of this notice in the Official Contract

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property N. 117 (Ground floor) 22 Preet Vihar, A Block Delhi. Measuring 60 Sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984

FORM ITNS——

M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. 1AC|Acq.III|37EE|3-84|179...Wherens, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing RST 110 (G.F.) situated at 22, Preet Vihar, A Block,

Delhi-110092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1°51 in the Office of the IAC, ACQ, III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. Ram iKshan Rohtagi 56, Kucha Sukha Nand, Chandni Chowk, Delhi-110006.

(Transferce)

Objectitons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 110 (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block Delhi. Measuring 50 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE N'EW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|83-84|224.—Whereas, L. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

—No. B-24, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in at Office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Grover, Clo Grover Stationery Marg, Begum Bridge Meerut (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. B-24 Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 72 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|223.--Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
No. B-20, situated at Yusuf Sarai Co.

No. B-20, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Erishan Kumar Verma 3537 Jalwara Street Daryaganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-20, Yusuf Sarai New Delhi. Measuring 72 sq. ft. Commercial Complex,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Chand, Madan Mrs. Madhu Madan G-56, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.HI|37EE|3-84|594,---Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. G-1-B, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ, III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-1-B, Yusuf Sarai Commercial Complex (Ground floor) Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 31-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|591.—Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 117 (First floor) situated at Yusuf Sarai, Commercial

Complex, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M₁s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Gupta, B-5|46, Safdarjung Enclave, NewDelhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 117 (First Floor) Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 300 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhil New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—346 GI 84

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|231.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 217 (Second floor) situated at Yusuf Sarai Commercial

Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 the Office of the IAC. ACQ. III on 19th March 1984 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
-)) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sadhu Rani, M-12, Green Park Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, in this 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. 217 (Second floor) Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 30 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authorit Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 31-10-1984

Scal:

(1) M/s. Aar Pec Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Anju Soni
2. Madan Lal Soni
3. Sh. Arun Kumar Soni
R-66, Arjun Nagar P.O. Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|230.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. G-11-A, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Dalhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269A, B of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at IAC. ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Property No. G-11-A Yusuf Sarai, Commercial Complex, New Delhi. Measuring 90 sq. ft.

> G. S. GOPAIcA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi New Delhi.

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC₁Acq.III[37EE₁3-84]229.—Wherens, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 109 (First Floor) situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Income-tax Act, 1961 in the office of

the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mls. Aar Pec Apartments Pvt. Ltd., adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Prabha Rani Aggarwal, 6-A. V. D. Marg, Bandriya Bagh, Lucknow (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 109 (First Floor), Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi Measuring 210 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-10-1984

Scal:

(1) M|s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught, Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ravinder Kumar & Sh. Raj Kumar, 1322, Frash Khana Lal Kuan Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|228.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

of transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. G-14 situated at Jain's Green Park Yusuf Sarot. Commercial Complex, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. G-13 at Jaina's Green Park Yusuf Saral Commercial Complex, New Delhi. Measuring 80 sq. ft.

THE SCHEDULE

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Dehli

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|3-84|243.—Whereas 1. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 114|11, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC ACQ, III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd.
Adinata Shree House Opp. Supper Bazar,
Connaught Circus, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Narendra Kumar Jain, So Sh. Shanti Sagar Jain, N-33, Green Park Extn. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 114|11, Yusuf Sarai Commercial Complex, Sarai, New Delhi.

Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|3-84|244.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. G-14A|11, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. HI on March 1984

the office of the IAC. ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M|s. Aur Pee Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House Opp. Supper Bazar,
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Hiranmoy Bose, Slo late Sh. S. C. Bose, 306 J. N. U. Block I New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-14A, 11 Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 90 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Date: 31-10-1984

(1) Mls. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. M. C. Maheshwari & Co. 2483, Chippiwara Dariba Kalan, Delhi..

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|254.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing No. B-8, situated at Yusuf Sarai, Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 the office of the IAC.ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. B-8, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Dlhi. Measuring 72 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-10-1984

(1) M|s Kothari Trust J-2021 Saket, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. B. D. Bhalla. So late Sh. Haveli Ram, 1579, Sector 15 Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|246,-Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

B-401 5 situated at Vikaji Kama Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-401, Bhikaji Cama Place, New Delbi. Measuring 255 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-346G1184

Date: 31-10-1984

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

29200

GOVERNMENT OF INDIA

 M\s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Supper Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

 M|s. Rana Partap & Co.
 Pratap Singh Building, Janpath, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|247.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 209, situated at Jaina's Tower, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 209, Second Floor, Jaina's Tower, Green Park, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 260 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Date: 31-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IT

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|248.--Whereas, 1 G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. 207. Yusuf Sarai,

situated at Green Park, New Delbi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the IAC.ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

(1) Ms Aar Pec Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Uppkar Trading & Chit Fund Pvt. Ltd. B-6|16 Local Shopping Centre, First Floor, Safderiung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 207, second Floor, Jaina's Green (Yusuf Sarai Commercial Complex) New Delhi. Park Measuring 285 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III,
> Delhi New Delhi

Date 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|168.—Whereas, 1,

KeI, No. IAC|Acq.3|3/EE|3-84|168.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2611.

26[11,

situated at Najafgarh Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the officer of the IAC.

Acq. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. National Chemical Industries Ltd. 26 Najafgarh Road, New Delhi-110015.

(Transferor)

(2) Shri Siri Ram Gupta, Smt. Kamlesh Rani Garg, Smt. Krishna Devi Smt. Bhagwati Bai, Smt Pushpa Devi rlo R-Q-B-96, Wazirpur, Industrial Area. New Delhi-52.

(Transfere: .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26 11, Najafgarh Road, New Delhi. Measuring 213.50 sq. vds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date 31-10-1984

Sep1:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUT THE THE TENT

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|3-84|169.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. C-72,

situated at Naraina Residential Scheme, Newe Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the IAC. Acq. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) Shri Rajpal S|o Sh. Roop Ram r|o WZ-B-52, Naraina Village, New Delhi

(Transferor)

 Smt. Jyoti Chopra Wo Sh. Amrit Chopra, H-385, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferce +

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever neriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-72, Naraina, Residential Scheme, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date 31-10-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMFATAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Rcf. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|170.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

F-203

situated at Yusuf Saral, Commercial Complex, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Income tax Act, 1961, in the office of the IAC. Acq. III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis Aur Pee Apartment Pvt, Ltd. Admath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. V. K. Sawhney and Mr. S. R. Minocha, Mr. R. K. Mehta, Partners of Mls Associated Precision equipments, D-211, Saket, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A is shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 203, second floor, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

Measuring 225 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi.

Date 31-10-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Aar Pee Apartments P. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh Sethi rlo 3814, David Street, Daryagani, New Delhi-2

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|171.—Whereas, J, S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|- and bearing No. G-7,

situated at Yusuf Sarai Green Park, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income-tax Act. 1961, in the office of the IAC. ACQ. III in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than officers par cent of such apparent consideration and the the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-7, Yusuf Sarai, Commercial Complex, Green Park New Delhi. Measuring 70 sq ft,

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 31-10-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhavnesh Kumar and Sh. Raj Kumar, r|o C-126, Preet Vihar Delhi-92

may be made in writing to the undersigned:-

(1) M|s. Rajendra's Properties & Industries

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|178.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 69 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing

No. RST-18

situated at 22-A. Block Preet Vihar, Delhi-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. Acq. III in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST-18 Ground Floor, Block A, 22 Preet Vihad, Delhi-92.
Measuring 90 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 31-10-1984 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|177.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 8|22

situated at A Block, Preet Vihar, Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III in March on 19-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—63—346 GI[84]

 M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Joginder Kumar, r|o D-1|140, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used berein a gre defined in Chapter XXA of the sea Act, shall have the same menning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 8. Building No. 22, A Block, Preet Vihar, Delhi-92.

Measuring 45 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (
Delhi|New Delhi

Date 31-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ms. Rajendra's properties & Industries. No. 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Baljit Chabra, B-269, Vivek Vihar, Delhi-110032.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|173,-Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. RST 21

situated at A Block 22, Preet Vihar, Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of IAC. ACQ, III on March 1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Property No. RST 21, Building No. 22 Block A Preet Vihar Delhi-92 Measuring 90 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing perssons namely :-

Date, 31-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|174.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 1/22.

situated at A Block, Preet Vihar, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of IAC, ACQ, III

on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:--

(1) M/s. Rajendra's Properties & Industries. 52-A, Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jag Prayesh Madan, Phool Madan & Mr. R. K. Madan,

(Transferee)

A-24 Guru Nanakpura Laxmi Nagar Delhi-92.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 1 (Lower Ground floor) 22, Block A. Proet Vihar, Delhi-92 Measuring 58 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date 31-10-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|175.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propesty having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 7/22, situated at A Block. Preet Vihar, Delhi-92 (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of IAC. ACQ, III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Manchanda, 1542, Mukesh Market, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propety No. RST 7 Building No. 22, A Block, Preet Vihar Measuring 45 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Ossistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date 31-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mis. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur A-136, Preet Vishar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|175.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 205 22

situated at A Block, Preet Vihar, Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of IAC, Acq. III

on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST. 205, Building No. 22 Block A, Preet Vihar, Delhi-92.

Measuring 130 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Date 31-10-1984

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar. Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|211.—Whereas. I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. G-6

situated at Jaina's Green Park (Yusuf Sarai Commercial

Complex) New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of IAC, ACQ, III on March 1984

on March 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said in the sa said instrument of transfer with the object of :-

(2) Mrs. Basant Kaur Co H. S. Paul A-1/239 Janakpuri New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Property No. G-6 Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex, Green Park Park, New Delhi. Measuring 50 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date 31-10-1984 Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|210.-Whereas, I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

No. B-28, (Basement) situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Income-tax Act, 1961, in the office of the office of IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis, Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekna Gupta, I-78. Saket New Delhi-110017

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-28 (Basement) Pusuf Sarai Commercial Complex, Green Park, New Delhi.

G, S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 31-10-1984 Seal:

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|209.--Whereas, I. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. B-5, B-6 & B-7
situated at Jaina's Yusuf Sarai (Green Park) Commercial Complex, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the IAC. ACQ. III Income-tax Act, 1961 on 19-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Aur Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar. Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Service Bureau of India (Delhi) A-190, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-5, B-6 & B-7, Jaina's Yusuf Sarai (Green Park) Commercial Complex, New Delhi.

Measuring 390 sq. ft. & 150 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date 31-10-1984 Bool 1

 M|s. Gangaur Impex India Pvt. Ltd. C-58, N.D.S.E. Part-I New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Highway Cycle Industries Ltd. A|3, Kundan Mansion, Asaf Ali Road, New Delhi 110002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|3-84|208.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 224

situated at No. 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC, ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—346GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet e.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 224 on 2nd floor, No. 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Measuring 509 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Date 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|214.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 206 situated at Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at IAC. ACQ-III Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flabelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

 M|s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. H. P. Soni and Mrs. Vinay Malhotra, Mrs. Bimla Malhotra, 37 Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neretn as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property No. 206 Second floor in Jaina's Green Park (Yusuf Sarai Complex) Yusuf Sarai, New Delhi. Measuring 240 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Dethi

Date: 31-10-84

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|202.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tan market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RST 12 situated at 22 Preet Vihar, A Block Delhi-92.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC. ACQ-III Income-tax Act, 1961 in Murch 1984

in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Mls. Rajendra Properties & Industries, 52-A, Commught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Goel, 136|15, M. B. Road, Saket, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper'y, with a 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. RST 12 (Basement) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92.

Measuring 45 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ~

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|203.—Whereas, I, G, S. GOPALA,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, from a tent armed vidue excerts. 25,000[- and bearing No. RST 105 (G.F.) situated at 22, Preet Vihar, A Block, thems a tea nearest vidue exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. ACO-III Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the chir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

(1) Mis. Rajendra Properties & Industries. 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Gopalji, House No. 80 Village Khureji Khash P.O. Krishna Nagar, Delhi-110051.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 105 (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi. Measuring 80 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-84

(1) M|s. Rajendra Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Naveen Gupta and Shri Pramod Gupta, 493, Timarpur, Delhi-110007.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC Acq-III 37EE 3-84 204.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. RST 102, (G.F.) situated at 22 Preet Vihar, A Block, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at AC. ACQ-III Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the stad Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 102 (Ground Floor) 22 Preet Vihar, Block, Delhi. Measuring 80 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi. (2) Mrs. Kaushlya Rani Dhall and

52-A, Connaught Place,

(1) M|s. Rajendra's Properties & Industries,

(Transferor)

Shri Ashok Kumar, A-38, Preet Vihar, Delhi-110092.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|205.—Whereas, L. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. REST 115 (G.S.) situated at 22, Prest Vihar, A Block, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per dead registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ-III Income-tax Act, 1961 in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of waysfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfert and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. RST 115 (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-110092. Measuring 90 sq. ft,

> G, S, GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. JAC|Acq-III|37EE|3-84|206.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe t hat the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. REST 104 (G.F.) situated at 22, Preet Vihar, A Block

Delhi.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Irdian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

at IAC. ACO-III Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid reseds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said bistrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rajendra Properties & Industries. 52-A, Connaught Place, New Dolhi.

(2) Sh. Sri Prashad Bansal. 676. Kundewalan Ajmeri Gate, Delhi-6.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. RST 104 (G.F.) 22, Preet Vihar A Block Delhi. Measuring 80 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-84

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006 Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Miss Jaya Agarwal through cuardian Mr. B. K. Agarwal,
 22. Moti Lal Nebru Nagar, 3hilai (M.P.).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SLONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-84|207.-Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 2690 of the Income-ta: Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property laying a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. situated at 2-A Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under the Regist ration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC ACQ. III Income-tax Act, 1961 on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space at proposed commercial complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 866.5 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-10-1984

See :

(1) Mis Jailikhel B.L. HUF through its Karta sh. B.L. Arora 2|7, Ansari Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaght Circus, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|AcqIII|37EE|3-84|216.—Whereas, I.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing number 105 situated at First floor at Plot No. 11. Yusuf Sarai

Commercial Complex New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ. INI on Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 105 on first floor Plot No. 11 Yusuf Sarai Commercial Complex, Yusuf Sarai, New Delhi. Measuring 220 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
65—346GI|84

Date: 31-10-84

(1) Smt. Asha Jain D-14 Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Aar Peel Apartments P.Lid. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|3-84|218.—Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 208 situated at Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial

Complex) New Delhi.

29224

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ. III on Income-tax Act, 1961 in March 1984

at IAC. ACQ. III on Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 208 on second floor in Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex, New Delhi. Measuring 205 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IU
Delhi[New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTAT . NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|3-84|217.--Whereas, I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 7 (Basement)

situated at Deep Shikha 8 Rajenrda Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC ACQ. III on Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Scotlon 269D of the said Act, to be the following persons, namely :-

(1) Mrs. Renu Nath Clo Sh. R.N. Chaurasia, 21. Malviya Road, Allahabad (U.P.).

(Transferor)

(2) M|s Arora Agencies, Z-47, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 7 Deep Shikha, 8 Rajendra Place, New Delhi. Measuring 583 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Dolhi New Delhi

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC Acg III 37EE 3-84 219 .-- Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. G-11, situated at Jaina's Green Park (Ysuf Saral) Commerical Complex, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the

Income-tax Act. 1961 in the office of the

IAC, ACQ. III in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Mis. Aar Pec Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Condinght Circus, New Delhi. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bharat Bhushan & Sh. Navin Kumar, 26 136, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. G-11 on ground floor at Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) Commercial Complex; New Delhi. Measuring 110 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill Delhi New Delhi

Date: 31-10-84 Sen1:

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC Acq III 37EE 3-84 220.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the competent authority under Section 269B of the tncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing

situated at Jaina's Green Park (Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred in the office of the

IAC. ACQ. III Income-tax Act, 1961 in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the refrection or evantion of the of the transferer to may tax under the said Act in respect of any leads no arising from the transfer; سه/شدد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mis Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Raina Aggarwal E-132, Saket New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 208, on 2nd floor in Jaina's Green Park (Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi) Measuring 205 sq., ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill Delhi New Delhi

Date: 31-10-84

(1) M/s Aar Pce Apartment Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp, Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mrs. Madhu Sharma, Wlo Sh.Ravinder Nath Sharma, M-2|15-16 Model Town Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. 1AC|Acq. III|37EE|3-84|221.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. B-16.

situated at Plot No. 11, Yusuf Sarai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the IAC. ACQ. III, Income-tax Act, 1961 March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immorable property within 45 days from the date of the publication of this notiue in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Property No. B-16 Plot No. 11 Yusuf Sarai, New Delhi.

Measuring 72 sq. ft. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

فعطره عادر بعفعان ويور

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE

NEW DELHI New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|227.-Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Quarter No. 15|71,

situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the IAC. ACQ-III, Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Gulshan Seth 167 1, Minto Bridge, Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Parsram Darira 4-D 35, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quater No. 15]71, Old Rajinder Nagar New Delhi. Measuring 57.4 sq. Yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Dolhi New Dell-

Date: 31-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Aar Pee Apartments P. Ltd. Adjusth Shree House Opp, Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. IAC|Acq.III|37EE|3.84|226.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 204, situated at 11 Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the IAC, ACQ-III, Income-tax Act, 1961 in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (2) Mr. V.K. Sawhney, & R.K. Mehta Clo Associated Precision, Equipments, D-211, Saket, New Delhi-17 S.R. Minosha.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 204, on second floor at 11, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 275 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-84

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Aar Pee Apartments P. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. V. K. Uppal Slo Shri Rajbahadur Uppal. 21, Jorbagh. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL, 4114-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|225.--Whereas. I G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-101. First floor situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi

'and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the

IAC. ACQ. III Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an exponent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—66-346GI84

Objections, if any, to the aacqqisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagatte

FAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-101, First floor, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 220 sq. ft,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhl, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|222.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. B-18, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred in the office of the IAC, ACQ, III Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by those than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s Aar Pee Apartments P. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudha Gupta, D-237, Sarvodya Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property No. B-18, Yusuf Sarai Commercial Complex. New Delhi. Measuring 72 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4]14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|241.—Whereas. I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 214 situated at Yusuf Saral Complex, Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the office of the

IAC, ACQ. III Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 M|s Aar Pec Apartments P. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya W|o Shri Ashok Kumar. C|o Ft. Lt. R. S. Sekhon, A-94, Defence Colony. New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 214 Second Floor, Yusuf Sarai, Green Park. New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, EAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|237.—Whereas, I. S. GOPALA,

ring the Competent Authority under Section 269B of the icome-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act), have reason to believe that the

as the 'said Act'), have reason to believe that the nimovable property having a fair market value exceeding s, 25,000|- and bearing lo. B-43, situated at Paschim Vihar, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred in the office of the AC. ACQ. III on Income-tax Act, 1961 March 1984, or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the tair market value of the property as afore-iid exceeds the apparent consideration therefor by more an fiftee, per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument I transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Jaina Properties Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis Jagdish Prasad Gupta. rlo 17|69, Than Singh Nagar. New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-43, Shopping Complex, Paschim Vihar, Delhi. Measuring 44 Sq. ft.

> G, S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

erfiger unangeneral sensetaal Merkel af maar van de entere in entere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|238,--Whereas. I. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to hafthe 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. G-11-E, situated at Janak Puri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the IAC. ACQ, III Income-tax Act, 1961 in March 1984 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbdity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance in the said Act, and the following pursuance is the said Act, and the said Act, are the following pursuance in the said Act, and the said Act, are the said Act, and the said Act, and the said Act, are the said Act, and the said Act, and the said Act, are the said Act, are the said Act, and the said Act, are the said Act,

 M|s Jaina Properties Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Guru Mail Singh, Slo Shri G. S. Bhogal, C-5-D|48-A, Janakpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-11-E, Jaina Tower, Janakpuri. New Delhi. Measuring 150 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|Now Delhi

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|239.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. 102, situated at Yusuf Sarai, Commercial Complex, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the IAC. ACQ-III. Income-tax Act, 1961 in March, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s Aar Pco Apartments P, Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Gyan Chand Sharma, So Shri Jagan Lal Co Ft. Lt. R. C. Sekhon. A-94, Defence Colony, New Delhi.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 102, First Floor, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 205 Sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|3-84|240.—Whereas. I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. G-1-C, situated at Yusuf Sarai, Commercial Complex. New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the I.A.C. ACQ-III, Income-tax Act, 1961 in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Cansfer with the object of :--

-) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

(1) Mis Aar Pee Apartments P. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar. Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Sabibuddin Javed. 2533, Bera Dari (Sher Afgan) Ballimaran, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-1-C. Ground Floor, Yusuf Sarai, Commercial Complex, New Delhi. Measuring 150 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:---

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN

NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|242.--Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

No. B-3, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfer.ed under the Income-tax Act, 1961, in the office of the

office of the IAC. ACQ. III on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(1) Ms. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Admath Shree House, Opp Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Ankur Jewellers, 1180, Kucha Mahajan, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within-a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

¹ No. B-3, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Del ng 130 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN

NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|172.—Whereas, I, G. S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RST 112-A situated at 22 Preet Vihar, A Block, Delhi-110092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such temperature consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 67-346 GI 84

(1) Mis. Rajendra's Properties & Industries, N-52-A. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Anand & Shri Satinder Kumar Anand, F-183, Laxmi Nagar, Delhi-92.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 112-A (Ground Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-110092.

Measuring 50 sq. ft,

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 31-10-1984.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|172-A.—Whereas, I, G. S. **GOPALA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 2-A, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-ax Act, 1961 in the office of the

IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act: I hereby initiate proceedings for the ocquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Ms. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

Mls. Best & Crompton Engg. Ltd., 29, Rajaji Salai, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service nof notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2-A. Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 6403.05 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Date: 31-10-1984.

Seal 4

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL BHAWAN

NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|183,—Whereas, I, G, S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. RST 14 situated at 22, Prect Vihar, A Block, Delhi-110092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the

IAC. ACQ. III on March 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tsz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Rajendra's Properties & Industries, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Gupta, D-246, Nirman Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 14 (Basement) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92.

Measuring 90 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-10-1984.

(1) M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Manchanda, 27|35, Jawala Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, LP. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|184.—Whereas, I, G. S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 [and bearing No.

No. RST 16, situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III on March 1984

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 16 (Basement) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92. Measuring 45 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1984.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|185.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and hearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. RST 203, situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-lax Act, 1961 in the office of the

IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

 M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A, Counaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Heera Suresh Bhargav, 180, Sidhrath Enclave, New Delhi-110014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or Property No. RST 203 (Upper Ground) 22, Prest Vihar. A Block, Delhi-92. Measuring 110 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1984.

FORM HINS---

(1) M|s. Rajendra's Properties & Industries, 52-A. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. R. C. Aggarwal, 1903, Gali Leshwa Mohalla Imli, Bazar Sita Ram Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|ACq.III|37EE|3-84|181.—Whereas, I, G S GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. 103 situated at 22, Preet Vihar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income erising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dofined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUL

Property No. RST 103 Ground Floor 22, Preet Vihar, A Block Delhi. Measuring 80 sq. ft.

> G S. GOPALA Competentt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-84|186,---Whereas, I, G S GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. RST 106 situated at 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-110092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indien Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2590 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) M/s Rajendra's Properties & Industries, 52-A. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamlesh Jain, A-124, Preet Vihar, Delhi-110092.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 106 (Ground Floor) 22, Preet Vihar A Block, Delhi-110092, Measuring 80 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|-3-84|182.---Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 302, 303, situated at 22. Preet Vihar A, Block, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, stamely:—

 M|s Rajendra's Properties & Industries, A-52, Connaught Place, New Delhi.

(2) Smt. Usha Sharma, B-4|13, Krishna Nagar,

Delhi-51

(Transfarec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proprety No. REST 302 & 303, (First Floor) 22, Preet Vihar, A Block, Delhi-92.

Messuring 220 sq. ft,

G. S. GOPALA
Competentt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomic-tax
Acquisition Range-III
Delbi[New Delbi]

Date: 31-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4114-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 31st October 1984

Ref. No. [AC|Acq.III|37EE|3-84|187.—Whereas, J,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. RST 4 situated at 22 Preet Vihar, A Glock, Delhi-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the IncomeIncome-tax Act, 1961 in the Office of the

IAC. ACQ. III on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

68-346 GI 84

Mis Rajendra's Properties & Industries, 52-A. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(1) Mr. M. C. Dhall, 21-X, Chhatte Lal Main Daryagani, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RST 4 (Lower Ground) 22, Preet Vil Block, Delhi. Measuring 100 sq. ft

> G., 5. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Dato: 31-10-1984

Beal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Indumati Wo Shri Ramanlal Bhavti, Ro Maheshnagar, Indore through general attorney Shri Gopal So Shri Ramjjiwan Rashi, Ro Sriram Market, Kanthal, Ujjain (M.P. (Transferor)

(2) Trustee, Shri Nathuram Shivhare Dharmarth Trust, bivpuri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|BPL|5265.—Whereas, I, V, K, BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
House No. 752 (Old) and New No. 7
situated at Kamla Gaani, A.B. Road Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/orz

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now: therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 752 (Old) and 7 New situated at Kamla ganj, A.B. Road, Shivpuri. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5270.—Whereas, I, V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

House No. 43|738

situated at Zamboorkhana, Laskar, Mama-Ka-Bazar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in March 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factifieding the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt Liladevi w/o Shri Sunderdas Rajpal Sindhi R/o Jomboorkhana, Mama-Ka-Bazar, Laskar Gwalior

(Transferor)

(2) Smt. Jaidevi Wd/o I ate Shri Prahladas Gangwani R/o House No. 43/38 Jamboorkhana, Mama-Ka-Bazar, Laskar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 43/738, situated at Jamboorkhana, Mama-Ka-Bazar, Laskar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometas
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. 1AC | Acqn | Bpl | 5271.—Whereas, 1, V, K, BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 26|1118, situated at Gandhi Nagar Colony, Gwalior (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishan Kumar Mishra, S|o Shri Bachanlalji Mishra,
 R|o Gandhi Nager Colony, Gwalior.

(Transferor)

 Shri Pooranchand, Jetli So Shri Ramddittamalji Jetli, Ro Gandhi Nagar Colony, Gwalfor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properting may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 26/1118(situated at Gandhi Nagar Colony Gwalior. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Bulding T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-10-1984

Cest:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

((1) Smt Laxmi Bai w/o Shri Banarsidas. R/o Ghoshpura No. 1 Gwallor.

(Transferor)

(2) Smt. Lilawati Wlo Shri Dwarika Prasad, Rlo Goshpura No. 1, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE EHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5272.--Whereas, I,

V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sata Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of House No. 8|45

situated at Goshpura No. 1,Gwalior

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gwalior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian incomestax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westernary Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 8|45 situated at Goshpura No. 1, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the saidw Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1984

£e.4 :

FORM TINS-

(1) hamminalevi Wo Banarsidas Ro Conhpura No. 1, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Soo Dwarka Prasad, Roo Kioshpura No. 1, Gwalior.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5273.—Whereas, I, V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
House No. 8|45 situated at Goshpura No. 1. Gwalior.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration act, 1908 (16
of 1908) in the of the Registering officer at
Gwalior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

House bearing No. 8|45 situated ura No. 1 Gwalior. This is the immovable recent characteristic in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt Laxmi Devi W|o Shri Banarsidas R|o Goshpura No. 1, Gwalior.

(Transferor)

(2) Dwarka Prasad Slo Shri Rem Dayal, Rlo [Goshpura No. 1, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October, 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5274.--Whereas, I, V K BARANWAL.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of House No. 8|45, situated at Goshpura, No. 1, Gwalior (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on March, 198 4

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that "Chapter."

THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 8|45 situated at Goshpura No. 1, Gwalior. This is the immovable property which has been bescribed in the form No. 37-G duly verified by the transfers.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
4th Floor Gangotri Bu'lding
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice junder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1984

Scal:

Khadke.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Rlo Naya Bazar, Lashkar Gwalior (Transferor) (2) Smt. Sow Angoridevi Wo Shri Khemchandaji Rlo Teli-Ki-Bazariya, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior

(1) Shri Prataorao Khadke Slo Shri Pandurangrao

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5275.—Whereas, 1, V K BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing No. 51|339 (New)|48|180 (New) situated at Teli-Ka-Bazariya-Naya Bazar, Lashkar Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis ering Officer at Gwulior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda X \Lambda$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liapility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, prof for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act pr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House bearing No. 51|339(New)|48|180(New), situated at Teli-Ki-Bazariya Naya Bazar, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiction Range 4th Floor Gangotri Bu'lding T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ;---

Date: 22-10-1984

beet :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5276.--Whereas, I, V. K. BARANWAL.

the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding it. 25,000; and bearing

No. 494,40 (Old) and 179,49 (New)

situated at Kampo, Lashkar, Gwalior,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferend/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons, namely:—69—346 GI 84

 Shri Parab Slo Shri Balchandra Rao Minor, Guardian mother Smt. Pirmioala Bai Wlo Shri Balchandra Rao, Rlo Kampoo, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Hasam Mohammed Slo Shri Noor Mohammed, Rlo Kampoo, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the multication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 494|60(Old) and New179|49 situated at Kampoo. Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 22-10-1984

lieat:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5277.—Whereas, I, V, K, BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

House No. 195, Halka No. 22, Plot No. 43-A, Block No.

J situated at Gandhi Nagar, Colony, Gwalior

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pooranchand Jethli Slo Shri Ramduttamlji Jethil, Rlo Gandhi Nagar Colony, Gwaljor.

(Transferor)

(2) Smt. Manglamukhi wo Late Shri Murarilal Chaturbedi (2) Shri Mukul Chaturvedi adopted son of Shri Murarilalji, Both Ro 15-Vikas Nagar, Gwalior.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 195, Halka No. 22, Plot No. 43-A. Block No. J, situated at Gandhi Nagar Colony, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ran
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No IAC Acqn Bpl 5278.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House constructed on plot No. 22, Plan No. 2 situated at Mayur Market, Gandhi Road, Morar, (Gwalio, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in March 1984

for an apparen teonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri JeetSingh Slo Sardar Khajan Singh, Rlo Sindhe-Ki-Chawani, Opposite Gurdawara, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) hri Mewalal Gupta S|o Shri Kunnelalji Gupta. R|o Lehar, Distt-Bhind (M.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 22, plan No. 2, situated at Mayur Market, Gandhi Road, Morar, (Gwalior). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rans 4th Floor Gangotri Building T. Nagar, Bhopal

Date: 22-10-1984

Seal

and the control of th FORM ITNS

(1) Shri Jeet Singh Slo Sardar Shri Khajan Singh Rlo Sindhe-Ki-Chawani, Opposite Gurwara, Lashkar, Gwalior (M.P.).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

29258

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sow. Shanti Gupta Wdlo Late Shri Munnelalii Gupta, R|o Lahar (Distt. Bhind) M.P.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No IAC|Acqn|Bpl|5279.—Whereas, I, V, K, BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Ground floor of house constructed on plot No. 22 Plan No. 2 situated at Mayur Market, Gandhi Road, Morar, (Gwalior) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer nt Gwalior in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ## are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of house constructed on plot No. 22 plan No. 2, situated at Mayur Market, Gandhi Road, Morar (Gwalior). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ran
> 4th Floor Gangotri Bullding
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:---

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5280.-Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Land and plot measuring 20724 Sq. ft. situated at Village Bugurj Ward, No. 22, Dabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabra in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Haridas S|o Shri Ramcharanlal Modi R|o Dabra Mandi (Thakurbaba) Road, Dabra (M. P.)

(Transferor)

(2) Ramkali Devi D|o Shri Shyamlal Dube R|o Village Billowa Dabra Shri Mahadaye Prasad S|o Shri Harcharamlal Kankane, R|o Dabra (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at plot measuring 20724 Sq. ft. situated at village Buguri Ward, No. 22, Dabra. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferse.

V. K. BARANWAI Competent Authority Inuspecting Assistant Commissioner of Income-lux Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date . 22-10-1984

Beni:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 22nd October 1984

Ref. No. IAC Acqui Bol | 5281.—Whereus 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Land and plot measuring 11250 Sq. ft. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Village Bugurag Ward. No. 22, Dabra at Dabra in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any insome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Lakhanlal Slo Shri Haridas Modi Rlo Thakurbaba Marg, Dabra (M. P.)

(Transferor)

(2) Ramkalidevi D|o Shri Shyamlal Dube R|o Village Bilowa, Dabra Shri Mahadev Prasad S|o Shri Harcharanlal Kankane R|o Dabra

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and plot measuring 11250 Sq. ft. situated at Village Bugraj Ward, No. 22, Dabra. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inuspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. N.o. IAC Acqn Bpl 5282.—Whereas I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 11 & 12, situated at Dhiraj Apartments, 48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jababur in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid presents by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dhirailal Slo Shri Morarii Mehta, Rlo 48, Narbada Road, Jabalpur (M. P.) (Transferor)

(2) M|s Commercial Automobiles, Napier Town, Jabalpur (M. P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiteleter period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 11 and 12 at Dhiraj Apartments, 48, Narbada Road, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferes.

> V. K. BARANWAL Compétent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 22-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5283.~-Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 9 and 10 situated at Dhiraj Apartments.

48, Narbada Road, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in March, 1984

for an appartment consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or system of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhirajlal S|o Shri Morarji Mehta. R|o 48, Narbada Road, Jabalpur (M.P.).

(Transferor)

(2) M/s Commercial Engineers & Body Builders Co. (Pvt) Ltd., Napier Town, Jabalpur (M. P.)

Objections, if any, to the ucquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 and 10, at Dhiraj Apartments, 48. Narbada Road, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Date : 25-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. JAC Acqn Bpl 5284. - Whereas I, V. K. BARANWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. 446, situated at Madotal Jabalpur Damoh Road,

Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-70-346 GT|84

(1) Shri Khubchand So Shri Ratilal Jain, Clo Mls Ratifal Khubchand & Sons. Gandhigani, Jabalpur (M P.)

(Transferor)

(2) Sheelchand Chekodila) Jain, Clo Mls Ratilal Ramlal & Sons, Gandhigani, Jabalpur (M. P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 446, situated at Madotal on Jabalpur Damoh Road, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 25-10-1984

(1) Smt. Vidya Ahuja Wo Shri Ashok Ahuja, Rlo Civil Lines, Ramur (M. P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Kausslal Slo Shri Tribhavan Das Shah, Rlo Pandri, Raipur, (M. P.) (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5285.—Whereus 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 14/74 standing on Nazul block no. 77 Plot No. 2/62 situated at Modhaoara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

THE SCHEDULE

House bearing No. 14/74 standing on Nazul plot, block No. 77, plot No. 2 62 situated at Modhapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 25-10-1984

The Company of the Co

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC [Acqn;Bpl;5286,---Whereas I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing

Single storey house No. 45-C situated at Shailendra

Nagar (Tagor Nagar), Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in March, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) Shri Ashwani Kumar Pani Soo Late Shri Kailash Chand Pani, Roo Budhapara, Raipur (M.P.). (Transferor)

(2) Smt. Champa Devi Wo Shri Kedar Nathji Maheshwari Rio House No. 45-C Shailendra Nagar (Tagor Nagar), Raipur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 45-C situated at Shailendra Nagar (Tagor Nagar), Raipur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 25-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE TROOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5287, -Whereas I,

V. K. BARANWAL. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

House and land Kh. No. 99 15, situated at Dharampura

Road, Jagdalpur, Distt. Baster

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagdalpur March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Urmila Devi Pawar Wo Shri J. L. Pawar, Ro Jagdalpur Distt. Baster (M.P.).

(Transferor)

- 1. Shri Rajindra Singh Chadda Sio S. Gurdit Singh.
 2. Smt. Harwant Kaur Wio Shri Rajindra Singh Chadda.
 - 3. Shri Praminder Singh So Shri Rajindra Singh Chadda.
 - Shri Baljit Singh Slo Shri Rajindra Singh Chadda.
 - Shri Paramjit Singh Slo Shri Rajindra Singh Chadda.
 All Rlo Dharampur Road, Jagdalpur Distt. Master (M.P.).

(Transferees)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and land Kh. No. 99|15, situated at Dharampur Road, Jagdalpur Distt. Baster. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferees.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 25-10-1984

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5288.—Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

No. Part of House on plot No. D-56, Scheme No. 27 situated at Shailendra Nagar Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presence acceptance of the said Act, to the following presence acceptance ing persons, namely :--

(1) Shri Probhodchand Roy Slo Late Shri M. C. Roy, Rlo Shailendra Nagar, Raipur (M.P.).

tritti vuotatta että estä eliiki, vuotata <u>luutata</u>ele et

(Transferor)

(2) M|s Shanti Enterprises, Prop Smt. Vijya Nahata, Wo Shri Chandermal Nahta, Ro Malviya Road, Raipur (M.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house on plot No. D-56, Scheme No. 27 situated at Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 25-10-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Saibal Kumar Roy Slo Shri Prabodhchand Roy, Rlo Shailendra Nagar Raipur, Now resident of Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

CONTROL OF THE THIRD IN CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

(2) Mls Shanti Hoterprises, Prop. Smt. Vijxa Nahata Wio Shri Chandermal Nahta, R o Malviya Road, Raipur (M.P.). (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5289.--Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of house on plot No. D-57, Scheme No. 27,

situated at Shailendra Nagar, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 200 /-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house on plot No. D-57 Scheme No. 27, situated at Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable proparty which has been described in form No. 37-G duly verlfied by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 25th October 1984

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]5290.--Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing

No. Part of house on plot No. D-57, Scheme No. 27, situated at Shailendra Nagar, Raipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds othe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Art to the following persons, nazady

(1) Shri Saibal Kumar Roy Slo Shri Prabodhkumar Roy, Rjo Shailendra Nagar, Raipur (M.P.). (Now resident of Delhi).

(Transferor

(2) Shri Raj Kumar Nahta Sio Shri Chandermal Nahta, Rlo Malviya Road, Raipur (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house on plot No. D-57, Scheme No. 27, situated at Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable properly which has been described in form No. 37-G duly verifled by the transferce,

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 25-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5291.—Whereas 1. V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. House No. 32 Ward, No. 9 situated at Maharana Pratap Chowk, Badnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badnagar in March 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as afformatic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Rajkumar So Shri Mohanlal,

2. Shri Abhyakumar Slo Shri Mohanlal.
3. Smt. Shobhabai Wdlo Late Shri Sohankumar.
4. Smt. Kanchanbai Wdlo Late Shri Mohanlal.
All Rlo Badnagar Distt. Ujjain (M.P.).

(Transferor) (2) Shri Ramchand Sio Shri Raganathii Soni, Rlo Maharana Pratap Chowk, Badnagar Distt. Uiiain (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 32 Ward 9, situated at Maharana-Pratap Chowk, Badnagar, Distr. Ujiain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5292.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing

Plot No. 57, B-Sector, situated at Kasturba Nagar, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rani Ramlani wlo Shri B. C. Ramlani, Rlo 603-N-3-A Sector, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Manorma Singh wo Dr. D. K. Singh, Rlo HIG 498 (E-7-23), Arera Colony, (Ashok Girh Nirman Samittee), Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 57, B-Sector, situated at Kasturbh Nagar. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central Intia Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
71—346 GI|84

Date: 27-10-1984

FORM TUNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ret. No. IAC|Acqn|Bpl|5293.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 191 (Old) 165 situated at Bagranipura, Mahtma Gandhi Marg, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt, Gulabbai wdlo Late Shri Mussdilalii Garg. R|o Mhow through attorney Shri Radhyeshyam slo Shri Mussadilalji Garg, Rlo 97, Sanghi Street, Mhow (Distt, Indore, M.P.). (Transferor)
- (2) Professor Z, A. Sved, Rlo 67, Mohsinpura, Dewas (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-APPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 191 (Old)|165 situated at Bagranipura. Mahtama Gandhi Marg, Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: :--

Date: 27-10-1984

 Smt. Razia Faizi wlo Shri Akbar Faizi, Rlo Noor Mahal, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Manazir Ali slo Shri Nazir Ali, Rlo 40, Nadir Colony, Shyamala Hills, Bhopal (M.P.).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5294.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Part of plot No. 6|2|1, situated at Kohfisza, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gerette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 6|2|1, situated at Kohfiza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Buildin Near Central India Floor Mills, Bhopel

Date: 27-10-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|5295.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House (Khander) situated at Karbala Road, Ahmedabad, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Khujista Begum Wd|o Late Shri Kazi Jali-Uddin Ahmed, R|o Mansab Manzil, Karbala Road, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Saida Kazmi Wlo Shri Mahfooz Hussain, Rlo Karbala Road, Bhopal (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Khandra) situated at Karbala Road, Ahmedabad. Bhopal. This is the immovable property which has been described in from No. 37G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 27-10-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5296.-Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 130, area 3529 Sq. ft. situated at Green Park Colony, Baresia Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopai on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pooranchand Agarwal Slo Shri Chaganlal Agarwal, Rlo Lekherapura, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) (1) Krishna Goswami Wo Shri P. Goswami,(2) Kalpana Goswami Wo Shri Keshav Giri, Both Rlo Green Park Colony, Bhopal (M.P.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EARTANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 130, area, 3529 Sq. ft. situated at Green Park Colony, Baresia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verifled by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 27-10-1984

FORM No. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5297.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Part of plot No. 174 situated at Jamalpura, B-Sector, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said Act under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen. of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Miltoolal Kaushal S|o
 Shri Jagannath Prasad Kaushal,
 R|o
 174, Jamalpura, Green Park Colony,
 Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Asarfi Bai Saraf W|o Shri Premchand Saraf, through Shti Padamkumar S|o Shri Pannalal R|o Khurai (Distt. Sagar M.P.)).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 174, situated in Jamalpur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5298,-Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Plo No. 16, situated at Kohafiza, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquestion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ashok Kumar Slo Shri Ishwarlal Thakur, Rlo Old Sindhi Colony, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) Miss Parhat Jahan Do Shri Munnabar Ali, R|o Itwara, Bhopal (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from, the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and expressions terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, situated at Kohafiza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 27-10-1984

(1) Smt. Rampyari Bai Wdlo Late Shri Janki Prasad Vaish Rlo Chhota Sarafa, Indore through attoreny Shri Ram Lal So Shri Ramanlal Maheshwari, Ro Indore (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nathuram Shivhare Dharmarth, Trust, Shivpuri (M.P.).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5299.—Whereas 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;- and

bearing No. Kothi House No. 752 New No. 7 situated at Kamla Ganj,

Agra Bombay Road, Shivpuri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Shivpuri on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/es

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 24 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi House No. 752|New No. 7 situated at Kamla Ganj, Agra Bombay, Road, Shivpuri. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly xerified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rampayari Bai Wdlo Late Shri Janki Prasad Vaish Ro Chhota Sarafa, Indore through Attoreny Shri Ramlal Slo Shri Ramanlal Maheshwati, Indore (M.P.). (Transferor)

(2) Nathuram Shivhare Dharmarth-Trust, Shivpuri (M.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5300.—Whereas I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Kothi House No. 752 New No. 7 area 4267 Sq. mt. situated at Kamla Gani, Agra Bombay Road, Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Shivpuri on March, 1984
for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date c: the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

72-346 GI|84

THE SCHEDULE

Kothi House No. 7.52 New No. 7 (area 4267 Sq. mt.) situated at Kamla Ganj, Agra Bombay Road, Shivpuri. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5301.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Piol No. 19 and house constructed thereon, A-Sector situated the Research Piological Pio

at Kohafiza, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhopal on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sohba Gwalani Wo Dr. Ramchand Gwalani Ro Suresh X-Ray and Nursing Home, Royal Market, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan Bai Woo Shri Hiralal and Smt. Hemlata Woo Shri Sugandi Lal Jain, Rlo Ioha Bazar, Bhopal (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of, 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this næice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 19 and house constructed thereon, in A-Sector. situated at Kohafiza, Ehopal. This is the immovable property which has been described in from No. 37-O duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

 Shri Shushil Kumar S|o Shri Babulal, R|o Jumerati, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5302.—Whereas I, Y. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot and house constructed thereon situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M[s Kanjan Brothers, through Shri Arjun Kumar Kanjani S[o Shri Jethanand R[o 19-Ridge Road, Idgahills, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house constructed thereon situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranges
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

FORM LT.N.S.

(1) Shri Suresh Kumar S|o Shri Babulal, R|o Jumerati, Bhopal.

(Transferor)

(2) M|s Kanjani Brothers, through Shri Arjun Kumar Kanjani S|o Shri Jethanand, R|o 19-Rigde Road, Idgahills, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5303.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Plot and house constructed thereon, situated at Idgah Hills,

Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heare defined in Chapter XXA of Act, shall have the same meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house constructed thereon, situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhoppil

Date: 5-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mahendra Kumar So Shri Babulal, Ro Jumerati, Phopal.

(Transferor)

(2) M/s Kanjani Brothers, through Shri Arjun Kumar Kanjani, S/o Shri Jethanand, R/o 19, Ridge Road, Idgah Hills, Bhopal.

(Transefree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5304.--Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the summovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot and house constructed thereon situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house constructed thereon, situated at Idgah Hills Bhopal. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5305.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

House situated at behind Petrol Pump, Hamidia, Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- do identifying the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M|s. Lalwani Earthmovers, Bhopal through partners:
 - (1) Shri Nandlal Lalwani S|o Shri Jhamandas Lalwani.
 - (2) Shri Laxmandas Lalwani So Shri Tularam.
- (3) Shri Mool Chand Slo Shri Nchaldas, All Rlo Bhopal.

(Transferor)

- (2) (1) Inderjeet Slo Shri Sohan Lal.
 - (2) Sunil Kumar So Shri Sohanial.
 (3) Gurudas So Shri Amrik Singh.
 - (4) Amarjeet Singh So Shri Gurudas

All R o Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, behind Petrol pump, Hamidia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5306.-Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shed constructed on plot No. 34-D situated at Laxmibai Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :---

 M|s. R. R. Enterprises, through partner Shri Radheshyam S|o Shri Rameshwarlal Bansal, R|o 18-Λ Dilip Singh Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

- (2) M|s Shah Khubji Achalchand Jain, 97, Malharganj, Indore through partners:
 - (1) Shri Jyantilal So Shri Achalchandji Jain,
 - (2) Rajeshkumar So Shri Achalchandji Jain. Both Rlo 97-Malharganj, Main Road, indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give> in that Chapter

THE SCHEDULE

Shed constructed on plot No. 34-D situated at Laxmi Bai Nagar, Indore. This is the immovale property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Rahuf Ulla Farookhi S|o Shri Hamid Ulla Farookhi, R|o 70|1 Subash Marg, Indore (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Urmilabai Wdlo Late Shri KanhiyaJalji, Jhavar, Rlo House No. 121, Snehnagar, Indore (M.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5307.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House No. 121, situated at Snehnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 121, situated at Snehnagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 5-11-1984

Scal:

FORM No. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5308.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Bungalow No. 47, situated at Tagore Marg, Neemuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73 --- 346GI|84

- (1) Shri Jer J. Contractor, R|o 48-Tagore Marg, Neemuch, (M.P.). (Transferor)
- (2) Shri Shyamsingh Soo Shri Nathulalji, Roo Bunglow No. 46-B, Neemuch, (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 47, situated at Tagore Marg, Neemuch. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

FORM No. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5309.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No.

House No. 47, situated at Shastri Nagar, Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fuir market value of the proreity as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri S. C. Keshwani, Clo United Commercial Bank, Neemuch (M.P.). (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Bansal, Rlo 47, Shastrinagar, Ncemuch (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 47, situated at Shastri Nagar, Neemuch. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1984

FORM ITNS——— (1) Shri Ganshyamdes Sjo Shri Vadhumali

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ganshyamdes Sio Shri Vadhumalii, Rlo 41j4, B. K. Sandhi Colony, Indore (M.P.), (Transferor)

(2) Shri Abdul Habib S|o Shri Abdul Rehman, R|o 125 Shehnagar, Indore (M.P.).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5310.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of House on plot No. 31, scheme No. 47 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the sense meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house on plot No. 31, scheme No. 47 at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5311.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of house on plot No. 31, scheme No. 47, situated at Indore

(any more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Indore in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income using from the transfer;
- (b) l'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Bansilal Slo Shri Tulsiramji Balchandani. Rlo 40|4, B. K. Sindhl Colony, Indore (M.P.). (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Ishaq So Shri Abdul Aziz Gori. Rlo 17/6, Morai Mohalla, Indore (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house on plot No. 31 scheme No. 47, Indere. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date . 3-11-1984. Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5312.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Khasra No. 315/3 area 2.14 acres situated at Village Lalbagh (Mal) (Ichsil Burhanpur

Labbagh (Mal) Ichsil Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Burhanpur in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daljeet So Shri Narayandas Shah, Ro Shanwara Nagar, Teshsil and post Burhanpur District Khandwa (M.P.).

(Transfero

(2) Shri Narain Nagar Girha Nirman Sehkari saustha, Maryadit, Lalbagh, Burhanpur (M.P.), (Regd. No. A.R.K.W-A.1319).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeria.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 315|3 area 2.14 acres situated at village Lalbagh (Mal), Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ranjeet Slo Shri Naraindas Shah, Rlo Shanwara Nagar, Tehal and post Burhanpur, District Khandwa (M.P.).

(Transferor) (2) Shri Narain Nagar Girha Nirman Sehkari Sanstha Marydit, Lalbagh, Burhanpur. (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5313.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land khasra No. 315|2, area 1.40 acres situated at Vilage Lalbagh (Mal), Teh Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Burhanpur in March 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 315|2 area 1.40 acres situated in village Lalgabh (Mal), Tehsil Burhanpur, This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1984.

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAK

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5314.--Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and begging No.

Plot on Survey No. 64|2, situated at Ujjain Road, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Dewas on March, 1984

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); nioneys or other assets which have not

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suspection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

(1) Shri Balkishan So Shri Yeswant Khoche. Rlo Radhagani, Dewas.

(Transferor

(2) The Raj Transport Company, Idgah Road, Dewas through partner Shri Narendra Kumar So Shri Ramniwas, Goyal, Ro Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot on Survey No. 64|2 situated at Ujjain Road, Dewas. Thi is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5315,—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House on plot No. 90, Scheme No. 12-1|13 situated at Rajendra Nagar (Kalmi Colony), Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ratlam in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jenuddin S[o Shri Nakimuddin Bohra Petlawadwala, attorney Shri Hakimuddin S[o Shri Kamaroliji Bohra Petlawadwala R[o House No. 3, Chandni Chowk, Ratlam (M.P.),
- (2) Smt. Bilkishbai Wo Shri Shabbirhussainii Bohra Kaka, Ro House No. 39, Lakkadpitha, Ratlam (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 90, Scheme No. 12-1|13 situated at Rajenudranagar (Kalmi Colony), Ratlam, This is the imimovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5316.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of House bearing No. 4, Ward No. 12 situated at Mitra

Niwas Road, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at Ratlam on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly Tated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—74—346GI 84

(1) 1. Smt. Meri Madhlena Wo Yatamdra Kumarji,

Shri Anil Kumar Slo Shri Yatandra Kumarji.
 Kumari Rita Dlo Shri Yatandra Kumarji.
 Kumari AnFulbert Dlo Shri Yatandra Kumarji.

5. Shri Victor So Shri Yatandra Kumarji.
6. Yatandrakumar So Shri Kuldeep.

All Ro Ratlam.

(Trarnsfere)

(2) Smt. Atikabai Wo Shri Ahmed Husaainii, Juleni. Ro Lokendra Talkies, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 4, Ward 12, situated at Mitra Niwas Road, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5317.—Whereas, I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referted to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land Survey No. 7 area 2.780 Hector situated at Village

Dosigaon, Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashok Kumar Slo Shri Anokhilalii Dakh Mahajan, Rlo Dalumodi Bazar, Ratlam (M.P.), (Transferor)
- (2) Mls Ratlam Fersilizers Ltd. Ratlam. Regd. Office 305-312 Deepati Building 3rd floor, Nehru Place, New Delhi 110-019, Head Office 96, Garden Reach Road, Calcutta-70023, Clo Admn. Officer Shri Jagdishlalji Jojoo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing khasra No. 7 area 2,780 hector situated at village Dosigaon, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Income Tax Buildin
Near Central India Floor Mills, Play

Date: 7-11-1984.

Sen1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5318,—Whereas ,I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 6. Sector-A, situated at Vashali Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Vishnu Prasad Soo Shri Shivshaiji Bajpai Rlo D-10, M.O.G. Lines, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Sudhir So Shri Padmakar Paltalwale,

R|o 45-B Sangam Nagar, Indore.
2. Yashwant S|o Shri Anand Deosarkar,

Rio 40, Sutargali, Indore.

3. Udya Balaraolgaled

Rio 13. Tilakpath, Indore.

4. Kishore Sio Shri Keshave Jambekar,
Rio 29 Adarsh Nagar, Indore,

5. Shrikant Sio Shri Vishwanath,

R|o 5|6 Krishanpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 42 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot bearing No. 6, Sector-A situated at Vashali Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 7-11-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5319.—Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 197, situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice unue, alb-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Surajkanta Ahuja Wjo Dr. B. M. Ahuja, Klo 350 Civil Lines 2-A. Rudki (Uttar Pradesh).

(Transferor)

(2) M|s Gauray Apartments Co-operative Housing Society Ltd., 165 Palsikar Colony, Indore, through President Shri Ajya Kumur S|o Otanandji Chawala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in that the ANA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 197 situated at Saket Nagar, Indote. This is the immovable property which has been described in form' No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R[o 91, Lalaram Nagar, Indore (M.P.)

(1) Smt. Salome Wio Shri Sammul Masim,

(Transferor)

(2) Shri Abdul Rajak Sio Shri Sadullaha, Rlo Sheersagar, Ujjain (M.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC [Acqn]Bpl]5320.---Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House constructed on plot No. 91 situated at Lalaram Nagar.

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Induce in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

Explanation:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 91, situated at Lalarani Nagar, Indore. This is the immovable property which has been discribed in from No. 37-G, duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5321.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-House constructed on plot No. 7 situated at Triveni Colony (Extension), Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Indore in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lyoppe-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ravindrakumar S|o Shri Baxaramii Kukreja, 2. Baxaram S|o Shri Summainalji Kukreja, Both R|o 7-Triveni Colony, Indore (M.P.). (Trarnsfero)
- (2) Smt. Sadhana Wo Shri Gopichandji Notani, Ro 8-Triveni Colony, Indore (M.P.).

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 7 situated in Triveni Colony, (Extension), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

FORM I.T.N.S.---

(1) Mis Vrandavan Apartments Through Partner Shiri Balkishan So Shri Daulatramji Agarwal. Rio 158, Saket Nagar, Indore.

(Trarnsfero) (2) Shri Shyamsunder Krishankumar Slo Shri Bhanwarlal Dhambani, Rlo 13 Vanier Street, Mudras-1.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5322.—Whereas, 1.

V. K. BARANWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 2 Block No. A constructed on plot No. 779, situated

at Manishpuri, Indore (and more fully described in the schedule anunexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer

at Indore in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Block No. A constructed on plot No. 779 situated at Manishpuri, Indorc. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5323.—Whereas, I.

V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Part of flat No. 1, block No. A constructed on plot No. 779

situated at Manishpuri Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering efficer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s Vrandavan Apartments through Partner Shri Balkishan Slo Shri Daulatramji Agarwal. Rlo 158, Saket Nagar, Indore (M.P.).

(2) Shri Umraomalji Rajeshkumar (H.U.F.), Slo Shri Dt. K. M. Lodha,

Rlo Diwanrama Road, 53, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of flat No. 1, block No. A constructed on plot No. 779 situated in Mnishpuri, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Milis, Bhopal

Date: 7-11-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/3 Varandvan Apartments through Partner Shri Balkishan Slo Shri Daulatramji Agarwal. Rlo 158, Saket Nagar, Indore (M.P.).

(2) Shrimati Zubeda T, Humdani Wlo Shri Taher M. Humdani, Rlo H-96, M.I.G. Colony, Indore (M.P.). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5324,---Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R_{\rm S}$. 25,000 and bearing

Flat No. 10 constructed on plot No. 779 situated at Manish-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have stabou to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, at respect of any income arising from the transfer mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-75--346 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, constructed on plot No. 779 situated at Minish-This is the immovable property which has been puri, Indore. described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFITCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5325.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 6 (2nd floor) on plot No. 779 situated at Manishpuri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ot transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M's. Varandavan Apartments, Through Partner Shri Balkishan S|o Shri Daulatramji Agarwal, Ro 158, Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) Kumarl Madhuri Do Shri Dinkar S. Honwar (Minor) Through father Shri Dinkar S. Honwar, R|o 7|3-C Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 (22nd floor) on plot No. 779, situated in Manishpur, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mils Bhopal

Date: 7-11-198;

FORM 1.1.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5326.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having nave leason to believe that the immovable a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 6 (2nd floor) on plot No. 779 situated at Manishpuri, Indore (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on Murch, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Varandavan Apartments, Through Partner Shri Balkishan Soo Shri Daulatramji Agarwal, Rlo 158, Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Harsh Vora S|o Shri Sujanmalji Vora, R|o House No. 20|7, Yeswant Niwas Road, Indore (M.P.)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 (ground floor) on plot No. 779, situated at Manishpur, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Through Partner Shri Balkishan So Shri Daulatramji Agarwal, R|o 158, Saket Nagar, Indore (M.P.) (2) Shri Jatin Kumar

(1) Mis. Varandavan Apartments,

(Transferor)

Slo Shri Girishbhai Munshi, Rlo 179 Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpi|5327.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a feir market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
I lat No. 6 (2nd floor) on plot No. 779

situated at Manishpuri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 constructed on plot No. 779, situated in Manishpur, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills. Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 7-11-1984

 M|s. Varandavan Apartments, Through Partner Shri Balkishan S|o Shri Daulatramji Agarwal, R|o 158, Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shr. Terance Christophar S|o Shr; Janpal Desouza, R|o House No. 179, Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Shopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Epl|5328.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8 on plot No. 779 situated at Manishpuri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 8 on plot No. 779 situated at Manishpur, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5329.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Part of House No. 2, Street No. 2, situated at Palaisa, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Abdul Salim Khan Slo Shri Abdul Rashid Khan, R|o Band Estate, Galaxy Apartments, Bandra, Bombay-50 Through attorney Shri Asof Mohd Khan Soo Shri Akil Mohd Khan Roo 9/2, Old Palaisa, Indore (M.P.)
(Opp. Police Station Palaise).

(Transferor)

(2) Shri Faizal Mohd Khan So Aquil Mohd Khan, Ro House No. 2 (Óld Palaise), Indore.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing Ho. 2, Street No. 2, situated in Palaise, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
> Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills.
> Bho;

Date: 7-11-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5330.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing House No. 2, Street No. 2, situated at Palaisa, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Abdul Salim Khan So Shri Abdul Rashid Khan, Through attorney Shri Asof Mohd Khan Riodghi Akil Mohd Khan Rio House No. 9[2, Old Palaisa, Indore (M.P.) (Opp. Police Station Palaise).

(Transferor)

(2) Shri Adil Mohd Khan Slo Shri Aqil Mohd Khan, Rlo House No. 2 (Opp. Palaise Police Station), Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing Ho. 2, Street No. 2, situated in Palaisa, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 7-11-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|5331.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Municipal House bearing No. 51, situated at Pant Vaidya Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vishnu Pant S|o Shri Bhaskar Rao Kulkarni, R|o Indore.

(Transferor)

(2) Sow Snehlata
 W|o Shri Bhaskar Owk,
 R|o 18, Krishnapura, Tilak Path,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 51, situated at Pant Vadya Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in forth No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5332.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 241 situated at Anoop Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76-346GI|84

Shri Kewal Kishan
 Sho Shri Vishambarnath Kharbanda,
 Rho 7-B Ratlam Kothi,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Guru Prasad Varma Karta of (HUF) Shri Vishanlal Sons, Through Shri Guru Prasad Varma and Shri Hari Prasad Varma, Sons of Shri Vishanlal Verma, R o G-34 MIG Coiony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 241 situated in Anoop Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5333,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1 on plot No. 779 situated at Minishpuri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing officer at

Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following trersons, namely:—

 Mis. Vrandavan Apartments, Through Partner Shri Balkishan
 Shri Daulatramji Agarwal, Rio 158, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rusi Dinsha Mistry, Slo Shri D. D. Mistri, Rlo F-27, M.l.G. Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on plot No. 779, situated in Manishpuri, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5334.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

House constructed on plot No. 11-12 situated at Ratlam Kothj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radharaman Slo Shri Narainji Agarwal, Rlo 42, Sanyogitaganj, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Devi
 W|o Shri Krishnakumar Surekha
 R|o 42, Sanyogitaganj,
 R|o 22-White Church Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 11-12, situated at Ratlam Kothi, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5335.-Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing No. Plot No. 242, situated at Anoop Nagar Colon, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid exporty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Malkiat Singh So Shri Jagir Singh Bajba Ro J-66 South Extension Part I, Delhi
Through Attorney
Shri Abdul Wahab
So Shri Abdul Aziz,
Ro 149, Azad Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Wo Shri Shantilal Jain, Ro 15, Gautampura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 242, situated at Anoop Nagar Coleny, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. N.oIAC|Acqn|Bpl|5336.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Khasra-No. 1315|1 and 1317|2 situated at Village Khajarana, Indore

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Alpine Solvex Ltd., (Formerly Alpine Malt and Breweries Pvt. Ltd.) 10|11, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(2) M|s. Alpine Properties Ltd., 52, Champagally, 4th Floor, Kolabadevi Road, Bombay,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 1315|1 and 1317|2 in village Khajarana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 7-11-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5337.-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-Land Khasra No. 1322|1|1 situated at Village Khajarana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid poperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any immune arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Alpine Solvex Ltd., (Formerly Alpine Malt and Breweries Pvt. Ltd.) 10/11, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

 M|s. Alpine Properties Ltd.,
 Champagally, 4th Floor,
 Kolabadevi Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in these Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 1322/1/1 situated at village Khajarana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, ILCOME Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5338.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable approachly having a fair market value exceeding Rs. 25 000. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

House No. 24, Street No. 5, situated at Senehalata Ganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Premkunwar Wlo Shri Girdharibhai Doshi 2. Smt. Meenaben Wo Shri Sharadhbhai Doshi, 3. Smt. Ashaben Wo Shri Sharadbhai Doshi, All Ro 1/1 Race Course Road, Indore, 4. Shri Subash 5. Shri Gendalal, 5. Shri Salesh Slo Shri Gendalal, Rlo 33, Kanchan Bagh, Indore

(Transferor)

(2) 1. Smt. Smita W|o Shri Dineshchandra Desai
2. Smt. Radha W|o Ragnikant Desai,
3. Smt. Indira W|o Shri Narendrakumar Desai,
4. Smt. Rekha W|o Shri Bhaskar Desai, All R[o 21-B Builders Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24, Street No. 5 situated at Scnebalatagani, Indore. This is the immove by property which has been described in form No. 37 George verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Ammissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5339.—Whereas, J, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-Flat No. 1 (Third floor) on 113,

situated at Shreenagar (Fxtension), Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M|s. Madhuvan Apartments, Prop. Nandkishore Ramkishan, Through Attorney Shri Prem Chand Manna Lal R|o 1-M.T.H. Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shabbir Hussain Slo Shri H. Shamat, Through Bank of India Branch, Dhar (M.P.) Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 (Third floor) on 113, Shreenagar (Extension), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Rcf. No. IAC[Acqn[Bpl]5340.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 2 on 113 situated at Shree Nagar (Extension),

Judore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Indore on March, 1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

77--346GI|84

(1)M|s. Madhuvan Apartments, Prop. Nand Kishore Ram Kishap Through Attorney Shri Prem Chand Bhagwandas R|o 1-M.T.H. Compound, Indore.

(Transferors)

(2) Sh. Pandurang Slo Shri Shree Krishan Joshi, Clo Bank of India, Branch, Dhar (M.P.).

(Transferees)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on 113, Shree Nagar (Extension), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

FORM ITNS----

(1) M|s. Madhuvan Apartments, Prop. Shri Nand Kishore Ram Kishan, Through attorney Shri Prem Chand Mannalal, R|1-M.T.H. Compound, Indore (M.P.)

(2) Shri Satish Chandra Ram Dhurve, Soo Shri Balchantra Dhurve, Coo Central Bank of India, Indore. (M.P.).

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL; M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5341.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 2 (Ind floor) on 113 situated at Shree Nagar, (Extension), Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

регеора, пашеly:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2(IInd floor) on 113, Shree Nagar (Extension), Indone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5342.—Whereas, I, W. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Open land area 0.23 acres situated at Village Khajarana,

Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreemnt is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Indore on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of thansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satyanarain S|o Shri Dulichand Nagar, R|o 756, Khajarana, Indore.

(Transferors)

(2) Shri Pradeep Patgaonkar S|o Shri Shantaramji Patgaonkar and Smt. Bharati Devi W|o Shri Pradeep Patgaonkar Both R|o 25, Anoopnagar Colony, Indore.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land having 0.23 acres in village Khajarana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE; POONA-4

Pune, the 31st August 1984

No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|8367|Thane|872|31|8|84| -Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 12|A-3, Flat No. 401, Fourth Floor, Gopal Nagar, Bombay Agra Road, Near Dandekar Factory, Bhiwandi situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 10|83 I.A.C., Acqu. Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Yogi Corporation, PNB House, 2nd Floor, Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mr. Surendra Karman Haria, Kap-Kanneri, Mulchand Compound, Bhiwandi-421 302.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

12 A-3, Flat No. 401, Fourth Floor, Gopal Nagar, Bombay Agra Road, Near Dandekar Factory, Bhiwandi. (Area: 750 Sq. ft.).

(Property as described in the agreement of sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune in document No. 37EE 8367 Thane 84-85, in the month of September, 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 31-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bp1|5344.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25 000/s. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-& bearing No.

House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at Ujinin on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wa /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :---

- (1) 1. Sh. Vallabhdas S¦o Sh. Onkarlalji,
 - 2. Mohanlal

 - Mohaniai
 Slo Sh. Onkarlalji,
 Sh. Ramchand
 Slo Sh. Qukurlalji,
 Mahesh Kumar
 Slo Sh. Onkarlalji,
 All Rlo Ujjain (M.P.).

(Transferors)

- (1) J. Sh. Abdul Rasool So Sh. Sheikh Fida Hussain Tankiwala.
 - 2. Fakhruddin Sjo Shri Yusufali,

 - 3. Shabbir Hussain So Shri Akbar Ali 4. Saifuddin So Sh. Abbabhai All Ro Pt. Ramprasad Bhargava Marg, Ujjain (M.P.).
 - 5. Sh. Hakimuddin Slo Sh. Ibrahimbhai Rlo Kharakunwa, Ujjain (M.P.),

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5345.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Khasra No. 293|2 situated at Village Umaria, Tehsil, Mhow, Distt. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on March 1984.

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sushil Kumar Chadha, Clo Mls. Krishna Farm, Village Umaria, Tehsil Mhow (Dostt-Indore-M.P.).

(Transferor)

(2) M|s. Bajaj Tempo Ltd, Akurdi, Pune (Maharashtra).

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 293/2 situated at village Umaria, Tehsil Mhow Dist. Indore. This is immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5346.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land and house constructed thereon Khasra No. 293/2, situated at Village Umaria, Tehsil Mhow, (Distt. Indore, M.P.)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Mhow on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Harbanslal Chadha, Clo Krishna Farms, Village Umaria, Tehsil Mhow (Distt, Indore M.P.)

(Transferor)

(2) M|s. Bajaj Tempo Ltd, Akurdi, Pune (M. S.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house constructed on Khasra No. 293[2, situated in village Umaria, Tehsil Mhow, Distt. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5347.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 3, block No. 13 situated at Mohalla Singartalai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khandwa on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Asgherali So Shri Ibrahim bhai
 Shri Yahyabhai So Shri Ibrahim bhai

 Shri Kumar Mariyanbai D|o Shri Ibrahim bhai
 Shri Abdullah bhai S|o Shri Ibrahim bhai, All R|o Ghaspura, Khandwa (M.P.)

(Transferor)

(2) Smt. Lata Devi
 Wo Shri Basantlal Khandelwal,
 Ro Kallargani, Khandwa (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 3 on block No. 13 situated at Mohalla Khandwa. This is the immovable property which has been described in torm No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-11-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5348.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Plot No. 6-B

situated at Palsikar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which weight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—346GI₁84

(1) Shri Rananmal
Slo Shri Vatumal Kukreja
through Attorney Shri Manoharlal
Slo Shri Sewakramji,
Rlo 53|3 Palsikar Colony,
Indore.

(Transferor)

 Smt. Nasrin Ahmed Wo Shri Syed Moiuddin Ahmed Ro 160, Nandlalpura, Indore.

(Traneferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6-B situated in Palsikar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopai

Date: 7-11-1984

PRINCE STORY STORY CONTRACTOR OF THE STORY STORY

 Smt. Kesher bai Wo Snri Gappulalji, Ro Didyani oli, Lakshar, Gwalior (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishnu Kumar Slo Shri Mohanlalji Rlo Sadar Bazar, Morar (Gwalior M.P.)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5349.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

at Gwalior on Macrh 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing House No. 36[93 (Part) situated at Patankar Eazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 36/93 situated at Patankar Bazar Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5350.—Whereas. I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

House No. 36|93 situated at Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kesher-bor Do Shri Gappulalji, Rlo Dinana Oli, Lashkar. Gwalior (M.P.). (Transteror)
- (2) Shri Suresh Chand Slo Shri Mohanlalji Rlo Sadar Bazar, Morar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 36¹93, situated at Patankar Bazar. Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWA1.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984

FORM JUNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Phopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5351.—Whereas, I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. 36|93 situated at Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income-arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perms, namely:—

- (1) Smt. Kesher Bai wlo Shri Gappulalji Bakliwal, Rlo Dinvanaoli, Lashkar, Gwalior (M.P).
- (2) Shri Suresh Chand Jain slo Shri Mohanlalii Jain, Rlo Sadar Bazar, Morar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insnovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 36/93, situated in Patankar Bazar. Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Karan Income-tax Buildin Near Central India Floor Mills, Bhonel

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5352.---Whereas, I, V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land N.B. No. 264 Halka No. 24/1 situated at Village Jabal-pur Teh, and Distt, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering officer at Jabalpur on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Eubhuschand Masurha slo Shri Ramnath Masurha,
 R|o 449, Kotwali Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Lakhanlal Punase. S.o Shri Frahald Dasji Punase. Rlo 26, Anand Nagar Colony, Adhartal Ward, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land N.B. No. 264. Halka No. 241, in Village Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Report
Income-tax Buildin
Near Central India Floor Mills, Bhorat

Pat : 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5353.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 301/1 situated at Byron Bazar, Chotapara, Civil Lines, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Jagnnath so Shri Shahtaram Pinge. Rlo 201, Shankar Nagar, Nagpur At present residing at Bairing Bazar, Raipur (M.P.). (Transferor)
- (2) Shri Kamlakant soo Shri Priya Naha Basak, Rlo Bairang Bazar, Raipur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 3011, situated at Byron Bazar. Chotapara, Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been deescribed in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills. Bhopai

Date: 7-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5354.—Whereas, I. V. K. BARANWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land khasra Nos. 274|4 and 276|4 Halka No. i3|1 situated

at Village Sarckha, Tehsil and Distt. Balaghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Balaghat on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income saising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Kirti Firms (Pvt.) Ltd., Raipur through Mnaaging Director Shri Kamlesh Kumar slo Shri Jhaverchand Jain Rlo Sadar Raipur (M.P.). (Transferor)
- (2) Vivek Sahkari Girh Nirman Samittee Marvadit. Balaghat through President Shri Puram Kumar slo Shri Jethanand Adwani, Rlo Ward No. 14, Balaghat (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 274|4 and 276|4 in village Sare-kha, Tehsil and Distt. Balaghat. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ALL ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5355.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land measuring 1.214, Kh. No. 99|2 situated at Village Khairi, Jabalpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax *ct. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) 1. Jayantilal So Shri Jethalal

. Shrvlal So Shri Devechand Bhai

3. Prhlad bhai Slo Atmaram. 4. Vishnu bhai Sio Navin Bhai, All R o Gol Bazar,

Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) Harsh Nagar Grah Nirman Sahkari Sanst'an through Shri Prem Singh So Shri Daya Ram Turkar, R o Jabalpur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 99|2 area 1.214 Hector. in village Khairi Tehsil and Diett. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-11-1984 Seal :

(1) Babulal Slo Sh. Khuve Kurmi. Rlo Makoriya Bujurg, Sagar (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) President Manas Nagar Grah Nirman Sahkari Samiti. Sagar (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC |Acqu | Bpl | 5356.-Whereas, 1,

No. IAC Acquispins 355.—whereas, i. V. K. BARANWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competence of the competence

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land bearing Khasra No. 114/1, situated at Mouza, Kakroriya Bujurg, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 114|1 area 2.45 acres situated it village Makoriya Bujurg, Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-O duly verified by the transferee.

v. k. baranwai Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tai Acquisition Range, Bhopa

Now, therefore, in paisuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this socice under subsection (1) of "saion 269D of the said Act to the following persons, namely :--79—346GI 84

Date: 9-11-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5357.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land area 77.13 acres

situated at Village Madhargarh, Tehsil Raghurajnagar, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2.590 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Ramesh chandra So Shri Jagdish chandra.

 Vidya Prakash chandra Slo Jagdish chandra.
 Umesh chandra Slo Jagdish chandra.
 All Rlo Madhavgarh Tehsil Raghurajnagar, Vidya Prakash chandra So Sh. Jagdish chandra.

(Transferor)

(2) 1. Dharamdutta Slo Shri Gopal Dutta

2. Smt. Ahiliya Wo Dharamdutta
3. Shri Pushpendra So Dharamdutta

4. Shri Nelandra So Sh. Dharamdutta All R o Badaiya, Satna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land having area 77.13 acres in village Madhay garh. Tehsil Ra thurnjnagar, Distt. Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Seal: Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5358.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land Khasra No. 20|2, 35, 38|1 and 38|2 situated at Village Gaikhuri, Balaghat.

(and more fully described in the schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Balaghat on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--80-346GI|84

(1) Shri Ambhikaprasad So Shri Chotelal Mishra, Ro Ward, No. 12, Balaghat (M.P.)

(Transferor)

(2) 1. Savita Nema Wo Shri Vinod Nema

Rlo Ward No. 17, Balaghat

2. Shobha Wlo Shri B. M. Gauttam
Rlo Ward No. 15, Balaghat

3. Shri Sandeep Kumar

4. Shri Sachin Kumar

4. Shri Sachin Rumar
(Minors) S|o Shri Gopaldas Agarwal
W|o Shri Radhakrishan
R|o Ward No. 7 Balaghat
5. Smt. Gangadevi Wd|o Late Shri Baburam Thakur
R|o Ward No. 15, Balaghat
6. Shri Dwarka Prasad S|o Shri Shankarlal Gupta,

Ro Balaghat

7. Shri Kamlesh kumar Slo Chturbhuj Khoker Ro Balaghat

8. Smt. Shushma Jain Wo Dr. R. K. Jain R o Balaghat

9. Shri Pranesh Rao Slo Shri M. K. Rao Rlo Balaghat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land khasra Nos. 20|2, 35, 38|1 and 38|2 situated at village Gaikhuri, Tehsil and Distt. Balaghat. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhops

Date: 9-11-1984

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INUIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TOSIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5359.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the limitoyable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing Khasra Nos. 188 and 192 t situated at Mouza Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). tandamore study described in the schedule different fields), in the office of the Registering Officer at Balaghat on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than skeeds in apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such than the agreed to between the parties with not other truly sauted for the said instrument of transfer with the consideration of transfer with the consideration of transfer with the consideration.

- (a) facilitating the reduction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 241 f of 1927 for the hald Act. or the Wealth-tax 3\ct 1957;

Now, therefore, an injurisuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(I) Tekchand So Shri Hiralal Shrivastva R|o Ward, No. 6
Balaghat Presently residing Modha (U.P)

22. Shri Laxmi Prasad Slo Shri Hirelal Shrivaetava Rlo Ward No. 6, Balaghat. 3. Mari Dharaldhar Slo Shri Hirala Shrivaetava

Ro Ward No. 6, Balaghat At present Ro Rampur Distt. Jabalpur.

(Transferso) (2) Narendra Kumar So Shri Agyaram Gandhi Ro Ward No. 11, Station Road, Balaghat, Tchsil and Distt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid people within a parind of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective period whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPRENEUROS: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Age: shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Lifte nearing Khasra No. 188 and 192 for functed in Mortra Ballaghat. This is the mirror and the has been described in form No. ferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) L Jayesh So Shri Mohanlal
2. Smt. Chedanbai Wdo Late Shri Mohanlal
Ro Village Charoda Tehsil Durg (M.P.).

(Transferor)

(2) Chhitasgarh Wikash Grah Nirman Sahkari Sanstha Marydit Bhilai-3. Chharoda Durg (M.P.)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMPTAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC Acqd Bp 15360, — Whereas, 1. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land bearing thursa No. 326.2 P.M. No. 58 situated at Mouza Charoda Tehsil and Dist. Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Durg on March 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelievo that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of ransfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Khasta No. 393[2 area 2:00 acres in village Charinto Teneured 1948. Phys. The in introvable pro-

V. K. BARANWAL Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date:: n 9-41-1984: 1 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5361.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land bearing Khasra No. 25, 1, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11 and 25[14 situated at Mouza Kohaka, Tehsit and Distt. Durg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Rajamani S|o Shri P. Madiram
 Smt. Bimala W|o Shri Advin Nadar R|o Bhilai Nagar, Tehsil and Distt, Durg (M.P.)

(Transferor)

 1, Smt. Gita Malviya W|o Shri Govindprasad
 Shri Govindprasad S|o Shri Mojeelal Malviya R|o Deepak Nagar, Durg (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said interested able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra Nos. 25, 1, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11 and 25|14 situated in village Kohaka, Tehsil and Distt Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5362.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land measuring 0,27 acres P.H. No. 78

Land measuring 0.27 acres F.A. No. 76 situated at Mouza Polsaipara, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remely : -

(1) Shri Baluram Slo Shri Ratiram Maholia Ro Polsaipara, Durg (M.P.)

(Transferor)

- (2) I. Shri Gautamehand So Late Shri Ranulal Parakh
 - Shri Jayantilal Paraklı Smt. Kusum Parakh
 Smt. Phoolbai Parakh
 - All Co Ms Jain Stores, Main Road, Polsaipara, Durg (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever parket expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.27 acres P.H. No. 78 situated at Polsai-para. Tehsil and Distt. Durg. This is the immovable pro-perty which has been described in form No. 37-G duly verifled by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Lastecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (Minor) Kumari Rashim Dua Dio Shri P. P. Dua, natural gaurdian mother Smt. Raj Dua R|o Vinobanagar, GOVERNMENT OF INDIA Bilaspur (M.P.)

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5363.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing Khasra No. 836|5, area 0.25 acres situated at Mouza Juna-Bilaspur, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bilaspur on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

So Shri Harishchandra Sharma, Ro Linkroad, Bilaspur Tehsil and Distt.

(1) Shri Bramendra Sharma

Bilaspur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 836|5, area 0.25 acres, at village Juna Bilaspu: Tehsil and Distt. Bilaspur. This it the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 26PD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Brahmindradutta Sharma Slo Shri Harishchandra Sharma, Rlo Linkroad. Bilaspur (M.P.)

(Transferee)

(2) Smt. Raj Dua Wo Shri P. F. Dua, Ro Vinobanagar, Bilaspur (M.P.)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5364.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No.

Land bearing Khasra No. 836|5 situated at Village June Bilaspur, Tehsil and Distt. Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bilaspur on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 836|5 situated at Village Juna Bilaspur. Tehsil and Distt. Bilaspur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nomely :-

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5365.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001and bearing No. Plot No. 52-A, Sector situated at Inderpuri, Bhopat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramesh chandra Khaira So Shri Devram Khaira R|o 94, Malviya Nagar, Bliopal,

(Transferor)

(2) (Minor) Kumari Devi Guha Do Shrimati Kumod Ranjan Guha, Ro 196, Inderpuri, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Plot No. 52, A-Sector, situated at Inderpuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Tahilya Bai Wd|o Late Shri Chellaramji R|o New A-8, Bairagarh (Bhopal, M.P.)

(Transferor)

(2) Smt. Parwati Bai Wo Shri Kauromal Ro New-B-8, Bairagarh (Bhopal, M.P.)

(Transferee ,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th November 1984

R.I. No. IAC|Acqn|Bpl|5366.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. No. 25,00- and bearing

Plot Nos. 42 and 48,

of transfer with the object of :-

situated at Near Sindhu Talkies, Bairagarh (Bhopal) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), that been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 42 and 48 situated near Sindhu Talkies, Bairagarh (Bhopal). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5367.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing Plot No. 22, A-Sector, situated at Inderpuri, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Fakhruddin Slo Shri Ali Mohammed, Clo J. K. Medical Hall, Chowk, Bhopal. (Transferor)

Shri Din Dayal Asari
 So Shri Malthulal Asari,
 Smt. Shakuntla Wo Nathuramji Asari,
 Bada Bhasehata,
 Chhatarpur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, in A-Sector situated in Inderpuri, Bhopal, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I.UCKNOW

Lucknow, the 5th September 1984

Ref. No. G. 1. R. No. D-49|Acq.—Whereas I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000'- and bearing No.
Part of House No. C-21|4 situated at Maldahiya,
Habibpura, Varanasi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of at Varanasi on 20-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any luccome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Usha Rani Alias Smt. Usha Ravisen
 Smt. Debika Rami Alias Smt. Debika Raman
 Smt. Sarita Rani Alias Smt. Sarita Agarwal (Transferor)

(2) Smt. Dhanni Bai

(3) Sellers

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house No. C-21|4, situated at Maldahiya, Habibpura, Varanasi, including land measuring 5655 sq. ft. registered on 20-3-1984 by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range. Lucknow

Date : 5-9-1384

S¢ai :